नववर्ष की पूर्व संध्या पर रिवर फ्रंट का लिया आनंद

रिवर फ्रंट का आनंद लेने पहुंचे बच्चे.

पूसा. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के समीप स्थित रिवर फ्रंट पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर छोटे-छोटे बच्चे व लोगों ने शीत लहर के बीच उत्साहपूर्वक भ्रमण किया. इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने लगाये गये वोट एवं झूला का आनंद लिया. नववर्ष को लेकर आने वाले आगंतुकों के लिए विश्वविद्यालय के सरस्वती गार्डन, जैविक उद्यान, संग्रहालय नवग्रह वन सहित अन्य स्थलों का भ्रमण करेंगे. नववर्ष पर बिहार के कई जिलों के लोग भ्रमण के लिए विवि आते हैं. थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी ने कहा कि नववर्ष पर पुलिस की पुख्ता व्यवस्था रहेगी.

प्रभात खबर
Mon, 01 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा अगले 3 जनवरी तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया कि पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्राय: साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
1 जनवरी	15	11
2 जनवरी	14	10
दरभंगा		
1 जनवरी	15	12
2 जनवरी	15	11
पटना		
1 जनवरी	17	13
2 जनवरी	16	13

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 01-01-24

48 घंटे से नहीं निकली धूप

पूसा। कड़ाके की ठंड व कनकनी से लोग बेहाल हैं। बीते कुछ घंटो में मौसम मे आये बदलाव ने ठंड प्रदेशो की याद ताजा कर दी। बीते करीब 48 घंटे से लोग धूप को तरस रहे हैं। पछुआ हवा कनकनी को लगातार बढ़ा रही है। आमलोग घरो में ठिठुरते जा रहे हैं। बचाव के लिए बिजली उपकरणों व कहीं-कहीं अलाव पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है। उनी कपड़ों की दुकानों पर खरीदारी बढ़ गई है।

Hindusta 01-01-24

कृषि विवि में की गई विशेष तैयारी

पूसा। नववर्ष को लेकर तैयारी जोरो पर है। आम से खास तक सभी नववर्ष के पहले दिन को यादगार बनाने के लिए जुट गये है। हर वर्ष डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि परिसर खास तौर पर पिकनिक स्पॉट बन जाता है। हजारो लोग विवि परिसर की अद्भूत छंटा को अपने कैमरे में कैद करने को बेताब रहते हैं। विवि प्रशासन ने भी परिसर को आकर्षक लुक देकर सजाया है। विवि मुख्यालय परिसर, जैव विविधता पार्क, चिल्ड्रेन्स पार्क, विवि का खेल मैदान, रीवर फ्रंट समेत कई अन्य स्थल पिकनिक के लिए लोग खास पसंद करते हैं। भीड़ को नियंत्रित रखने, शांति व सदभाव माहौल बनाने के लिए विवि व सामान्य प्रशासन ने भी कमर कस ली है।

Hindusta 01-01-24

उत्साह • परिवार व दोस्तों के साथ पिकनिक स्थलों पर पहुंचे लोगों में दिखा उत्साह, सड़क किनारे सजी सैकड़ों दुकानें

नव वर्ष को लेकर विवि के सरस्वती गार्डेन व रिवर फ्रंट पर पिकनिक मनाने को उमड़ी लोगों की भीड़

भास्कर न्यूज | पूसा

नव वर्ष पर प्रखंड क्षेत्र में काफी हर्ष और उल्लास का माहौल दिन भर देखने को मिला। इस मौकेपरलोगों ने खूब मस्ती की। खासकर पिकनिक मनाने कृषि विवि पूसा पहुंचे हजारों युवाओं का जोश और उत्साह तो देखते ही बन रहा था। दिन चढ़ने के साथ ही कृषि विविके सरस्वती गार्डेन और रिवर फ्रंट पर लोगों की भीड़ बढ़ती चली गई। समस्तीपुर के आसपास के जिलों से भी हजारों लोग अपने-अपनेपरिवार व दोस्तों के साथ विवि में पिकनिक मनानेपहुंचे तथा अपने-अपने अंदाज मेंनववर्षको जश्न के रूप में मनाया। रिवर फ्रंट पर कई लोग जहां झूले पर झूलते नजर आए। वहीं कई बूढ़ी गंडक नदी में बोटिंग करने में लगे थे। इसके अलावा रिवर फ्रंट पर कुछ लोग अपनेपरिवार के साथ खाना बनाकर खाने में भी व्यस्त दिखे। इधर विवि प्रशासन नेभी नववर्षपरपूसा पहुंचने वाले लोगों को आकर्षित करने के उद्देश्य से सरस्वती गार्डेन व रिवर फ्रंट को बेहतर तरीके से सजाया था। इसके अलावे शरारती तत्वोंपरनकेल कसने के लिए पूसा थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी अपने दल-बल के साथ मुस्तैदी से डटे थे।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद घूमने निकले लोग, बच्चों में दिखा अधिक उत्साह

पूसा विवि परिसर स्थित सरस्वती गार्डेन में नव वर्ष पर जुटे लोग।

पूसा में रिवर फ्रंट के पास झूला झूलते लोग।

ताजपुर में जल जीवन हरियाली पार्क में नव वर्ष पर पिकनिक मनाने वालों की रही भीड़

ताजपुर | प्रखंड क्षेत्र की रामापुर महेशपुर पंचायत स्थित जल जीवन हरियाली पार्क में सोमवार को नववर्ष के अवसर पर बच्चे, बूढ़े व महिलाओं ने देर शाम तक पिकनिक का आनंद उठाया। लोगों ने अपने परिवार के साथ मंदिरों में जाकर भगवान की पूजा अर्चना कर नववर्ष की मंगल कामना की। वहीं सुबह से ही जल जीवन हरियाली पार्क में पिकनिक मनाने के लिए लोगों का जमावड़ा लगने लगा था। प्रखंड क्षेत्र के अलावा मोरवा, सरायरंजन, पटोरी, पूसा आदि प्रखंड के लोगों ने पार्क में अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे। वहीं आदर्श जल संचयन स्वावलंबी सहकारी समिति के सदस्य एवं ताजपुर थाने की पुलिस सुबह से ही प्रशासनिक व्यवस्था में जुटे रहे। जाम की स्थिति नहीं बने इसके लिए पार्क तक पहुंचने वाली सड़क को खाली रखा गया था। बावजूद लोगों की अपार भीड़ के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। पार्क में बच्चों के मनोरंजन के कई तरह के झूला लगाया गया था। साथ ही चाय नाश्ते के लिए कई स्टॉल लगाया गया था। मनोरंजन के लिए पार्क में जगह जगह पर डीजे लगा था।

Dainik Bhaskar 02-01-2023

विवि प्रगति करें इसके लिए मिलकर काम करें

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति ।

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के परिसर में विवि कर्मियों के लिए नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पी एस पांडे ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले एक वर्ष में काफी तेजी से प्रगति की है। आने वाले वर्ष में हमारा विश्वविद्यालय और तेजी से प्रगति करें इसके लिए हमसबों को एक साथ मिलकर पूरी ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है। समारोह में विवि के सभी महाविद्यालयो के डीन ने अपने-अपने संस्थानों के उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की और अगले वर्ष की योजनाओं से कुलपति व अन्य वैज्ञानिकों को रूबरू कराया। कुलसचिव डा. मृत्यूंजय कुमार ने भी अपने विचार रखे।कार्यक्रम का आयोजन निदेशक छात्र कल्याण द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में निदेशक शिक्षा डा. पी के झा, निदेशक अनुसंधान डा. ए के सिंह, डा. अंबरीष कुमार समेत विभिन्न शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।

Dainik Bhaskar 02-01-2023

ठंड पर भारी पड़ा नववर्ष का उत्साह, लोगों ने जमकर उठाया लुत्फ

पूसा,संस : नव वर्ष का उत्साह लोगों को इस कदर चढ़ा कि भीषण ठंड का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मौसम के मिजाज को अनदेखी कर प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी काफी संख्या में पूसा पहुंचकर लोगों ने नव वर्ष का आनंद उठाया। डा राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर लोगों से पटा रहा। कहीं पर भोजन बनाया जा रहा था, तो कहीं पर लोग परिवार के साथ खुशियां मना रहे थे। डीजे के धुन पर नव वर्ष का स्वागत करने में लोग जुटे थे। विश्वविद्यालय के जैव विविधता पार्क, चिल्ड्रेन गार्डन एवं विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन परिसर पर्यटकों से पटा था। ज्ञात हो कि पूसा में

विश्वविद्यालय परिसर स्थित रिवर फ्रंट पर नव वर्ष का आनंद उठाते लोग

समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं दरभंगा सहित आसपास के क्षेत्र के लोग विश्वविद्यालय की सुंदरता एवं यहां के मनभावन गार्डन को देखने के लिए पहुंचते हैं। प्रकृति का सुंदर अहसास यहां लोगों को मिलता है। इस बार प्रशासनिक भवन से ज्यादा नए लुक में विश्वविद्यालय परिसर स्थित बूढ़ी गंडक के किनारे रिवर फ्रंट पर लोगों की जबरदस्त भीड़ दिखी। लोग नौका विहार का आनंद उठा रहे थे। वहीं बच्चे झूला आदि का आनंद ले रहे थे। प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह से चुस्त दिखी। विश्वविद्यालय में जगह-जगह ब्रेकर बनाए गए थे, ताकि कोई मोटरसाइकिल चालक स्पीड से दुपहिया न ना चला सके। थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी के नेतृत्व में पूसा के गढ़िया चौक, बिरौली चौक सहित विश्वविद्यालय चौक पर पुलिस की तैनाती गई थी, जो आने-जाने वालों पर पूरी पैनी नजर रख रही थी। इसके अलावा सादे लिवास में भी जगह-जगह पुलिस तैनात थी।

विश्वविद्यालय परिसर में नव वर्ष का आनंद उठाते लोग● जागरण

विश्वविद्यालय परिसर में नव वर्ष का आनंद उठाते लोग● जागरण

Dainik Jagran 02-01-24

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा अगले 3 जनवरी तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया कि पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्राय: साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
2 जनवरी	15	11
3 जनवरी	14	11
दरभंगा		
2 जनवरी	15	12
3 जनवरी	15	11
पटना		
2 जनवरी	17	13
3 जनवरी	16	13

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 02-01-24

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University

पूसा समस्तीपुर, बिहार – 848125 Pusa, Samastipur, Bihar-848 125

Employement Notice No.- RPCAU/06/2023 Date :30.12.2023

RECRUITMENT NOTICE FOR VARIOUS DISCIPLINES FOR THE POST OF ASSISTANT PFOFESSOR

Applications are invited from eligible candidates for the various disciplines for the post of Assistant Professor on direct basis.

Opening Date for submission of Online Applications	:	**30.12.2023 from 11:59:59 PM**
Last Date for submission of Online Applications	:	**20.01.2024 till 11:59:59 PM**

For more details kindly visit : www.rpcau.ac.in

Further, any addendum/ dedendum / corrigendum/ notices in respect to this advertisement shall be published on University Website only.

I/C Dy. Registrar (Rectt.)

Dainik Jagran 02-01-24

जिले में सामान्य से 9 डिग्री लुढ़का पारा, ठिठुरन से लोग लोग बेहाल

मौसम का मिजाज

- पछुआ हवा अभी और चलेगी, बढ़ेगी कनकनी
- दो दिनों तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना

पूसा, निज संवाददाता। हाड़ कंपाने वाली ठंड बरकरार है। नये साल के पहले दिन सोमवार को दिन के तापमान में और गिरावट रिकार्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार आज का तापमान 14.3 डिग्री से.रहा। जो सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस कम है।

जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम व न्यूनतम तापमान के बीच की दूरी महज 3 डिग्री सेल्सियस रही। इससे दिन भर ठंड से लोग कांपते रहे।

पछुआ हवा कनकनी को और बढ़ा रही है। हलांकि नये वर्ष के जोश में लोग ठंड को दरकिनार कर घूमने निकल गये। इस दौरान तीसरे दिन भी लोग धूप को ले तरसते रहे। दूसरी ओर बादल के कारण दिन भर शाम सा नजारा रहा। एक ओर ठंड से लोग बेहाल हैं। तो दूसरी ओर धूप नहीं आने से लोगों खासकर महिलाओं के कई घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं। खासकर छोटे बच्चे वाले परिवार वालो को कपड़ा सुखाना मुश्किल हो रहा है। ठंड से बचाव को लेकर लोग अलाव व विधुत उपकरणों से चिपके रह रहे हैं। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए.सत्तार ने बताया कि अगले दो दिनों तक लगभग यही स्थिति रह सकती है। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकता है। पछुआ हवा चलेगी। जिससे कनकनी बढ़ने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है। इधर ठंड बढ़ने से किसान राहत महसूस कर रहे हैं।

कोहरे के कारण ट्रेनें लेट से चल रही हैं। स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

जनजीवन पर पड़ रहा ठंड का असर

समस्तीपुर,। ठंड का कहर तीसरे दिन भी जारी रहा। सुबह से आसमान में जहां बादल छाये रहे वहीं पछिया हवा से लोग कांपते रहे। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ। जिन्हें जरूरी काम था वे ही बाहर निकल सके। जो बाहर निकले भी वे अपने को पूरी तरह गर्म कपड़ों में समेटे हुए थे। कई जगह ठंड के असर को गम करने के लिए लोगों ने अलाव का भी सहारा लिया।

Hindustan 02-01-24

नये साल का स्वागत. घड़ी की सूई 12 पर पहुंचते ही शहर में खूब हुई आतिशबाजी, झूम उठे लोग

12 बजते ही जिला बोला हैप्पी न्यू ईयर

झूम उठा शहर

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

रात के 12 बजे ही जिला बोल उठा हैप्पी न्यू ईयर. वहीं रात के बजे शहर में खूब आतिशबाजी शुरू हो गयी. लोग एक दूसरे को मोबाइल पर हैप्पी न्यू ईयर बोलने लगे. वहीं, व्हाट्सएप मैसेज, फेसबुक मैसेन्जर के जरिये भी नव वर्ष की शुभकामनाएं दी जाने लगी. इस अवसर पर जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया. अहले सुबह से लोग लोग मंदिरों में पहुंच पूजा अर्चना करने लगे. शहर के काशीपुर चौक स्थित हनुमान मंदिर में अष्टयाम महायज्ञ का आयोजन किया गया. इसमें महिलाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया.

अष्टयाम की समाप्ति के बाद महिलाओं की टोली के द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति कर आसपास के माहौल को भक्तिमय बना दिया. दूसरी ओर लोग जगह-जगह पहुंच पिकनिक मनाने में जुट गये. शहर के होटलों में नया वर्ष का जश्न मनाने लोग पहुंचते रहे. शहर के होटलों व रेस्टोरेंटो को नये वर्ष को लेकर करीने से सजाया गया था.

शाकाहारी व मांसाहारी के कई प्रकार के लजीज डिश तैयार किये गये थे. होटलों व रेस्टोरेंटों में भीड़ के कारण लोगों को अपनी बारी के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही थी. बड़ी संख्या में लोगों ने पार्सल भी आर्डर कर अपने घर पर मंगाकर नये वर्ष का आनंद उठाया. युवाओं में नये वर्ष को लेकर खासा उत्साह दिख रहा था. युवा टोली बनाकर पिकनिक मना रहा थे. वहीं शहर की सड़कों पर पैदल व बाइक से टोली में घूमते दिखे. शहर में पिकनिक के लिए माकूल जगह नहीं होने के बाद भी लोगों ने नया वर्ष का खूब आनंद उठाया. कई जगहों पर लोग गैस चूल्हा, बर्तन आदि लेकर पिकनिक मनाने पहुंचे. जहां अपना मनचाहा डिश बनाकर नया साल का लुत्फ उठाया. पिकनिक स्थलों पर युवा वर्ग म्यूजिक सिस्टम बजाकर डांस करते भी दिखे. बाजार में नया वर्ष को लेकर अधिसंख्य दुकानें व प्रतिष्ठान बंद रहे.

पार्क में नववर्ष का आनंद उठाते लोग.

नववर्ष का आनंद लेने पहुंचे बच्चे.

शीत लहर के बीच पिकनिक मनाने पूसा पहुंचे लोग, जमकर उठाया आनंद

पूसा. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर में लोगों ने शीत लहर के बीच नववर्ष का आनंद उठाने पूसा पहुंचे. जैव विविधता पार्क, चिल्ड्रन गार्डन एवं विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन परिसर में सरस्वती गार्डन सहित रिवर फ्रंट में अपना आनंद उठाया. छोटे बच्चे एवं बाहर से आये छात्रों ने भ्रमण करते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों पर लगाये गये पौधों को देखते हुए जानकारी भी ली. परिवार के साथ आये हुए पर्यटकों ने खाना भी बनाया. विश्वविद्यालय के जैव विविधता पार्क, चिल्ड्रन गार्डन एवं विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन परिसर में भी विभिन्न पार्कों में पर्यटकों ने आनंद लिया. घूमने के लिए समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों को विश्वविद्यालय की सुंदरता एवं गार्डन के लुभावने चित्र आकर्षण का केंद्र रहा. इस बार प्रशासनिक भवन से ज्यादा लोगों की भीड़ विश्वविद्यालय परिषद स्थित बूढ़ी गंडक नदी के किनारे रिवर फ्रंट पर देखी गई. जहां पर बच्चों ने झूला, रेलगाड़ी व नाव का आनंद लिया. इधर, भीड़ को देखते हुए बोस कंपनी, गढ़िया चौक व चौराहा पर पुलिस तैनात थी. मॉनीटरिंग थाना अध्यक्ष चंद्रकांत गौरी कर रहे थे. इस मौके पर एसआई उमेश कुमार मंडल, विपिन राय, अनुज चौधरी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे.

चौकस पुलिस प्रशासन.

पार्क में नववर्ष पर पहुंचे लोग.

तेज प्रगति के लिए प्रयास करेंगे: डॉ पांडेय

समारोह में उपस्थित वैज्ञानिक.

संबोधित करते कुलपति.

प्रतिनिधि, पूसा

- विश्वविद्यालय में मिलन समारोह का किया गया आयोजन

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पार्क में नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन हुआ. समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले एक वर्ष में तेजी से प्रगति की है. आने वाले वर्ष में विश्वविद्यालय के कार्य में और तेजी से प्रगति हो इसके लिए सभी को प्रयास करना है. महाविद्यालयों के अधिष्ठाता ने अपनी उपलब्धियों के विषय में विस्तार से चर्चा की. अगले वर्ष की योजना के बारे में बताया. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने भी अपने विचार को रखा. कार्यक्रम का आयोजन निदेशक छात्र कल्याण द्वारा किया गया था. मिलन समारोह के समापन के बाद कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से लगाये गये बिक्री केंद्र में रखे सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बनाये गये मरुआ के लड्डू, आंवला के व्यंजन परिधान व शहद, जेगरी, फल, सब्जियों के पौधों, बीज एवं मशरूम व उससे बने उत्पाद का अवलोकन किया. जिसे बिहार के कई जिलों से नव वर्ष पर पहुंचे लोगों ने खरीदा. कार्यक्रम में निदेशक शिक्षा डॉ पीके झा, निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, अधिष्ठाता डॉ अंबरीष कुमार, डॉ उषा सिंह, डॉ पीपी श्रीवास्तव, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा समेत शिक्षक व वैज्ञानिक उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Tue, 02 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74247884

अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस नीचे खिसका

- ठंड से ठिठुर रहे लोग, प्रशासन ने 105 जगहों पर जलवाया अलाव

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

पिछले तीन दिनों से जिले में ठंड का कहर लगातार जारी है. तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है.डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा जारी तापमान के मुताबिक सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा.आज अधिकतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है. वहीं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा. आज का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. एक ओर लोगों में जहां नये साल के आगवन का जोश था, वहीं दूसरी ओर शीत लहर का प्रकोप उन्हें सता रहा था..शाम में शीत लहर का प्रकोप और अधिक बढ़ गया. तापमान में हर दिन गिरावट दर्ज की जा रही है. रविवार को न्यूनतम तापमान जहां सामान्य से सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस अधिक था, वहीं आज न्यूनतम तापमान गिरकर सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा.ऊपर से पछिया हवा लोगों को सताती रही.पूरे दिन लोग घरों में रजाई व कंबल में लिपटे रहे. वहीं हीटर व ब्लोअर चलाकर ठंड से बचने की कोशिश में जुटे रहे.ठंड को देखते हुये जिला प्रशासन के द्वारा 105 जगहों पर अलाव की व्यवस्था की गयी है.अलाव के लिये 1750 किलोग्राम जलावन का उपयोग किया गया है.वहीं शीतलहर के प्रकोप से जिले में 8659 लोग प्रभावित रहे.विभाग के द्वारा अलाव को लेकर छह लाख रुपये आवंटित किये गये हैं. अबतक अलाव पर 17500 रुपये खर्च किये गये हैं. तीन रैन बसेरा संचालित है.30 लोग रैन बसेरों में आश्रय लिये हुये हैं. ठंड के कारण दिहाड़ी मजदूरों, खेतहर मजदूरों, रिक्शा व ठेला चालकों, आश्रय हीन लोगों को बहुत परेशानी हो रही है. पशुपालकों को भी परेशानी का सामाना करना पड़ रहा है. वहीं बाइक से चलने वालों को ठंड और अधिक सता रही है.

प्रभात खबर Tue, 02 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74250262

डीआरपीसीएयू में नव वर्ष मिलन समारोह आयोजित

समस्तीपुर। डाक्टर राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय .षि विश्वविद्यालय पूसा में नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले एक वर्ष में तेजी से प्रगति की है, आने वाले वर्ष में विश्वविद्यालय में और तेजी से प्रगति हो इसके लिए प्रयास करना है। समारोह में सभी महाविद्यालयो के डीन ने अपनी उपलब्धियों के विषय में विस्तार से चर्चा की और अगले वर्ष की योजनाओं के बारे में बताया। कुलसचिव डा मृत्यूंजय कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक छात्र कल्याण द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में निदेशक शिक्षा डा पी के झा, निदेशक अनुसंधान डा ए के सिंह, डा अंबरीष कुमार, समेत विभिन्न शिक्षक एवम वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
2/1/2025

Times of India - 02-01-24-P-5

DR. RAJENDRA PRASAD CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

Pusa, Samastipur, Bihar - 848125

Employement Notice No.: RPCAU/06/2023 Date: 30.12.2023

Recruitment Notice to various Disciplines for the post of Assistant Professor

Applications are invited from eligible candidates for the various disciplines for the post of Assistant Professor on direct basis.

Opening Date for submission of Online Applications: 30.12.2023 from 11:59:59 PM

Last Date for submission of Online Applications: 20.01.2024 till 11:59:59 PM

For more details kindly visit: **www.rpcau.ac.in**

Further, any addendum/dedendum/corrigendum/ notices in respect to this advertisement shall be published on University Website only.

I/C Dy. Registrar (Rectt.)

कार्यक्रम • डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित पंचतंत्र सभागार में प्रशिक्षण शिविर

औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती किसानों के लिए है काफी लाभकारी : डॉ. एसके सिंह

भास्कर न्यूज | पूसा

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित पंचतंत्र सभागार में औषधीय व सुगंधित पौधों के उत्पादन, प्रोसेसिंग और मूल्यवर्धन के विषय पर बिहार के विभिन्न जिलों से पहुंचे किसानों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्लांट पैथोलॉजी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संजय कुमार सिंह व अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. एसके सिंह ने कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती किसानों के लिए अत्यंत ही लाभकारी खेती है। औषधीय एवं सुगंधित पौधों की मांग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी साल दर साल बढ़ती जा रही है। औषधीय व सुगंधित पौधों के उत्पादन, प्रोसेसिंग व इसके मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में किसानों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।उन्होंने कहा कि कोरोना काल से आयुर्वेद दवाओं का प्रचलन लोगो के बीच बहुत अधिक बढ़ गया है। औषधीय पौधों से बने दवाओं के सेवन से मानव शरीर पर कोई विपरीत प्रभाव भी देखने को नही मिलता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती सभी तरह के अन्य फसलों के साथ संभव नहीं हो पा रही है चूंकि निर्धारित तापक्रम प्राकृतिक खेती में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मौजूदा समय में पर्यावरण में भयंकर परिवर्तन हुआ है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किसानों को जलवायु अनुकूल पौधों को चयनित कर उसकी खेती करने की आवश्यकता है। ऐसा करने से किसानों को जहां लागत कम आएगी व आमदनी भी बढ़ेगी।

प्रशिक्षण में किसानों को दी गई उन्नत तकनीक से खेती करने की जानकारी

पूसा कृषि विवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. एसके सिंह।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद किसान।

तापमान में अचानक उतार चढ़ाव फसलों को करता है प्रभावित

उन्होंने कहा कि तापक्रम का अचानक उतार चढ़ाव सभी तरह के फसलों को काफी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों में रोग का प्रबंधन ससमय करना बहुत ही जरूरी होता है। औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती के दौरान किसान इस बात का ध्यान रखें कि खेतों में लगाया जाने वाला पौधा व बीज हरगिज रोगग्रस्त न हो। रोगग्रस्त पौधों से अच्छा फसल उत्पादन कदापि नही प्राप्त किया जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को औषधीय पौधों की खेती के दौरान औषधीय पौधों में रोग की पहचान कर वास्तविक समय से ही उस रोग का प्रबंधन करना पड़ता है। प्रसार शिक्षा निदेशक डा. एमएस कुंडू ने कहा कि किसी भी प्रशिक्षण में ज्ञान अर्जन मोटीवेशन के आधार पर होता है।

Dainik Bhaskar 03-1-2023

कार्यक्रम • पूसा स्थित कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की ओर से किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

प्रशिक्षणार्थी अपने क्षेत्र के किसानों को भी कृषि यंत्रों के रखरखाव की दें जानकारी

उन्नत तकनीक वाले कृषि उपकरणों की मदद से कम समय में अधिक उत्पादन व लाभ कमा सकते हैं किसान, कृषि वैज्ञानिक भी कर रहे मदद

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कांफ्रेंस हॉल में कृषि यंत्रों की मरम्मतीकरण के विषय पर किसानों के लिए 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विवि के प्रबंध बोर्ड के सदस्य जयकृष्ण झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयकृष्ण झा ने कहा की प्रशिक्षु कृषि यंत्रों के मरम्मत का प्रशिक्षण प्राप्त कर न सिर्फ अपने कृषि यंत्रों का बेहतर रखरखाव कर पाएंगे बल्कि अपने अपने क्षेत्र के किसानों को भी कृषि यंत्रों के रखरखाव की जानकारी देकर उनके बीच एक आदर्श स्थापित कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सत्र में मनोयोग से ज्ञान अर्जित कर कुछ नया सीखने की जरूरत है तथा संकल्प लेकर योग्य प्रशिक्षण प्राप्त करके ही वापस कार्य पर जाने की आवश्यकता है। स्वागत भाषण करते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. अम्बरीष कुमार ने कहा की राज्य सरकार के लक्ष्य के अनुसार विवि के द्वारा कुल 21 प्रशिक्षणों के माध्यम से अब तक 525 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से खासकर बिहार के पांच जिलों के चयनित प्रतिभागी को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी पंचायत में एक-एक प्रशिक्षण प्राप्त ट्रेंड मैकेनिक रहने की जरूरत है। कृषि यंत्रों की रिपेयरिंग का ट्रेनिंग लेकर अब किसान एडवांस टेक्नोलॉजी आधारित कृषि उपकरणों की खरीदारी करके खेती को अधिक लाभकारी बना सकते हैं।

कृषि यंत्रों की खरीद पर सरकार भी कर रही मदद, योजनाओं की जानकारी किसानों को दें

पूसा में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते जयकृष्ण झा।

कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षणार्थी।

ज्यादा से ज्यादा किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाएं

जिला कृषि पदाध कारी दिनकर प्रसाद सिंह ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि यंत्र अनुद ानित दर पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि 110 कृषि यंत्रों को अनुदान की योजना में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रों में खराबी आना लाजमी है। किसानों के घर पर कई छोटे छोटे यंत्र मरम्मती के अभाव में फेंक दिए जाते है। बिहार सरकार इस बार सीधे कंपनी से कृषि यंत्रों की खरीदारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समस्ि पुर जिले में 22 कस्टम हायरिंग केंद्र संच लित किये जा रहे है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नंदिता और धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ. पीके प्रणव ने किया। इस प्रशिक्षण में बिहार के विभिन्न जिलों से पहुंचे कुल 25 किसानों ने हिस्सा लिया। मौके पर डा. पीडी शर्मा आदि थे।

मानव श्रम महंगा, इसलिए मशीनीकरण की जरूरत

मानव श्रम महंगा हो गया है इसलिए मशीनीकरण की जरूरत है। कृषि मशीनीकरण के क्षेत्र में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के उपरांत अपने अपने पंचायतों में जाकर वर्कशॉप खोलते हुए क्षेत्र के कृषि यंत्रों का मरम्मती कार्य कर अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रों को बढ़ावा देने के लिए दो एफपीओ एवं दो कस्टम हायरिंग सेंटर भी फिलहाल क्रियाशील है। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. एस कुंडू ने कहा की खासकर नुकसान होने वाले छोटे-छोटे कृषि यंत्रों पर भी किसानों को ध्यान देने की जरूरत है। निदेशक अनुसंधान डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा की किसानों को नवीनतम प्रभेद व उन्नत तकनीकों को अपनाएं।

Dainik Bhaskar 03-1-2023

मौसम • अधिकतम व न्यूनतम तापमान में होगी वृद्धि, 2 से 3 किलोमीटर की रफ्तार से चलेगी पछिया हवा

आसमान में छाए रहेंगे हल्के बादल, 6-7 को पूर्वी जिलों में बूंदाबादी की संभावना, तापमान में सुधार के आसार

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छा सकते हैं। पूर्वी जिले में 6-7 जनवरी के आसपास कहीं-कहीं हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। अन्य जिलों में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने की भी संभावना है। इसके चलते अधिकतम तापमान 18-20 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस अवधि औसतन 2 से 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मुख्य रूप से पछिया हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

कुहासे के बीच लाइट जलाकर जाती गाड़ियां।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा विभाग पूसा व भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से 03-07 जनवरी के मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 16.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस की अधिकता के साथ 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसंड 48 ईसी/1 मिली प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकाई-गुड़ाई करें।

55 से 60 दिनों की फसल में करें सिंचाई

नवम्बर माह के शुरू में बोयी गई रबी मक्का की फसल जी 55 से 60 दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें। मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडियां कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुंच जाती है। तने के गुद्दे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। जिससे मध्य कलिका मुरझाई नजर आती है जो बाद में सुख जाती है। एक ही पौधे में कई सूंडियां मिलकर पौधे को खाती है। इस प्रकार फसल को यह काफी नुकसान पहुंचाती है। उपचार हेतु फसल में फोरेट 10 जी या कारबोफ्यूरोन 3 जी का 7-8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा दें।

*उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल छाने की सम्भावना हैं। इस अवधि में अधिकतम तापमान 18-20 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान 2-3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। – **डॉ. ए सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

Dainik Bhaskar 03-1-2023

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार – 848125

Employment Notice No.: RPCAU/06/2023 Date : 30.12.2023

Recruitment Notice to various Disciplines for the post of Assistant Professor

Applications are invited from eligible candidates for the various disciplines for the post of Assistant Professor on direct basis.

Opening Date for submission of Online Applications: 30.12.2023 from 11:59:59 PM

Last Date for submission of Online Applications: 20.01.2024 till 11:59:59 PM

For more details kindly visit: **www.rpcau.ac.in**

Further, any addendum / dedendum / corrigendum / notices in respect to this advertisement shall be published on University Website only.

I/C Dy. Registrar (Rectt.)

Dainik Bhaskar 03-01-2023

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा अगले 5 जनवरी तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया कि पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अत्यधिक ठंड से हल्की निजात मिलने की संभावना है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
3 जनवरी	16	08
4 जनवरी	17	10
दरभंगा		
3 जनवरी	16	08
4 जनवरी	17	10
पटना		
3 जनवरी	18	10
4 जनवरी	19	12

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 03-01-2024

औषधीय पौधों की खेती से कम लागत में बेहतर मुनाफा

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि व अन्य • जागरण

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र भवन के सभागार में मंगलवार को औषधीय एवं सुगंधित पौधे का उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें मधुबनी, खगड़िया, बेगूसराय, सीवान, समस्तीपुर सहित कई जिलों के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। उद्घाटन करते हुए स्नातकोत्तर पादप रोग विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा. एस के सिंह ने औषधीय पौधे की खेती को बदलते जलवायु के अनुकूल बताते हुए कम लागत की खेती बताया। कहा कि मनुष्य के स्वास्थ्य लिए यह पौधा लाभकारी है। उन्होंने इसके उत्पादन पर प्रसंस्करण में अपार संभावनाओं को व्यक्त किया। कहा कि पर्यावरण के संतुलन में इसकी भूमिका अहम है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को जमीनी स्तर पर उतारने और किसानों के बीच साझा करने की अपील की। प्रशिक्षुओं को किसान व संस्थान का सेतु बताते हुए कहा कि किसानों को क्षेत्र व जलवायु अनुसार जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने फसल के उत्पादन में एक निश्चित तापमान की जानकारी दी।

Dainik Jagran 03-01-2024

औषधीय पौधों की खेती समय की मांग

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के पौधा रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके सिंह ने कहा कि मौसम के बदलते परिवेश व लोगों के बेहतर भविष्य के लिए औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती व उसका मूल्य संवर्द्धन समय की मांग है। इसके लिए किसानों को जागरूक करने की जरूरत है। इसमें कृषि विभाग के प्रसार कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है। प्रसार कार्यकर्ता, सरकार, विवि व किसानो के बीच सेतू का कार्य कर सकते हैं।

वे मंगलवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में राज्य के कई जिलो से आये बीटीएम, एटीएम कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

मंगलवार को कृषि विवि में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष।

मौका था औषधीय और सुगंधित पौधों के उत्पादन, प्रसंस्करण कर मूल्यवर्धन विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का।

उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों की महत्ता आम लोग कोरोना काल में देख चुके हैं। यह मनुष्य के शरीर को बगैर नुकसान पहुंचाये लाभ पहुंचाने में सहायक होता है। कहा कि यह नेचुरल फार्मिंग के लिए काफी उपयुक्त है।

उन्होंने इसके लिए समूह बनाकर कार्य करने एवं मार्केट की जानकारी लेकर छोटे रकवे से खेती की शुरुआत करने की अपील की। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने कहा प्रशिक्षुओं को इसके महत्व को समझने की जरूरत है। मौके पर डॉ. दिनेश कुमार ने भी संबोधित किया। संचालन उपनिदेशक डॉ. अनुपमा कुमारी ने किया।

Hindustan 03-01-2024

कृषि

कृषि विवि में कृषि यंत्रों के रखरखाव व मरम्मत पर 30 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, युवाओं को होगा फायदा

रोजगार सृजन में कृषि यंत्र प्रशिक्षण लाभकारी : जयकृष्ण

- यंत्रों का रखरखाव सीखने से बचेंगे पैसे
- किसानों को खेतीबाड़ी में मिलेगा सहयोग

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के प्रबंध बोर्ड के सदस्य जयकृष्ण झा ने कहा कि कृषि यंत्रो के रखरखाव व मरम्मत किसानों की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। इसके निदान की दिशा में सरकार की पहल किसानो को राहत देने के साथ रोजगार सृजन में सहायक होगी। वे मंगलवार को विवि के कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय के सभागार में वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय से आये प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मौका था कृषि यंत्रों के रखरखाव व मरम्मत विषय पर 30 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। डीएओ दिनकर प्रसाद ने कहा कि 110 कृषि यंत्रों पर किसानों को अनुदान दिये जा रहे है। जिसके तहत 748 किसानो को इस वर्ष परमिट दी गई है। उन्होंने कहा कि जिले में 22 कस्टम हायर सेंटर बनाये गये हैं। साथ ही पैक्सों को इस सुविधा में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के अलावा यंत्र निर्माताओं के साथ जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। निदेशक अनुसंधान डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि खेती में गुणवत्तायुक्त बीज व कृषि यंत्रो की भूमिका अहम है। यह प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं के साथ किसानो के लिए लाभकारी होगा। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि कृषि यंत्रो के बेहतर रखरखाव से उसकी लाईफ काफी बढ़ जाती है। इसके लिए छोटे-छोटे टिप्स को निरंतर अपनाने की जरूरत है। डीन डॉ. अम्बरीश कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर कृषि यंत्रो की मरम्मत व रखरखाव में यह प्रशिक्षण काफी लाभकारी साबित होगा। इस प्रशिक्षण का मूल मंत्र रोजगार के साथ आर्थिक समृद्धि है। कहा कि अब तक 5 जिलो के 21 प्रशिक्षण के माध्यम से 525 प्रशिक्षुओं को इस महाविद्यालय से प्रशिक्षित किया गया है। संचालन डॉ. नंदिता मिश्रा एवं धन्यवाद विभागाध्यक्ष डॉ. पीके प्रणव ने किया। मौके पर कृषि उपनिदेशक ऋषु कुमार, संजय कुमार, डॉ. अवध पटेल, डॉ.मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. क्रांति कुमार, ई.मनोरंजन कुमार, डॉ. एसके पटेल आदि मौजूद थे।

कृषि अभियंत्रण कॉलेज में दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते अतिथि।

Hindustan 03-01-2024

दिन के तापमान ने 15 वर्षों का रिकार्ड तोड़ा, बढ़ेगी ठंड

- सामान्य से 5 डिग्री से.कम रहा दिन का तापमान
- फिलहाल मौसम शुष्क रहने का जताया अनुमान

पूसा, निज संवाददाता। ठंड का कहर मंगलवार को भी जारी रहा। सुबह से घने कुहासे के बीच कनकनी बरकरार रही। करीब 4 दिनों दोपहर में निकली हल्की धूप ने लोगों को राहत पहुंचाया। कुछ घंटों की राहत के बाद ही ठंड अपने पुराने तेवर में दिखा।

इस दौरान पछुआ हवा ठंड को और बढ़ा रही थी। मंगलवार को दिन का तापमान हल्की राहत के साथ 16.5 डिग्री पर रहा। जो सामान्य से 4.7 डिग्री कम है। लेकिन न्यूनतम तापमान में अचानक गिरावट के साथ 7.4 डिग्री रिकार्ड किया। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार के दिन के तापमान ने करीब 15 वर्षों के रिकार्ड को तोड़ दिया। इससे पूर्व वर्ष 2010 में दिन का तापमान 17.4 एवं 2012 में 17.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 7 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है।

Hindustan 03-01-2024

अधिकतम व न्यूनतम तापमान में वृद्धि के आसार

समस्तीपुर . डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 03 से 07 जनवरी 2024 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छा सकते है. बेगूसराय जिला में 6-7 जनवरी के आसपास कहीं-कहीं हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है. अन्य जिलों में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है. अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में पूर्वानुमानित अवधि में वृद्धि होने की संभावना है. जिसके चलते अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है. औसतन 2 से 3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है. आज का अधिकतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक रहा. वहीं, न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक रहा.

प्रभात खबर
Wed, 03 J
https://e

अर्जित ज्ञान को जमीनी स्तर पर उतारें किसान : डॉ सिंह

प्रशिक्षण का उद्घाटन करते अतिथि .

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र भवन के सभागार में औषधीय एवं सुगंधित पौधे का उत्पादन, संस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की गयी. इसमें मधुबनी, खगड़िया, बेगूसराय, सीवान, समस्तीपुर सहित कई जिलों के एटीम व बीटीएम ने हिस्सा लिया. मुख्य अतिथि स्नातकोत्तर पादपरोग विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ एस के सिंह ने उद्घाटन करते हुए कहा कि औषधीय पौधे की खेती को बदलते जलवायु के अनुकूल व कम लागत की खेती बताया. उन्होंने कहा कि मनुष्य के स्वास्थ्य लिए यह पौधा लाभकारी है. इसके उत्पादन पर संस्करण में अपार संभावना है. पर्यावरण के संतुलन में इसकी भूमिका अहम होती है. उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को जमीनी स्तर पर उतरें. किसानों के बीच साझा करें. उन्होंने फसल के उत्पादन में एक निश्चित तापमान की जानकारी दी. अन्य फसलों में लगने वाले रोग एवं उसके बचाव की भी जानकारी दी. निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एमएस कुंडू ने विषय से जुड़ी बातों को रखा. संचालन करते हुए उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ अनुपमा ने कहा कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा. मौके पर डॉ दिनेश, मुखदेव यादव आदि प्रशिक्षु उपस्थित थे

सहारा - 03-01-24 P-03

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University

पूसा, समस्तीपुर - 848 125 (बिहार)
Pusa, Samastipur, Bihar -848125

Employement Notice No.: RPCAU/06/2023
Date: 30.12.2023

Recruitment Notice to various Disciplines for the post of Assistant Professor

Applications are invited from eligible candidates for the various disciplines for the post of Assistant Professor on direct basis.

Opening Date for submission of Online Applications: 30.12.2023 from 11:59:59 PM
Last Date for submission of Online Applications: 20.01.2024 till 11:59:59 PM

For more details kindly visit: www.rpcau.ac.in
Further, any addendum/dedendum/corrigendum/notices in respect to this advertisement shall be published on University Website only.

I/C Dy. Registrar (Rectt.)

सहारा-03-01-24 P-3

औषधीय एवं सुगंधित पौधे का उत्पादन, संस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

समस्तीपुर/पूसा (एसएनबी)। जिले के पूसा स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र सभागार में औषधीय एवं सुगंधित पौधे का उत्पादन, संस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर आधारित मधुबनी, खगड़िया ,बेगूसराय ,सिवान, समस्तीपुर सहित कई जिलों के ए टीम बीटी म के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन व अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता के साथ आरंभ प्रशिक्षण सत्र के मुख्य अतिथि स्नातकोत्तर पादप रोग विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ एसके सिंह ने प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन करते हुए औषधीय पौधे की खेती को बदलते जलवायु के अनुकूल एवं कम लगत की खेती बताया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के स्वास्थ्य लिए ये पौधे लाभकारी है। उन्होंने इसके उत्पादन पर संस्करण में अपार संभावनाओं को व्यक्त किया ।

उद्घाटन करते अतिथि व अन्य।

पिछले दो-तीन दिनों से दिन और रात का तापमान सामान्य से कम, फसल में परेशानी

तापमान में हो रहा वैरिएशन, फसलों में पानी दें

वैज्ञानिक सलाह

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

पिछले दो-तीन दिनों से दिन और रात का तापमान, सामान्य तापमान से कम बना हुआ है. इसका कुप्रभाव फसलों पर पड़ने की संभावना है. डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने किसानों को इसके कुप्रभाव से बचने के लिए खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करने की सलाह दी है. कहा है कि किसान आलू, गाजर, मटर, टमाटर, धनिया तथा लहसुन में झुलसा रोग की निगरानी करें. इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारे व सिरे से झुलसना प्रारंभ हो जाता है, जिसके कारण पूरा पौधा झुलस जाता है. इस रोग के लक्षण दिखने पर 2.5 ग्राम डाइथेन एम-45 फफूंद नाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रूप से फसल पर छिड़काव करें. विलंब से बायी गयी गेहूं की फसल, जो 21 से 25 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिंचाई करें. 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें. गेहूं की बोआई के 30 से 35 दिनों के बाद की अवस्था, जिसमें पहली सिंचाई के बाद कई प्रकार के खर-पतवार उग आते हैं. इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है. ये गेहूं की बढ़वार को प्रभावित करते हैं. जिससे उपज प्रभावित होता है. इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फ्युरॉन 33 ग्राम प्रति हेक्टेयर एवं मेटसल्फ्युरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें.

नवम्बर के शुरू में बोयी गयी मक्का की फसल की करें निगरानी, नहीं तो कीड़ों का होगा प्रकोप

नवम्बर के शुरू में बोयी गयी रबी मक्का की फसल जो 55 से 60 दिनों की अवस्था में है. इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ाएं. मक्के की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें. इसकी सूडिया कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुंच जाती है. तने के गुदे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है. जिससे मध्य कलिका मुरझायी नजर आती है जो बाद में सुख जाती है. एक ही पौधे में कई सूडिया मिलकर पौधे को खाती है. इस प्रकार फसल को यह काफी नुकसान पहुंचाती है. उपचार की फसल में फोरेट 10 जी या कार्बाफ्युरॉन 3 जी का 7-8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा दें. फसल में अधिक नुकसान होने पर डेल्टामिथ्रिन 250-300 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें. बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव के लिए ग्रसित तना एवं फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें. यदि कीट की संख्या अधिक हो, तो स्पिनोसेड 48 इसी प्रति 1 मिली प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.

आगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें

सब्जियों वाली फसल में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें. आगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें. इस रोग में पत्तियों, फलों व तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है. इस रोग से बचाव के लिये फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिली लीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें. पिछात बोयी गयी आलू की फसल से खरपतवार निकालें और आवश्यकतानुसार सिंचाई करें. आलू में झुलसा रोग की निगरानी नियमित रूप से करें. प्याज की रोपाई पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15 सेमी पौध से पौध की दूरी 10 सेमी पर करें. तापमान में लगातार गिरावट के कारण दुधारु पशुओं के दूध उत्पादन में आयी कमी को दूर करने के लिए हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलाएं. बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें.

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा अगले 5 जनवरी तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया कि पूर्वानुमान की अवधि मे उत्तर बिहार के जिलों में अत्यधिक ठंड से हल्की निजात मिलने की संभावना है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
4 जनवरी	20	08
5 जनवरी	21	10
दरभंगा		
4 जनवरी	20	08
5 जनवरी	21	10
पटना		
4 जनवरी	23	11
5 जनवरी	24	10

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 04-01-2024

कोहरा छंटते ही गुनगुनी धूप ने दी राहत, शाम होते ही कनकनी बढ़ी

गर्म कपड़ों में महिलाएं ● जागरण

जासं, समस्तीपुर: नए साल में बुधवार को पहली बार चटख धूप निकलने से लोगों को पूरे दिन ठंड से काफी राहत मिली। लोग धूप सेंकने के लिए छतों व खुले स्थानों पर निकल आए। धूप देखकर बच्चे खुश नजर आ रहे थे। शाम होते ही गलन बढ़ने से एक बार फिर लोग घरों में दुबक गए। पिछले कुछ दिनों से मौसम में उतार चढ़ाव का क्रम जारी है। बुधवार की सुबह की शुरुआत बेहद सुहानी रही। तड़के कोहरा छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ ही आसमान से छाए कोहरे के बादल छंट गए। सूरज के दर्शन हुए। चटक धूप से दिन का स्वागत हुआ। पिछले अन्य दिनों की अपेक्षा बुधवार को दिन में सूरज का तेवर कुछ तल्ख था। घरों में ठंड से सिकुड़ रहे लोग धूप सेंकने के लिए लोग छतों व खुले स्थानों पर निकल आए। धूप देखकर बच्चे खुश नजर आ रहे थे। शाम होते ही एक बार फिर ठंड ने जकड़ लिया। रात में लोगों को हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सामना करना पड़ा। दिन ढलते के साथ ही आसमान में कोहरा छा गया। इसके कारण रात में सड़कों पर दृश्यता कम नजर आई। वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि मंगलवार को अधिकतम तापमान 16.5 और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था।

ठंड से सर्दी-खांसी के बढ़े मरीज : सर्दी के मौसम ने जिले को अपने गिरफ्त में ले चुका है। ठंड बढ़ने से लोगों की परेशानी भी बढ़ने लगी है। बुधवार को भी सदर अस्पताल में काफी संख्या में मरीज पहुंचे। वायरल बुखार, सर्दी-खांसी सहित अन्य बीमारी से ग्रसित लोग पहुंच रहे हैं। मौसम में हुए परिवर्तन के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। बदलते मौसम में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी है। इसमें हर उम्र के लोग सर्दी, खांसी, बुखार के प्रकोप से परेशान हो रहे हैं। थोड़ी सी लापरवाही बीमारी को बढ़ा रही है। स्वास्थ्य विभाग भी लगातार नजर रखे हुए है। सदर अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन मौसम से पीड़ित 400 से अधिक मरीज पहुंच रहे है। जिनका सामान्य विभाग में इलाज किया जा रहा है।

तापमान में 3 डिग्री वृद्धि की संभावना : अगले दो दिनों के अंदर कई जिलों में हल्की वर्षा भी होगी। अधिकतम तापमान में 3 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। इससे लोग कुछ राहत महसूस करेंगे। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार ने बताया कि उत्तर बिहार में हल्के बादल रह सकते हैं। 5 एवं 6 फरवरी को बेगूसराय सहित आसपास के क्षेत्र में हल्की वर्षा या बूंदाबांदी होगी। अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहेगी।

Dainik Jagran 04-01-2024

कृषि | कृषि विवि के नवनामांकित छात्रों को किया संबोधित, छात्र-छात्राओं को किया प्रोत्साहित

हस्तशिल्प स्वरोजगार का बड़ा प्लेटफॉर्म

पूसा, निज संवाददाता। मिथिला पेंटिंग के मोटिवेशनल स्पीकर कुंदन कुमार राय ने कहा कि भारत में कृषि के बाद हस्तशिल्प कला स्वरोजगार का एक बड़ा प्लेटफॉर्म है। खजुराहो की गुफा हो या गया का विष्णुपद मंदिर। भारत की कलाएं विश्व में प्रतिनिधित्व करती है। इसमें बिहार की मिथिला पेंटिंग सबसे अधिक चर्चित है। चटक रंगों से बनी ये पेंटिंग विश्व में कीर्तिमान स्थापित कर रही है। मिथिलांचल के कई लोगों की यह आजीविका है। अपनी कला के बदौलत ही पद्मश्री जैसे उत्कृष्ट सम्मान सात महिलाओं ने हासिल किया है। यह पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के रूप में स्थानान्तरित होने वाली कला है। वे मंगलवार को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के विद्यापति सभागार में विवि के नवनामांकित छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मौका था दीक्षारंभ कार्य का। उन्होंने कहा कि मां की विरासत को मैने संभाला है। जो हमें देश-विदेश में एक खास पहचान दी है। बाद में छात्रों को प्रायोगिक रूप से पेंटिंग के गुर सिखाए। इससे पूर्व आर्ट एंड क्राफ्ट टीम की सदस्य डॉ. स्मृति रेखा सरकार ने अतिथियों का स्वागत किया। मौके डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. शिवपूजन सिंह, ई. अनुपम अमिताभ, पुरषोत्तम पांडेय आदि मौजूद थे।

गुरुवार को कृषि विवि में प्रतिभागी छात्रों के साथ अतिथि व अन्य।

Hindustan 04-01-2024

सहायक प्राध्यापक की होगी बहाली

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि प्रशासन ने सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदो पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत 20 जनवरी तक ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार विवि प्रशासन की ओर से 29 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिसमें फार्म मशीनरी एंड पॉवर इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, प्रोसेसिंग एंड फूड इंजिनियरिंग, स्वायल एंड वाटर इंजीनयरिंग आदि शामिल हैं।

Hindustan 04-01-2024

सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान, दो-तीन दिनों में बूंदाबांदी की संभावना

दोपहर की धूप से थोड़ी राहत, सुबह और शाम में कनकनी से आफत

मौसम का मिजाज

समस्तीपुर/पूसा, हि.टी.। मौसम के मिजाज से लोग हलकान हैं। दो दिनों से दिन में धूप निकलने से लोगों को जहां ठंड से राहत मिलती है वहीं सुबह और शाम ठंड आफत बन लोगों को सता रही है। पिछले पांच दिनों से कुहासा छाने का सिलसिला भी जारी है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को दिन का तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। जो सामान्य बताया गया है। जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8 डिग्री रहा। शाम से अगले दिन धूप निकलने तक घना कुहासा, शीतलहर व हल्की हवा ठंड को और बढ़ा रही है। मंगलवार शाम ढलते ही घना कुहासा राहगीरो खासकर वाहन चालको को काफी परेशान करता रहा। यह हालात सुबह तक रहा।

समस्तीपुर में सुबह कुहासे के बीच लाइट जलाकर चलते वाहन चालक।

02 दिन से निकल रही धूप, शाम होते ही बढ़ जाती है कनकनी

05 दिनों से सुबह कुहासा छाने का जारी है सिलसिला

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. सत्तार ने बताया कि बेगूसराय समेत उत्तर पश्चिम बिहार, समस्तीपुर के दक्षिण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अगले 2-3 दिनों में हल्की बूंदा-बांदी हो सकती है। गुरुवार तक कुहासा रहने की संभावना है। दिन का तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस एवं रात में 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। ठंड के तल्ख तेवर से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है। घरो से निकलने से परहेज कर रहे हैं। जिसका असर व्यवसाय पर पड़ रहा है। बुधवार सुबह भी दिन में 10 बजे तक कुहासा छाया रहा। इससे सुबह में सड़कों पर सन्नाटा सा छाया रहा। कुहासे के बीच चल रही ठंडी हवा के कारण वातावरण में कनकनी के कारण लोगों ने घर से निकलना मुनासिब नहीं समझा। जिससे सड़कों पर इक्के दुक्के लोग ही चलते दिखाई दिए। कुहासे के कारण दो पहिया और चार चक्के के वाहन चालक लाइट जला कर चल रहे थे।

कुहासा: रात व सुबह वाहन चलाना हुआ मुश्किल

मंगलवार को शाम आठ बजे के बाद ही कुहासा छाने लगा था। रात नौ बजे के बाद कुहासे पूरी तरह सभी तरफ छा चुका था। जो बुधवार सुबह दस बजे के बाद ही समाप्त हुआ। इस दौरान बाइक से जरूरी काम से निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एक तो कुहासे के कारण उन्हें सड़क पर ठीक से दिखाई नही दे रहा था दूसरे कुछ दूर जाने के बाद ही उनका जैकेट भींग जाता था। सुबह स्कूल जाने वाले कई शिक्षकों ने बताया कि सुबह बाइक से स्कूल जाने में कष्ट का सामना करना पड़ता है। नौ बजे के पूर्व स्कूल पहुंचने की मजबूरी के कारण घर से सुबह ही निकलना पड़ता है। कुहासे के कारण बाइक चलाने में मुसीबत उठानी पड़ती है।

सुबह नौ बजे के बाद खुल रहीं दुकानें

सुबह कुहासे के कारण शहर में सुबह नौ बजे तक खुलने वाली दुकानें भी दस बजे के बाद ही खुलती है। हालांकि दो दिनों से दिन में धूप निकलने से ठंड का असर कम हो जाता है। धूप की गर्मी से लोगों को काफी राहत मिलती है। लोग घर के छत पर धूप का सेवन भी करते है जबकि शाम पांच बजट ही ठंड बढ़ने से लोग घरों में सिमट जाते है। शाम से सुबह तक ठंड से बचने की कोशिश में लोग जुटे रहते हैं।

Hindustan 04-01-2024

राष्ट्रीय सहारा 04/01/2024 P— 5

खबरें एक नजर में

मौसम : बढ़ेगा तापमान, मौसम रहेगा शुष्क

समस्तीपुर। अगले 5 दिनों में बेगुसराय जिले को छोड़कर बिहार के शेष हिस्सों में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान तापमान बढेगा मगर पछिया हवा के कारण कनकनी की स्थिति मे अधिक्र बदलाव की संभावना नही। जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय .षि विश्वविद्यालय के ग्रामीण .षि मौसम सेवा समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी अगामी 07 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वानुमान की अवधि मे उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छा सकते है। बेगुसराय के जिले में 6-7 जनवरी के आसपास कहीं कहीं हल्की वर्षा या बूंदा बूंदी हो सकती है तथा अन्य जिलों में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। इस अवधि मे अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान मे वृद्धि होने की सम्भावना है जिसके चलते पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस अवधि मे औसतन 2 से 3 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है और सापेक्ष आर्द्रता सुबह मे 80 से 95 प्रतिशत तथा.दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

कार्यक्रम • लीला-राजभाषा ऐप के माध्यम से छात्रों को बांग्ला, उड़िया, पंजाबी, गुजराती आदि सीखने का मिल रहा मौका

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं को सीख सकते हैं विवि के छात्र : प्रीति प्रिया

पूसा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में 28 राज्य के छात्र-छात्रा पढ़ रहे हैं, इससे सभी को लाभ मिलेगा

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में विवि के नव नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए चल रहे 30 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम के सातवें दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय भाषाओं को सीखने तथा हिंदी कम्युनिकेशन स्किल पर विशेषज्ञों ने जोर शोर से चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा समस्तीपुर की सहायक प्रबंधक प्रीति प्रिया ने लिटरेरी क्लब के तत्वाधान में लीला-राजभाषा ऐप के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अन्य भारतीय भाषा जैसे बांग्ला, उड़िया, पंजाबी, गुजराती आदि को भी सीखने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में 28 राज्य के छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं और अधिकतर छात्र-छात्राओं की मूल भाषा हिंदी नहीं है। ऐसे में लीला-राजभाषा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय भाषाएं सीखने का एक मल्टी-मीडिया आधारित बुद्धिमान स्व-शिक्षण अनुप्रयोग है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से मोबाइल व लैपटॉप पर हिंदी टाइपिंग, गूगल वॉइस टाइपिंग आदि एप इंस्टॉल कराकर उन्हें हिंदी टाइपिंग सिखाने का भी अभ्यास कराया। कार्यक्रम के दौरान कविता, कहानी ,निबंध व साहित्य की अन्य विधा में हिंदी का प्रयोग, साहित्य के प्रति लगाव, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति, भाषा के आधार पर भारत को क, ख, ग क्षेत्र में वर्गीकरण करने आदि पर भी चर्चा की गई। मुख्यवक्ता प्रीति प्रिया का स्वागत लिटरेरी क्लब के अध्यक्ष व वैज्ञानिक डॉ. शंकर झा ने किया। कार्यक्रम का संचालन लिटरेरी क्लब के सचिव डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ एस.एन. सुमन द्वारा किया गया।

पूसा विवि में कार्यक्रम में जुटे विशेषज्ञ व छात्र-छात्राएं।

प्रशिक्षण से शिक्षक और वैज्ञानिकों की क्षमता का होता है विकास : कुलपति

पूसा | डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पंचतंत्र सभागार में विवि के शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए 14 दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद शिक्षक व वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने कहा कि शिक्षक और वैज्ञानिकों के क्षमता विकास में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और वैज्ञानिकों में क्षमता विकास को लेकर कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि समाज विज्ञान के विषय में भी वैज्ञानिकों को जानना जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम की मदद से वैज्ञानिक व शिक्षकों को कृषि अनुसंधान में समाज विज्ञान के विभिन्न विषयों और विभिन्न तकनीकों को और अधिक गहराई से जानने का मौका मिलेगा। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. मृत्यंजय कुमार ने भी अपने विचार रखे।अतिथियों का स्वागत डॉ. मयंक कुमार व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनीता सत्पति ने किया। मौके पर निदेशक शिक्षा डॉ. पीके झा, निदेशक प्रसार डॉ. एमएस कुंडु, निदेशक अनुसंधान डॉ. एके सिंह, डीन इंजीनियरिंग डॉ. अम्बरीष कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेश मणि शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. संजय तिवारी आदि मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 05-01-2024

आज का मौसम

डा . राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा अगले 5 जनवरी तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया कि पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अत्यधिक ठंड से हल्की निजात मिलने की संभावना है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
5 जनवरी	22	08
6 जनवरी	23	09
दरभंगा		
5 जनवरी	25	13
6 जनवरी	25	14
पटना		
5 जनवरी	18	11
6 जनवरी	18	11.5

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 05-01-2024

प्रशिक्षण से विज्ञानियों का होता क्षमता विकास : कुलपति

प्रशिक्षण में मंचस्थ कुलपति व अन्य अधिकारी • जागरण

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पंचतंत्र सभागार में भावी परियोजना प्रबंधन तकनीक एवं समाज विज्ञान से जुड़े अनुसंधान की समझ पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ हुआ। उदघाटन कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने किया। ऑनलाइन माध्यम से आईसएआर अटारी हैदराबाद के निदेशक डा. शैकएन मीरा ने भाग लिया। उन्होंने सामाजिक परिपेक्षय से जुड़े कृषि क्षेत्र की भविष्य के शोध पर विस्तृत चर्चा की। डिजिटल कृषि से जुड़े अपनी बातों को रखा। साथ ही अनुसंधान के क्षेत्र में नई तकनीक की भूमिका को अपनाने की जरूरत पर बल दिया। कुलपति डा. पीएस पांडेय ने कहा कि शिक्षक और विज्ञानियों के क्षमता विकास में इस तरह के प्रशिक्षण की भूमिका अहम होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और विज्ञानियों में क्षमता विकास को लेकर कई कदम उठा रही है। समाज विज्ञान के विषय में भी विज्ञानियों को जानना जरूरी है।

Dainik Jagran 05-01-2024

बदलते परिवेश में ज्ञान को निरंतर अपडेट करना जरूरी: वीसी

- सामाजिक विज्ञान की प्रबंधन कार्यशाला शुरू
- तकनीक पर वैज्ञानिकों ने दी कई जानकारी

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि मौसम के बदलते परिवेश व खेती के तौर-तरीको में आये बदलाव में ज्ञान को निरंतर अपडेट करते रहने की जरूरत है। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण का महत्व काफी बढ़ जाता है। वे इसके सहयोग से कार्य कर देश के विकास गति को तेज करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

वे गुरुवार को विवि के पंचतंत्र के सभागार में वैज्ञानिको को संबोधित कर रहे थे। मौका था भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के प्रबंधन तकनीक पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का। कुलपति ने कहा कि शिक्षा व शोध के क्षेत्र में ज्ञान को निरंतर अपडेट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता उसके कार्यरूप पर निर्भर है। आईसीएआर-अटारी, हैदराबाद के निदेशक डॉ.शेख एन.मीरा ने कहा (वर्चुअल) कि वैज्ञानिकों को अनुसंधान प्रबंधन में डिजिटल विकल्पो पर कार्य करने की जरूरत है।

इसमें डिजिटल डेटा संग्रह व प्रबंधन, मोबाईल व वेब आधारित प्लेटफार्म, सोशल मीडिया और डिजिटल संचार जैसे विकल्प शामिल हैं। कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार ने कहा कि कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्लेटफार्म काफी महत्वपूर्ण है। कृषि को लाभकारी बनाने में यह सहायक होगा। उन्होंने कहा कि इसके सहयोग से लैब टू लैंड प्रोग्राम तेजी से सफल होगा। स्वागत डीन डॉ. मयंक राय ने किया। प्रशिक्षण की रूपरेखा कोर्स डायरेक्टर डॉ. विनिता सत्पठी, संचालन डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी एवं धन्यवाद डॉ. तुलिका कुमारी ने प्रस्तुत किया। मौके पर डीन-डायरेक्टर व वैज्ञानिक मौजूद थे।

गुरुवार को कृषि विवि के पंचतंत्र सभागार में संबोधित करते कुलपति।

विवि के नए छात्रों को दिया तकनीकी ज्ञान

पूसा, निज संवाददाता। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, समस्तीपुर की राजभाषा विभाग की सहायक प्रबंधक प्रीति प्रिया ने कहा कि भारतीय भाषाओं को सीखने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का काफी महत्व है। इसमें भारत सरकार व सीडैक के माध्यम से निर्मित लीला ऐप-राजभाषा काफी बेहतर है। वे गुरुवार को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के विद्यापति सभागार में नवनामांकित छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मौका था नये छात्रो के दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान कम्प्युनकेशन स्किल विकसित करने के लिए आयोजित समारोह का। विवि के लिटरेरी क्लब के तत्वाधान में आयोजित समारोह के दौरान छात्रों को ऐप के सहयोग से बंगला, ओडिया, पंजाबी व अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी सीखने की विस्तृत जानकारी दी गयी। आयोजन मंडल ने बताया कि इस वर्ष विवि में 28 राज्यों के छात्र नामांकित हुए हैं। नामांकित छात्रों में भाषा की समस्या के निदान के लिए मौके पर छात्रों को मोबाईल व लैपटॉप पर हिंदी टाइपिंग, गूगल वॉइस टाइपिंग आदि की जानकारी दी गई। साथ ही हिंदी टाइपिंग का अभ्यास कराया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कविता, कहानी, निबंध व साहित्य की अन्य विद्या में हिंदी का प्रयोग, साहित्य के प्रति लगाव, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, भाषा के आधार पर भारत को क, ख, ग क्षेत्र में वर्गीकरण करने आदि पर विस्तार से चर्चा की।

Hindustan 05-01-2024

क्षमतावर्धन को लेकर प्रशिक्षण की हुई शुरुआत

प्रशिक्षण का शुभारंभ करते कुलपति.

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पंचतंत्र सभागार में भावी परियोजना प्रबंधन तकनीक एवं समाज विज्ञान से जुड़े अनुसंधान की समझ में क्षमतावर्धन विषय पर आधारित वैज्ञानिक व छात्र-छात्राओं के लिए 12 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ. सत्र का उद्घाटन कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने दीप जलाकर किया. मुख्य अतिथि के रूप में ऑनलाइन माध्यम से आइसीएआर अटारी हैदराबाद के निदेशक डॉ शैक एन मिरा ने भाग लिया. उन्होंने सामाजिक परिप्रेक्ष्य से जुड़े कृषि व अन्य क्षेत्र की भविष्य की योजना व क्षमतावर्धन की नई तकनीक पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने डिजिटल कृषि से जुड़े बातों को रखा. अनुसंधान व परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में नई तकनीक की भूमिका को अपनाने पर जोर दिया. कुलपति डॉ पांडेय ने कहा कि शिक्षक और वैज्ञानिकों के क्षमता विकास में इस तरह के प्रशिक्षण की भूमिका अहम होती है. समाज विज्ञान के विषय में भी वैज्ञानिकों को जानना जरूरी है. उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम से अनुसंधान में समाज के विभिन्न विषयों को और अधिक गहराई से सीखने के विभिन्न तकनीकों के विषयों की जानकारी मिलेगी. उन्होंने कहा कि युवा सोशल वैज्ञानिकों की नई शोध से कृषि के क्षेत्र में क्रांति लायी जा सकती है. इसमें युवा वैज्ञानिकों की भूमिका को अहम बताया. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने कहा कि आज के समय में किसानों को स्थायी आय की जरूरत है. जिसको लेकर अनुसंधान को प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाने की जरूरत है. स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ मयंक राय ने प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम, समन्वयक डॉ विनीता सतपथी ने विषय वस्तु से जुड़ी जानकारी दी. धन्यवाद ज्ञापन डॉ तूलिका कुमारी ने किया. मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, डॉ पीके झा, डॉ डीके रॉय, अधिष्ठाता डॉ अंबरीश कुमार, डॉ उषा सिंह, डॉ पीपी श्रीवास्तव, प्रो डॉ एसके सिंह, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेशमणि शर्मा उपस्थित थे.

एक-दो दिनों में हो सकती है हल्की बारिश, 2-3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी पछिया हवा

मौसम : सुबह में छाया रहेगा मध्यम व घना कुहासा, 21 से 23 डिग्री सेल्सियस रहेगा अधिकतम तापमान

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के लगभग सभी जिलों के कुछ स्थानों पर 6-7 जनवरी के आसपास हल्की बारिश व बूंदाबांदी की संभावना है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा 6-10 जनवरी तक के मौसम पूर्वानुमान में बताया गया है कि इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा। इस अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना व्यक्त की गई है। न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

सुबह के समय घने कुहासे के बीच जाता हुआ फेरी वाला।

उत्तर बिहार के लगभग सभी जिलों में अगले एक-दो दिनों कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की सम्भावना हैं। 6-10 जनवरी तक की अवधि में अधिकतम तापमान 21-23 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान 2-3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

- डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

कीट से करें मक्के की फसल की निगरानी

नवम्बर माह के शुरु में बोई गई रबी मक्का की फसल जो 55 से 60 दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें। मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंड़ियां कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुंच जाती है। तने के गुदे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। इससे मध्य कलिका मुरझाई नजर आती है जो बाद में सूख जाती है।

Dainik Bhaskar 06-01-2023

प्रशिक्षण • किसानों के लिए मत्स्यपालन व उसके प्रबंधन के विषय पर 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुरू

हैचरी लगा कर रंगीन मछलियों का उत्पादन कर अपनी आमदनी को कर सकते हैं दोगुना : डॉ. एमएस कुंडु

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा स्थित संचार केंद्र के पंचतंत्र सभागार में मत्स्यपालन में रुचि रखने वाले किसानों एवं मत्स्यपालकों के लिए मत्स्यपालन व उसके प्रबंधन के विषय पर 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन विवि के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. एस कुंडू ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि बिहार के मत्स्यपाल व अन्य किसान रंगीन मछलियों से हैचरी का उत्पादन कर अपनी आमदनी को दोगुना कर सकते हैं। उन्होंने कहा बिहार के शेखपुरा जिले में पानी की भारी किल्लत है।

किसानों को जानकारी देते डॉ. एसएस कुंडु।

प्रशिक्षण में मौजूद अधिकारी व किसान।

मत्स्य पालन से वर्षा जल का हो सकेगा संग्रहण

शेखपुरा क्षेत्र में किसानों को अधिक से अधिक तालाब खुदवाकर मत्स्यपालन के कार्य को बढ़ावा देने की जरूरत है। नए तालाब का निर्माण कराकर वैज्ञानिक विधि से मछलियों का पालन करने से जहां किसानों की आय बढ़ेगी। वही तालाब के निर्माण से शेखपुरा जिले में वर्षा के जल का अधिक से अधिक संग्रह भी किया जा सकेगा। उन्होंने कहा की मत्स्यपाल किसान रंगीन मछलियों के अलावे सामान्य मछलियों के हैचरी का उत्पादन कर इस क्षेत्र के व्यवसाय से जुड़कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। बिहार सरकार किसानों को तालाब खुदवाकर तालाब में तथा बायो फ्लॉक में मछलीपालन कराने के लिए अच्छा अनुदान भी मुहैया करा रही हैं।

जिले में मत्स्यपालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं : कुंडु

कार्यक्रम में शेखपुरा जिले से पहुंचे मत्स्यपालन पदाधिकारी प्रेम कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से मत्स्य पालकों के लिए ढ़ेर सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ किसानों को उठाना चाहिए। विवि के मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. ब्रह्मचारी ने कहा की मत्स्यपालन के क्षेत्र में किसानों के लिए ढ़ेर सारी संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के मत्स्यपाल किसान पहले से ही परंपरागत रूप से मत्स्यपालन कर रहे थे अब इन किसानों को वैज्ञानिक विधि से मछलीपालन करने की जरूरत हैं। ऐसा करने से किसानों को एक बेहतर व्यवसाय मिलने के साथ-साथ उनकी आमदनी भी समय के साथ बढ़ेगी।

Dainik Bhaskar 06-01-2023

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा बताया गया कि अगले चार दिनों तक दो से तीन किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
6 जनवरी	24	10
7 जनवरी	25	11
दरभंगा		
6 जनवरी	24	10
7 जनवरी	25	11
पटना		
6 जनवरी	27	11
7 जनवरी	26	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 06-01-2023

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय
Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University
पूसा समस्तीपुर, बिहार – 848125 Pusa, Samastipur, Bihar-848 125

NOTICE

The advertisement No. **RPCAU/02/2022 Date 07/03/2022,** for appointment on the following **Administrative positions (on Direct Requirement)** is here by withdrawn due to administrative reasons.

On Direct Recruitment.

Sl. No.	Name of the Post	No. of Post
01	Assistant Registrar	UR-01
02	Assistant Comptroller	UR-02, OBC-02, SC-01 **Total - 05**
03	Junior Stenographer	UR-10, OBC-05, SC-03, EWS-02 **Total - 20**

For further updates, please visit University website at **www.rpcau.ac.in.**

Sd/- I/c Dy. Registrar (Rectt.)

Dainik Jagran 06-01-2023

उत्तर बिहार में दो दिनों में होगी हल्की वर्षा

शुक्रवार का अधिकतम तापमान 23.3 और न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस रहा

संवाद सहयोगी, पूसा (समस्तीपुर) : उत्तर बिहार में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। अगले चार दिनों के भीतर आसमान में हल्के से मध्यम और गरज वाले बादल बन सकते हैं। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण छह -सात जनवरी को उत्तर बिहार में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। अन्य दिनों में मौसम आमतौर पर शुष्क रहेंगे। यह कहना है डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग का। बताया गया कि अगले चार दिनों तक दो से तीन किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहेगा। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकते हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23.3 और न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रिकार्ड किया गया। दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है।

प्रतिदिन करें आलू की फसल की निगरानी, कोहरे के प्रकोप से भी करें बचाव

पूसा, संस : कई दिनों से पड़ रहे कोहरे ने आलू किसानों के माथे पर बल ला दिया है। अत्यधिक कोहरा आलू की फसल के लिए नुकसानदायक हो सकता है। फसल झुलसा रोग की चपेट में आकर नष्ट भी हो सकता है। तापमान में उतार-चढ़ाव से झुलसा रोग का डर बना रहता है। कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डा. आरके तिवारी का बताना है कि ऐसे मौसम में किसानों को प्रतिदिन अपने फसलों की निगरानी करनी चाहिए और जहां भी यह बीमारी दिखाई पड़े जल्द ही दवा का छिड़काव करनी चाहिए। झुलसा रोग के बचाव के लिए फफूंद नाशक दवा इंडोफिल एम 45 की 2.5 ग्राम दवा 1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। जनवरी महीने में झुलसा रोग के साथ-साथ लाही

गिरने की संभावना बनी रहती है। किसान अपने खेतों में लाही का प्रकोप देखे तो मेटासिस्टोक्स नामक कीटनाशक दवा का प्रति लीटर पानी में एक मिलीलीटर दवा डालकर स्प्रे करें। वैज्ञानिक का बताना है कि लाही के नियंत्रण से आलू में कुकड़ी रोग यानी लिफरोल नाम का विषाणु रोग का खतरा कम हो जाता है।

ऐसे करें देखभाल : आलू रोपनी के 60 दिन बाद प्रत्येक पंक्ति में घूम कर फसल को देखा करें। आलू का कंद दिखलाई पड़े तो उसे मिट्टी से ढंक दें नहीं तो उसका रंग हरा हो जाएगा। निगरानी के समय यह भी ध्यान रखें की खेत में चूहा द्वारा क्षति तो नहीं की जा रही है। अक्सर आलू के खेतों में चूहा लगने की शिकायत होती है। जिससे उत्पादकता काफी कम होती है। चूहा से बचाव के लिए 10 ग्राम सीमेंट चूहा के बिल के समीप रख दें। ऐसा करने से चूहा अंदर में ही मर जाता है।

अधिक दिन तक रखना हो तो लतर काट दें : यदि आलू को अधिक दिनों तक रखना हो तो परिपक्वता अवधि पूरी होने पर लतर काट दें। लत्तर काटने के 10 दिन बाद खुदाई करें। ऐसा करने से कंद का छिलका मोटा होता है एवं भंडारण करने में सड़ने की कम संभावना रहती है।

दिन में निकली धूप तो घरों से निकले लोग, शाम में बढ़ी परेशानी : जासं, समस्तीपुर : कोहरे के बीच शुक्रवार सुबह की शुरुआत हुई। सड़कों पर दृश्यता काफी कम रही। 10 बजते ही धूप खिली तो लोग सड़कों पर निकले। मगर शाम होते ही पछुआ हवा की वजह से लगातार चौथे दिन भी ठंड बढ़ गई। लोग घर में दुबकने लगे। ठंड से बचने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया। शाम में वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गई। ठंड के कारण बच्चों, बुजुर्गों को काफी परेशानी हुई। व्यावसायिक गतिविधियां भी प्रभावित हो गई। देर शाम सड़कों पर सन्नाटा पसर गया।

Dainik Jagran 06-01-2024

स्वरोजगार का विकल्प है मछली पालन: डॉ. कुंडू

- छह दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण शुरू
- कृषि विवि पूसा में किया गया आयोजन

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि मछली व इससे जुड़े कार्यों को व्यवसायिक रूप देकर बढ़ावा देने की जरूरत है। यह स्वरोजगार व आर्थिक समृद्धि का बेहतर विकल्प है। जरूरत है इसके तकनीकी पहलुओं को सीखकर धरातल पर उतारने की। यह सोने के खजाना के रूप में उभरेगा।

इसमें विवि के माध्यम से दिया जा रहा प्रशिक्षण काफी लाभकारी साबित होगा। वे शुक्रवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में शेखपुरा के मत्स्यपालको को संबोधित कर रहे थे। मौका था मत्स्यपालको के छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। मत्स्यकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. आरके ब्रहमचारी ने कहा कि मछली पालन के क्षेत्र में व्यवसाय के काफी आयाम हैं। संचालन करते हुए उपनिदेशक डॉ. जितेन्द्र प्रसाद ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। धन्यवाद प्राध्यापक डॉ. पूनम कुमारी ने प्रस्तुत किया। मौके पर दीपक कुमार, पुरूषोत्तम पाण्डेय समेत अन्य मौजूद थे।

Hindustan 06-01-24

DR. RAJENDRA PRASAD CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

Pusa, Samastipur, Bihar - 848125

NOTICE

The advertisement no. **RPCAU/ 03/2022** Dated **17/05/2022**, for appointment of various **Technical positions**, is hereby withdrawn due to administrative reasons. For further updates, please visit University Website at **www.rpcau.ac.in.**

Sd/-

I/C Dy. Registrar (Rectt.)

Hindustan 06-01-24

मछलीपालन कर अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं : डॉ कुंडू

वैज्ञानिक के साथ प्रशिक्षु.

प्रतिनिधि,पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पंचतंत्र भवन सभागार में शेखपुरा जिला के मत्स्यपालक किसानों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत हुई. जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि व आगत अतिथियों ने दीप जलाकर किया. प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एमएस कुंडू ने कहा कि मछलीपालन आज की समय की मांग बन गई है. किसान नयी तकनीक के माध्यम से मछलीपालन कर अपनी आय को दुगुना कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को जमीनी स्तर पर उतारें. लोगों के बीच साझा करें. उन्होंने कम पानी वाले क्षेत्र में जल संचयन के विषय पर विस्तृत चर्चा की. शेखपुरा जिला के मत्स्यपालन पदाधिकारी डॉ प्रेम कुमार ने मत्स्यपालन से जुड़े केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार की योजनाओं की चर्चा की. उन्होंने कहा कि मत्स्यपालक किसान के सहयोग से जिला एवं राज्य को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम बनाया जा सकता है. मात्स्यिकी महाविद्यालय के डॉ आर. ब्रह्मचारी ने अपनी बातों को रखा. संचालन करते हुए उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ जितेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा. क्षेत्र के मत्स्यपालन केंद्र का भी भ्रमण कराया जायेगा. धन्यवाद ज्ञापन डॉ पूनम कुमारी ने किया. मौके पर दीपक आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Sat, 06 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/

आम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है सफेद रंग का कीट मिली बग. यह टहनियों के चारों तरफ लिपटा रहता है.

डॉ रजनीश सिंह
कृषि वैज्ञानिक
सरैया, मुजफ्फरपुर

डॉ ए.के. सिंह
वरीय वैज्ञानिक सह-प्रधान कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर

आम में मंजर लगने का मौसम कीट और रोगों से ऐसे करें बचाव

उप मुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

ठंड शुरू है. पेड़-पौधों पर नयी कोपलों का मौसम आने वाला है. कुछ ही दिनों में आम के पेड़ों पर कोहर (बौर) आना शुरू हो जायेगा.ऐसे में आम की बेहतरीन फसल के लिए कई चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है ताकि इसके बागवानों को अच्छा मुनाफा मिल सके. आम को जो सबसे ज्याद नुकसान पहुंचाता है, वह है 'मीली बग' यह एक सफेद रंग का कीट होता है जो आपको कोहर एवं टहनियों में चारों तरफ लिपटा हुआ आसानी से नजर आ जायेगा. इस कीट के प्रबंधन के लिए आवश्यक है कि आम के बाग में पेड़ों के आस पास अच्छी प्रकार से सफाई करके मिट्टी में प्रति पेड़ 250 ग्राम क्लोरोपायरीफास 1.5-डी पाउडर का छिड़काव कर देना चाहिए. मीली बग कीट पेड़ पर न चढ़ सकें, इसके लिए 45 से 50 सेमी चौड़ाई की पॉलिथीन शीट को आम के मुख्य तने के चारों तरफ सुतली से बांध देना चाहिए, और हो सके तो पॉलिथीन शीट के ऊपर थोड़ी मात्रा में ग्रीस भी लगा देना चाहिए. इस प्रकार मिली बग कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोका जा सकता है. यूं तो दवा का छिड़काव जनवरी के अंत तक हो जाता है, लेकिन अगर आपने पहले से इस उपाय को नहीं अपनाया है और कीट पहले से ही पेड़ पर मौजूद है ,तब इसकी रोकथाम के लिए आपको डाएमेथोएट 30 ईसी या क्विनाल्फोस 25 ईसी कीटनाशक का 1.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 1 मिली प्रति लीटर की दर से पानी में घोलकर अच्छी प्रकार से छिड़काव करना चाहिए. अगर एक बार स्प्रे करने के बाद भी कीट नियंत्रण न हो तो 10 दिन के उपरांत इन्हीं कीटनाशक का दोबारा प्रयोग करें.

गुच्छा-मुच्छा रोग का भी खतरा

आम के बाग मे कोहर के गुच्छा-मुच्छा रोग से ग्रस्त होने से भी काफी नुकसान होता है ऐसे में गुच्छा मुच्छा रोग से ग्रस्त कोहर को काट कर पेड़ से अलग कर दिया जाना चाहिए ताकि वह आगे कोहर को प्रभावित न कर पाये . आम के बागो मे आमतौर पर हापर या तेला कीट का प्रकोप भी देखा जाता है जो कोहर को बुरी तरह से खराब कर देते है . अगर हम इनकी पहचान की बात करे तो इन्हे बाग के आस-पास झुंड मे भिनभिनाते हुए आसानी से देखा जा सकता है . यदि इन कीटो को प्रबंधित न किया जाए तो ये कोहर से रस चूस लेते है तथा कोहर झड़ जाता है . जब प्रति कोहर 10-12 तेला दिखाई दे तब हमे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली दवा प्रति लीटर की दर से पानी मे घोलकर छिड़काव करना चाहिए . यह छिड़काव फूल खिलने से पूर्व करना चाहिए अन्यथा बाग मे आने वाले मधुमक्खी के कीड़े प्रभावित होते हैं . जिससे परागण कम होता है तथा उपज प्रभावित होती है . इसके अतिरिक्त बाग मे पाउडरी मिल्ड्यू (बौर एवं पत्तियो पर सफेद रंग का पाउडर दिखे तो) रोग का प्रबंधन भी अति आवश्यक है जिसके लिए कोहर आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोलकर छिड़काव किया जाना चाहिए . जब पूरी तरह से फल लग जाये तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिली प्रति लीटर पानी मे घोलकर बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए .

ये कीट लग सकते हैं

आम मे मंजर लगने के दौरान उन पर मधुआ कीट (मैंगो हॉपर), दहिया कीट (मिलीबग), पाउडरी मिल्ड्यू और एन्थेकनोज जैसे कीट और रोग पाया जाता है . इन रोगों से मंजर को बचाने के लिए तीन प्रकार के छिड़काव की जरुरत होता है . आइए जानते हैं कैसे मंजरों को सुरक्षित रख सकते हैं .

सिंचाई के साथ मधुमक्खी भी हैं जरूरी

आम के बाग से अधिक पैदावार लेने के लिए अन्य प्रबंधन क्रियाओं के साथ साथ सिंचाई का भी अति महत्व है . पौधे पर कोहर आने के बाद जब फल मटर के दाने के बराबर हो जाते है तो सिंचाई प्रारम्भ कर देनी चाहिए . जहां पर फल मक्खी की समस्या गंभीर हो, वहां इसके नियंत्रण के लिए 16 ट्रैप प्रति एकड़ फ्रूट फ्लाई फेरोमन ट्रैप का प्रयोग करना चाहिए। आम के बाग के आस-पास यदि ईंट के भट्ठे हो तो आम के फल का निचला हिस्सा काला पड़ जाता है या फल फटने की समस्या पाई जाती है . इसके नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि बोरेक्स 10 ग्राम प्रति लीटर का छिड़काव अप्रैल माह के अंत में करना चाहिए। बाग मे यदि तना छेदक कीट या पत्ती काटने वाले कीट की समस्या हो तो क्विनालफोस 25 ईसी 2 मीली दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए . इसके अलावा किसान भाइयों को आम के बागन में छोटे फलों के टूटकर गिरने की समस्या का भी आमतौर पर सामना करना पड़ता है इसकी रोकथाम के लिए बाग मे प्लेनोफिक्स 1 मिली दवा प्रति 3 लीटर पानी मे घोलकर छिड़काव करना चाहिए . ऐसा करने से काफी हद तक फल के गिरने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है . इसके अतिरिक्त आम के बाग से अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए बाग मे मधुमक्खी के बक्से रखना काफी प्रभावी होता है क्योंकि मधुमक्खी परागण प्रक्रिया को अच्छी प्रकार से करती है जिससे फल अधिक मात्रा मे लगता है .

आम के मंजर में लगने वाले कीट और रोगों से कैसे करें बचाव

जनवरी के आखिरी और फरवरी महीने के शुरुआत मे आम के पेड़ मे मंजर आना शुरू हो जाता है . इसलिए किसानो को अच्छा उत्पादन पाने के लिए अभी से देखभाल करनी चाहिए . क्योंकि अगर किसानो से अभी चूक हो जाने से आम के मंजर मे कीट और रोग लग जाते है .

किस कीटनाशक का इस्तेमाल करना चाहिए

किसानो को अपने आम के मंजर और फल को बर्बाद होने और नुकसान से बचाने के लिए कीटनाशको का प्रयोग करना चाहिए वो कीटनाशक ये है . इमिडाक्लोप्रिड, मालाथियान, डायमेथोएट, एसीफेट, और थायोमेथाक्साम आदि . फफूंदीनाशक कीटो के लिए सल्फर, कॉपर ऑक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम और हेक्साकोनाजोल है .

कब करें पहला छिड़काव

आम के पेड़ पर पहला छिड़काव मंजर निकलने के पहले किसी एक अनुशंसित कीटनाशक के साथ छिड़काव किया जाता है . इस पर छिड़काव ऐसे किया जाता है कि पेड़ की छाल के दरारो मे छुपे मधुआ कीट तक पहुंच सके . क्योंकि यह कीट वायुमंडल का तापमान बढ़ने के साथ ही अपनी संख्या मे वृद्धि करने लगते है.

कब करें दूसरा छिड़काव

आम के मंजरो मे मटर के जितना दाना लग जाने पर कीटनाशक के साथ किसी एक फफूंद नाशी को मिलाकर छिड़काव करने से मंजर को पाउडरी मिल्ड्यू और एन्थ्रेकनोज जैसे रोगो से बचाया जा सकता है . साथ ही इसके घोल मे अल्फा नेपथाईल एसीटिक एसीड (पीजीआर) मिलाया जाता है . जो मंजर मे लगे फलो को गिरने से रोकता है .

कब करें तीसरा छिड़काव

आम के मंजर मे जब टिकोला लग जाए तब उस पर तीसरा छिड़काव किया जाता है . तीसरे छिड़का मे कीटनाशक के साथ अल्फा नेपथाईल एसीटिक एसीड के अलावा आवश्यकतानुसार फफूंद नाशी को मिलाकर छिड़काव किया जाता है . जो दहिया कीट लगने से बचाता है .

राष्ट्रीय सहारा 6/1/24 पेज 5

खबरें एक नजर में

मौसम : घने कोहरे से लिपटी होगी सुबह, 6-7 को हो सकती है बारिश, कनकनी से राहत के आसार नहीं

समस्तीपुर (एसएनबी)। अगले दो दिनों में अर्थात 6-7 जनवरी को करीब करीब सभी जिलों में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल छा सकते है साथ ही सभी जिलों के कुछ स्थानों पर बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा हो सकती है। जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी अगामी 10 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वानुमान की अवधि में बिहार के सभी जिलों में आसमान में हल्के बादल छा सकते है। कुछेक स्थानों पर 6 एवं 7 जनवरी को बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा हो सकती है, शेष दिनों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। पछिया हवा के कारण इस अवधि में कनकनी एवं ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। जिसके चलते पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस अवधि मे औसतन 2 से 3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है और सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

फसलों पर ड्रोन से दवा का छिड़काव

भास्कर न्यूज़ | पूसा

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली द्वारा शनिवार को प्रखंड क्षेत्र से जुड़े किसानों के खेतों में लगे फसलों पर ड्रोन से छिड़काव कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली से पहुंचे कृषि विशेषज्ञ सुमित कुमार सिंह ने एग्री ड्रोन तकनीक योजना के तहत कैंजिया विष्णुपुर व मोरसंड गांव के किसान उदय शंकर सिंह, भुट्टा महतो, अविनाश कुमार आदि के खेतों में लगे आलू, मक्का, गेहूं व सरसों सहित कुल 3 एकड़ फसलों पर ड्रोन से नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का छिड़काव कराया। कृषि विशेषज्ञ सुमित कुमार सिंह ने बताया की आने वाले समय में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कृषि में काफी अधिक बढ़ने वाला है। ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल से कृषि को काफी लाभकारी बनाया जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन से फसलों पर छिड़काव करने से अतिरिक्त श्रम, समय और पैसों की बचत होने के साथ-साथ किसानों को अधिक उत्पादन भी मिलता है। उन्होंने बताया कि ड्रोन से महज 10 से 15 मिनट में एक एकड़ फसल में छिड़काव किया जा सकता है जबकि इसकी तुलना में मशीनों से छिड़काव करने में एक एकड़ में 8 से 10 घंटे का समय लग जाता है। उन्होंने बताया की खेतों के ऊपर से गुजरने वाले बिजली के तार, पेड़-पौधे आदि के कारण ड्रोन से स्प्रे करने में कुछ समस्याएं तो आती है लेकिन यह फायदेमंद है।

खेतों में ड्रोन से छिड़काव कराते विशेषज्ञ।

Dainik Bhaskar 07-01-2024

कार्यक्रम • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा में श्री अन्न को लेकर दिया प्रशिक्षण

मोटे अनाज की खेती अन्य फसलों की तुलना में अधिक फायदेमंद है

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के संचार केंद्र स्थित पंचतंत्र भवन सभागार में किसानों के लिए मोटे अनाज यानी श्री अन्न के उत्पादन और प्रसंस्करण के विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढ़ोली के अधिष्ठाता डॉ. देवेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. देवेंद्र सिंह ने कहा कि मोटे अनाज की खेती सामान्य फसलों की तुलना में किसानों को अधिक लाभ व मुनाफा देनी वाली खेती हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के फसल उत्पादों की खरीद-बिक्री में बिचौलिए किसानों से ज्यादा मुनाफा कमाते है जबकि किसान अपने उत्पाद को बहुत कम दाम में बेचकर अल्प आमदनी प्राप्त करते हुए सिमटकर रह जाते हैं। इन बिचौलियों को खत्म कर बेहतर आमदनी प्राप्त करने के लिए किसानों को अपने फसल के उत्पादों को खेत से सीधे बाजारों तक पहुंचाना होगा।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के संचार केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षणार्थी।

फसलों को बदल-बदल कर लगाएं

उन्होंने कहा कि आज देश के सभी कोने में सब्जियों की महंगाई है जबकि बिहार में ज्यादा किसानों के द्वारा एक ही तरह की सब्जियों की खेती कर देने से सब्जी का बाजार भाव काफी कम हो जाता है। किसानों को फसलों को बदल बदल कर लगाने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि किसान मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देकर तथा उसका सेवन कर अपना स्वास्थ्य सुधारने के साथ-साथ देश के स्वास्थ्य को भी सुधारने का काम कर सकते हैं। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रसार शिक्षा उपनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. अनुपमा कुमारी ने कहा की कृषि वैज्ञानिक मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के खेतों में जाकर उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 से 2023 के बीच में देश से मिलेट्स की खेती बिल्कुल ही समाप्त हो गई है।

मौसम की मार भी कम पड़ती है श्री अन्न पर

कृषि वैज्ञानिक मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए इसका प्रचार प्रसार जोर शोर से करें ताकि इसकी खेती को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि मिलेट्स की खेती पर मौसम की मार का भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि जहां पर अधिक से अधिक धान की खेती हो रही है वहां पर भी वैकल्पिक खेती के रूप में मिलेट्स की खेती की जा सकती है। किसानों को मिलेट्स के हार्वेस्टिंग एवं प्रसंस्करण में वैज्ञानिक विधि को अपनाने की जरूरत हैं। मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्व में अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स दिवस भी मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश के सभी बेकरी बिस्किट, ब्रेड व अन्य तरह के उत्पाद बनाने वाले कारोबारी अपने उत्पादों में मिलेट्स मिलाकर की बेकरी उत्पाद तैयार करते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आत्मा के द्वारा बेगूसराय से लाएं गए कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। मौके पर सूरज कुमार, सुरेश कुमार, शुभम कुमार आदि थे।

Dainik Bhaskar 07-01-2024

स्वास्थ्य के लिए मोटा अनाज लाभकारी

कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं विपणन पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र भवन के सभागार में शनिवार को श्री अन्न के प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें बेगूसराय जिला के महिला व पुरुष किसानों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन डा. देवेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोटा अनाज की खेती पहले की जाती थी लेकिन समय के मांग के अनुसार किसान धान, गेहूं व अन्य फसलों की खेती करने लगे हैं। लेकिन आज के समय में पुनः मोटा अनाज की खेती करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्य अतिथि • जागरण

मोटे अनाज में प्रोटीन, आयरन, जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो मनुष्य के स्वास्थ्य व कुपोषित बच्चों के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने जैविक खेती पर भी चर्चा की। डा. सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहभागिता से मोटे अनाज के प्रसंस्करण व विपणन के क्षेत्र में क्रांति को लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि विपणन में सहकारिता की भूमिका अहम होती है। कार्यक्रम की संचालन करते हुए उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डा. अनुपमा कुमारी ने जलवायु परिवर्तन की दौड़ में श्री अन्न की खेती को अनुकूल बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान प्रसंस्करण से जुड़े नई तकनीक को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। मौके पर सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

Dainik Jagran 07-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा बताया गया कि अगले चार दिनों तक दो से तीन किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
7 जनवरी	23	15
8 जनवरी	24	10
दरभंगा		
7 जनवरी	23	15
8 जनवरी	24	10
पटना		
7 जनवरी	26	11
8 जनवरी	25	11

डिग्री सेल्सियस में

पुलिस चौकसी बढ़ाने एवं बाजार में नियमित गश्ती, रात्रि चौकसी की

निर्णय लिया गया. अध्यक्ष ने इस स्वर्ण व्यवसाय के भविष्य में कारपोरेट एवं

डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम इस्तेमाल कर ट्रस्ट बनाने का सुझाव

महिलाओं की सहभागिता से आयेगी क्रांति

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र भवन के सभागार में श्री अन्न के प्रसंस्करण विषय पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत शस्य विज्ञान विभाग के प्रधान सह प्रो डॉ देवेंद्र सिंह व प्रशिक्षुओं ने दीप जलाकर किया. इसमें बेगूसराय जिले के महिला-पुरुष किसान हिस्सा ले रहे हैं. संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि मोटे अनाज की खेती पहले की जाती थी. लेकिन, समय की मांग के अनुसार किसान धान, गेहूं व अन्य फसलों की खेती करने लगे हैं. लेकिन आज के समय में फिर से मोटे अनाज की खेती करने की जरूरत है. मोटे अनाज में प्रोटीन, आयरन, जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पायी जाती है. यह मनुष्य के स्वास्थ्य व कुपोषित बच्चों के लिए लाभकारी है. किसानों को मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए जागरूक होने की

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते वैज्ञानिक.

जरूरत है. डॉ सिंह ने कहा कि महिलाओं की सहभागिता से मोटे अनाज के प्रसंस्करण व विपणन के क्षेत्र में क्रांति को लायी जा सकती है. विपणन में सहकारिता की भूमिका अहम होती है. संचालन करते हुए उप निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ अनुपम कुमारी ने जलवायु परिवर्तन के दौर में श्री अन्न की खेती को अनुकूल बताया. प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिये जाने की बात कही. कहा कि किसान प्रसंस्करण से जुड़ी नयी तकनीक को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं. मौके पर सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Sun, 07 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74283294

मौसम की यह स्थिति आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी के लिए बेहद अनुकूल

मौसम की मार से किसान लगातार परेशान

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

मौसम की मार से किसान लगातार परेशान हैं. फिलवक्त, मौसम की यह स्थिति आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी के लिए बेहद अनुकूल है. किसान आलू में पिछेता झुलसा रोग से परेशान हैं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने बताया कि इस परिस्थिति में किसान आलू की फसल की निगरानी करें. जिस किसान की आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी नहीं दिख रही है, वे मेंकोजेब, प्रोपीनेब या क्लोरोथेलीनील युक्त फफूंदनाशक दवा का 0.2-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात 2.0-2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव तुरंत करें. जिन खेतों में बीमारी आ चुकी उनमें किसी भी सिस्टमिक फफूंदनाशक साईमोक्सानिल मेल्काजेब या फेनोमिडोन मेंकोजेब या डाइमेथोमार्फ मेंकोजेब का 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें. फफूंदनाशक को दस दिन के अंतराल पर दोहराया जा सकता है. लेकिन, बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अंतराल को घटाया या बढ़ाया जा सकता है. किसान को इस बात का भी ध्यान रखना होगा एक ही फफूंदनाशक का बार-बार छिड़काव नहीं करें.

नवंबर के शुरु में बोयी गयी रबी मक्के की फसल जो 55 से 60 दिनों की अवस्था में है. इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें. मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें. इसकी सूंडिया कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहंचते हैं. तने के गुदे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है. जिससे मध्य कलिका मुरझायी नजर आती है. जो बाद में सुख जाती है. एक ही पौधे को कई सूंडिया मिलकर खाती है. इस प्रकार फसल को यह काफी नुकसान पहुंचाती है. उपचार के लिए फसल में फोरेट 10 जी या कार्बाफ्यूरॉन 3 जी का 7-8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा दें. फसल में अधिक नुकसान होने पर डेल्टामिथ्रिन 250-300 मिली प्रति हेक्टयेर की दर से छिड़काव करें. अगात मक्का की फसल, जो 50 से 55 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिंचाई कर 50 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ा दें. सब्जियों वाली फसल में निकाई गुड़ाई करें. अगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्ड्यु) रोग की निगरानी करें. इस रोग में पत्तियों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है. इस रोग से बचाव के लिये फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिली लीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का तीन ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. गेहूं की 30 से 35 दिनों (पहली सिंचाई के बाद) की अवस्था, जिसमें कई प्रकार के खर-पतवार गेहूं में उग आते हैं. इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूं की बढ़वार को अत्यधिक प्रभावित करती है. जिससे उपज में कमी आती है. इन सभी प्रकार के खरपतवारों के रोकथाम के लिए सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें. विलंब से बायी गयी गेहूं की फसल जो 21 से 25 दिनों की हो गयी हो 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टयेर की दर से उपरिवेशन करें. सरसों में सफेद रतुआ (व्हाइट रस्ट) रोग की निगरानी करें. इस रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव के लिए क्लोरथालोनील दवा एक ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. बैंगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव के लिए ग्रसित तना एवं फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इसी प्रति 1 मिली प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.

श्री अन्न के प्रसंस्करण विषयक 5 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

समस्तीपुर / पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र भवन के सभागार में श्री अन्न के प्रसंस्करण विषय पर आधारित बेगूसराय जिला के महिला पुरुष किसानों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। जिसका उद्‌घाटन सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान सह प्रो डॉ देवेंद्र सिंह व प्रशिक्षुओ ने दीप जलाकर किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोटा अनाज की खेती पहले की जाती थी लेकिन समय के मांग के अनुसार किसान धान, गेहूं व अन्य फसलों की खेती करने लगे है। लेकिन आज के समय में पुनः मोटा अनाज की खेती करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज में प्रोटीन आयरन जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो मनुष्य के स्वास्थ्य व कुपोषित बच्चों के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने जैविक खेती पर भी चर्चा की, डॉ सिंघ ने कहा कि महिलाओं के सहभागिता से मोटे अनाज के प्रसंस्करण व विपणन के क्षेत्र में क्रांति को लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि विपणन में सहकारिता की भूमिका अहम होती है। कार्यक्रम की संचालन करते हुए उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ अनुपमा कुमारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की दौड़ में श्री अन्न की खेती को अनुकूल बताया उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान प्रसंस्करण से जुड़े नई तकनीक को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते है। मौके पर सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

उदघाटन करते अतिथि व अन्य।

केवीके में कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
मझौलिया

प्रखंड के कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर प्रशिक्षण सभागार में शनिवार को बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के सौजन्य से कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण विशय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दी गई। प्रशिक्षण का उद्घाटन कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के वरीय एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ अभिशेक प्रताप सिंह जिला कृषि पदाधिकारी परवीन राय एवं इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अभय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में अथितियों को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डॉ अभिशेक प्रताप सिंह ने किसानो को प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के परिदृश्य में ऊर्जा का संरक्षण करना अति महत्वपूर्ण है । जिससे ऊर्जा के क्षेत्र में आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुदृढ़ किया जा सके। पृथ्वी पर ऊर्जा के लिए संघर्ष चल रहा है ।बायोगैस काफी उपयोगी है और किसानों के पास इसके लिए कच्चे माल की कोई कमी नही है । इससे अच्छी खाद और ऊर्जा दोनो तैयार की जा सकती है। जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार किसानो को बताया कि पूरे विश्व में कोयला यूरेनियम व पेट्रोलियम मुख्य रूप से ऊर्जा के स्रोत है । लेकिन लगातार प्रयोग होने के कारण अब यह 50 से 100 वर्षो में खत्म होने की कगार पर है।जिसका प्रभाव पुरे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत प्रभाव देखने को मिल रहा है। आज देश में किसानों की ओर से उत्पादित भूसा ,सब्जियों के छिलके समेत विभिन्न प्रकार के अनाजों से एथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है, इसका प्रयोग पेट्रोल में मिलकर विभिन्न प्रकार के वाहनों के परिचालन में किया जा रहा है । देश में सौर ऊर्जा वायु ऊर्जा व जल से प्राप्त ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं है और उनका कृषि के क्षेत्र मे उपयोग करने की जरूरत है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया कि गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग का सही समय है पारंपरिक ऊर्जा स्रोत धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर है ।

अपनी आवश्यकताओं के अनुसार हमें उपलब्ध सूरज की रोशनी से सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। मौके पर डॉ चेलपुरी रामलू ,सौरभ दुबे ,डॉ धीरू तिवारी, डॉ जगपाल, डॉ रीता देवी यादव आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा 7/1/24 पेज 3

मौसम • पूर्वानुमान की अवधि में 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान रहने का अनुमान

पछिया हवा ने पकड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 1.2 डिग्री तापमान गिरा, दिनभर आसमान में छाए रहे बादल

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

आसमान में बादल छाए रहने के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट से ठंड की स्थिति बनी रही। वहीं पछिया हवा चलने के कारण दिनभर कनकनी रही। रविवार को 1.7 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ अधिकतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री था। सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 96 फीसदी व दोपहर में 79 फीसदी रहा। इस दौरान 5.1 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चली। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 10 जनवरी तक के मौसम पूर्वानुमान में मौसम शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना व्यक्त की गई है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छाने की संभावना व्यक्त की गई है। इस दौरान औसतन 2 से 3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।

आसमान में छाया कुहासा।

10 जनवरी तक की अवधि में अधिकतम तापमान 21-23 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान 2-3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

*- **डॉ. ए सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

सरसों में सफेद रतुआ रोग के लिए करें दवा का छिड़काव

मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से बचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 गाम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। सरसों में सफेद रतुआ (व्हाईट रस्ट) रोग की निगरानी करें। इस रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव के लिए क्लोरचालोनील दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

सिंचाई के बाद गेहूं में खरपतवार का करें प्रबंधन

गेहूं की 30 से 35 दिनों (पहली सिंचाई के बाद) की अवस्था जिसमें कई प्रकार के खरपतवार उग आते हैं। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूं की बढ़वार को अत्यधिक प्रभावित करती है। इससे उपज में कमी आती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के रोकथाम के लिए सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्राम प्रति हेक्टेयर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। विलम्ब से बोयी गयीं गेहूं की फसल जो 21 से 25 दिनों की हो गयी हो 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।

Dainik Bhaskar 08-01-2024

पूसा में 29 पदों पर भर्ती होगी

लास्ट डेट : 20 जनवरी 2024

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 29 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। इन पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवार 20 जनवरी 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों ने मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी/पीएचडी की डिग्री हासिल की हो। विस्तृत जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयु सीमा: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की आयु 35 साल से कम होनी चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क: सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 1000 रुपए देना होगा। जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी।

कैसे करें आवेदन: इन पदों पर काम करने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://www.rpcau.ac.in/ के माध्यम से आखिरी तारीख से पहले ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं।

चयन प्रक्रिया: योग्य उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा तथा इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा।

Dainik Bhaskar 08-01-2024

किसान समय से फसलों की सिचाई करें : डॉ. चंदन

जाले | मौसम में बदलाव पर स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ चंदन कुमार ने विभिन्न फसलों के सिंचाई के लिए किसानों को उचित समय पर सजगता के साथ सिंचाई करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि जनवरी का महीना रबी मौसम में अधिक पैदावार लेने के लिए आवश्यक कृषि कार्यों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। समय पर बोई गई रबी फसलें अब अपने प्रजननीय अवस्था में आने वाली होती हैं।

Dainik Bhaskar 08-01-24

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग द्वारा बताया गया कि अगले चार दिनों तक दो से तीन किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
8 जनवरी	21	14
9 जनवरी	22	10
दरभंगा		
8 जनवरी	21	14
9 जनवरी	22	10
पटना		
8 जनवरी	26	12
9 जनवरी	25	12

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 08-01-24

विवि ने नियुक्ति प्रक्रिया वापस ली

पूसा। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि प्रशासन ने 7 मार्च 2022 को विज्ञापित प्रशासनिक पदो की नियुक्ति को तत्काल वापस ले लिया है। अब नये सिरे से इसका विज्ञापन प्रकाशन किया जायेगा। इस संदर्भ में विवि प्रशासन ने पत्र जारी किया है। जिसमें आवेदको से 30 दिनों के अंदर शुल्क वापसी के लिए प्रपत्र जारी किया है। वापस नहीं लेने वाले अभ्यर्थियों की राशि इस पद पर दुबारा विज्ञापन प्रकाशित होने पर समायोजन का विकल्प भी विवि प्रशासन ने दिया है। विवि प्रशासन ने सहायक कुलसचिव के 1, सहायक नियंत्रक के 5 एवं जूनियर स्टेनोग्राफर के 20 पद पर नियुक्ति के लिए पूर्व में विज्ञापन प्रकाशित की थी।

Hindustan 08-01-24

सुबह में घना कोहरा, पूरे दिन आसमान में छाये रहे बादल

मौसम

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

पिछले दो तीन दिनों से तापमान में बढ़ोतरी के बाद रविवार को एक बार फिर मौसम का मिजाज अचानक से बदल गया. सुबह में घना कोहरा छाया हुआ था. पूरे दिन लोगों को सूर्य का दर्शन नहीं हुआ. आसमान बादल से ढका रहा. लोग दिन भर पर धूप के लिए तरसते रहे. अधिकतम तापमान में भी थोड़ी गिरावट दर्ज की गयी है. रविवार का अधिकतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था. अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस था. हालांकि न्यूनतम तापमान सामान्य से रविवार को भी 5.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. रविवार का न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस रहा. पूरे दिन 5.1 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलती रही. नये साल के चढ़ने के बाद 2 जनवरी, 2024 से ही न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस से नीचे चल रहा था. तापमान का यह सिलसिला 4 जनवरी तक बरकरार रहा. उसके बाद न्यूनतम और अधिक तापमान में थोड़ी वृद्धि हुई थी. 1 जनवरी को न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस था, जो 2 जनवरी को गिरकर 7.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था. 3 जनवरी को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहा. वहीं, 4 जनवरी को न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा.5 जनवरी को न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 डिग्री सेल्सियस पर चला. वहीं, 6 जनवरी को न्यूनतम तापमान बढ़कर 14.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया. लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली थी. लेकिन, रविवार को मौसम ने अचानक फिर करवट ले लिया है. मौसम का इस तरह बदलाव होने से लोगों को परेशानी हो रही है. वहीं, पशुओं और फसलों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. खासकर बूढ़े व बीमार लोगों को अधिक परेशानी हो रही है. पशुपालक किसान भी तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण परेशान हैं, दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में कमी आ रही है. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने पशुपालक किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है. कहा है कि दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में कमी आने पर किसान हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप 50 ग्राम नमक, 50 से 60 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु दें. इसके साथ दाना भी खिलायें. पशुओं के बिछावन के लिये सूखी घास या राख का उपयोग करें.

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड ने सहजन की खेती को लेकर दी विस्तार से जानकारी

औषधीय फसल के रूप में करें सहजन की खेती, 10 माह में आएगी लाखों की आमदनी : कृषि वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज़ | पूसा

सहजनएक औषधीय फसल है। बिहार के किसान एक एकड़ खेत में सहजन के पौधे कोलगाकर उसकी फसल से महज 10 महीने बाद से ही लाखों रुपए की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। सहजन के फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक बार खेतों में लगा देने के बाद साल दर साल इससे पैदावार ली जा सकती है। अब तो बिहार सरकार भी सहजन की खेती को बढ़ावा देने के लिए सहजन की खेती शुरू करने वाले किसानों को लागत में 50 फीसदी का सब्सिडी मुहैया करा रही है। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड एवं वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि सहजन एवं मीठी नीम यानी (करी पत्ता) के महत्व को उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत के लोग बेहतर तरीके से समझते है। हालांकि अब सहजन और करी पत्ते के गुणकारी महत्व को लगभग सभी लोग आसानी से समझने लगे है। उन्होंने कहा कि हमारे बीच जब पौष्टिक सब्जियों की चर्चा होती है तो सबसे पहला नाम सहजन का ही आता है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले किसी भी पौधे में सहजन के बराबर औषधीय एवं पौष्टिक गुण नहीं पाया जाता है। सहजन को बिहार में सालों भर आसानी से उगाया जा सकता है। इसके पौधे में किसी विशेष तरह की देखभाल करने की आवश्यकता नही पड़ती है। उन्होंने बताया कि सामान्यतः कुछ सहजन की प्रजातियों में फल सालभर में एक ही बार आता है। इसके फल का उपयोग प्रायः लोग साल में एक बार जाड़े के दिनों में सब्जी के रूप में करते है। हालांकि सहजन की कुछ प्रजातियां ऐसी भी है जिनमें साल में दो बार फल लगते है। दक्षिण भारत के लोग तो सहजन के फूल, फल, पत्ती, छाल आदि सभी चीजों का उपयोग अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों को बनाने में सालों भर करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में कृषि वैज्ञानिकों ने सहजन का साल में दो बार फलने वाला वार्षिक प्रभेद तैयार किया है जो न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देता है बल्कि इसमें काफी अधिक मात्रा में प्रोटीन, लवण, लोहा, विटामिन-बी, विटामिन-सी आदि भरपूर मात्रा में भी पाया जाता है। उन्होंने कहा कि सहजन की खेती बिहार के किसान खासकर दियारा क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रुप से सबल बनाने वाला फसल साबित हो सकता है।

सालों भर आसानी से उगाया जा सकता है सहजन का पौधा

नर्सरी में सहजन का पौधा।

किसान ऐसे लगाएं खेतों में सहजन के पौधे, होगा अच्छा उत्पादन

बिहार के किसान सहजन से प्रत्येक वर्ष फसल लेने के बाद सहजन के पौधों को जमीन से ऊपर एक मीटर छोड़कर जरूर काट दें। कटे हुए हिस्से को भी किसान चाहे तो किसी दूसरे खेत मे लगा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सहजन के पौधों को रोपने के लिए किसान अपने खेतों में सबसे पहले जुताई कराकर उसे खरपतवार से मुक्त कर दें। इसके बाद किसान खेत में 2.5 x 2.5 मीटर की दूरी पर 45 x 45 x 45 सेंटीमीटर आकार का गड्ढा खोद दे। गड्ढे के उपरी मिट्टी के साथ 10 किलोग्राम सड़ा हुआ गोबर का खाद मिलाकर गड्ढे को भर दें। बाद में किसान सभी गड्ढों में सहजन के बीज या शाखा के टुकड़े दोनों प्रकार से रोपाई करें। उन्होंने बताया कि एक हेक्टेयर में सहजन की खेती करने के लिए 500 से 700 ग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को सीधे तैयार गड्ढों में या फिर पॉलीथीन बैग में लगाया जा सकता है।

पत्तियां जानवरों के लिए भी फायदेमंद

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि सहजन की पत्तियां जानवरों के लिए भी काफी फायदेमंद है। सहजन के वर्ष में दो बार फलने वाले प्रभेदों में पीकेएम 1, पीकेएम 2, कोयंबटूर 1 तथा कोयंबटूर 2 प्रमुख हैं। इन प्रभेदों का पौधा महज 4 से 6 मीटर उंचा होता है तथा 90 से 100 दिनों में ही इसमें फूल आने लगता है। इन प्रभेदों के पेड़ों से किसान जरूरत के अनुसार विभिन्न अवस्थाओं में ही फल की तुड़ाई आरंभ कर देते हैं। इन प्रभेद के सहजन के पौधों को लगाने के लगभग 160 से 170 दिनों बाद इसमें फल तैयार हो जाता है।

40 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान जरूरी

सहजन की खेती सामान्यतः 25 से 30 डिग्री सेल्सियस के औसत तापमान पर आसानी से की जा सकती है। इस तापमान पर सहजन के पौधों का विकास काफी उपयुक्त और बेहतर होता है। सहजन में ठंड को भी बर्दाश्त करने की क्षमता है हालांकि ठंड में गिरने वाला पाला इसके पौधे और फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने बताया कि फूल आते समय यदि तापक्रम 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाएं तो सहजन का फूल झड़ने लगता है। वर्षा से सहजन के पौधे को कोई नुकसान नहीं होता है।

Dainik Bhaskar 09-01-2024

दैनिक जागरण 9.1.24 पेज 3

ड्रोन से छिड़काव का खेतों में किया गया प्रत्यक्षण

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा ड्रोन से फसलों पर छिड़काव करने के लिए जागरूक किया गया। किसानों को खेतों में प्रत्यक्षण भी किया गया। बताया गया कि किसान इस तकनीक को अपनाकर समय एवं पैसे की बचत कर सकेंगे। एग्री ड्रोन प्रोजेक्ट के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा चलाए जा रहे प्रत्यक्षण में पचरुखी के दर्जनों किसान के खेत पर गेहूं की फसल पर नैनो यूरिया एवं डीएपी का छिड़काव ड्रोन के द्वारा किया गया। किसानों ने ड्रोन के द्वारा किए गए छिड़काव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह तकनीक किसानों के लिए बेहतर है। मौके पर

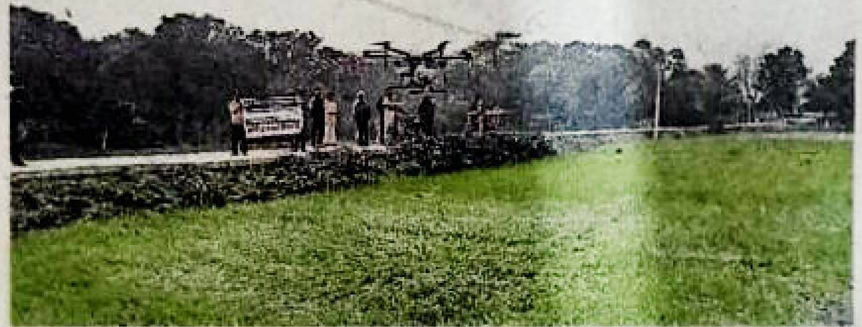

किसानों को ड्रोन के संबंध में बताते व छिड़काव का प्रत्यक्षण करते विशेषज्ञ • जागरण

छिड़काव के बारे मे किसानों को दी गई जानकारी • जागरण

मौजूद विषय वस्तु विशेषज्ञ सुमित कुमार का बताना है कि इस ड्रोन में 10 लीटर का ड्राम है। इसमें एक बार दवा मिला देने पर एक एकड़ स्प्रे करने में मात्र 7 से 8 मिनट समय लगते हैं। अन्य तरीकों से स्प्रे करने में 3 से 4 घंटे लगते हैं और ड्रोन की तरह स्पष्ट रूप से स्प्रे भी नहीं हो पाती है। ड्रोन से एक समान स्प्रे किया जाता है। किसानों को या ड्रोन चलने वाले को यह ध्यान देना चाहिए कि खेत में ज्यादातर बिजली का तार नहीं हो और पेड़ पौधे नहीं रहे। वहां बहुत ही बेहतर तरीके से ड्रोन कम कर रहा हो। विज्ञानियों के द्वारा पचरुखी गांव के बैद्यनाथ राय, अरुण, बलराम राय, शैलेंद्र प्रसाद राय, बैजू पंडित सहित कई किसानों के खेत में मुफ्त में प्रत्यक्षण किया गया एवं किसानों को पूरी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम • पहली बार कृषि विवि पूसा द्वारा प्राकृतिक खेती में बीएससी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन कोर्स शुरू

नई तकनीक और प्राकृतिक खेती से देश में कृषि के क्षेत्र में आएगा क्रांतिकारी परिवर्तन : कुलपति

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पुसा के ईख अनुसंधान संस्थान के सभागार में छात्र-छात्राओं के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडे व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान सर्वप्रथम कुलपति के नेतृत्व में भारत में पहली बार कृषि विवि पुसा के द्वारा प्राकृतिक खेती में बीएससी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन कोर्स की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मौजूद छात्र-छात्राओं एवं वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने कहा की आज का दिन काफी ऐतिहासिक दिन है। आज भारत में पहली बार नेचुरल फार्मिंग के कोर्स की शुरुआत डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा से की गई है। उन्होंने कहा की वर्ष 2018 से ही नेचुरल फार्मिंग के कोर्स को शुरू करने की योजना चल रही थी। इस कोर्स के सिलेबस पर गहन मंथन किया गया तथा इसे शुरू करने से पहले इस विषय पर 30 से ज्यादा बैठक भी विवि में आयोजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में विभिन्न विषयों से जुड़े विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने इसे शुरू करने पर जोर शोर से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं इसके बाद पूरे देश के कृषि विश्वविद्यालय के कुलपतियों की बैठक में भी इस कोर्स के सिलेबस पर चर्चा की गई। उन्होंने छात्रों से कहा कि वह स्वयं को विशेष समझे क्योंकि वहीं आने वाले वर्षों में देश को विश्व गुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से देश में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज जो छात्र नामांकित हुए हैं वही लोग आने वाले भविष्य में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में मास्टर डिग्री में तथा पीएचडी में भी नेचुरल फार्मिंग कोर्स शुरू करने की योजना पर विचार चल रहा है। कुलपति ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी और अकादमिक बैंक का क्रेडिट के विषय में भी छात्रों को विस्तार से बताया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा से शुरू की गई नेचुरल फार्मिंग की पढ़ाई

कार्यक्रम में मौजूद छात्र व वैज्ञानिक।

छात्रों को प्राकृतिक खेती के विषय में विस्तार से दी गई जानकारी

कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार ने कहा कि प्राचीन काल में देश में प्राकृतिक खेती होती थी और आज भी कुछ क्षेत्रों के अलावे खासकर दियारा के क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की पद्धति प्रचलन में है। उन्होंने छात्रों को प्राकृतिक खेती के विषय में विस्तार से बताया। पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के डीन डॉ. मयंक कुमार ने सभी छात्रों का परिचय कुलपति से कराया और प्राकृतिक खेती को लेकर विश्वविद्यालय के महत्वाकांक्षी योजनाओं के विषय में सभी को जानकारी दी। कार्यक्रम को विवि के निदेशक शिक्षा उमाकांत बेहरा, निदेशक गन्ना अनुसंधान केंद्र डॉ. एके सिंह, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. रंजन लायक आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर डॉ. एम एस कुंडू, डॉ. अम्बरीष कुमार, डॉ. ए के सिंह, डॉ. राकेश मणि शर्मा, डॉ. डीएन कामत, सूचना पदाधिकारी डॉ. कुमार राज्यवर्धन समेत विवि के विभिन्न शिक्षक, वैज्ञानिक, बच्चें व पदाधिकारी मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 10-01-2024

मौसम • 19 से 21 डिग्री सेल्सियस रहेगा अधिकतम तापमान, 3-4 किलोमीटर की रफ्तार से चलेगी पछिया हवा

सुबह में छाया रहेगा कुहासा, दिन चढ़ने के बाद खिलेगी धूप न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा व भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा मंगलवार को 10-14 जनवरी तक के मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखने को मिल सकते हैं। मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छाने की संभावना है। हालांकि दिन में धूप खिला रहेगा, लेकिन पछिया हवा के कारण कनकनी की स्थिति बनी रहेगी। इस अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। औसतन 3 से 4 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। मंगलवार के अधिकतम तापमान में सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस वृद्धि दर्ज की गई और यह 21.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान में भी सामान्य से 0.6 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 9.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सुबह में सड़क पर छाया रहा कुहासा।

झुलसा रोग से बचाव को करें छिड़काव

लहसुन की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। झुलसा रोग से बचाव के लिए लहसुन में 2.0 ग्राम मैनकोजेव फफूंदी नाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। इस घोल में 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से गोंद अवश्य मिलायें। सरसों में सफेद रतुआ (व्हाईट रस्ट) रोग की निगरानी करें। इस रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु क्लोरथालोनील दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। प्याज की रोपाई करें। पौध की रोपाई अधिक गहराई में नहीं करें। पिछले माह रोपी गयी प्याज में निकाई-गुडाई एवं हल्की सिंचाई करें। लहसुन की फसल में सिंचाई करें। कीट-व्याधि की निगरानी करें।

10-14 जनवरी तक की अवधि में अधिकतम तापमान 19-21 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 9-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान 3-4 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

*– **डॉ. ए सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

Dainik Bhaskar 10-01-2024

किसानों की फसलों पर ड्रोन से नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का छिड़काव

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पुसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली द्वारा एग्री ड्रोन प्रोजेक्ट के तहत समस्तीपुर व पुसा प्रखंड से जुड़े विभिन्न गांव में ड्रोन से किसानों के फसलों पर नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का छिड़काव जोर शोर से किया जा रहा हैं। मंगलवार को केवीके बिरौली द्वारा समस्तीपुर प्रखंड के पंचरुखी गांव से जुड़े दर्जनों किसानों के खेतों में लगे गेहूं की फसल पर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का छिड़काव ड्रोन द्वारा कराया गया। ड्रोन के द्वारा किए गए छिड़काव पर किसानों ने काफी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह तकनीक किसानों के लिए काफी बेहतर तकनीक है। ड्रोन उड़ा रहे केवीके के विषय वस्तु विशेषज्ञ सुमित कुमार सिंह ने बताया कि इस ड्रोन में 10 लीटर का ड्राम लगा है। ड्राम में एक बार दवा मिला देने पर एक एकड़ फसल पर आसानी से स्प्रे किया जा सकता हैं। उन्होंने बताया कि इतना ही नही एक एकड़ स्प्रे को करने में ड्रोन को मात्र 7 से 8 मिनट का समय लगता हैं। उन्होंने बताया की आने वाले समय में ड्रोन की उपयोगिता काफी अधिक बढ़ने वाली हैं। किसान इस तकनीक को अपनाकर समय, श्रम एवं पैसे तीनों की बचत कर पाएंगे। मौके पर मौजूद किसानों में बैद्यनाथ राय, अरुण, बलराम राय, शैलेंद्र प्रसाद राय, बैजू पंडित आदि शामिल हैं।

पंचरुखी गांव में किसानों की फसलों पर ड्रोन से छिड़काव करते विशेषज्ञ।

Dainik Bhaskar 10-01-2024

भास्कर 10/11/24 पेज 17

कृषि विज्ञान केंद्र सरैया में प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर हुआ शुरू

सरैया | कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ पद्मश्री राजकुमारी देवी, केवीके प्रधान डॉ. अनिल कुमार सिंह, वैज्ञानिक डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. पंकज कुमार और बीटीएम दीपमाला सिंह, एटीएम राजदेव कुमार ने किया। फसल उत्पादन वैज्ञानिक डॉ रजनीश कुमार, केंद्र के मत्स्य वैज्ञानिक पंकज कुमार, बीटीएम दीपमाला सिंह व एटीएम राजदेव कुमार ने प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जागरण 10-01-24-P-7

केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेचुरल फार्मिंग कोर्स शुरू, 20 ने कराया नामांकन

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती (नेचुरल फार्मिंग) में अंडर ग्रेजुएट का कोर्स शुरू हुआ है। प्राकृतिक खेती में बीएससी करने वाले छात्रों के लिए इसे इंडक्शन कोर्स का नाम दिया गया है।

कुलपति डा. पीएस पांडे ने कहा कि 2018 से ही नेचुरल फार्मिंग को शुरू करने की योजना चल रही थी। इस कोर्स के पाठ्यक्रम पर मंथन किया गया। 30 से ज्यादा बैठक कर विभिन्न विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। इसके बाद पूरे देश के कृषि विश्वविद्यालय के कुलपतियों की बैठक में भी इस कोर्स के पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई। उन्होंने छात्रों से कहा कि वह स्वयं को विशेष समझे क्योंकि वही आने वाले वर्षों में देश को विश्व गुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। प्राकृतिक खेती से देश में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। आज जो छात्र नामांकित हुए हैं वही लोग आने वाले भविष्य में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति एवं छात्र • जागरण

परिवर्तन लाएंगे। कुलपति ने कहा कि भविष्य में मास्टर डिग्री में तथा पीएचडी में भी नेचुरल फार्मिंग कोर्स करने की योजना पर विचार चल रहा है। कुलपति ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी और अकादमिक बैंक क्रेडिट के विषय में भी छात्रों को विस्तार पूर्वक बताया। मौके पर मौजूद कुलसचिव डा. मृत्युंजय कुमार ने कहा कि प्राचीन काल में देश में प्राकृतिक खेती होती थी और आज भी कुछ जगह पर इसकी खेती होती है। मौके पर कृषि स्नातक के डीन डा. मयंक कुमार, शिक्षा निदेशक उमाकांत बेहरा, गन्ना अनुसंधान निदेशक एके सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डा. रंजन लायक, डा. कुमार राजवर्धन, डा. राकेश शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 10/1/24 पृष्ठ 3

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा। अगले चार दिनों में हल्के बादल बन सकते हैं एवं सुबह में मध्यम से हल्का कुहासा रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
	समस्तीपुर	
10 जनवरी	22	10
11 जनवरी	23	11
	दरभंगा	
10 जनवरी	22	10
11 जनवरी	23	11
	पटना	
10 जनवरी	24	12
11 जनवरी	25	12.5

डिग्री सेल्सियस में

कुलपति ने कहा-जल्द शुरू होगा नेचुरल फार्मिंग में पीजी और पीएचडी का कोर्स

पहल: पूसा में शुरू हुआ देश का पहला प्राकृतिक खेती विद्यालय

खेतीबाड़ी

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। देश में पहली बार नेचुरल फार्मिंग कोर्स की शुरुआत हुई है। यह कृषि क्षेत्र में नई क्रांति लायेगा। वर्तमान में विवि में स्कूल ऑफ नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत हुई है। आने वाले समय में कॉलेज ऑफ नेचुरल फार्मिंग के साथ पीजी और पीएचडी की शिक्षा की भी शुरुआत होगी। जरूरत है संकल्पित भाव व बुलंद हौसले से इसकी शिक्षा की शुरुआत करने की। साथ ही छात्रों को अभी से एक्सपरमेंट की आदत डालने की। वे मंगलवार की शाम विवि के ईंख अनुसंधान केंद्र के सभागार में प्राकृतिक खेती विद्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कररहे थे।

कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने कहा कि प्राचीन काल से ही देश में प्राकृतिक खेती होती थी। आज भी कुछ टाल और दियारा क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की पद्धति प्रचलन में है। मौके पर निर्देशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा, निदेशक गन्ना अनुसंधान केंद्र डॉ एके सिंह, निदेशक छात्र कल्याण डॉ रंजन लायक ने भी विचार रखें। स्वागत करते हुए पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के डीन डॉ मयंक राय ने सभी छात्रों का परिचय कुलपति से कराया और प्राकृतिक खेती को लेकर विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी योजनाओं के विषय में विस्तार से चर्चा की। संचालन डॉ राजीव कुमार श्रीवास्तव व धन्यवाद डॉ शंकर झा ने किया। मौके पर निदेशक डॉ एमएस कुंडू, डॉ.एसएस प्रसाद, डॉ, मो अब्बास अहमद, डॉ आरके रंजन, डॉ राजीव कुमार, डॉ कुमार राजवर्धन डॉ सीके झा, डॉ नवनीत कुमार आदि मौजूद थे।

मंगलवार को प्राकृतिक खेती विद्यालय के उद्घाटन समारोह में मौजूद छात्र व वैज्ञानिक। • हिन्दुस्तान

- **प्रयोग की आदत डालने की छात्रों को सलाह**
- **ईंख अनुसंधान केंद्र में हुआ कार्यक्रम**

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

Hindustan 10-01-24

सुबह में घना कुहासा होने की संभावना

पूसा। उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनों तक हल्के बादल रह सकते है। इस दौरान आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा रह सकता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 14 जनवरी तक मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में औसतन 3 से 4 किमी प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चलने का अनुमान है। पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 21 डिग्री व न्यूनतम 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।

Hindustan 10-01-24

नेचुरल फार्मिंग इंडक्शन पाठ्यक्रम पर कार्यक्रम का आयोजन

प्राकृतिक खेती में बीएससी करने वाले छात्रों के लिए इंडक्शन कोर्स शुरू

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक कृषि (नेचुरल फार्मिंग) में अंडरग्रैजुएट का पाठ्यक्रम भारत में पहली बार शुरू किया गया है. कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने विश्वविद्यालय के गन्ना अनुसंधान केंद्र में प्राकृतिक खेती में बीएससी करने वाले छात्रों के लिए इंडक्शन कोर्स की शुरुआत की. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ पांडेय ने आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पूरे भारतवर्ष में पहली बार नेचुरल फार्मिंग का कोर्स डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में शुरू हो रहा है. उन्होंने कहा कि 2018 से ही नेचुरल फार्मिंग के कोर्स शुरू करने की योजना चल रही थी.

इस कोर्स के सिलेबस पर गहन मंथन किया गया. इसको लेकर 30 से ज्यादा बैठकर आयोजित की गई. जिसमें विभिन्न विषय के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था. इसके बाद पूरे देश के कृषि विश्वविद्यालय के कुलपतियों की बैठक में भी इस कोर्स के सिलेबस पर चर्चा की गई. उन्होंने छात्रों से कहा कि स्वयं को विशेष समझने की जरूरत है क्योंकि आने वाले वर्षों में देश को विश्व गुरु बनाने में छात्रों की भूमिका अहम होगी. उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से देश में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है. आज जो छात्र नामांकित हुए हैं वही आने वाले भविष्य में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लायेंगे. भविष्य में मास्टर डिग्री में व पीएचडी में भी नेचुरल फार्मिंग कोर्स करने की योजना पर विचार चल रही है. कुलपति ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी और अकादमिक बैंक का क्रेडिट के विषय में भी छात्रों को विस्तार से बताया. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने कहा कि प्राचीन काल में देश में प्राकृतिक खेती होती थी.

संबोधित करते वक्ता.

आज भी दियारा क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की पद्धति प्रचलन में है. उन्होंने छात्रों को प्राकृतिक खेती के विषय में विस्तार से बताया. स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ डॉ मयंक कुमार ने कुमार ने सभी छात्रों का परिचय कुलपति से करते हुए प्राकृतिक खेती को लेकर विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी योजनाओं के विषय में अवगत कराया. उपस्थित निदेशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा, गन्ना अनुसंधान केंद्र निदेशक डॉ एके सिंह, निदेशक छात्र कल्याण डॉ रंजन नायक ने विषय से जुड़ी बातों को रखा. निदेशक प्रसार डॉ एमएस कुंडू, अधिष्ठाता डॉ अंबरीश कुमार, निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, डॉ डीएन कामत, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Wed, 10 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74305572

सुबह में छाया घना कोहरा, दिन में खिली धूप

समस्तीपुर. मंगलवार की सुबह पूरा जिला घने कोहरे के आगोश में रहा. हलांकि दिन ढलने के बाद लोगों को सूरज देव का दर्शन हुआ. शाम में फिर कनकनी बढ़ गयी. सुबह में घने के कोहरे के कारण सड़कों पर विजिवलिटी 50 मीटर से भी कम रही. वाहनों को आवाजाही में परेशानी हुई. ईंटिकेडर व फॉग लाइट चलाकर वाहन धीमी रफ्तार से सड़क पर चलती रही. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 10 से 14 जनवरी तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल बन सकते हैं. आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है. सुबह में मध्यम से घने कुहासे छा सकते हैं. अधिकतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, वहीं न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस केबीच रह सकती है. औसतन 3 से 4 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है.ठंड से बचाव को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा आज 186 जगहों पर अलाव जलवाये गये. आज तीनों रैन बसेरों में 17 लोगों ने आश्रय लिया. अबतक 189 लोगों ने रैन बसेरों में आसरा लिया है.गरीबों तथा जरूरत मंदों के बीच 3839 कंबलों का वितरण किया गया है. मंगलवार का अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा.

प्रभात खबर
Wed, 10 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74309682

केवीके में मडुआ के आटा से उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण आयोजित

मझौलिया। प्रखंड के कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर प्रशिक्षण सभागार भवन में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को मडुवा के आटा से विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए

प्रशिक्षण बाद प्रशिक्षु। राष्ट्रीय सहारा 10/1/24 पेज 3

एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र के वरीय एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर अभिशेक प्रताप सिंह, डॉक्टर धीरू कुमार तिवारी, सीडीपीओ पूनम कुमारी ने मडुवा के आटा से बनी उत्पाद के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ रीता देवी यादव ने बताया की मडुवा में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, ट्रिपटोफैन, मिथियोनिन, फाइबर, लेशिथिन, फास्फोरस, कैरोटीन, कार्बोहाइड्रेट समेत कई पोशक तत्वों भरपूर मात्रा पाई जाती है।जो शरीर के लिए जरूरी और फायदेमंद है। मडुवा को किशोरी ,बालिकाओं ,गर्भवती, धात्री महिलाओं, आंगनवाड़ी के बच्चों के भोजन में शामिल करने पर बल दिया। उन्होंने आंगनबाडी के सेविकाओ को रागी के हलवा, लड्डू देसी गुड के साथ बनाने के लिए बताया। कार्यक्रम में सेविकाओ के बीच बारहमासी फलने वाले सहजन के पौधे का वितरण किया गया।तथा इसके पत्तों, फूलों फल के उपयोग की जानकारी दी गई।मौके पर वैज्ञानिक डॉक्टर चेलपुरी रामुलु, डॉक्टर जगपाल ,अभिशेक रंजन आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम • पूसा केंद्रीय कृषि विवि में ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का सर्टिफिकेट वितरण समारोह

ड्रोन पायलट और ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं, कृषि में चल रहा बड़ा सुधार : कुलपति

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के अधीनस्थ कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के परिसर में ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट देने के लिए सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने सर्वप्रथम प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में 17 प्रशिक्षुओं को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी गई है। इन प्रशिक्षुओं में से 14 महिला ड्रोन पायलट है। कुलपति ने कहा कि ड्रोन पायलट और ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खासकर प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह उनकी बड़ी सोच का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य के ग्रामीण इलाकों से सभी 17 प्रशिक्षणार्थियों को चुनकर उन्हें ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश में कृषि के क्षेत्र में एक बड़ा सुधार चल रहा है। आने वाले दो-तीन वर्षों में एक बड़ा परिवर्तन लोगों को देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन में ड्रोन टेक्नोलॉजी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूर्वी भारत के क्षेत्र में डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर काफी सक्रिय प्रयास कर रहा है। ड्रोन पायलटिंग की ट्रेनिंग देने के अतिरिक्त ड्रोन के रख-रखाव एवं मरम्मती करण का कोर्स भी विश्वविद्यालय में शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ ही वर्षों में देश को एक लाख से अधिक ड्रोन पायलटों की आवश्यकता होगी।

आने वाले दो-तीन वर्षों में होगा बड़ा परिवर्तन, नई तकनीक से आसान होगी खेती

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा ने देश में डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया

अभियंत्रण महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अम्बरीष कुमार ने कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। पूरे देश भर में यह विवि एक अगवा बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि कुलपति डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर काफी सक्रिय हैं और उन्हें विश्वास है की कुछ ही वर्षों में विश्वविद्यालय देश को कई तरह की नई तकनीक देगा जो किसानों के लिए अत्यंत हितकारी और प्रभावकारी साबित होंगे। मौके पर निदेशक शिक्षा डा. उमाकांत बेहरा, डीन पीजीसीएई डॉ. मयंक राय, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एस कुंडू, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेश मणि शर्मा ,सूचना पदाधिकारी डॉ. कुमार राजवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक एवं वैज्ञानिक मौजूद थे।

सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पाने वाली सभी दीदियों को सरकार की ओर से एक ड्रोन फ्री में मिलेगी

उन्होंने बताया कि नमो ड्रोन दीदी स्कीम के तहत भारत सरकार आज सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पाने वाले सभी ड्रोन दीदियों को एक-एक ड्रोन फ्री में देगी। इतना ही नही ड्रोन दीदी आगामी 26 जनवरी को अपने-अपने प्रखंड में ड्रोन को उड़ाएंगे तथा लोगों को ड्रोन से होने वाले कार्यो के विषय में जागरूक भी करेंगे।उन्होंने बताया कि ड्रोन ट्रेनिंग के लिए योग्यता 10वीं पास और न्यूनतम 18 वर्ष उम्र होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी तक 61 ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी गई है और सभी लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने वैज्ञानिकों से भी आह्वान किया कि वे ड्रोन में सेंसर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम तथा अन्य विविध एप्लीकेशन को लगाने पर भी शोध करें जिससे कि ड्रोन का उपयोग निर्णय लेने और अन्य विविध क्षेत्रों में आसानी से किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के द्वारा डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर विवि में 5G लैब का उद्घाटन अभी हाल ही में किया गया है। आने वाले समय में सीडीएसी के द्वारा सुपर कंप्यूटिंग फैसिलिटी भी विश्वविद्यालय में तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी तकनीक पूरे देश में 100 संस्थाओं को दी जाने वाली है जिसमें से डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा भी एक होगा। इस तरह के तकनीक के आ जाने से विश्वविद्यालय को डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में शोध एवं उसके प्रसार में काफी सहयोग मिलेगा।

Dainik Bhaskar 11-01-2024

डिजिटल एग्रीकल्चर में ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर में ड्रोन पायलटों को बुधवार को प्रमाण पत्र दिया गया। अभियंत्रण महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम मे नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में 17 प्रशिक्षुओं को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी गई थी। इसमें से 14 महिला ड्रोन पायलट है। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. पी एस पांडेय ने कहा कि ड्रोन पायलट और ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बड़ी बात है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण इलाके के 17 प्रशिक्षणार्थियों ने इसे हासिल किया है। उन्होंने कहा कि देश में एक बड़ा सुधार चल रहा है और आने वाले दो-तीन वर्षों में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। इस परिवर्तन में ड्रोन टेक्नोलॉजी की एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूर्वी भारत के क्षेत्र में डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर काफी सक्रिय प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया की ड्रोन पायलटिंग के अतिरिक्त ड्रोन के रखरखाव एवं मरम्मती का कोर्स भी विश्वविद्यालय में शुरू हो गया है। कुछ ही वर्षों में देश को एक लाख से अधिक ड्रोन पायलटों की आवश्यकता होगी। बताया कि नमो ड्रोन दीदी स्कीम के तहत भारत सरकार आज सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पाने वाले सभी ड्रोन दीदी को एक-एक ड्रोन फ्री में देगी। वह 26 जनवरी को अपने प्रखंड में ड्रोन उड़ाएंगे और लोगों को ड्रोन से होने वाले कार्यों के विषय में जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति • जागरण

Dainik Jagran 11-01-24

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा। अगले चार दिनों में हल्के बादल बन सकते हैं एवं सुबह में मध्यम से हल्का कुहासा रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
11 जनवरी	22	10
12 जनवरी	23	10
दरभंगा		
11 जनवरी	22	10
12 जनवरी	23	10
पटना		
11 जनवरी	26	11
12 जनवरी	25	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 11-01-24

ड्रोन मेंटेनेंस प्रशिक्षण का पहला केन्द्र पूसा

- विवि में ड्रोन पायलट मेंटेनेंस प्रशिक्षण संपन्न
- नमो दीदी ले रही थीं ड्रोन के मेंटेनेंस का प्रशिक्षण

विवि के कृषि अभियंत्रण कॉलेज में प्रशिक्षु को प्रमाण-पत्र देते कुलपति, डीन व अन्य।

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने कहा कि मोबाइल व कम्प्यूटर की तरह ड्रोन तकनीक भी अगले दो-तीन वर्षों में कृषि व अन्य क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तन में एक सशक्त कड़ी के रूप में उभरेगा। विवि डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर काफी सक्रिय प्रयास कर रहा है। इस कड़ी में ड्रोन पायलटिंग प्रशिक्षण के बाद अब उसके रखरखाव व मरम्मत के कोर्स की शुरुआत विवि में की गई है। जो कृषि क्षेत्र में बेहतर सहयोग के साथ रोजगार सृजन व आत्मनिर्भरता में काफी मजबूती प्रदान करेगा। इसमें केन्द्र सरकार की नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम समेत सरकार की अन्य योजनाएं काफी सहायक साबित होगी। वे बुधवार को विवि के कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय के सभागार में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मौका था प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का। ड्रोनियर एवीगेशन के एमडी आर सिंह ने कहा कि पूसा कृषि विवि ड्रोन की रिपेयरिंग व मेंटेनेंस सेंटर के रूप में विकसित होने वाला देश का पहला केन्द्र बन गया है। जल्द ही ड्रोन की नई अन्य तकनीक के प्रशिक्षण की शुरुआत की जायेगी।

उन्होंने नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम के संबंध में कहा कि इस योजना के तहत प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षुओं को सरकार प्रशिक्षण के साथ मुफ्त में एक-एक ड्रोन देगी। डीन डॉ. अम्बरीश कुमार ने कहा कि अब तक 61 प्रशिक्षुओं ने ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण लिया है। डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में विवि देश में लीडर के रूप्में उभर रहा है। संचालन ई.निकिता एवं धन्यवाद डॉ.एसके पटेल ने किया। मौके पर डीन-डायरेक्टर व वैज्ञानिक मौजूद थे।

Hindustan 11-01-2024

महिलाओं के सहयोग से ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में आयेगी नयी क्रांति : कुलपति

प्रमाण पत्र देते कुलपति.

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के वर्चुअल वर्ग कक्ष में 9वें बैच के रिमोट ड्रोन पायलट प्रशिक्षुओं के बीच प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की वितरण हुआ. प्रशिक्षण सत्र के दौरान नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में 17 प्रशिक्षुओं को ड्रोन पायलट की प्रशिक्षण दिया गया. इसमें 14 महिला ड्रोन पायलट थी. कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि ड्रोन पायलट एवं ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं अपार हैं. उन्होंने देश के प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उनकी बड़ी सोच का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण क्षेत्र की महिला प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

उन्होंने कहा कि देश में एक बड़ा सुधार चल रहा है. आने वाले दो-तीन वर्षों में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा. जिसमें ड्रोन तकनीक की भूमिका अहम होगी. उन्होंने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूर्वी भारत के क्षेत्र में डिजिटल एग्रीकल्चर को लेकर काफी सक्रिय प्रयास कर रहा है. अभियंत्रण महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ अंबरीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है. प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े आरएस सिंह ने कहा कि कुछ ही वर्षों में देश को एक लाख से अधिक ड्रोन पायलटों की आवश्यकता होगी. प्रशिक्षु ममता सिंह, पूनम गुप्ता ने ड्रोन संचालन के बारे में मिली जानकारी को साझा किया. संचालन निकिता मिश्रा ने किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ एसके पटेल ने किया. मौके पर निदेशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा, निदेशक प्रसाद शिक्षा डॉ एमएस कुंडू, स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ मयंक राय, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राजवर्धन, प्रशिक्षु रीमा सिंह, संगीता विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Thu, 11 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/

14 women receive certificates on completing drone pilot training

B K Mishra | TNN

TOI

RPCAU VC P C Pandey felicitates a woman drone pilot on Wednesday

Patna: Rajendra Prasad Central Agricultural University's (RPCAU's) vice-chancellor (VC) P C Pandey, on Wednesday, gave away certificates to as many as 14 women on successful completion of their drone pilot training.

All these women pilots will get a drone each free of cost from the government of India under the 'Namo Drone Didi' initiative. The 'Namo Drone Didi' initiative aims to empower 15,000 women of self-help groups (SHGs) by providing agricultural drones, thus placing rural women at the forefront of the agricultural revolution.

Addressing the women drone pilots at a function held at the university headquarters at Pusa (Samastipur), the VC said that the women pilots will fly drones in their respective blocks on Republic Day and make the people aware of the advantages of drone technology. "A total of 61 people have so far been imparted the training of drone pilot and all of them have got jobs," he said.

Pandey further said that with the increasing application of drones in different sectors, particularly agriculture, the demand for trained drone pilots is likely to increase considerably. "According to a conservative estimate, the country will need at least one lakh drone pilots within a few years," the VC said.

Besides imparting the training of drone pilots, the university has also started a training course in the repair and maintenance of drones. "There are immense possibilities of employment of drone pilots in the field of agriculture," Pandey said, adding that the pattern of farming is undergoing a sea change with the increasing applications of technological innovations.

He further pointed out that the university is playing a leading role in the field of digital agriculture. A special laboratory of digital agriculture has been set up in the university with the assistance of the central government. He called upon the university scientists to carry out intensive research on sensor decision support systems in drones and other applications to make the technology more friendly for farmers.

All the senior academics and research scientists of the university attended the function.

Times of India 11.01.24 P-3

मौसम • 6.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा, सड़क पर कम दिखी गाड़ियां

सुबह नौ बजे तक सड़कों पर कुहासा, पूरे दिन नहीं निकली धूप, पछिया हवा के कारण बढ़ी कनकनी

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

लोगों को ठंड से अभी राहत नहीं मिलने वाली है। आने वाले दिनों में देर सुबह तक कनकनी व ठंड की स्थिति बनी रहेगी। दिन में धूप निकलने की संभावना है। गुरुवार को 6.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा के कारण जिले में कड़ाके की ठंड पड़ने से शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है। दिन में धूप नहीं निकलने के कारण दिनभर कनकनी बनी रही। वहीं गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 15.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 10.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ठंड बढ़ने का फसलों पर असर, झुलसा रोग से बचाव को लेकर छिड़काव

शहर में सड़कों पर कम दिखे लोग।

बच्चों व बुजुर्ग को लेकर सतर्कता की जरूरत

सापेक्ष आर्द्रता सुबह के समय 99 फीसदी व दोपहर में 78 फीसदी रहा। 6.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा ने जिले के मौसम को सर्द बना दिया। वहीं ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के 10-14 जनवरी तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में सुबह के समय हल्का या घना कुहासा छाया रहेगा। औसतन 3 से 4 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रूप से पछिया हवा चलेगी। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। इससे ठंड व कनकनी में बढ़ोतरी होगी। हालांकि इस दौरान धूप भी खिलेगा जिससे लोगों को राहत मिलेगी। वहीं बढ़ते ठंड को देखते हुए अस्पताल के डीएस डॉक्टर गिरीश कुमार ने कहा कि इस दौरान मोटे व गर्म कपड़े पहनने चाहिए और पूरे शरीर को ढक कर चलना चाहिए। खासकर कान, नाक और मुंह को जरूर ढक कर चलना चाहिए। वहीं नगर निगम के सिटी मैनेजर शफी अहमद ने बताया कि भीषण ठंड को देखते हुए नगर निगम के द्वारा शहर के रैन बसेरों के आसपास अलाव की व्यवस्था की गई थी। आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा अलाव की व्यवस्था की जाएगी।

Dainik Bhaskar 12-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा। अगले चार दिनों में हल्के बादल बन सकते हैं एवं सुबह में मध्यम से हल्का कुहासा रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
12 जनवरी	16	10
13 जनवरी	18	11
दरभंगा		
12 जनवरी	16	10
13 जनवरी	18	11
पटना		
12 जनवरी	20	11
13 जनवरी	21	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 12-01-2024

पछिया से कांप रहे लोग, 5 डिग्री लुढ़का पारा

- सात किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बह रही हवा
- अधिकतम तापमान 15 डिग्री के आसपास रहा

पूसा, निज संवाददाता। हाड़ कंपाने वाली ठंड ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ लिया है। करीब दो-तीन दिनों की हल्की राहत के बाद गुरुवार को ठंड ने कहर बरपाया। सुबहसे दोपहर तक कुहासा छाये रहने के साथ पछिया हवा चलती रही। जिससे दिनभर लोग ठिठुरते रहे। करीब 7 किमी. प्रति घंटा की गति से चल रही पछुआ हवा कनकनी को और बढ़ा रही थी।

मौसम विभाग की मानें तो दिन का तापमान (अधिकतम) 15.1 डिग्री रहा। जो सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस कम बताया गया है। जबकि न्यूनतम तापमान 10.5 रहा। न्यूनतम व अधिकतम तापमान के बीच करीब 5 डिग्री से कम का अंतर से ठंड के प्रहार का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस दौरान दिनभर धूप की लुका-छिपी जारी रही। हल्की धूप पर ठंड का प्रहार लगातार जारी रहा।

मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति अगले दो दिनों तक जारी रहेगी। इस दौरान दिन में धूप निकलेगी। इसके बाबजूद ठंड का कहर जारी रहेगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने बताया कि इस दौरान पछुआ हवा जारी रहेगी। जिससे कनकनी बढ़ने की संभावना है। सुबह में हल्का से मध्यम कुहासा जारी रहेगा।

बच्ची को लगी ठंड

रोसड़ा। प्रखंड के मध्य विद्यालय मुरादपुर में गुरुवार को एक बच्ची को ठंड लग गयी। एचएम शंकर शर्मा की सूझबूझ व तत्परता के कारण बच्ची शीघ्र ही ठीक हो गयी। एचएम ने तत्क्षण अलाव जलवा कर बच्ची की मालिश करवायी। साथ ही चिकित्सीय सुविधा भी उपलब्ध करवायी। जिससे बच्ची की हालत में शीघ्र हीं सुधार हो गया। एचएम ने बताया कि उक्त बच्ची पांचवीं कक्षा की छात्रा है।

Hindustan 12-01-2024

मछली व श्री अन्न व्यवसाय का विकल्प:डीन

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के डीन डॉ.अम्बरीश कुमार ने कहा कि मछली व श्री अन्न पौष्टिक होने के साथ स्वास्थ्य व व्यवसाय का बेहतर विकल्प है। जरूरत है इसके तकनीकी पहलुओं का ज्ञान लेकर इस दिशा में कार्य करने की। इसमें सरकार व कृषि विवि हरसंभव सहयोग में जुटा है।

वे बुधवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मौका था श्रीअन्न प्रसंस्करण के 5 दिवसीय एवं मछली पालन पर छह दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र का। उन्होंने कहा कि मछली का सेवन खून में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में सहायक होता है। तो मरूआ में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। कहा कि पहाड़ो में मरूआ की खेती अधिक होती है। इसका सेवन जोड़ो के दर्द व गठिया जैसे रोगों को दूर करने में सहायक होता है।

पूसा कृषि विवि के पंचतंत्र सभागार में संबोधित करते डीन व अन्य।

Hindustan 12-01-2024

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को ले विवि प्रयासरत

पूसा. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बीज निदेशक डॉ डीके राय ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है. इसलिए फसल के उत्पादन में गुणवत्तापूर्ण बीज की होना जरूरी है. उन्होंने कहा कि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बीज निदेशालय विश्वविद्यालय के धान, दलहनी, तेलहनी, सब्जियों, मसाला, औषधीय एवं सुगंधित पौधों के बीज का विपणन ''राजेन्द्र पूसा बीज'' के नाम से करता है. साथ ही, पौधरोपण सामग्री के उत्पादन, विपणन एवं इसके बीज उत्पादन के साथ-साथ कृषि से जुडे नवाचार और कृषकों को बीजों उत्पादन के क्षेत्र में सशक्तिकरण की ओर निरंतर अग्रसर कार्य कर रहा है. डॉ राय ने कहा कि प्रजनक बीज का उत्पादन विश्वविद्यालय द्वारा गठित वैज्ञानिकों की समिति की देखरेख में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन इकाई के तहत पूसा व ढोली के प्रक्षेत्र भूमि पर होता है. आधार एवं प्रमाणित बीज का उत्पादन कृषि विज्ञान केन्द्र, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र एवं कृषक सहभागिता कार्यक्रम के तहत कृषकों के खेत पर वैज्ञानिकों के निगरानी में किया जाता है.

प्रभात खबर
Fri, 12 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74323025

COLLEGE OF BASIC SCIENCES AND HUMANITIES
DR. RAJENDRA PRASAD CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

PUSA, SAMASTIPUR- 848125 (BIHAR)

No.470/CBS&H, Pusa **Dated: 09/01/2024**

ADVERTISEMENT

(Guest Faculty in Department of BS&L)

The Department of Basics Sciences & Languages, College of Basic Sciences and Humanities, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa, Samastipur (Bihar) is looking for one qualified and competent Guest Faculty (Mathematics) to teach different mathematics courses for the students of U.G. & P.G. degree programmes. Candidates having Master degree in Mathematics with at least 60% marks or equivalent grade point or Doctorate degree in Mathematics subject from a recognized university/institute including relevant basic science with 2 published research papers in scientific general with NAAS rating of more than 5.0 may sent their Resume to the Dean, CBS&H, RPCAU, Pusa, Samastipur, Bihar- 848125 through e-mail **dean.fbsh@rpcau.ac.in** on or before 8th February, 2024 to appear in walk-in-interview before the duly constituted selection committee on 13th February, 2024 at 11:00 AM along with all the original certificates and testimonials etc. and also one self attested photocopy of all documents and two passport size photographs in the office chamber of Dean, College of Basic Sciences and Humanities, RPCAU, Pusa, Samastipur (Bihar). Candidates with NET/Ph.D will be preferred. Visit university website **www.rpcau.ac.in** for detailed information.

Sd/-

(Amaresh Chandra)

DEAN, CHS&H

P-15
Times of India 12/01/24

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के पादप रोग विभाग के वरीय कृषि वैज्ञानिक ने दी जानकारी

शस्य नियंत्रण तकनीक को अपनाकर फसलों में रोग व कीटों को कर सकते हैं नियंत्रित : वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज़ | पूसा

शस्य नियंत्रण यानी खेती बारी करने के ढंग में परिवर्तन करके किसान फसलों में लगने वाले कीट और रोगों को आसानी से नियंत्रित कर सकते है। शस्य नियंत्रण विधि कीटों की प्रजनन शक्ति व उसकी वृद्धि को रोकने के साथ पौधों के अंदर कीट अवरोधी गुण भी उत्पन्न करती है। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के पादप रोग विभाग के हेड सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस के सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि शस्य नियंत्रण का तात्पर्य यह है कि कृषि में अपनाए जाने वाले परंपरागत कृषि क्रियाओं में ऐसा परिवर्तन किया जाए जिससे फसलों पर कीड़ों तथा बीमारियों का आक्रमण काफी कम हो। शस्य नियंत्रण विधियां बहुत पहले से चली आ रही है लेकिन आधुनिक रसायनों के आने से इनका प्रयोग काफी कम हो गया है तथा होते ही जा रहा है। शस्य नियंत्रण तकनीक के अंतर्गत खेतीबाड़ी में कई तरीके अपनाएं जाते है जैसे खेतों से फसल अवशेषों को प्रत्येक साल हटाना, खेत के मेरो को साफ रखना, खेत में प्रत्येक वर्ष कई बार गहरी जुताई कराकर उसमें मौजूद कीट तथा खरपतवारों को नष्ट करना आदि शामिल है।

शक्ति व उसकी वृद्धि को रोकने के साथ पौधों के अंदर कीट अवरोधी गुण भी उत्पन्न करती है

शस्य नियंत्रण तकनीक का इस्तेमाल करते किसान।

फसलों को बीमारियों से बचाने के लिए किसान अपनाएं फसल चक्र

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि शस्य नियंत्रण तकनीक के तहत किसानों के लिए फसल चक्र को अपनाना भी काफी लाभकारी होता है। फसल चक्र अर्थात एक फसल की बुआई लगातार एक खेत में न कर उसमें फसलों को बदलकर उसकी बुआई करते रहे। ऐसा करने से भी फसलों में कई तरह के कीड़ों एवं बीमारियों का प्रकोप काफी हद तक कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि खेतों में समय पर फसलों की बुवाई करना एवं फसलों में खरपतवार का समुचित प्रबंधन करना भी कई तरह की बीमारियों को रोकने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में हुए एक अनुसंधान की मानें तो यह पाया गया है कि फसलों में बहुत से खरपतवार कई तरह की बीमारियों तथा कीटों को संरक्षण देते हैं। किसान फसल की बुआई के 45 दिनों तक खेतों से हर हाल में खरपतवारों को फूल आने की अवस्था से पहले ही निकाल दें। उन्होंने बताया कि किसान उपरोक्त सभी तरीके को अपनाकर खेती में कीटों और रोगों को प्रबंधित कर सकते हैं।

उर्वरक का प्रयोग व उसकी मात्रा को मिट्टी परीक्षण के अनुसार ही करें किसान

उन्होंने कहा कि शस्य नियंत्रण तकनीक के तहत किसानों को खेतों में खाद तथा अन्य उर्वरक के प्रयोग एवं उसकी मात्रा को मिट्टी परीक्षण के अनुसार ही करना चाहिए। खेतों में लगाएं जाने वाले फसलों के बीज साफ, उपयुक्त एवं प्रतिरोधी किस्मों का होना चाहिये। इसके अलावे बीज की बुआई से पूर्व किसानों को बीज को हर हाल में उपचारित कर लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस तकनीक के तहत किसान खेतों में फसल लगाएं जाने के दौरान बीज दर को उचित एवं संस्तुति के अनुसार ही पौधे से पौधे के बीच की दूरी को रखें। पौधरोपण से पहले पौधे की जड़ो को जैविक फफूंदनाशक ट्राइकोडरमा बिरडी से उपचारित जरूर करें।किसान फसल को लगाने और काटने का समय इस तरह से सुनिश्चित करें ताकि फसल कीड़ों तथा बीमारियों के प्रमुख प्रकोप से बच सके। पौधे को लगाने के दौरान उसकी सघनता पर भी ध्यान दें जिससे पौधे स्वस्थ रह सकें। इसके अलावे उन्होंने बताया कि इस विधि के तहत किसानों को खेतों में समुचित जल प्रबंधन एवं उर्वरक प्रबंधन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

Dainik Bhaskar 13-01-2024

मौसम • 13 से 17 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी, 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा न्यूनतम पारा

8 डिग्री पर पहुंचा पारा, अगले चार दिनों तक बनी रहेगी कोल्ड-डे की स्थिति, तेज पछिया हवा बढ़ाएगी कनकनी

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार में अगले एक-दो दिनों में कोल्ड-डे की स्थिति बनने की संभावना है। इस कारण अगले तीन-चार दिनों तक और ठंड बढ़ने की संभावना है। इस दौरान औसतन सात से आठ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मुख्य रूप से पछिया हवा चलने का अनुमान है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फीली ठंडी पछिया व उत्तर पछिया हवा के बहने से शीतलहर की स्थिति बनने की संभावना है। यह स्थिति 15-16 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। शुक्रवार को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 13-17 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा और इसमें सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। वहीं न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया और यह सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

सरसों की फसल को लाही कीट से खतरा, बचाव के लिए छिड़काव करें

ग्रामीण क्षेत्र में सुबह के समय छाया कुहासा।

*अगले कुछ दिनों तक कोल्ड-डे की स्थिति बनने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 7-8 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। – **डॉ. ए सत्तार**, मौसम वैज्ञानिक , डीआरपीसीएयू, पूसा*

विलंब से बोई गई दलहनी फसल में 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अन्तराल पर दो बार करें। अरहर में फली छेदक कीट की नियमित रूप से निगरानी करते रहें। सरसों की फसल में लाही कीट की नियमित रुप से निगरानी करें। यह सुक्ष्म आकार का कीट पौधों के सभी मुलायम भागो-तने व फलियों का रस चूसने हैं। ये कीट मधु-स्त्राव निकालते है, जिससे पौधे पर फंगस का आक्रमण हो जाता है तथा जगह-जगह काले धब्बे दिखाई देते हैं। ग्रसित पौधों में शाखाएं कम लगती हैं।

Dainik Bhaskar 13-01-2024

रहें सतर्कः जारी रहेगा कोल्ड डे, अभी और बढ़ेगी कनकनी

- सामान्य से 4 डिग्री लुढ़का पारा, दिन का तापमान पहुंचा 15.6 पर
- एक डिग्री कम है न्यूनतम तापमान, छाया रहेगा घना कुहासा

पूसा, निज संवाददाता। ठंड का कहर शुक्रवार को भी जारी रहा। सुबह करीब 8 बजे धूप निकलने के बावजूद कनकनी बरकरार रही। तेज पछुआ हवा व धूप की नरमी से ठंड अपने उच्चतम स्तर की ओर अग्रसर रहा। जो शाम ढलते-ढलते चरम पर पहुंच गया। बादल व धूप की लुका-छिपी दिन भर जारी रही। नतीजतन धूप का आनंद लेने का मन बनाने वाले लोगों को निराशा हाथ लगी। दोपहर बाद पछुआ हवा की गति बढ़ने से हाड़ कंपाने वाली ठंड लगातार बढ़ती गई। इससे दिन भर आम जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। इस दौरान दिन का तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम बताया गया है। जबकि न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 8 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से करीब एक डिग्री कम है। मौसम विभाग की मानें तो आगे भी ठंड बरकरार रहने की आशंका है।

शुक्रवार को ठंड में दलसिंहसराय स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री। • हिन्दुस्तान

7 से 8 घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने शुक्रवार को 17 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए.सत्तार के अनुसार सुबह में मध्यम से घना कुहासा रह सकता है। इस दौरान औसतन 7 से 8 किमी. प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चल सकती है। पूर्वानुमान की अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 एवं दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर बिहार में अगले 1-2 दिनों तक कोल्ड-डे की स्थिति बनी रहेगी। जिसके कारण अगले 3-4 दिनों तक ठंड का प्रकोप बरकरार रह सकता है।

Hindustan 13-01-2024

राजेश को मिला हिंदी काव्य रत्न सम्मान

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में सहायक के पद पर कार्यरत व मुजफ्फरपुर जिले के तेपरी गांव निवासी राजेश कुमार को हिन्दी काव्य रत्न सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी कविता प्रतियोगिता 2024 के तहत उत्कृष्ट कविता लेखन के लिए दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार विश्व हिन्दी दिवस पर बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल के तत्वावधान में आयोजित अंर्तराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता के दौरान करीब 250 प्रतिभागियों ने अपनी हिन्दी कविता के माध्यम से सहभागिता दी थी। हिंन्दी भाषा साहित्य के प्रचार प्रसार व देवनागरी लिपि के सरंक्षण के उद्देश्य से आयोजित कविता प्रतियोगिता में 104 महिला व 146 पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। संस्था ने उत्कृष्ट 50 को हिंदी काव्य रत्न की उपाधि प्रदान की।

Hindustan 13-01-2024

ठंड का सितम. एक दो दिनों में कोल्ड डे की स्थिति बनने की संभावना

शाम ढलते ही कोल्ड नाइट में तब्दील होता चला गया मौसम

जनजीवन प्रभावित

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

मौसम का मिजाज एक बार फिर अचानक बदल गया. शुक्रवार को दिन में धूप खिलने के बाद दोपहर से मौसम के तेवर अचानक बदल गये. सूर्य धुंध व बादलों में खोता चला गया. शाम चार बजे ही चारों को कोहरे छाने लगे. कनकनी चरम पर रही. जैसे-जैसे शाम ढलती गयी, ठंड का कहर बढ़ता गया. मौसम का मिजाज कोल्ड नाइट में तब्दील होता चला गया. पिछले दो दिनों से अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे है. गुरुवार को अधिकतम तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस पर रहा, जो सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा. वहीं, न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. वहीं, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस कम रहा. वहीं न्यूनतम तापमान गिरकर 8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, यह सामान्य से 0.6 डिग्री कम रहा. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 13 से 17 जनवरी 2024 तक के लिये मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है. पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ और मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है. सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है. पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है. उत्तर बिहार में अगले 1 से 2 दिनों में कोल्ड डे की स्थिति बनने की संभावना है. जिसके चलते अगले 3 से 4 दिनों तक ठंड का प्रकोप बरकरार रह सकता है. औसतन 7 से 8 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है. इधर, ठंड को देखते हुये जिला प्रशासन के द्वारा बचाव के लिये आज 155 जगहों पर अलाव जलवाये गये. इसके लिये 2092 क्विंटल जलावन का उपयोग किया गया. वहीं, शुक्रवार को शीतलहर से 1430 लोग प्रभावित हुये. जिले में शीत लहर से अबतक 23258 लोग प्रभावित हुये हैं. तीनों रैन बसेरों में शुक्रवार को 15 लोगों ने आश्रय लिया. जरूरतमंदों के बीच 3868 कंबल वितरित किये गये हैं.

ग्रामीण क्षेत्र में शाम में छाया कोहरा

शिवाजीनगर. पिछले दो दिनों से अचानक सर्द हवा चलने और सुबह शाम घना कोहरा के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. शाम ढलते और सुबह धूप निकलने तक लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं, दोपहर के समय हल्की धूप निकलने के बाद लोग अपने दिनचर्या का काम करते हैं. प्रखंड क्षेत्र के किसी भी गांव व चौक चौराहा पर सरकारी अलाव की व्यवस्था नहीं रहने के कारण गरीब व असहाय लोगों को परेशानी हो रही है.

प्रभात खबर
Sat, 13 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74347778

प्रभात खबर- 13/01/2024 P-10

बकरी को प्रतिदिन उसके भार का 3- 5 फीसदी शुष्क आहार खिलाना चाहिए.

बकरी पालन आर्थिक लाभ के साथ आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी

डॉ श्याम कुमार
मत्स्य वैज्ञानिक, शिवहर

डॉ पंकज कुमार
सरैया, मुजफ्फरपुर

बकरी पालन पौराणिक समय से ही पशुपालन का एक अभिन्न अंग रहा है. वर्तमान समय में भूमिहीन कृषक, श्रमिक, छोटे सीमांत किसान व सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों में बकरी पालन की लोकप्रियता अत्यधिक है. बहुउद्देशीय उपयोगिता व सरल प्रबंधन पशुपालकों में बकरी पालन की ओर बढ़ते रुझान के प्रमुख कारण है. बकरी पालन व्यवसाय से लाभ कमाने के लिए बकरियों में पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रजनन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है.

01 बकरी का दूध पीने से शरीर को आयरन अब्जॉर्ब करने में मदद मिलती है. शरीर में रेड ब्लड सेल्स को भी बढ़ाता है.

02 बकरी को प्रतिदिन उसके भार का 3- 5 फीसदी शुष्क आहार खिलाना चाहिए.

बकरी पालन से लाभ

- बकरी एक बहुउद्देश्य वाले पशु हैं, जो दूध, मांस, फाइबर तथा चमड़ा उत्पादन के लिये पाले जा सकते हैं.
- गाय और अन्य पशुधन की तुलना में, बकरी के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है.
- बकरी के आवास और अन्य प्रबंधन में कम लागत आती है, तथा छोटे पैमाने पर अपने घरों में अन्य पशुओं के साथ भी पाली जा सकती हैं.
- बकरी के दूध में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस की प्रचुर मात्रा होती है जिससे खून की कमी को दूर करने में भी काफी सहायक मिलती है.
- बकरी का दूध पीने से शरीर को आयरन अब्जॉर्ब करने में मदद मिलती है तथा शरीर में रेड ब्लड सेल्स को भी बढ़ाता है.
- बकरी का ताजा दूध पीने से सूजन कम करने में मदद मिलती है. क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं.
- बकरी के दूध पिने से एंग्जाइटी, डिप्रेशन तथा अन्य मानसिक समस्या से निदान पाने में मदद मिलता है, क्योंकि इससे हैप्पी हार्मोन (डोपामाइन) का संचार बढ़ जाता है.

बकरी पालन की लाभकारी योजनाएं

बिहार बकरी पालन योजना का लाभ राज्य के बेरोजगार नागरिकों के साथ-साथ किसान भी प्राप्त कर सकते हैं. बकरी फार्म खोलने के लिए बिहार सरकार द्वारा 10 बकरी 1 बकरा, 20 बकरी 1 बकरा, 40 बकरी 1 बकरा के आधार पर 2.45 लाख रुपए तक की सब्सिडी दी जाती है. इनमें से सामान्य जाति के लोगों को सरकार द्वारा 50% अनुदान मुहैया किया जाता है,और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को 60 % का अनुदान प्रदान किया जाता है.

ठंड के मौसम में बकरियों की देखभाल

बकरी के बच्चे के लिए उनके बाड़े में घास -फूस का प्रयोग करे. बाड़े में मौजूद रोशनदान एवं आवास की खली दीवारों से आने वाली ठण्ड हवा को रोकथाम के लिए समुचित व्यवस्था करे.

बीमारी और टीका

- धनुस्तंभ जन्म के 48 घंटे के भीतर
- एफएमडी उम्र का दूसरा महीना 6 महीने में एक बार दोहराया जाता है.
- भेड़ और बकरी चेचक 6 माह की आयु में प्रतिवर्ष दोहराया जाता है, स्थानिक क्षेत्र में टीकाकरण.
- 4. बिसहरिया 6 माह की आयु में प्रतिवर्ष दोहराया जाता है, स्थानिक क्षेत्र में टीकाकरण.

स्वास्थ्य प्रबंधन

बकरी पालन की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि बकरियां स्वस्थ तथा निरोगी रहें. बकरियों में पीपीआर, ईटी, खुरपका, मुंहपका, गलघोंटू तथा चेचक रोगों के टीके अवश्य लगवाने चाहिए. कोई भी टीका 3-4 माह की आयु के उपरांत ही लगाया जाता है. इसलिए बरसात आते ही इन्हें रोगों से बचाने के लिए संभव प्रयास करना चाहिए. ये सभी रोग बहुत तेजी से फैलते हैं. बीमार बकरी को तुरंत बाड़े से अलग करके चिकित्सा करानी चाहिए. ठीक होने पर बाड़े में दोबारा लाना चाहिए. परजीवी नाशक दवा वर्ष में दो बार पिलानी चाहिए (एक वर्षा से पूर्व दोबारा वर्षा के उपरांत).

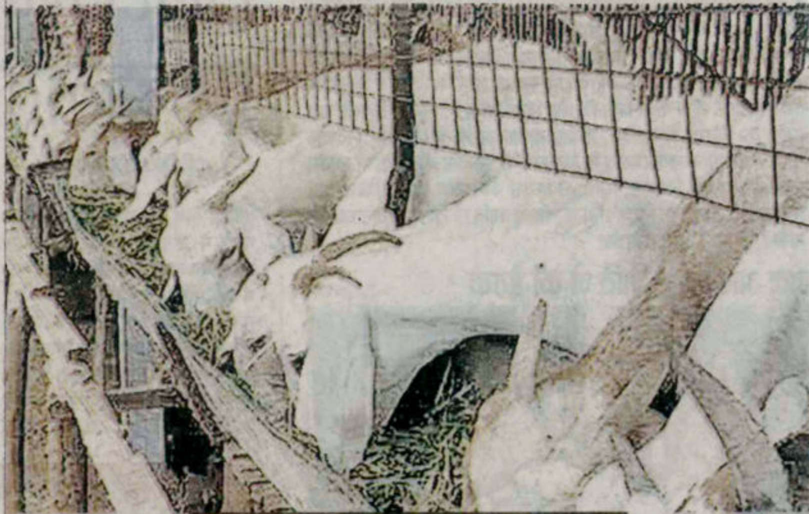

बकरी आवास प्रबंधन

- बकरी के आवास की लंबाई वाली भुजा पूर्व-पश्चिम दिशा में होनी चाहिए.
- लंबाई वाली दीवार को एक से डेढ़ मीटर ऊंचा बनवाने के पश्चात दोनों तरफ जाली लगानी चाहिए. बाड़े का फर्श कच्चा तथा रेतीला होना चाहिए.
- वर्ष में एक से दो बार बाड़े की मिट्टी बदल देनी चाहिए.
- 80 से 100 बकरियों के लिए बाड़ा 20 × 6 वर्ग मीटर ढका हुआ तथा 12 × 20 वर्ग मीटर खुला जालीदार क्षेत्र होना चाहिय
- बकरा, बकरी तथा मेमनों को(ब्याने के एक सप्ताह बाद) अलग- अलग बाड़ों में रखना चाहिए.
- मेमनों को बकरी के पास दूध पिलाने के समय ही लाना चाहिए.

बकरी में पोषण प्रबंधन

- बकरी को प्रतिदिन उसके भार का 3- 5 फीसदी शुष्क आहार खिलाना चाहिए. एक वयस्क बकरी को 1- 3 किलो हरा चारा, 500 ग्राम से 1किलो. भूसा(यदि दलहनी हो तो और अच्छा है) तथा 150 ग्राम से 400 ग्राम तक दाना प्रतिदिन खिलाना चाहिए. दाना हमेशा दला हुआ व सूखा ही दिया जाना चाहिए, और उसमें पानी नहीं मिलाना चाहिए. साबुत अनाज नहीं खिलाना चाहिए.
- दाने में 60- 65 फीसदी अनाज (दला हुआ), 10- 15 फीसदी चोकर, 15- 20 फीसदी खली (सरसों की खली छोड़कर), 2 फीसदी मिनरल मिक्स्चर तथा एक 1 फीसदी नमक का मिश्रण होना चाहिए.

- बकरियों को प्रजनन काल के एक माह पूर्व से ही 50- 100 ग्राम तक दाना अवश्य देना चाहिए, जिससे स्वस्थ बकरी से अधिक मेमने पैदा हो सकें. इसी प्रकार बकरों को भी प्रजनन काल के दौरान प्रतिदिन सौ ग्राम दाना अतिरिक्त मात्रा में देना चाहिए. बकरियों को साफ पानी पिलाना चाहिए. बकरियों में परिपक्व होने की आयु उनकी नस्ल, आकार, खानपान व देखभाल पर निर्भर करती है. 8- 12 माह में गर्मी के लक्षण प्रकट करने लगती हैं. इनको इस आयु से दो- तीन महीने देर से गर्भित कराना उचित रहता है, ताकि जनन तंत्र पूर्ण रूप से विकसित हो सके. अप्रैल- मई तथा अक्टूबर- नवंबर में गाभिन कराने पर मेमने अनुकूल मौसम में प्राप्त होते हैं.

कृषि सलाह • वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर किसान इस रोग का करें प्रबंधन

केला का आभासी तना बेधक रोग अत्यंत विनाशकारी : कृषि वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज़ | पूसा

केले के फसल में लगने वाला आभासी तना बेधक रोग अत्यंत विनाशकारी होता है। इस रोग में लगने वाले कीट को केले के पौधे का घुन या स्यूडोस्टेम वेविल (ओडोइपोरस लॉन्गिकोलिस) भी कहा जाता है। यह कीट केले के अधिकांश व्यावसायिक किस्मों को बुरी तरह से प्रभावित करता है तथा इस कीट का ग्रब या लार्वा खासकर केले के पौधों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। बिहार के केला उत्पादक किसान वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर केले में लगने वाले इस रोग को प्रबंधित कर सकते है।

ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के पादप रोग विभाग के हेड सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि यह कीट केले के पौधों को खाने के लिए जमीन के निचले हिस्से के प्रकंद में छेद कर देता है। इस कीट का झुंड बेहद कम समय में केले के पौधों के अंदर एक बड़ा सुरंग बना देता है जिससे केले के प्रकंद से रस बाहर निकलने लगता है तथा यही इस रोग का प्रारंभिक लक्षण भी है। कीटों के द्वारा केले में बनाएं गए तमाम छिद्रों से काला द्रव्य निकलने लगता है। केले के पौधों पर कीटों के इस आक्रमण से केले का पौधा पूरी तरह से खोखला हो जाता है और हवा के झोंके के साथ ही यह टूटकर गिर जाता है। इस कीट का संक्रमण सबसे पहले बाहरी पत्ती यानी म्यान पर व तने के निचले हिस्से में शुरू होता है। इस रोग से ग्रस्त केले के पौधे जहां धीरे धीरे पीले पड़ने लगते है। वही केला का युवा पौधा संक्रमित होने के बाद तत्काल मुरझा जाता है और विकसित नहीं हो पाता हैं। यह कीट केले में फूल आने तथा गुच्छा बनने की अवस्था में पौधों पर हमला करता है।

इसका प्रकोप तने के निचले हिस्से से शुरू होता है

आभासी तना बेधक रोग से ग्रसित केले के पौधें।

आभासी तना बेधक रोग को किसान ऐसे करें नियंत्रित

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि इस रोग और कीट को शुरुआत से ही नियंत्रित करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। इस रोग का प्रकोप बागों में न हो इसके लिए केला उत्पादक किसान केले की खेती को स्वच्छ और साफ सुथरे तरीके से करें। केले की खेती के सभी वैज्ञानिक नियमों का पालन करें तथा केले के बागों से पुराने और सूखे पत्तों को हटाकर नष्ट कर दें। किसान केले के नए बाग लगाने के लिए हमेशा टिश्यू कल्चर वाले पौधों का ही प्रयोग करें। अगर टिश्यू कल्चर पौधा नही मिल पाता हैं तो किसान केले के ऐसे पौधों का चयन करें जो घुन से मुक्त हों। उन्होंने बताया कि केला उत्पादक किसान इस रोग से केला को बचाएं रखने के लिए केला लगाने के 5वें, 6ठें और 7वें महीने में पौधों पर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी नामक दवाई का 2.5 एमएल मात्रा प्रति लीटर पानी के साथ घोल तैयार कर छिड़काव करें।

Dainik Bhaksar 14-01-24

दैनिक जागरण 14/1/25 पेज 2

बेबस दिखी धूप, हवा बढ़ाती रही कनकनी

जासं, समस्तीपुर: आसमान में छाए घने कोहरे को चीरकर जद्दोजहद के बाद धूप को जमीं पर उतरने का मौका तो मिला पर बिना तेवर के। सर्द हवाओं के आगे उसकी बेबसी साफ नजर आ रही थी। यही वजह रही की यह धूप लोगों को गलन से राहत नहीं दे सकी। जिले में वर्फीली हवाओं के साथ ठंड का सितम जारी है। लगातार दूसरे दिन भी लोग ठंड में जूझते रहे। शुक्रवार रात से ही शहर कोहरे के चादर में ढ़का था। आसमान में धुंध छाए रहे। सड़कों पर दृश्यता कम थी। वाहनों के रफ्तार पर भी ब्रेक लग गया था। शनिवार सुबह दिन चढ़ने के साथ ही आसमान में छाए कोहरे के बादल छंट गए। सूरज के दर्शन हुए। धूप निकली तो लोग घरों से बाहर निकले। लेकिन, लोगों को राहत आ अहसास नहीं मिला। शाम होते ही गलन बढ़ गई और एक बार फिर लोग घरों में दुबक गए। शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान 7.02 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम रिकार्ड किया गया, वहीं अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। डा. राजेन्द्र कृषि केंद्रीय विश्वविद्यालय मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक कोहरे के साथ कोल्ड डे बनने के आसार हैं।

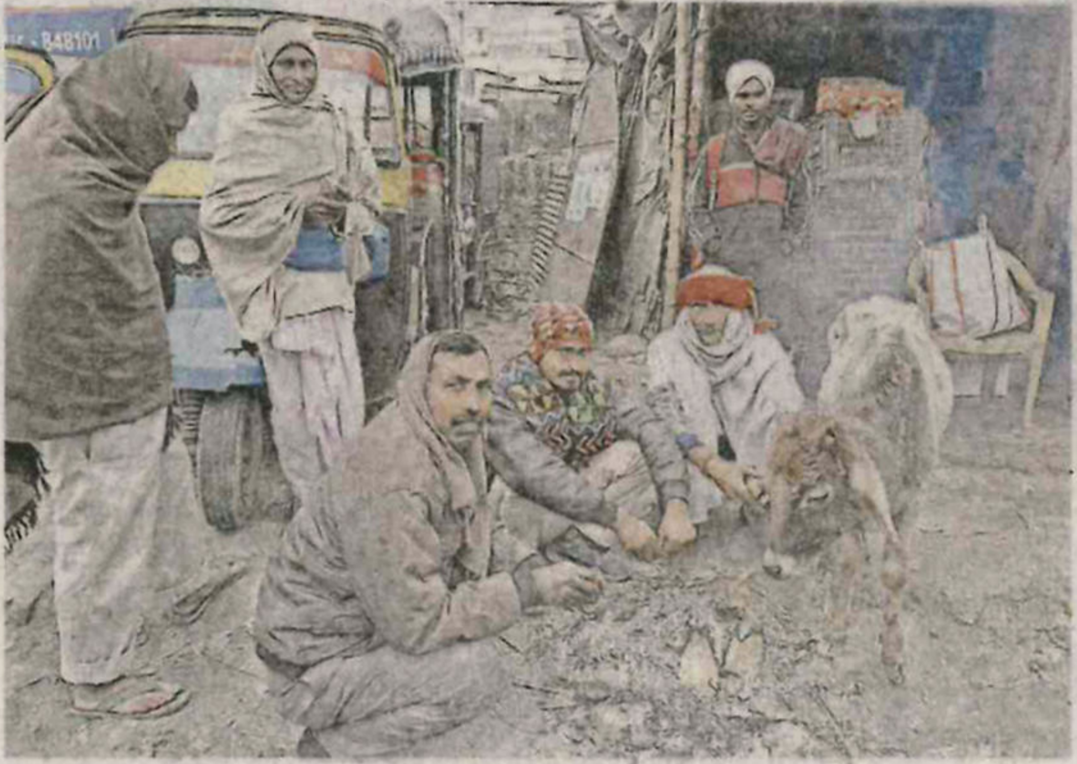

ठंड में अलाव जलाकर तापते लोग • जागरण

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 13 से 17 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ रहेगा। मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
14 जनवरी	20	09
15 जनवरी	20	10
दरभंगा		
14 जनवरी	21	10
15 जनवरी	22	11
पटना		
14 जनवरी	23	12
15 जनवरी	23	12

डिग्री सेल्सियस में

मौसम के कारण किसान परेशान, वैज्ञानिक ने कहा- किसान फसलों की करें नियमित निगरानी

कई फसलों पर कीटों व रोगों का प्रकोप बढ़ा

परेशानी

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

मौसम के कारण फसलों पर कीटों व रोगों का प्रकोप बढ़ गया है. किसान परेशान हैं. किसानों का कहना है कि कीट व रोगों के कारण फसल बर्बाद होते हैं. उत्पादकता प्रभावित होती है. इन दिनों तापमान में लगातार वैरियेशन हो रहा है. इसके कारण मटर, टमाटर, आलू से लेकर राई-तोड़ी फसलों पर लाही, कीटों व झुलसा रोग का प्रकोप बढ़ गया है. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए सत्तार ने किसानों को सलाह दिया है कि वे सरसों की फसल में लाही कीट की नियमित रूप से निगरानी करें. सूक्ष्म आकार का कीट पौधों के सभी मुलायम भागों तने व फलियों का रस चूसते हैं. ये कीट मधु स्राव निकालते हैं, जिससे पौधे पर फंगस का प्रकोप हो जाता है. जगह-जगह काले धब्बे दिखाई देते हैं. ग्रसित पौधों में शाखाएं कम लगती हैं. पौधे की बढ़वार रूक जाती है. पौधे पीले पड़ कर सूखने लगते हैं. फलियां कम लगती है तथा तेल की मात्र में कमी आती है. इस कीट से बचाव के लिये किसान डाईमेथोएट-30 ईसी दवा का 1.0 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें. वर्तमान मौसम आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग के फैलाव के लिए अनुकूल है. किसान फसल की नियमित रूप से निगरानी करें. इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारे व सिरे से झुलसना प्रारंभ हो जाता है, जिसके कारण पूरा पौधा झुलस जाता है. इसके बचाव के लिए 2.0 से 2.5 ग्राम इंडोफिल एम- 45 फफूंदी नाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. इस छिड़काव के 8-10 दिनों बाद पुनः रिडोमिल दवा का 1.5 से 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें. कटवर्म या कजरा पिल्लू कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर बचाव के लिये क्लोरपायरीफॉस-20 ईसी दवा का 2.5 से 3 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें. इस रोग में पत्तियों, फलों तथा तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है. इस रोग से बचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिली लीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें. किसान मटर में नियमित रूप से फली छेदक कीट की निगरानी करें. विलंब से बोयी गयी दलहनी फसल में दो प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अंतराल पर दो बार करें. अरहर में फली छेदक कीट की नियमित रूप से निगरानी करते रहें. किसान मिर्च की फसल में थ्रीप्स कीट की निगरानी करें. इसके शिशु व वयस्क कीट सैकड़ों की संख्या में पौधों की पत्तियों की निचली सतह पर छिपे रहते हैं और कभी-कभी ऊपरी सतह पर भी देखें जा सकते हैं. ये पत्तियों, कलियों व फूलों का रस चूसते हैं. यह कीट मिर्च में बांझी, विषाणु रोग फैलाता हैं. इससे बचाव के लिए इमिडक्लोप्रीड 17.8 ईसी का 1 मिली या डायमेथोएट 30 ईसी का 2 मिली प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें. चने एवं टमाटर की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण के लिए फेरोमोन पप्रंश 3-4 प्रपंस प्रति एकड़ की दर से उन खेतों में लगायें. पिछात बोयी गई गेहूं की फसल में खर-पतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें. गेहूं की फसल में जिंक की कमी होने पर पौधों का रंग हल्का पीला हो जाता है. यह लक्षण दिखाई देने पर किसान 2.5 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 1.25 किलोग्राम बुझा हुआ चुना तथा 12.5 किलोग्राम यूरिया को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें.

मौसम • अधिकतम तापमान में सामान्य से 4.1 डिग्री की गिरावट, न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा

7.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा ने बनाई गलन जैसी स्थिति, अगले दो दिनों तक राहत नहीं

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

अधिकतम तापमान व न्यूनतम तापमान में गिरावट व चली सर्द हवा के कारण जिले में कोल्ड-डे की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति अब भी एक-दो दिनों तक बने रहने की संभावना है। इस दौरान औसतन सात से आठ किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रूप से पछिया हवा चलेगी। यह स्थिति 15-16 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान में सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और यह 18 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम तापमान में सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं 7.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चली। इस कारण गलन जैसी स्थिति बनी रही। हालांकि दोपहर बाद हल्की सी धूप निकलने के बाद लोगों को कुछ राहत मिली। हालांकि पछिया हवा के साथ कनकनी में काफी वृद्धि रही। इसके कारण ठंड का प्रकोप ज्यादा था। लोगों को अभी फिलहाल ठंड से अभी राहत नहीं मिलने वाली है। धूप लगातार होने के बाद पछिया हवा कम होने के साथ ही मौसम में गर्मी आयेगी।

कुहासे के कारण कई ट्रेन लेट, ठंड के कारण यात्री रहे परेशान

स्टेशन पर ठंड से परेशान रहे यात्री।

सुबह के समय मध्यम से घना कुहासा छाया रह सकता है। अगले दो-तीन दिनों तक ठंड का प्रकोप इसी तरह जारी रहेगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

जिलों में आसमान प्रायः साफ व मौसम के शुष्क रहने की संभावना

वहीं सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 97 फीसदी व दोपहर में 69 फीसदी रही। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा 17 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ व मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।

Dainik Bhakar 15-01-2024

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने दी सलाह

आम और लीची की पत्तियों के सिरे पर लगने वाली बीमारी टिप बर्न का ससमय करें वैज्ञानिक प्रबंधन

पेड़ों में इस बीमारी के लग जाने के बाद आम व लीची के उत्पादन पर भी होता है असर

भास्कर न्यूज़ | पूसा

आम और लीची के पत्तो के सिरे पर लगने वाली बीमारी (टिप बर्न) काफी खतरनाक और विध्वंसकारी होती है। पेड़ों में इस बीमारी के लग जाने के बाद पेड़ की सभी पत्तियां जलकर सुख जाती हैं तथा धीरे-धीरे पेड़ भी सुख जाते हैं। आम और लीची उत्पादक किसानों के लिए यह आवश्यक है की किसान इस बीमारी की सर्वप्रथम पहचान करें तथा वैज्ञानिक तकनीक से इस बीमारी का प्रबंधन करते हुए पेड़ों को सूखने से बचाएं। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड सह अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. एसके सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि यह बीमारी मिट्टी या सिंचाई के पानी में अधिक नमक होने के कारण उत्पन्न होती है। नमक की अधिकता के कारण पेड़ों की पत्तियां झुलस जाती हैं। पेड़ की पत्तियां अपना प्राकृतिक रंग खो देती हैं तथा वह कांस्य रंग में बदल जाती हैं। नमक की वजह से गंभीर मामलों में टिप बर्निंग भी देखी जाती है। उन्होंने बताया कि आम एवं लीची के पत्तों के सिरे पर पत्तियों के जलने का प्राथमिक लक्षण पत्ती के किनारों के आसपास से शुरू होता है। इस बीमारी का उचित उपचार शुरू करने के लिए बीमारी की स्थिति के कारणों का पता लगाना महत्वपूर्ण होता है। इसके प्रबंधन से हानि नहीं होगी।

बीमारी लगने के बाद धीरे-धीरे पेड़ भी सूख जाते हैं, कृषि वैज्ञानिकों से ले सलाह

पत्तियों पर टिप बर्न का असर।

पौधे को पानी देने का समय निर्धारित करें, इसका भी पड़ता है असर

डॉ. एसके सिंह ने कहा कि आम के पत्तों पर टिप बर्न अक्सर तीन स्थितियों में से एक के कारण होता है। पहला आम के पेड़ को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाना दूसरा मिट्टी में नमक (सॉल्ट) का जमा हो जाना तथा तीसरा मैग्नीशियम की कमी इस समस्या का संभावित कारण हो सकता है। ये तीनों समस्या एक साथ तथा अलग अलग दोनों रूप में हो सकती है। उन्होंने कहा की यदि किसान अपने पौधे में नियमित रूप से पानी देते हैं तो पत्ते पर टिप बर्न बीमारी नमी की कमी के कारण नही हो सकती हैं। आमतौर पर बागों में की जाने वाली छिटपुट सिंचाई या मिट्टी की नमी में अत्यधिक उतार चढ़ाव ही (टिपबर्न) पत्ती के सिरे के जलने का कारण होता है। बागों में सिंचाई को नियमित करके नमी के उतार-चढ़ाव को रोकते हुए टिपबर्न बीमारी को आसानी से प्रबंधित किया जा सकता है।

कब लग सकता है आम और लीची के बागों में टिप बर्न, प्रबंधन है जरूरी

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि यदि किसान के बागों में उचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं है तो मिट्टी में नमक यानी (सॉल्ट) अधिक जमा हो जा सकता है। इससे भी आम और लीची के पत्ते जल सकते हैं। यदि मिट्टी में नमक जमा हो गया है तो नमक को जड़ क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए भारी पानी डालने का प्रयास करें। जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए बागों में जल निकासी के लिए चैनल बनाएं। बरसात के मौसम में बागों में हरी खाद की फसल के रूप में सनई या ढैंचा को अंतरफसल के रूप में उगाएं तथा उसमें 50 प्रतिशत फूल आने पर उसे वापस जुताई करके मिट्टी में ही मिला दे। यह कार्य कम से कम 4 से 5 साल तक किसान जरूर करें। जिप्सम से भरी बोरी को अगर बहते हुए सिंचाई के पानी में रखा जाए तो बाग में नमक का प्रभाव कम हो जाएगा।

Dainik Bhakar 15-01-2024

दैनिक जागरण 15/11/24 पेज 7

तोरी की फसलों पर कीटों का आक्रमण, करें समुचित बचाव

समय रहते इन रोगों और कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती, दवा का करें छिड़काव

संस, पूसा : रबी मौसम में लगाई जाने वाली तिलहनी फसलों में तोरी एवं सरसों प्रमुख है। इसकी बोआई हो गई है। सरसों की फसल को कीटों और रोगों से काफी नुकसान पहुंचता है। इससे इसकी उपज में काफी कमी हो जाती है और किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। यदि समय रहते इन रोगों और कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है। उत्पादन एवं उत्पादकता के लिए आवश्यक है कि इन फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों की अच्छी जानकारी हो तथा उनके समेकित प्रबंधन व्यवस्थित ढंग से किए जाएं। वैसे तोरी की फसलों में दिसंबर के बाद कीट का आक्रमण शुरू होता है। जनवरी-फरवरी में काफी बढ़ जाता है। यह फसल को काफी बर्बाद करता है। तोरी सहित अन्य तेलहनी फसलों में मुख्य रूप से लाही का प्रकोप देखते ही किसानों को त्वरित दवा का छिड़काव करना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डा. आर के तिवारी का कहना है कि आकाश में बादल छाए रहने, हल्की वर्षा होने तथा तापमान गिरने पर इनका आक्रमण निश्चित रूप से बढ़ जाता है।

खेत में लगी फसल • जागरण

लाही रोग से बचाव : लाही रोग के बचाव के लिए सबसे पहले अनुशंसित बीज से ही बुआई करें। अगर मक्खी दिखाई दे तो डेढ़ लीटर एंडोसल्फान 35 ईसी का छिड़काव प्रति हेक्टेयर की दर से अवश्य करें। अगर बहुत ज्यादा आक्रमण दिखाई दे तो दोबारा छिड़काव करें। चैंपा (मोयला) कीट, पेन्टेड बग कीट, आरा मक्खी कीट सरसों के मुख्य कीट है। सरसों में लगने वाला यह रोग बहुत ही हानिकारक है।

विज्ञानी ने कहा कि आरा मक्खी, पेंटेट बग, एवं लाही से अत्यधिक क्षति होने पर मेटासिस्टोक्स 25ईसी 1 लीटर प्रति हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 ईसी 1. 700 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। वहीं अगर फसलों में फफूंद दिखाई पड़े तो 2 किलो सल्फैक्स 700 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

आवश्यक बातें : कई बार लाही के साथ-साथ अच्छी संख्या में पराभक्षी या परजीवी कीट नजर आते हैं। खास तौर से लेडी बर्ड बीटिल नमक भृंग जिनकी पीठ पर कई छोटे-छोटे धब्बे होते हैं उसे लाही कहते हैं। खेत में अगर बहुतायत में दिखाई दें तो ऐसी स्थिति में किसानों को किसी प्रकार की दवा फसल पर व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं है यह पराभक्षी कीट स्वयं लाही को नियंत्रित कर लेंगे।

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 13 से 17 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ रहेगा। मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
15 जनवरी	20	10
16 जनवरी	21	11
दरभंगा		
15 जनवरी	21	11
16 जनवरी	22	12
पटना		
15 जनवरी	23	13
16 जनवरी	24	13

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 15-01-2024

हल्की धूप पर भारी पड़ रहा कोहरा

जासं, समस्तीपुरः पारा लुढकने के साथ ही मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। 7.9 किमी प्रति घंटा की दर से पछियापछुआ हवाओं के कारण गलन बरकरार है। लोग कड़ाके की ठंड से जूझ रहे हैं। रविवार सुबह सड़कों पर घना कोहरा छाया रहा। सड़कों पर दृश्यता कम थी। दिन चढ़ने के साथ ही आसमान से छाए कोहरे के बादल छंट गए। चटक धूप से दिन का स्वागत हुआ। धूप निकलते ही लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई। लोग धूप सेंकने के लिए छतों व खुले स्थानों पर निकल आए। हलांकि, शाम होते ही गलन बढ़ने से एक बार फिर लोग घरों में दुबक गए। पिछले दो दिनों से दिन में हल्की धूप हो रही है, लोगो को इससे कोई विशेष राहत नहीं है। पश्चिम की ओर से आ रही सर्द हवाएं धूप को बेअसर कर रही है। दिन रात आसमान में कोहरे की धुंध नजर आती है। रात में हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। सिर से लेकर पांव तक गर्म कपड़ा पहनने के बाबजूद लोग ठंड से कांपते नजर आए और गर्म

ठंड में अलाव जलाकर तापते लोग • जागरण

कपड़े व अलाव का सहारा लिया। मौसम के इस बदलते मिजाज से लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही है। ठंड के कारण घरों से निकलना दुश्वार है। खासकर, गरीब व मजदूर तबके के लोगों को कामकाज में काफी परेशानी हो रही है। बाजार में व्यवसायिक गतिविधियों भी प्रभावित हो रही है। शाम होते ही लोग घरों में दुबक जाते हैं। बाजार में लोगों की चहल पहल कम है। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव जला रहे हैं। दूसरी ओर घरों में हीटर ब्लोअर आदि इलेक्ट्रानिक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा द्वारा रविवार को अधिकतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से 4.1 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रिकार्ड किया गया जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक रहा।

Dainik Jagran 15-01-2024

बेर की खेती में पाउडरी मिल्ड्यू रोग से बचाव जरूरी, रहें अलर्ट : डॉ सिंह

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्लांट पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ एसके सिंह ने बताया कि बेर में लगनेवाले पाउडरी मिल्ड्यू रोग फल की गुणवत्ता को प्रभावित करता है. जिससे उत्पादक किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. जिसे पहचाना व बचाव करना किसानों को आवश्यक है. उन्होंने पाउडरी मिल्ड्यू फफूंदी को कवक बीमारी बताते हुए कहा कि एरीसिफेल्स रोगजनक के कारण इसे पोडोस्फेरा प्रजातियां के रूप में भी जाना जाता है. कहा कि यह रोग इसके अलावा विभिन्न पौधा को भी प्रभावित करता है. उन्होंने रोग के लक्षण की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें पत्तियां, तना और फलों की सतहों पर सफेद पाउडर के धब्बे जैसे पदार्थ के रूप में दिखाई देते हैं. यह पौधों की वृद्धि, फल की गुणवत्ता व उत्पादन क्षमता को प्रभावित करता है. उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पेड़ में पूरा फल लगने के बाद केराथेन नामक फफूंदनाशक की एक मिली दवा प्रति लीटर पानी या घुलनशील गंधक की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर पहले छिड़काव के 15 दिनों के अंतराल पर दूसरा छिड़काव कर रोग को नियंत्रित कर सकते हैं. जरूरत के मुताबिक फल के तुरई से 20 दिन पहले भी छिड़काव करने की सलाह दी. वैज्ञानिक ने कहा कि इससे जुड़े प्रबंधन के लिए बेर उत्पादक किसानों को इस रोग की उत्पत्ति की जानकारी जरूरी है. उन्होंने कहा कि पाउडरी मिल्ड्यू फफूंदी के बीजाणु ठंडा के मौसम में मलवा व मिट्टी में होता है, जो वसंत ऋतु में अंकुरित होकर कोनिडिया का उत्पादन करता है. हवा, पानी और कीड़ों के माध्यम से फैलता है. इससे नये संक्रमण की शुरूआत होती है.

प्रभात खबर
Mon, 15 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74347818

कार्यक्रम • डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि पूसा के विद्यापति सभागार में 15वीं अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक

कृषि में अनुसंधान ऐसा होना चाहिए जो कम लागत में किसानों को अधिक आय उपलब्ध करा सकें : वीसी

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में 15वीं अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि विवि के कृषि वैज्ञानिक बहुविषयक शोध करें। इसमें खासकर आर्टिफिशियल इंटिलीजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, जीन एडिटिंग व अन्य संबद्ध विषयों के विशेषज्ञ शामिल हों। उन्होंने कहा कि अब ऐसे शोध करने की आवश्यकता है जिससे पौधे और फसलों को जब भी पानी या अन्य पोषक तत्वों की आवश्यकता हो तब पानी और अन्य पोषक तत्व सेंसर के माध्यम से ऑटोमेटिक तरीके से पौधों तक पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर का लैब विकसित किया जा रहा है। जल्द ही जीन एडिटिंग का लैब भी तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में कृषि से जुड़े छात्रों और वैज्ञानिकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में पहले स्थान पर लाने के लिए खासकर युवाओं को कठोर परिश्रम करने की जरूरत है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विवि के तकनीको का व्यवसायीकरण कराने की ओर ध्यान दें जिससे की तकनीक का फायदा समाज को ज्यादा से ज्यादा मिल सके तथा विवि को भी अधिक आय प्राप्त हो सकें।

वैज्ञानिकों से आह्वान, तकनीकों का व्यावसायीकरण कराने की ओर ध्यान दें

पूसा विवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक व अन्य विशेषज्ञ।

विवि ने 11 प्रभेद को रिलीज कर 10 पेटेंट भी प्राप्त किया

जूनागढ़ नौसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि पिछले एक वर्ष में विवि ने काफी प्रगति की है। विवि ने बहुत कम समय में 11 प्रभेद को रिलीज करने के साथ-साथ 10 पेटेंट भी प्राप्त किये है जो विवि के उपलब्धियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम को देखते हुए ऐसे फसलों के प्रभेद पर कार्य करने की आवश्यकता है जो तापमान में कमी और वृद्धि को बर्दाश्त कर सके। उन्होंने बीज प्रजनकों से आग्रह किया कि वे फसलों के ऐसे प्रभेद को विकसित करें जिसमें प्रोटीन, जिंक आदि पोषक तत्व ज्यादा हो। उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता को बनाये रखने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कृषि में पानी की कमी के साथ-साथ श्रम की उपलब्धता में भी कमी आने की संभावना है। वैज्ञानिकों को इन सभी विषयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान करने की जरूरत है। पहले दिन के बैठक के दौरान दो दर्जन से अधिक अनुसंधान विषयों की समीक्षा की गई।

वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक में खेती को लेकर भी शोध करें

उन्होंने कहा कि विवि में मेडिकल साइंस के सहयोग से भी अनुसंधान चल रहा है। प्रख्यात जर्नलों में भी कई शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं जिसकी चर्चा वैज्ञानिक व अकादमिक जगत में हो रही है। उन्होंने निदेशक व अधिष्ठाताओं से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिकों के क्षमता विकास कार्यक्रम को लेकर गंभीर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अनुसंधान ऐसे होने चाहिए जो कम लागत में किसानो को अधिक आय उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि शोध से समाज को कितना फायदा मिल रहा है। इसका भी डाटा संग्रहित करने की जरूरत है जिससे की विवि उचित निर्णय ले सके। उन्होंने कहा कि कृषि योग्य भूमि कम हो रही है ऐसे में वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक एवं अन्य नियंत्रित वातावरण में खेती को लेकर भी शोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिकों को कम से कम एक अनुसंधान करना चाहिए।

Dainik Bhaskar 16-01-2024

विवि की मेन बिल्डिंग में लिफ्ट का हुआ शुभारंभ

पूसा में नए लिफ्ट का उद्घाटन करते कुलपति।

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि पूसा के मेन बिल्डिंग में वर्षों से बंद पड़े लिफ्ट को ठीक कराने के बाद सोमवार को कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने इसका शुभारंभ किया। लिफ्ट के शुभारंभ के दौरान विवि के तमाम डीन, डायरेक्टर, वैज्ञानिक व कर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि लिफ्ट के शुरू होने से खासकर विवि के बुजुर्ग पेंशनर, दिव्यांग व अन्य लोगों को काफी सहूलियत होगी। बताया जाता है कि विवि के मेन बिल्डिंग में लगा लिफ्ट करीब 40 वर्षों से बंद था। वर्तमान कुलपति के दिशा-निर्देश पर खराब पड़े लिफ्ट को हटाकर लिफ्ट का नया सेटअप लगाया गया है।

Dainik Bhaskar 16-01-2024

कार्यक्रम • पूसा विवि में वैज्ञानिकों के लिए चल रहा 14 दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का हुआ समापन

क्षमता वर्धन कार्यक्रम से वैज्ञानिकों को मिलेगा फायदा

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पुसा के पंचतंत्र सभागार में विवि के शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए चल रहा 14 दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया। इस अवसर पर मौजूद वैज्ञानिक व शिक्षकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने कहा कि इस तरह के क्षमता वर्धन कार्यक्रम से विवि के वैज्ञानिकों को काफी फायदा मिलेगा। इससे आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता में वृद्धि देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाज सभी विज्ञान का मूल सम है इसलिए समाज विज्ञान के विषय में

पूसा कृषि विवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

समापन समारोह में मौजूद वैज्ञानिक।

एवं उससे संबंधित विभिन्न तकनीको के विषय में भी कृषि वैज्ञानिकों को भी जानना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम के बाद फीडबैक भी लेना चाहिए जिससे आगे आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों में और बेहतर किया जा सके। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए नवसारी व जूनागढ़ के पूर्व कुलपति डॉ.ए.आर पाठक ने कहा कि समाज विज्ञानं, शोध, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं तकनीको को समाज के योग्य बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शोध का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज की समस्याओं से ही शोध के विषय भी निकलते है।इसलिए इसका महत्व काफी ज्यादा है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत कोर्स डायरेक्टर डॉ.विनिता शतपथी एवं मंच संचालन कोर्स की सह समन्वयक डॉ. तुलिका ने किया। विषय वस्तु पर डीन पीजीसीए डॉ. मयंक राय ने विस्तार से चर्चा की। मौके पर डीआर डॉ.एके सिंह व अन्य वैज्ञानिक मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 16-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 13 से 17 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ रहेगा। मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
16 जनवरी	12	10
17 जनवरी	15	12
दरभंगा		
16 जनवरी	12	10
17 जनवरी	15	12
पटना		
16 जनवरी	18	11
17 जनवरी	19	12

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 16-01-2024

बादलों की ओट में छिपे सूर्यदेव, सर्द हवा ने बढाई गलन

64 साल में तीसरी बार तापमान 12 डिग्री से नीचे, मौसम के बदलते मिजाज से जनजीवन प्रभावित, शीतलहर का कहर जारी

जासं, समस्तीपुर: मौसम का मिजाज प्रतिदिन बदल रहा है। सोमवार को आसमान में छाए बादल के बीच बर्फीली पछुआ हवा ने मौसम में गलन भरी ठंड घोल दी। नतीजन लोग ठंड से कांप उठे और जनजीवन प्रभावित हुआ। पिछले 64 वर्षों में दिन के तापमान में जनवरी महीने में तीन बार ही अधिकतम तापमान 12 डिग्री के नीचे गया है। इतनी गिरावट आई है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता एवं पछिया हवा के दबाव के कारण उत्तर बिहार में ठंड का कहर जारी है। 17 जनवरी से इसमें सुधार की पूर्ण संभावना है। शाम होते ही लोग घरों में दुबक गए। अधिकतम तापमान 11.8 डिग्री और न्यूनतम 9.5 डिग्री पहुंच गया। जहां पिछले दो दिनों तक सूर्यदेव की किरणें लोगों को ठंड से राहत का सौगात दे रही थी, पर यह स्थाई नहीं रही। सोमवार को ठंड ने फिर अपने पांव पसार लिए। पश्चिमी विक्षोभ के पुनः सक्रिय होने के कारण सुबह से ही आसमान को बादलों ने ढंक लिया था। बादलों ने धूप की राह रोकी तो बर्फीली हवाओं ने गलनभरी ठंड बढ़ाने का अवसर मिल गया। पश्चिम की ओर से आ रही बर्फीली हवाएं प्रभावी थी। सिर से पांव तक गर्म कपड़ा पहनने के बावजूद लोग ठंड से कांपते नजर आए। मौसम के इस बदले मिजाज से आम जनजीवन अस्त व्यस्त है। शीतलहर के प्रकोप से लोगों की दिनचर्या प्रभावित होती रही। रोजमर्रा के कामकाज को लेकर अपने घरों से निकलना दूभर हो गया है। खासकर, बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोगों को अधिक परेशानी रही। रिक्शा चालक व दिहाड़ी करने वाले लोगों की मुश्किलें बढती रही। साधन संपन्न लोग गर्म कपड़े, हीटर का उपयोग कर ठंड से बचाव करते रहे। वहीं आम आदमी को अलाव का सहारा लेना पड़ा। कड़ाके की ठंड के कारण व्यवसायिक गतिविधियां भी प्रभावित होती रही। दुकानों में ग्राहकों की संख्या कम रही। शाम होते ही लोग घरों में दुबक गए। बाजार में लोगों की चहल पहल कम हो गई है। ठंड से राहत पाने के लिए लोग जगह जगह अलावे जलाते नजर आए। स्थानीय केन्द्रीय डा. राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान समान्य से 10.6 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान समान्य से 1.9 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। इस दौरान पछुआ हवा 7.5 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही है।

ठंड में अलाव जलाकर तापते लोग • जागरण

गर्म कपड़ों में स्कूटी चलाकर जाती महिला • जागरण

अंगारघाट चौक पर आग तापते लोग • जागरण

शीतलहर ने लोगों की दिनचर्या को किया प्रभावित, आवागमन बाधित

संवाद सहयोगी, उजियारपुर : शीतलहर की ठिठुरन ने लोगों के दिनचर्या को ठहरा दिया है। आवश्यक कार्य से ही लोग घर से बाहर निकल रहें हैं। मकर संक्रांति को लेकर सोमवार को गांवों के साथ चौक चौराहों पर कुछ चहल पहल बनी रही, लेकिन गर्म कपड़े के साथ चादर टोपी से लैस लोग आग देखते ही हाथ सेंकने को विवश देखे गए। गेहूं की सिंचाई के साथ आलू स्प्रे सहित ईख कटाई आदि कार्य के समय में कृषकों को कड़ाके की ठंड से परेशानी बनी हुई है। ठंढक व शीतलहर से खासकर बच्चे व वृद्धों को खासी परेशानी बनी रही। मवेशियों व पशुपालकों को भी ठंढक में बहुत ही पेशानी रहती है। अधिकांश घरो में खाशकर सुब्ह शाम अलाव की व्यवस्था की जा रही है, लोग शाम होते ही घर की ओर रुख करने को मजबूर है।

Dainik Jagran 16-01-2024

कम खर्च में किसानों की आय बढ़ाने को शोध की जरूरत

संस, पूसा (समस्तीपुर) : डा.राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में तीन दिवसीय 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक विद्यापति सभागार में हुई। कुलपति डा.पीएस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में बहुविषयक शोध करने की आवश्यकता है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलाजी, जीन एडिटिंग और अन्य सबंद्ध विषयों के विशेषज्ञ शामिल हों। ताकि, पौधे और फसलों को पानी या अन्य पोषक तत्वों की आवश्यकता हो तो सेंसर के माध्यम से आटोमेटिक तरीके से वहां तक पहुंच जाएं। यहां डिजिटल एग्रीकल्चर की लैब विकसित की जा रही है। जल्द ही जीन एडिटिंग लैब भी तैयार होगी। वीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में कृषि छात्रों और विज्ञानियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे पूरा करने के लिए कठोर परिश्रम करने की जरूरत है। उन्होंने विज्ञानियों से

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति • जागरण

विश्वविद्यालय की तकनीक को व्यवसायीकरण की ओर उन्मुख कराने का आह्वान किया। उद्देश्य तकनीक का फायदा समाज को दिलाने का है। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय को आय अर्जित हो सके। निदेशक व अधिष्ठाताओं से विज्ञानियों के क्षमता विकास कार्यक्रम को लेकर गंभीर प्रयास करने को कहा। अनुसंधान ऐसा करें जो कम लागत में किसानों को अधिक आय उपलब्ध करा सकें। शोध के प्रभाव का अध्ययन समाज पर क्या हुआ, इसका भी डाटा संग्रहित करें। ताकि, भविष्य में उचित निर्णय ले सके। उन्होंने कहा कि कृषि योग्य भूमि कम हो रही है। ऐसे में वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक और अन्य नियंत्रित वातारवरण में खेती के लिए शोध की आवश्यकता है। सभी कृषि विज्ञानियों को कम से कम एक अनुसंधान करना चाहिए। कुलपति ने सेकेंड्री एग्रीकल्चर को लेकर भी गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। नौसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा.एआर पाठक ने कहा कि पिछले एक वर्ष में कृषि विश्वविद्यालय ने काफी प्रगति की है। इस दौरान 11 प्रभेद और 10 पेटेंट उपलब्धियों में शामिल है। बदलते मौसम को देखते हुए ऐसे फसलों के प्रभेद पर कार्य करने की आवश्यकता है, जो तापमान में कमी और वृद्धि को बर्दाश्त कर सके। उन्होंने बीज प्रजनकों से प्रभेदो में प्रोटीन, जिंक और बायो फोर्टिफिकेशन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखना सबसे अधिक जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले भविष्य में खेती योग्य भूमि में कमी हो रही है। पानी की कमी के साथ श्रम की उपलब्धता में भी कमी की संभावना है। विज्ञानियों को इन सभी विषयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान करने की जरूरत है। इस दौरान पहले दिन दो दर्जन अनुसंधान विषयों पर समीक्षा की गई।

Dainik Jagran 16-01-2024

क्षमता वर्धन कार्यक्रम से विज्ञानियों को फायदा

संस, पूसा : डा.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के पंचतंत्र सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम का समापन समारोहपूर्वक हुआ। कुलपति डा.पीएस पाण्डेय ने कहा कि क्षमता वर्द्धन कार्यक्रम से विज्ञानियों को फायदा मिलेगा। आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता में वृद्धि देखने को मिलेगी। समाज विज्ञान एवं उससे संबंधित विभिन्न तकनीक के विषय में कृषि विज्ञानियों को भी जानना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम के बाद फीडबैक भी लेना चाहिए, ताकि वे आगे आयोजित कार्यक्रमों में और बेहतर कर सकें। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवसारी व जूनागढ़ के पूर्व कुलपति डा.एआर पाठक ने कहा कि समाज विज्ञान, शोध, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं तकनीक को समाज के योग्य बनाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध का प्रभाव समाज पर होता है, और समाज की समस्याओं से ही शोध के विषय भी निकलते हैं। इसलिए इसका महत्व काफी ज्यादा है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत कोर्स डायरेक्टर डॉ.विनिता शतपथी ने किया। मंच संचालन कोर्स की सह समन्वयक डा. तुलिका ने किया। मौके पर डीआर डा.एके सिंह व अन्य विज्ञानी मौजूद रहे।

Dainik Jagran 16-01-2024

शोध की गुणवत्ता को क्षमतावर्द्धन लाभकारी: वीसी

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने कहा कि क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम से शोध व शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

वे सोमवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज सभी विज्ञान का मूल सम है। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों को समाज विज्ञान के विषय एवं उससे संबंधित विभिन्न तकनीक को जानना जरूरी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से फीडबैक लेने एवं संपर्क में रहने की अपील की। जिससे भविष्य में आयोजित कार्यक्रमों को और बेहतर रूप दिया जा सके। विशिष्ट अतिथि नवसारी व जूनागढ़ के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि समाज विज्ञान, शोध, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं तकनीको को समाज के योग्य बनाने के लिए क्षमतावर्द्धन आवश्यक है। विषय वस्तु पर डीन पीजीसीए डॉ. मयंक राय ने विस्तार से प्रकाश डाला। स्वागत कोर्स डायरेक्टर डॉ. विनिता शतपथी एवं मंच संचालन कोर्स की सह समन्वयक डॉ तुलिका ने किया। मौके पर डीआर डॉ. एके सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू व अन्य वैज्ञानिक मौजूद थे।

सोमवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में प्रशिक्षु वैज्ञानिक प्रमाण व मोमेन्टो के साथ कुलपति व अन्य।

Hindustan 16-01-2024

आयोजन | विवि में 15वीं अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक शुरू, 90 अनुसंधान परियोजनाओं की होगी गहन समीक्षा

बहुविषयक शोध को बढ़ावा देने पर दें जोर: वीसी

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या व खेती योग्य भूमि को ध्यान में रखते हुए वर्टिकल फार्मिंग, हाईड्रोपोनिक एवं अन्य वातारवरण नियंत्रित खेती, सेकेंड्री एग्रीकल्चर व बहुविषयक शोध की दिशा में पहल करने की जरूरत है। वे सोमवार को विवि विद्यापति सभागार में तीन दिवसीय 15वीं अनुसंधान परिषद (रबी) की बैठक को उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुविषयक शोध के लिए आर्टिफिसियल इंटिलीजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, जीन एडिटिंग एवं अन्य सबंद्ध विषयो के विशेषज्ञो को शामिल कर शोध की दिशा तय करना समय की मांग है। उन्होंने वैज्ञानिकों से सेंसर व ऑटोमेटिक आधारित यंत्रों को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि यह भविष्य की जरूरतों में शामिल है।

विवि में जल्द ही डिजिटल एग्रीकल्चर व जीन एडिटिंग लैब विकसित की जायेगी। उन्होंने विवि की तकनीको के व्यवसायीकरण करने पर जोर देते हुए कहा कि इसका लाभ जुड़े लोगों को मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि विवि में मेडिकल साइंस के सहयोग से भी अनुसंधान चल रहा है। जूनागढ़ व नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि बदलते मौसम में तापमान में कमी व वृद्धि को बर्दाश्त करने वाले प्रभेदों को विकसित करने की जरूरत है। उन्होने बीज प्रजनको से प्रभेदो में प्रोटीन, जिंक और बायो फोर्टिफिकेशन, पानी व श्रम की उपलब्धता में कमी को ध्यान में रखकर शोध की दिशा तय करने पर बल दिया। इस दौरान मशरूम से जुड़े पुस्तक व बुलेटिन का विमोचन किया गया। स्वागत निदेशक अनुसंधान डॉ. अनिल कुमार सिंह व संचालन डॉ. कुमारी अंजन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष कुमार ठाकुर ने किया। मौके पर डॉ. मुकेश कुमार सिंह, डीन डॉ. अम्बरीश कुमार, डॉ. पीपी श्रीवास्तव, डॉ. उषा सिंह, डॉ. पीपी सिंह, निदेशक शिक्षा डॉ. उमाकांत बेहरा, निदेशक प्रसार डॉ. एमएस कुड्डू, पुस्तकालयध्यक्ष डॉ. राकेश मणि शर्मा, सूचना पदाधिकारी डॉ. कुमार राजवर्द्धन आदि मौजूद थे।

विद्यापति सभागार में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व अन्य।

Hindustan 16-01-2024

40 वर्षों बाद विवि में लिफ्ट सुविधा शुरू

पूसा। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि मुख्यालय में वर्षो बाद एक बार फिर लिफ्ट की सुविधा का शुभारंभ सोमवार को किया गया। उद्घाटन कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने किया। मौके पर डीन-डायरेक्टर व अन्य मौजूद थे। मौके पर कुलपति ने कहा कि इससे बुजुर्ग, पेंशनर, दिव्यांग व अन्य लोगों को सहूलियत होगी। कुलपति ने कहा कि यह सुविधा करीब 40 वर्षो बाद फिर से शुरू हो रही है।

Hindustan 16-01-2024

बंद पड़े लिफ्ट की पूर्व कुलपति ने की शुरुआत

पूसा. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के प्रशासनिक भवन में करीब 40 वर्षों से बंद पड़े लिफ्ट का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ एआर पाठक ने किया. उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि लिफ्ट की परिचालन शुरू होने से विश्वविद्यालय कार्य से आने वाले दिव्यांग व बुजुर्ग महिला-पुरुष एवं पेंशन आदि कार्यों में सहुलियत होगी.

प्रभात खबर
Tue, 16 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.c

बहुविषयक क्षेत्र से जुड़े शोध करने की जरूरत : कुलपति

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार में 15वीं अनुसंधान परिषद रबी की तीन दिवसीय बैठक शुरू हुई. अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय व आगत अतिथियों ने दीप जलाकर उद्घाटन किया. कुलपति डॉ. पाण्डेय ने कहा कि विवि में बहुविषयक क्षेत्र से जुड़े शोध करने की जरूरत है. इसमें आर्टिफिशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन तकनीक, जीन एडिटिंग एवं अन्य विषय आधारित के विशेषज्ञों शामिल हों. जिससे वृक्ष व फसलों को पानी या पोषक तत्वों की जरूरत हो, तो सेंसर के माध्यम से स्वचालित तरीके से पहुंच जाये. उन्होंने कहा कि विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर का प्रयोगशाला विकसित किया जा रहा है. जल्द ही जीन एडिटिंग का लैब भी तैयार कर लिया जायेगा. तकनीक को जमीन पर उतारने के लिए वैज्ञानिक, छात्र व छात्राओं से आह्वान किया. उन्होंने वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे विवि की नयी तकनीक के व्यवसायीकरण की ओर ध्यान दें. जिससे किसानों को फायदा मिल सके. विवि में चिकित्सीय विज्ञान के सहयोग से भी शोध चल रहा है. प्रख्यात पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं. जिसकी चर्चा वैज्ञानिक व अकादमिक जगत में हो रही है.

बैठक को संबोधित करते कुलपति .

उन्होंने निदेशक व अधिष्ठाताओं से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिकों के क्षमतावर्धन कार्यक्रम को लेकर गंभीर प्रयास करें. अनुसंधान ऐसे होने चाहिए जो कम लागत में किसानों को अधिक आय दिला सके. जूनागढ़ व नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि पिछले एक वर्ष में विवि ने काफी प्रगति की है. फसल के कई प्रभेद विकसित किये गये हैं. 10 पेटेंट भी मिला है. बैठक के पहले दिन पहले दिन दो दर्जन अनुसंधान विषयों पर समीक्षा की गयी. मशरूम से जुड़े पुस्तक विमोचन किया गया. आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक शोध डॉ. एके सिंह ने बैठक से जुड़े विषय को रखा.

संचालन डॉ. कुमारी अंजनी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ एसके ठाकुर ने किया. मौके निदेशक शिक्षा डॉ. उमाकांत बेहरा, निदेशक प्रसार डॉ. एमएस कुंडू, निदेशक बीज डॉ डीके रॉय, अधिष्ठाता डॉ अंबरीश कुमार, डॉ. पीपी श्रीवास्तव, डॉ. उषा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेशमणि शर्मा, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राजवर्धन आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Tue, 16 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74351795

बंद पड़े लिफ्ट की पूर्व कुलपति ने की शुरुआत

लिफ्ट की शुरुआत करते पूर्व कुलपति .

पूसा . डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के प्रशासनिक भवन में करीब 40 वर्षों से बंद पड़े लिफ्ट का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ एआर पाठक ने किया. उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि लिफ्ट की परिचालन शुरू होने से विश्वविद्यालय कार्य से आने वाले दिव्यांग व बुजुर्ग महिला-पुरुष एवं पेंशन आदि कार्यों में सहूलियत होगी.

प्रभात खबर
Tue, 16 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/

घटा. लेकिन, कोई सुराग नहीं मिला. निराश

प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण का हुआ समापन, दिये गये संदेश

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचतंत्र सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से प्रायोजित 12 दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण सत्र का समापन हुआ. मौके पर समारोह का आयोजन किया गया. कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि इस प्रशिक्षण से वैज्ञानिकों की कार्य क्षमता में विकास होगा. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता में वृद्धि देखने को मिलेगा. समाज विज्ञान के विषय में एवं उससे संबंधित विभिन्न तकनीक के विषय में कृषि वैज्ञानिकों को भी जानना आवश्यक है. प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम के बाद फीडबैक भी लेना चाहिए, जिससे आगे आयोजित होने वाले कार्यक्रम को और बेहतर किया जा सके. कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाणपत्र कुलपति व अतिथियों ने वितरण किया. विशिष्ट अतिथि नवसारी व जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि समाज विज्ञान, शोध, परियोजना प्रबंधन व नयी तकनीक के योग्य किसानों को बनाने के लिए आवश्यक है. उन्होंने कहा कि शोध का प्रभाव समाज पर पड़ता है. उन्होंने कहा कि समाज की समस्याओं से ही शोध के विषय निकलते है, इसलिए इसका महत्व काफी ज्यादा है. स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. मयंक राय ने विषय से जुड़ी चर्चा की. अतिथियों का स्वागत पाठ्यक्रम निदेशक विनिता सतपथी ने किया. संचालन डॉ तूलिका ने किया. मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ. एके सिंह, डॉ रंजन लायक, मीनाक्षी द्विवेदी, अनमोल कुमार सहित अन्य वैज्ञानिक मौजूद थे.

प्रमाण पत्र देते कुलपति .

प्रभात खबर
Tue, 16 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74351861

सूर्य बादल और कोहरे के आगोश में छिपा रहा

सामान्य से 10.6 डिग्री नीचे गिरा पारा, रहा सबसे सर्द दिन

घने कुहासे में लिपटा स्थानीय जंक्शन परिसर .

पिछले कुछ दिनों के अधिकतम व न्यूनतम तापमान की स्थिति

तिथि	अधिकतम तापमान	न्यूनतम
15 जनवरी	11.8	9.5
14 जनवरी	18.0	9.0
13 जनवरी	15.2	7.5
12 जनवरी	15.6	8.0
11 जनवरी	15.1	10.5

तापमान (डिग्री सेल्सियस में)

मौसम का असर

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

15 जनवरी मकर संक्रांति का दिन इस बार के ठंड के मौसम का सबसे सर्द दिन रहा. पूरे दिन सूर्य नहीं निकला. सूर्य बादल और कोहरे के आगोश में छिपा रहा. सुबह पूरा जिला घने कोहरे के आगोश में रहा.लोग पूरे दिन जगह-जगह अलाव जलाकर ठंड से बचने की कोशिश में डटे रहे. सड़कों पर आम दिनों की तरह भीड़-भाड़ नहीं दिख रही थी. कारण वाहन चालकों को बहुत परेशानी हुई. चालक धीमी रफ्तार में वाहन चला रहे थे. लोग पूरे दिन अपने घरों में रजाई व कंबल में दुबके रहे. बहुत जरूरी काम वाले व कामकाजी लोग ही घर से बाहर निकले.डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र के जारी द्वारा जारी मौसम रिपोर्ट के मुताबिक आज का अधिकतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य तापमान से 10.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा.हालांकि न्यूनतम तापमान ने थोड़ी राहत दी. न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा. पूरे दिन 7.5 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलती रही. पूरे दिन को कोल्ड डे की स्थिति बनी ही रही. शाम होते ही कनकनी और चरम पर पहुंच गयी.ठंड के कारण बीमार, बूढ़े, गरीब और असहाय लोगों को बहुत परेशानी हो रही है. वहीं पशुपालक भी परेशान हैं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय,पूसा के मौसम वैज्ञानिक डॉ. सत्तार ने पशुपालकों को सुझाव दिया है कि तापमान में आयी गिरावट को देखते हुये वे दुधारू पशुओं के रखरखाव एवं खान-पान पर विशेष ध्यान दें.हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलायें. दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में आयी कमी को दूर करने के लिये नियमित रूप से कैल्शियम की सूई दिलायें या तरल कैल्शियम खिलायें.

राष्ट्रीय सहारा 16/11/24 पेज 5

विवि में बहुविषयक शोध करने की आवश्यकता : वीसी

समस्तीपुर (एसएनबी)। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में तीन दिवसीय 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक विद्यापति सभागार में आयोजित की गई। अध्यक्षता कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने कहा कि विवि में बहुविषयक शोध करने की आवश्यकता है। जिसमें आर्टिफिसियल इंटिलीजेंस,ड्रोन टेक्नोलॉजी, जीन एडिटिंग एवं अन्य सबंद्ध विषयो के विशेषज्ञ शामिल हों। जिससे की पौधे और फसलो को पानी या अन्य पोषक तत्वो की आवश्यकता हो। तो सेंसर के माध्यम से ऑटोमेटिक तरीके से वो उनतक पहुंच जाये। उन्होंने कहा कि विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर का लैब विकसित किया जा रहा है। जल्द ही जीन एडिटिंग का लैब भी तैयार कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में कृषि छात्रो व वैज्ञानिको की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे पूरा करने के लिए कठोर परिश्रम करने की जरूरत है। उन्होंने वैज्ञानिको से आहवान किया कि वे विवि की तकनीको को व्यवसायिकरण की ओर ध्यान दे। जिससे तकनीक का फायदा समाज को मिल सके। साथ ही विवि को भी आय अर्जित हो सके। उन्होंने कहा कि विवि में मेडिकल साईस के सहयोग से भी अनुसंधान चल रहा है और प्रख्यात जर्नलों में कई शोध पत्र प्रकाशित किये गये है। जिसकी चर्चा वैज्ञानिक व अकादमिक जगत में हो रहा है। उन्होंने निदेशक व अधिष्ठाताओं से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिको के क्षमता विकास कार्यक्रम को लेकर गंभीर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अनुसंधान ऐसे होने चाहिए जो कम लागत में किसानो को अधिक आय उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि शोध के प्रभाव का अध्ययन समाज पर क्या हुआ है। इसका भी डाटा संग्रहित करने की जरूरत है। जिससे की विवि उचित निर्णय ले सके। उन्होंने कहा कि कृषि योग्य भूमि कम हो रहा है। ऐसे में वर्टिकल फार्मिंग, हाईड्रोपोनिक एवं अन्य नियंत्रित वातारवरण में खेती को लेकर भी शोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिक कम से कम एक अनुसंधान करना चाहिए। साथ ही समाज के साथ उनका भी फायदा हो सके। उन्होंने सेकेन्ड्री एग्रीकल्चर को लेकर भी गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जूनागढ़ व नौसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ.एआर पाठक ने कहा कि पिछले एक वर्ष में विवि ने काफी प्रगति की है। इस दौरान 11 प्रभेद और 10 पेटेंट उपलबिधयों में शामिल है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम को देखते हुए ऐसे फसलो के प्रभेद पर कार्य करने की आवश्यकता है। जो तापमान में कमी और वृद्धि को बर्दाश्त कर सके।

संबोधित करते वीसी व अन्य।

राष्ट्रीय सहारा 16/1/24

संक्षिप्त खबरें

पेज 5

लिफ्ट का उद्घाटन

समस्तीपुर। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि मुख्यालय में वर्षो बाद लिफ्ट का शुभारंभ सोमवार को किया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने किया। मौके पर डीन-डायरेक्टर व अन्य मौजूद थे। मौके पर कुलपति ने कहा कि इससे बुजुर्ग पेंशनर, दिव्यांग व अन्य लोगों को सहूलियत होगी। कुलपति ने कहा कि करीब 40 वर्षो से लिफ्ट बंद था।

Times of India, date - 16/01/2024, Page No. - 03

Agricultural varsity to conduct research on soil-less farming techniques, says VC

B K Mishra | TNN

Patna: The scientists of Rajendra Prasad Central Agricultural University (RPCAU) will now carry out researches on the mode of vertical farming to be introduced in Bihar for meeting the shortage of agricultural land.

Making an announcement while inaugurating the three-day

THREE-DAY MEET

15th annual research council meeting at Pusa (Samstipur) on Monday, RPCAU's vice-chancellor P S Pandey said the scientists of the university will also conduct research on soil-less farming techniques like hydroponics, aquaponics and aeroponics with a view to augmenting crop yield and benefiting the farmers.

TOI

RPCAU VC P S Pandey at a function

> **The main advantage of utilizing vertical farming technologies is the increased crop yield that comes with a smaller unit area of land requirement**
>
> **P S PANDEY**
> RPCAU's vice-chancellor

Pandey said the main advantage of utilizing vertical farming technologies is the increased crop yield that comes with a smaller unit area of land requirement. Another advantage is the increased ability to cultivate a larger variety of crops at once because crops do not share the same plots of land while growing, he said.

The VC called upon the scientists to undertake multi-disciplinary researches with the assistance of experts in artificial intelligence, data analytics and gene editing. He said the university has already been developing a digital agricultural lab and another lab of gene editing would also be established soon. Studies should also be made on whether the researches carried out in the university are benefiting the farmers in increasing their farm output. He also appealed to the scientists to work on the prospects of secondary agriculture for adding value to the basic agricultural commodities and increasing the income of farmers.

Addressing the meeting, Junagarh Agricultural University's former vice-chancellor A R Pathak stressed the need for developing varieties of crops keeping in consideration the vagaries of climate change. Such varieties of crops should be developed which could withstand the rise or fall of temperature.

अनुसंधान परिषद में दूसरे दिन 40 से अधिक शोध परियोजनाओं पर की गई विस्तार से चर्चा

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में चल रहे 15वीं अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक के दूसरे दिन कृषि से जुड़े 40 से अधिक विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर अनुसंधान परियोजना से जुड़े कृषि वैज्ञानिक एवं बाह्य विशेषज्ञों ने कुलपति डॉ. पीएस पांडे के समक्ष अपने अपने अनुसंधान परियोजनाओं को प्रस्तुत किया। बैठक के दूसरे दिन पुसा के कुलपति डॉ. पीएस पांडे एवं गुजरात जूनागढ़ नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. ए आर पाठक ने कृषि के क्षेत्र में भविष्य में होने वाले बदलावों को लेकर सभी वैज्ञानिकों को अलग-अलग दिशा निर्देश दिया। दूसरे दिन की कार्यवाही देर शाम तक चलती रही। कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने बताया कि बैठक के अंतिम दिन यानी गुरुवार को 30 से अधिक परियोजनाओं पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि फसलों के विभिन्न प्रभेद और कृषि तकनीकों को रिलीज करने की दिशा में भी चर्चा हो रही है।

पूसा में रिसर्च कॉउंसिल की बैठक में मौजूद वैज्ञानिक।

Dainik Bhaskar 17-01-2024

दो दिन और रहेगी कोल्ड-डे की स्थिति, 20 के बाद तापमान में वृद्धि

सर्दी का सितम : 17-21 तक अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

जिले के लोगों को अभी दो दिनों तक ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। 20 जनवरी से दिन के तापमान में वृद्धि हो सकती है। औसतन 3 से 4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि में सर्द पछिया हवा चलने से ठंड व कनकनी बरकरार रहने का अनुमान है। इसके चलते कोल्ड-डे की स्थिति अभी दो दिनों तक बरकरार रहने की संभावना है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा द्वारा मंगलवार को 17-21 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है। वहीं अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 12 डिग्री व न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्टेशन पर ठंड में ठिठुरते यात्री

*अभी एक-दो दिन कोल्ड-डे की स्थिति बनी रह सकती है। 20 जनवरी से दिन के तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। - **डॉ. ए सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

असर, 35 घंटे विलंब से चल रही बिहार संपर्क क्रांति

- गाड़ी संख्या 12566 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को 15 जनवरी की सुबह में पहुंचना था यह ट्रेन 35 घंटा 28 मिनट विलंब से चल रही है।
- गाड़ी संख्या 12566 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को 16 जनवरी की सुबह में पहुंचना था यह ट्रेन 23 घंटा 27 मिनट विलंब से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 12565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 18 घंटा 46 मिनट विलंब से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 12562 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस 10 घंटा 16 मिनट विलंब से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 19038 अवध एक्सप्रेस 11. 11 घंटा विलंब से चल रही थी।

18 तक आंगनबाड़ी केन्द्र व 20 तक विद्यालय रहेगा बंद

शीतलहर एवं अत्यधिक ठंड के प्रकोप को देखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों को भी 18 जनवरी तक बंद करने आदेश दिया है। लेकिन सेविकाओं को गृह भ्रमण के माध्यम से 3 से 6 वर्ष तक के केन्द्र में पढ़ने वाले सभी बच्चों को सूखा राशन घर में आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय ने बताया कि डीएम के निर्देश पर 1 से 08 तक के स्कूल संचालन 20 जनवरी तक बंद रहेंगे।

Dainik Bhaskar 17-01-2024

बदलते मौसम को देख अनुसंधान करें विज्ञानी, परियोजनाओं पर हुई चर्चा

संस, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक के दूसरे दिन कृषि से जुड़े 40 से अधिक विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इससे जुड़े कृषि विज्ञानियों एवं बाह्य विशेषज्ञों ने कुलपति डा. पीएस पांडे के समक्ष परियोजनाओं को प्रस्तुत किया। इसमें चल रहे कार्यों का और परिणाम पर विस्तार पूर्वक चिंतन मंथन किया गया। कुलपति एवं गुजरात जूनागढ़ नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डा. ए आर पाठक ने कृषि के क्षेत्र में भविष्य में होने वाले बदलावों को लेकर विज्ञानियों को कई बिंदुओं पर निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम को देखते हुए हमें अनुसंधान करने की जरूरत है। इससे किसानों को लाभ पहुंच सकता है। कृषि के क्षेत्र में हो रहे बदलाव एवं इसके दूरगामी परिणामों पर भी हमें चिंतन मंथन करना आवश्यक है। दूसरे दिन की कार्यवाही देर शाम तक चलती रही। कुलपति डा. पांडे ने बताया कि बैठक के अंतिम दिन गुरुवार को 30 से अधिक परियोजनाओं पर चर्चा होगी। बताया कि

अनुसंधान परिषद की बैठक में मौजूद कुलपति सहित मुख्य अतिथि • जागरण

फसलों के विभिन्न प्रभेद और कृषि तकनीको को रिलीज करने की दिशा में भी चर्चा हो रही है। अनुसंधान परिषद के बैठक के दूसरे दिन भी कोई भी नई प्रभेद विकसित नहीं हुए। विज्ञानियों का कहना है कि जब तक विश्वविद्यालय के द्वारा अनुसंधान किए गए नवीनतम तकनीक एवं प्रभेदों को बाहरी विशेषज्ञों के द्वारा पूरी तरह और संतुष्ट नहीं हो जाएं तब तक नई प्रभेद एवं तकनीक रिलीज नहीं की जाएगी। मौके पर विश्वविद्यालय के परियोजना से संबंधित वैज्ञानिक अधिष्ठाता एवं विज्ञानी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 17/01/24 P-6

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 21 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ और मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में कुहासा रह सकते हैं। तीन से चार किलोमीटर की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
17 जनवरी	12	10
18 जनवरी	15	11
दरभंगा		
17 जनवरी	12	10
18 जनवरी	15	11
पटना		
17 जनवरी	18	13
18 जनवरी	19	14

डिग्री सेल्सियस में

Dainik jagran 17-01-2024

15 वर्षों में 16 जनवरी को अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री कम

संस, पूसा (समस्तीपुर) : उत्तर बिहार में 21 जनवरी तक आसमान प्रायः साफ और मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में माध्यम से घने कुहासा रह सकते हैं। अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। तीन से चार किलोमीटर की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी। पछिया हवा चलने से ठंड व कनकनी बरकरार रहने का अनुमान है। इस कारण अभी एक-दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। यह कहना है डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का। उन्होंने बताया कि बीते 15 वर्षों में 16 जनवरी को दिन का तापमान सामान्य से 10 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। मंगलवार का अधिकतम तापमान 12.0 और न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। पिछले 15 वर्षों के रिकार्ड के अनुसार, सबसे कम अधिकतम तापमान 16 जनवरी को दर्ज किया गया। वर्ष 2014 में अधिकतम तापमान 14.6 और न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। वर्ष 2021 में अधिकतम तापमान 15 डिग्री और 2018 में भी अधिकतम तापमान 15 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम विभाग का कहना है कि कनकनी वाली ठंड अभी एक-दो दिन और भी बरकरार रहेगी। विज्ञानियों ने आलू की फसल में लगने वाले झुलसा रोग के फैलाव के लिए अनुकूल बताया। ऐसे में किसान अपनी खेत की निगरानी कर दवा का छिड़काव करते रहे। दुधारू पशुओं की विशेष देखरेख करने की आवश्यकता है।

ठंड से बाइक पर दुबके लोग • जागरण

Dainik jagran 17-01-2024

पूसा की श्वेता बनी बिहार शिक्षा सेवा की अधिकारी

17वीं रैंक

पूसा, निज संवाददाता। पूसा की श्वेता ने बिहार लोक सेवा आयोग की 68वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में 17वीं रैंक पायी है। उनका चयन बिहार शिक्षा सेवा के लिए हुआ है। सामान्य कैटगरी की श्वेता के पिता भूपेन्द्र प्रसाद सिंह डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के वैज्ञानिको की देखरेख में संचालित कैंपस पब्लिक स्कूल में भूगोल के वर्षों से शिक्षक हैं। जबकि मां पुष्पा कुमारी हाउस वाइफ हैं। श्वेता के पिता ने बताया कि प्लस टू की शिक्षा हासिल करने के बाद श्वेता ने एमडीडीएम से भूगोल ऑनर्स किया। उसके बाद की तैयारी उसने दिल्ली में रहकर की। श्वेता ने बताया कि माता-पिता व परिवार का पूरा सपोर्ट, शिक्षा के प्रति समर्पण, शिक्षक अजय कुमार सिंह, असिलेश कुमार, अजय कुमार ठाकुर आदि का मार्गदर्शन व ज्ञान लक्ष्य हासिल में काफी मददगार साबित हुआ है।

पूसा आवास पर अपने माता-पिता के साथ श्वेता। • हिन्दुस्तान

उन्होंने बताया कि बेहतर मुकाम के लिए शॉर्ट-कट तरीका नहीं अपनाना चाहिए। तीन भाई बहनों में बड़ी बहन निवेदिता सैदपुर पंचायत के कनुआ स्कूल में शिक्षक है। जबकि भाई पुणे के में असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत है।

पूजा बनी प्रखंड कल्याण अधिकारी

365वीं रैंक

उजान की पूजा ने कहा, मेहनत जरूरी

बिथान, एक संवाददाता। बिथान प्रखंड के उजान गांव निवासी जंगीलाल साहु के पुत्री पूजा कुमारी ने बिहार लोक सेवा आयोग की 68वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में 365वां स्थान प्राप्त किया है। उसका प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के पद पर चयन हुआ है।

बचपन से ही सरकारी अधिकारी बनने की इच्छा रखने वाली पूजा कुमारी ने प्रारंभिक शिक्षा हरिपुर से प्राप्त की। बीपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली पूजा ने बताया कि यह सफलता कड़ी मेहनत, माता-पिता एवं शुभचिंतकों के आशीर्वाद से प्राप्त हुई है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन एवं सही दिशा में किये गये प्रयास को दिया। उनकी सफलता पर परिवार जनों के साथ-साथ पूरे गांव में भी हर्ष का माहौल है। हर्ष व्यक्त करने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार राय, मुखिया सुनीता देवी, अरविंद महतो आदि शामिल हैं।

Hindustan 17-01-2024

सर्दी का सितम

पछुआ हवा बढ़ा रही है कनकनी, शीत गिरने से सड़कें हुई गिली, जनजीवन अस्त-व्यस्त

अगले एक-दो दिनों तक जारी रहेगा कोल्ड-डे, 20 जनवरी के बाद तापमान में हो सकती है बढ़ोतरी

16 वर्षों में सबसे ठंडा दिन रहा 16 जनवरी

टूटा रिकॉर्ड

पूसा, निज संवाददाता। बीते 16 वर्षों में मंगलवार सबसे ठंडा दिन रहा। विवि से उपलब्ध बीते 16 वर्षों के आंकड़ों में पहला दिन है जब दिन का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके साथ ही ठंड ने 16 वर्षों के रिकार्ड को तोड़ दिया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ.ए.सत्तार ने बताया कि आज की तारीख में दिन का तामपान सबसे कम है। इससे पूर्व 2014 में दिन का तापमान 14.6 डिग्री, 2021 में 15 डिग्री, 2018 में 15.3 डिग्री रिकार्ड किया गया था।

इधर, शीतलहर व कनकनी के साथ ठंड का कहर जारी है। लगातार कोल्ड-डे की स्थिति बरकरार रहने से आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। आज तीसरे दिन भी लोग दिन भर धूप को लेकर तरसते रहे। पछुआ हवा ठंड व कनकनी को लगातार बढ़ाती रही। इसकी शुरुआत सुबह शीतलहर से हुई। नतीजतन सड़के गिली हो गई। मंगलवार को दिन के तापमान में हल्का सुधार दिखा। मौसम विभाग के अनुसार दिन का तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से करीब 10.2 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 9.1 रहा। जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक है। न्यूनतम व अधिकतम तापमान के बीच महज 3 डिग्री का फासला शेष है। यह स्थिति करीब तीन दिनों से जारी है। मौसम विभाग की मानें तो अगले एक-दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बरकरार रहेगी। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने 21 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनो तक आसमान प्रायःसाफ एवं मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में मध्यम से घना कुहासा रह सकता है।

मंगलवार को पूसा सैदपुर पुल पर सुबह करीब 9 बजे शीत से भींगी सड़क। दिनभर ठंड से लोगों का हाल बेहाल रहा।

12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया दिन का तापमान

10 डिग्री सेल्सियस लुढ़का तापमान सामान्य से, बढ़ी कनकनी

- मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा कोल्ड डे, धूप को तरसे लोग
- 20 जनवरी के बाद तापमान बढ़ने की मौसम विभाग ने जतायी संभावना

" पूर्वानुमान की अवधि में औसतन 3 से 4 किमी. प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चल सकती है। इससे ठंड व कनकनी बढ़ने की संभावना है। इस दौरान कोल्ड डे की स्थिति अगले एक-दो दिन बरकरार रहेगी। इस अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत एवं दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रह सकता है।

-डॉ.ए.सत्तार, मौसम वैज्ञानिक

सभी प्रारंभिक सरकारी व निजी स्कूल 20 तक बंद

आदेश

समस्तीपुर, निज संवाददाता। जिले में अत्यधिक ठंड से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को लेकर सभी प्रारंभिक सरकारी और निजी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई अगले 20 जनवरी तक के लिए बंद कर दी गयी है। जबकि 9-10 कक्षा वाले सभी सरकारी हाई व प्लस टू सरकारी व निजी स्कूलों का संचालन 10 बजे सुबह से शाम 4 बजे तक के लिए जारी रहेगा। इस दौरान स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षा व विशेष कक्षाएं इसी अवधि में होगी। स्कूलों में शिक्षकों को 9 बजे से 4 बजे तक उपस्थित रहना है।

डीएम योगेंद्र के निर्देश पर डीईओ मदन राय ने इस आशय का आदेश शुक्रवार शाम सभी सरकारी व निजी स्कूलों को मंगलवार को जारी किया। बता दें कि इससे पहले 12 जनवरी से 16 जनवरी तक के लिए सभी प्रारंभिक स्कूलों के लिए बंदी का आदेश जारी किया गया था।

जानलेवा बनी शीतलहर, बाजार खाली

ताजपुर, निज संवाददाता। सर्द मौसम की कठोरता ने अब आम आदमी का जीना पूरी तरह दूभर कर दिया है। बाजार से ग्राहक गायब हो चुके हैं। घरों से निकलना मुश्किल है। कारोबारियों का कारोबार चौपट है। बाजार से लोगों की चहल-पहल गायब है। चौक-चौराहे पर ऑटो, रिक्शा चालक, मजदूर वर्ग के लोग सभी अपने कामधाम छोड़ कूड़े-कचरे जलाकर अपनी जान बचाने में लगे हैं। वहीं गांव में किसान दो वक्त की रोटी खाकर अपने अपने घरों में ही दुबके रहने को विवश हैं। मंगलवार को मोतीपुर सब्जी मंडी में सन्नाटा पसरा रहा। सामान्य दिनों से कम ग्राहक पहुंचे।

मंगलवार को ताजपुर में खाली पड़ी हाइवे, यहां अक्सर जाम की स्थिति रहती है।

Hindustan 17-01-2024

पूसा की श्वेता का डीइओ पद के लिए हुआ चयन

पूसा. डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कालोनी ओल्ड सी 1/ 46 निवासी श्वेता ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 68वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हासिल की है. उसने बताया कि उसे जिला शिक्षा पदाधिकारी के लिए चयनित किया गया है. उनके पिता भूपेंद्र प्रसाद सिंह कैंपस पब्लिक स्कूल में भूगोल शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं. माता पुष्पा कुमारी गृहिणी है. वह मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के रघौली गांव की रहने वाली है.

प्रभात खबर
Wed, 17 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/

दूसरे दिन 40 परियोजनाओं पर हुई चर्चा

पूसा. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्यापति सभागार में आयोजित 15 वीं रबी अनुसंधान परिषद बैठक के दूसरे दिन कृषि क्षेत्र से जुड़े 40 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई. इस अवसर पर अनुसंधान परियोजना से जुड़े कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों ने कुलपति डॉ. पीएस पांडेय के समक्ष अपने अनुसंधान परियोजनाओं को प्रस्तुत किया. बैठक के दूसरे दिन कुलपति डॉ. पीएस पांडेय एवं नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. ए आर पाठक ने कृषि के क्षेत्र में भविष्य में होने वाले बदलावों को लेकर सभी वैज्ञानिकों को दिशा निर्देश दिये. दूसरे दिन की कार्यवाही देर शाम तक चलती रही. बताया गया कि बैठक के अंतिम दिन 30 से अधिक कृषि अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की जायेगी. मौसम अनुकूल फसलों के विभिन्न प्रभेद और कृषि तकनीकों पर आधारित अनुसंधान करने की दिशा में भी चर्चा की जा रही है. मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ. एके सिंह,निदेशक डॉ. एमएस कुंडू, निदेशक बीज डॉ. डीके रॉय, अधिष्ठाता डॉ. अंबरीश कुमार, डॉ. पीपी श्रीवास्तव उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Wed, 17 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/

अधिकतम 12 डिग्री व न्यूनतम 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा तापमान

अगले दो दिनों तक जिले में बनी रहेगी कोल्ड डे की स्थिति

- बीते दो दिनों से जिले में सूरज का दर्शन नहीं हुआ

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

सर्द पछुआ हवा से कनकनी बनी रही. इससे मंगलवार को भी पूरे दिन कोल्ड डे की स्थिति रही. मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान में जिले में अगले दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बने रहने की संभावना व्यक्त की गयी है. दिनभर लोग ठंड से बचने के लिए अलाव सेकते रहे. आसमान में घना कोहरा छाया रहा. सड़क पर चलने वाले वाहनों की लाइट भी धूंधली सी नजर आती रही. जरूरी कामकाज वाले लोग ही घर से बाहर निकल रहे थे. बस पड़ाव पर भी यात्रियों कम दिखे.

बीते दो दिनों से जिले में सूरज का दर्शन नहीं हुआ है. उत्पन्न हो गया है. टोटो रिक्शा चालक राम सुभीत ने बताया कि सुबह से चार यात्री मिले हैं. 40 रुपये की कमायी हुई है, कैसे घर चलेगा. उजियारपुर रेलवे स्टेशन के समीप निजी कोष से भाजपा नेता चन्दन कुमार मिश्रा ने अलाव की व्यवस्था की है. वहीं नाजिरगंज स्टेशन के समीप जदयू नेता मुकेश कुमार राय ने भी अलाव की व्यवस्था की. राजद नेता मो. नसीम ने अंचल प्रशासन से प्रखंड के प्रमुख चौराहों पर अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है. सीओ अजीत कुमार झा ने बताया कि अंगारघाट, राजेश्वर चौक, गावपुर, सातनपुर व पीएचसी उजियारपुर में अलाव की व्यवस्था कर दी गई है.

ठंड से निजात पाने के लिए अलाव सेकते लोग.

उधर, डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थिति मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक पछुआ हवा के कारण वातावरण में कनकनी रहेगी. सर्द पछुआ हवा के कारण एक-दो दिनों तक अभी कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी. अगले तीन दिनों तक आमतौर पर आसमान साफ रहेगा. मौसम का मिजाज भी शुष्क बना रहेगा. इस अवधि में अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा. जबकि न्यूनतम तापमान के 9 से 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है. मंगलवार को अधिकतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है. यह जनवरी के तीसरे सप्ताह में होने वाले सामान्य तापमान से 10.2 डिग्री सेल्सियस नीचे है. इसी तरह न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. यह सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस उपर है.

प्रभात खबर
Wed, 17 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74362848

राष्ट्रीय सहारा 17/1/24 पेज 5

मौसम : जारी रहेगा कोल्ड डे, चलेगी ठंडी बयार, 20 के बाद दिन में राहत के आसार

आग के सहारे ठंड से निजात पाने की कोशिश।

समस्तीपुर (एसएनबी)। फिलहाल 20 जनवरी तक ठंड से राहत के आसार नहीं है, 20 के बाद दिन के तापमान में सुधार होने के आसार है। विगत तीन दिनों से जारी शीत लहर का दौर मंगलवार को अपने सबाब पर दिखा। इस क्रम में आज तीसरे दिन मंगलवाार को भी उर्जा और प्रकाष के अक्षय श्रोत भगवान भास्कर का दर्षन नहीं हुआ। हलांकि हवा की रफ्तार कम होने से मामूली राहत थी मगर आग के सहारे लोग दिन बिताने को मजबूर दिखे। मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा की औसत गति 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया। जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय के ग्रामीण .षि मौसम सेवा, एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी अगामी 17-21 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। वही दिन की शुरूआत मध्यम से घने कुहासे के बीच हो सकती है। अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 20 जनवरी से दिन के तापमान में वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में औसतन 3 से 4 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि में सर्द वाली पछिया हवा चलने से ठंढ व कनकनी बरकरार रहने का अनुमान है। जिसके चलते कोल्ड-डे की स्थिति अभी भी एक-दो दिनों तक बरकरार रहने की सम्भावना है।

कार्यक्रम • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में अनुसंधान परिषद की बैठक हुई

कृषि के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की जरूरत : वीसी

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में चल रहे 15वें अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय बैठक के तीसरे व अंतिम दिन भी कई अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों के दो नए प्रभेद और मशरूम से बड़ी बनाने की तकनीक को काउंसिल के समक्ष अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया जिस पर शाम तक गहन विचार- विमर्श चल रहा था। संभावना है कि देर रात तक चर्चा समाप्त होने के बाद फसलों के दोनों प्रभेद और मशरूम बड़ी बनाने की तकनीक को राज्य सरकार से रिलीज कराने के लिए अनुशंसित कर दिया जाएगा। फसल के दोनों प्रभेदों में पहला मक्का का प्रभेद शक्तिमान 6 और दूसरा सरसों का प्रभेद राजेंद्र सुफलाम 1 शामिल हैं। अनुसंधान परिषद की बैठक के अंतिम दिन कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कृषि विवि पुसा के कुलपति डॉ. पी एस पांडेय ने कहा कि भारत के किसान कृषि विवि और यहां के कृषि वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं ऐसे में अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की आवश्यकता है। गुजरात के जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय पुसा के वैज्ञानिक काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं। पूसा विवि की कई अनुसंधान परियोजनाएं बहुत ही प्रभावकारी है।

देश के किसानों की आशा भरी निगाह कृषि विवि पूसा पर

पूसा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

कार्यक्रम में मौजूद कृषि वैज्ञानिक व विशेषज्ञ।

विवि की ओर से विकसित मशरूम बड़ी और उसे बनाने के तकनीक की यह है खासियत

रिसर्च काउंसिल की बैठक में विवि के मशरूम उत्पादन केंद्र द्वारा विकसित मशरूम बड़ी और बड़ी बनाने की तकनीक को भी अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। मशरूम बड़ी मशरूम का एक मूल्य वर्धित उत्पाद है जो खासकर मशरूम उत्पादक किसानों के लिए अत्यंत ही फायदेमंद है। मशरूम की बिक्री अगर समय पर नही हो पाती हैं तो मशरूम का अन्य उत्पाद बनाए।

मक्का शक्तिमान 6 की यह है खासियत

मक्का के प्रभेद शक्तिमान 6 पर अनुसंधान करने वाले कृषि वैज्ञानिकों की मानें तो मक्का का यह प्रभेद खरीफ का प्रभेद है जो 90 से 95 दिनों में पक कर तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में लीफ ब्लाइट रोग से लड़ने की क्षमता विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी प्रोटीन की मात्रा 9.87 प्रतिशत है। इसका रंग हल्का पीला है और इसके पौधे की लंबाई 180 से 190 सेंटीमीटर तक होती है।

Dainik Bhaskar 18-01-24

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 21 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ और मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में कुहासा रह सकते हैं। तीन से चार किलोमीटर की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
18 जनवरी	15	10
19 जनवरी	16	12
दरभंगा		
18 जनवरी	15	10
19 जनवरी	16	12
पटना		
18 जनवरी	22	11
19 जनवरी	23	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 18-01-24

अनुसंधान परिषद की बैठक में मक्के और तोरी के प्रभेद विकसित

संवाद सहयोगी, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के 15 वें अनुसंधान परिषद की बैठक के तीसरे दिन मक्के एवं तोरी के प्रभेद सहित एक तकनीक विकसित की गई। दोनों प्रभेद और मशरूम की तकनीक को राज्य सरकार के समक्ष रिलीज के लिए अनुशंसित कर दिया गया। मक्का प्रभेद शक्तिमान 6 मक्का का प्रभेद शक्तिमान 6 खरीफ किस्म का एक प्रभेद है। यह 90 से 95 दिनों में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में लीफ ब्लाइट रोग से लड़ने की क्षमता विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी प्रोटीन की मात्रा 9.87 प्रतिशत है। इसका रंग हल्का पीला है। इसके पौधे की लंबाई 180 से 190 सेंटीमीटर तक होती है। साधारण परिस्थितियों में इसका उत्पादन 67 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त किया गया है। राजेंद्र सुफलाम वन सरसों का प्रभेद राजेंद्र सुफलाम वन एक भी

अनुसंधान परिषद की बैठक में मौजूद कुलपति एवं वैज्ञानिक • जागरण

बैठक में मौजूद वैज्ञानिक • जागरण

अनुसंधान परिषद की बैठक में अनुशंसा कर दी गई। यह मध्यम लंबाई का एक प्रभेद है जो औसतन 124 दिन में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में 41.47 प्रतिशत तेल उत्पादन क्षमता है। यह तना सड़न रोग , डाउनी मिलडायू एवं अल्टरनरिया ब्राइट रोग से सहिष्णु है। यह भूरे रंग का होता है। इसकी उत्पादन क्षमता 18.98 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

मशरूम बड़ी उत्पादन पर भी मुहर

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मशरूम बड़ी उत्पादन की तकनीक को भी रिलीज कर कर दी गई। यह तकनीक अनुसंधान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शिक्षा विभाग द्वारा वित्त पोषित परियोजना "फसल अवशेष आधारित सूक्ष्म उद्योग बिहार में अनुसूचित जातीय क्षेत्रों में मशरूम उत्पादन तकनीक परियोजना के अंतर्गत अनुसंधानों के उपरांत विकसित की गई है। मुख्य अन्वेषक डॉ दयाराम, सह अन्वेषक डॉ सुधा नंदिनी, डॉ आर पी के राय एवं डॉ देवांशु देव इस परियोजना से जुड़े थे।

अनुसंधान की दिशा और दिशा को तेज करने की जरूरत

तीन दिनी सत्र के अंतिम दिन विज्ञानियों को संबोधित करते हुए कुलपति डा. पीएस पांडेय ने कहा कि भारत के किसान कृषि विज्ञानियों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। ऐसे में अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की आवश्यकता है।उन्होंने विज्ञानियों से किसानों की समस्याओं का अध्ययन करने और फिर उसी अनुरूप अनुसंधान विकसित करने की सलाह दी। जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉक्टर ए आर पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय के विज्ञानी काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं । कई अनुसंधान परियोजनाएं बहुत ही प्रभावकारी हैं जिससे भविष्य में देश को फायदा होगा। कुछ अनुसंधान परियोजनाओं पर और अधिक मेहनत किए जाने की जरूरत है। कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले 1 वर्ष में तीव्र प्रगति की है और उन्हें आशा है कि इसी प्रगति के दर को भविष्य में भी बनाए रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डा. ए के सिंह, निदेशक डा. एस के ठाकुर , डीन पीजीसीई डा. मयंक राय ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान निदेशक शिक्षा डा उमाकांत बेहरा, डीन इंजीनियरिंग अम्बरीष कुमार, निदेशक प्रसार शिक्षा डा. एस कुंडु, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राकेश मणि शर्मा , डा. डीएन कामत, डा. कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न विज्ञानी आदि थे।

Dainik Jagran 18-01-24

कृषि वैज्ञानिकों व छात्रों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि गुणवत्तायुक्त फसल उत्पादन के लिए फसलो का विविधिकरण जरूरी है। वहीं कृषि अपशिष्टो को उपयोगी बनाकर खेती को लाभकारी बनाने के साथ अन्य लाभ लिये जा सकते हैं। इसके लिए कृषि वैज्ञानिको को नवीनतम तकनीको के विकास के साथ किसानो को जागरूक करने की दिशा में पहल करने की जरूरत है। जिससे किसान उसे जमीनी स्वरूप दे सकें। वे विवि के पंचतंत्र सभागार में वैज्ञानिको को संबोधित कर रहे थे। मौका था फसल विविधिकरण व कृषि अवशिष्ट विषय पर कृषि वैज्ञानिको व छात्रो के 10 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में लगातार बदलाव आ रहे है। इसमें आधुनिक कृषि यंत्रो को बढ़ावा देकर कई नये कार्यों को गति दी जा सकती है। इसमें विवि व सरकार भी हरसंभव सहयोग को लेकर प्रयासरत है। इसके लिए वैज्ञानिको को अपनी सजगता का परिचय देते हुए चिंतन-मंथन कर इस दिशा में पहल तेज करने की जरूरत है।

Hindustan 18-01-24

कृषि विवि में तीन दिवसीय अनुसंधान परिषद की बैठक तीसरे दिन भी जारी, कुलपति ने वैज्ञानिकों के साथ किया विचार-विमर्श

किसानों की समस्याओं के अनुरूप शोध की जरूरत

- अनुसंधान परिषद की 15वीं बैठक चल रही
- विभिन्न विवि से आए कृषि वैज्ञानिक

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में जारी अनुसंधान परिषद की 15वीं बैठक बुधवार को तीसरे दिन शाम तक जारी रही। इस दौरान दर्जनों अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की गई। विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कुलपति व परिषद सदस्यो ने परियोजना को लेकर कई सुझाव दिये। विवि से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान विवि द्वारा विकसित दो प्रभेद और एक तकनीक अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किए गया।

हलांकि चर्चा के बाद दोनों प्रभेद और एक तकनीक को अनुशंसित कर दिये जाने की संभावना है। अनुसंधान परिषद की बैठक के अंतिम दिन वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ.पीएस पांडेय ने कहा कि देश के किसान कृषि वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। ऐसे में अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों की समस्याओं का अध्ययन कर उसी अनुरूप अनुसंधान करें। जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. एआर पाठक ने कहा कि विवि के वैज्ञानिक काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं। कई अनुसंधान परियोजनाएं बहुत ही प्रभावकारी हैं।

जिससे भविष्य में देश को बेहतर लाभ मिलेगा। कुछ अनुसंधान परियोजनाओं पर और अधिक मेहनत किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विवि ने पिछले 1 वर्ष में तीव्र प्रगति की है। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, सह निदेशक डॉ.एसके ठाकुर, डॉ.मुकेश कुमार सिंह समेत कुलसचिव डॉ.मृत्युंजय कुमार, डीन डॉ.अम्बरीष कुमार, डॉ.पीपी श्रीवास्तव, डॉ.मयंक राय, डॉ.उषा सिंह, डॉ.पीपी सिंह, निदेशक शिक्षा डॉ.उमाकांत बेहरा, डॉ.राकेश मणी शर्मा, डॉ.कुमार राजबर्द्धन, डॉ.डीएन कामत आदि मौजूद थे।

बुधवार को कृषि विवि के विद्यापति सभागार में संबोधित करते कुलपति व अन्य।

कृषि विवि के विद्यापति सभागार में मौजूद वैज्ञानिकगण।

मक्का की शक्तिमान-6

मक्का का शक्तिमान 6 खरीफ का एक प्रभेद है जो 90 से 95 दिनों में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में लीफ ब्लाइट रोग से लड़ने की क्षमता विकसित की है। इसमें क्वालिटी प्रोटीन की मात्रा 9.87 प्रतिशत है। इसका रंग हल्का पीला है। इसके पौधे की लंबाई 180 से 190 सेंटीमीटर तक होती है। साधारण परिस्थितियों में इसका उत्पादन 67 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है।

सरसों की राजेंद्र सुफलाम-1 प्रभेद

सरसों की राजेंद्र सुफलाम प्रभेद को भी अनुसंधान परिषद की बैठक में अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। यह प्रभेद मध्यम लंबाई का एक प्रभेद है। जो औसतन 124 दिन में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में 41.47 प्रतिशत तेल उत्पादन क्षमता है। यह तनाशरण रोग, डाउनी मिलडायू एवं अल्टरनरिया ब्राइट रोग से सहिष्णु है। यह भूरे रंग का होता है। इसकी उत्पादन क्षमता 18.98 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त की गई है।

मशरूम बड़ी उत्पादन की तकनीक

विवि से विकसित मशरूम बड़ी उत्पादन की तकनीक को भी अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। यह मशरूम का एक मूल्य वर्धित उत्पाद है और मशरूम किसानों के लिए अत्यंत फायदेमंद है। यदि किसी कारण मशरूम की बिक्री समय पर ना हो पाए तो किसान इससे अन्य मूल्य वर्धित उत्पाद बना सकते हैं। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिकों ने मशरूम उत्पादन के संबंध में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस मौके कृषि वैज्ञानिकों की सलाह भी ली गई है।

Hindustan 18-01-24

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में आयोजित 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक

परिषद की बैठक में दो प्रभेदों पर मुहर लगने की संभावना

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में आयोजित 15 वीं अनुसंधान परिषद की बैठक के तीसरे दिन कई अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की गई. विश्वविद्यालय द्वारा विकसित दो प्रभेद और एक तकनीक अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किये गये. संभावना है कि चर्चा के बाद दोनों प्रभेद और एक तकनीक को राज्य सरकार के समक्ष रिलीज के लिए अनुशंसित कर दिया जायेगा.

मक्का प्रभेद शक्तिमान 6 खरीफ किस्म का एक प्रभेद है जो 90 से 95 दिनों में तैयार होता है. इस प्रभेद में लीफ ब्लाइट रोग से लड़ने की क्षमता विकसित की गई है. इसमें क्वालिटी प्रोटीन की मात्रा 9.87 प्रतिशत है. इसका रंग हल्का पीला है. इसके पौधे की लंबाई 180 से 190 सेंटीमीटर तक होती है. साधारण परिस्थितियों में इसका उत्पादन 67 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त किया गया है. इसी तरह सरसों का प्रभेद राजेंद्र सुफलाम एक भी अनुसंधान परिषद की बैठक में अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया. यह मध्यम लंबाई का प्रभेद है जो औसतन 124 दिन में तैयार हो जाता है. इस प्रभेद में 41.47 प्रतिशत तेल उत्पादन क्षमता है. यह तना सड़न रोग, डाउनी मिल्ड्यू एवं अल्टरनरिया ब्लाइट8 रोग से सहिष्णु है. यह भूरे रंग का होता है. इसकी उत्पादन क्षमता 18.98 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त की गई है. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय से विकसित मशरूम बड़ी उत्पादन की तकनीक को भी अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया. यह मशरूम का एक मूल्य वर्धित उत्पाद है और मशरूम किसानों के लिए अत्यंत फायदेमंद है. यदि किसी कारण मशरूम की बिक्री समय पर ना हो पाता है तो किसान इससे अन्य मूल्य वर्धित उत्पाद बना सकते हैं. अनुसंधान परिषद की बैठक के अंतिम दिन वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि भारत के किसान कृषि वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहें हैं. ऐसे में अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की आवश्यकता है. उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वह किसानों की समस्याओं का अध्ययन करें और फिर उसी के अनुरूप अपना अनुसंधान विकसित करें. जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ एआर पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं. कई अनुसंधान परियोजनाएं बहुत ही प्रभावकारी हैं. निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, निदेशक डॉ एसके ठाकुर, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ मयंक राय ने भी अपने विचार रखे. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार, निदेशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एमएस कुंडू, निदेशक बीज डॉ डीके रॉय, अधिष्ठाता डॉ अंबरीश कुमार, डॉ उषा सिंह, डॉ पीपी श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, डॉ मुकेश कुमार, डॉ डीएन कामत ,डॉ ए. सतार, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन थे.

बैठक में उपस्थित कुलपति व अन्य.

प्रभात खबर
Thu, 18 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74367855

किसानों की जरूरत और समस्या पर केन्द्रित हो अनुसंधान : वीसी

समस्तीपुर/पूसा। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय .षि विश्वविद्यालय पूसा के 15 में अनुसंधान परिषद की बैठक के तीसरे दिन भी कई अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा विकसित दो प्रभेद और एक तकनीक अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किए गए जिस पर समाचार लिखे जाने तक गहन विमर्श चल रहा था। मक्का का प्रभेद शक्तिमान 6 खरीफ किस्म का एक प्रभेद है जो 90 से 95 दिनों में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में लीफ ब्लाइट रोग से लड़ने की क्षमता विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी प्रोटीन की मात्रा 9.87 प्रतिशत है। इसका रंग हल्का पीला है ।इसके पौधे की लंबाई 180 से 190 सेंटीमीटर तक होती है। साधारण परिस्थितियों में इसका उत्पादन 67 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त किया गया है। इसी तरह सरसों का प्रभेद राजेंद्र सुफलाम एक भी अनुसंधान परिषद की बैठक में अनुशंसा

मंचासीन वीसी व अन्य।

के लिए प्रस्तुत किया गया। यह मध्यम लंबाई का एक प्रभेद है जो औसतन 124 दिन में तैयार हो जाता है। इस प्रभेद में 41.47 प्रतिशत तेल उत्पादन क्षमता है। यह तनाशरण रोग, डाउनी मिलडायू एवं अल्टरनरिया ब्राइट रोग से सहिष्णु है। यह भूरे रंग का होता है। इसके उत्पादन क्षमता 18.98 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त की गई है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय से विकसित मशरूम बड़ी उत्पादन की तकनीक को भी अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। यह मशरूम का एक मूल्य वर्धित उत्पाद है और मशरूम किसानों के लिए अत्यंत फायदेमंद है। अनुसंधान परिषद की बैठक के अंतिम दिन वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉक्टर पी एस पांडेय ने कहा कि भारत के किसान .षि वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे है। ऐसे में अनुसंधान की दिशा और दशा को तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वह किसानों की समस्याओं का अध्ययन करें और फिर उसी अनुरूप अपना अनुसंधान विकसित करें। जूनागढ़ एवं नवसारी .षि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉक्टर ए आर पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक काफी अच्छा कार्य कर रहे है। कई अनुसंधान परियोजनाएं बहुत ही प्रभावकारी है जिससे भविष्य में देश को फायदा होगा। कुछ अनुसंधान परियोजनाओं पर और अधिक मेहनत किए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह, निदेशक डॉक्टर एस के ठाकुर, डीन पीजीसीई डॉक्टर मयंक राय ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान निदेशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा, डीन इंजीनियरिंग डॉक्टर अम्बरीष कुमार, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एस कुंडू, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, डॉक्टर डीएन कामत, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न वैज्ञानिक पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा 18/1/24 पेज 5

Agri univ develops varieties of maize

B K Mishra | TNN

Patna: The Rajendra Prasad Central Agricultural University (RPCAU) has developed two new varieties of maize and mustard both of which are likely to be released shortly.

The meeting presided over by the RPCAU vice-chancellor P S Pandey also approved a new technology of

THREE-DAY MEETING

mushroom 'Badi' production developed by the university. Both the crop varieties and the new technology were approved by the university's research council, at its three-day meeting which concluded on Wednesday. The new crop varieties would be recommended for release as per the government norms.

Giving details of the new varieties and technology developed by the university, PRO Rajyavardhan said 'Shaktiman 6' is a kharif variety of hybrid maize that matures in 90 to 95 days. This variety is resistant to leaf blight disease. This variety contains 9.87% quality protein, 0.81% tryptophan, and 5.52% lysine. The height of this light yellow-coloured plant ranges from 180 to 190 cm. Under normal conditions, this variety yields 67 quintals per hectare. Similarly, the new mustard variety 'Rajendra Supfalam' is of medium length which matures in four months.

Times of India 18.Jul.24 P-3

मधुमक्खी पालन से किसान बढ़ा सकते आय : डॉ. मुखर्जी

उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद विभागाध्यक्ष व अन्य .

प्रतिनिधि , पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय परिसर के पंचतंत्र भवन सभागार में मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग एवं विपणन विषय पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत हुई. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कीट विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. उदयन मुखर्जी ने दीप जलाकर शुरुआत की. इसमें समस्तीपुर जिले के किसान शामिल हुए.

उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि नयी तकनीक आधारित मधुमक्खी पालन कर किसान अपनी आय को बढ़ा कर आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं. उन्होंने कहा कि बिहार शहद उत्पादन के क्षेत्र में सातवें स्थान पर है, जिसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि शहद उत्पादन के क्षेत्र में महिला एवं युवाओं के सहयोग से क्रांति लायी जा सकती है.

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को लोगों के बीच साझा करें. जिससे पालन व विपणन को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने इटालियन मधुमक्खी के पालन से जुड़े विषय पर विस्तृत चर्चा की.

निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने मधुमक्खी पालन को आजीविका का साधन बताते हुए कहा कि इसका पालन पर्यावरण एवं मनुष्य जीवन के लिए लाभकारी है. उन्होंने कहा कि मधुमक्खी के विलुप्त होने पर मानव जीवन खतरा में पड़ सकता है. इसलिए इसे बढ़ावा देने की जरूरत है.

कार्यक्रम के संचालन करते हुए उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. अनुपमा कुमारी ने मधुमक्खी पालन के लिए बिहार की जलवायु को अनुकूल बताया. कहा कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा. उन्होंने मधुमक्खी पालन से जुड़ी मीठी क्रांति योजना की जानकारी दी. मौके पर मारुति नंदन, रितेश कुमार व अन्य उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Fri, 19 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/

कार्यक्रम • पूसा विवि में मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग व विपणन के विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण

इटालियन मधुमक्खी और शहद उत्पादन से किसानों में आएगी समृद्धि : डॉ. मुखर्जी

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित पंचतंत्र सभागार में मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग व विपणन के विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन विवि के कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. यू मुखर्जी ने किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. यू मुखर्जी ने कहा कि विवि के मधुमक्खी पालन केंद्र के द्वारा बिहार के किसानों से इटालियन मधुमक्खी का पालन कराकर उससे शहद उत्पादन करते हुए किसानों को समृद्ध बनाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इटालियन मधुमक्खी का विस्तार भारतीय मधुमक्खी से कहीं अधिक जोरों से हो रहा है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में भारत ने विश्व स्तर पर सातवें रैंक को हासिल कर लिया है। इतना ही नहीं देश स्तर पर भी बात करें तो मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में बिहार राज्य भी सातवें स्थान पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मधु उत्पादन के दौरान प्रसंस्करण का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। मधुमक्खी पालन के व्यवसाय को अग्रणी और अधिक लाभकारी बनाने के लिए विपणन एवं आकर्षक पैकेजिंग की दिशा में भी कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी उत्पाद का वैज्ञानिकी विधि से प्रसंस्करण कर उस उत्पाद को गुणवत्तापूर्ण तरीके से रखने में काफी सहूलियत मिलती है। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रसार शिक्षा निदेशक डा. एमएस कुंडू ने कहा कि मधुमक्खी पालन का व्यवसाय जलवायु परिवर्तन के दौर में आमदनी का एक बेहतर साधन हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी मानव जीवन के लिए भी अत्यंत लाभकारी हैं। विश्व से अगर मधुमक्खी को विलुप्त कर दिया जाए तो मानव का जीवन घटकर महज 4 वर्ष का हो जाएगा।

युवाओं को मधुमक्खी पालन के लिए करें जागरूक

पूसा में कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. यू मुखर्जी व अन्य।

बिहार की मिट्टी से उत्पादित शहद काफी मीठा होता है

संचालन व धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रसार शिक्षा उप निदेशक डा. अनुपमा कुमारी ने कहा कि मधुमक्खी को इस धरती पर सहेजकर रखने तथा इससे बेहतर आमदनी प्राप्त करने में किसानों की महती भूमिका है। बिहार की मिट्टी से उत्पादित शहद काफी मीठी होता है। मीठी क्रांति के दौरान बिहार के मात्र 17 जिले के किसानों को चयनित कर वैज्ञानिक विधि से मधुमक्खी पालन कराने की शुरुआत की गई हैं जिसमें समस्तीपुर जिला को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि मीठी क्रांति के आगाज के दौरान ही 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो गई है जो बहुत ही अच्छी बात हैं। इस प्रशिक्षण में आत्मा के द्वारा चयनित समस्तीपुर जिले के 20 प्रखंड से पहुंचे कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। किसानों का नेतृत्व एटीएम मारूत नंदन शुक्ल कर रहे थे। मौके पर विवि के अलावे अन्य विभागीय कर्मी मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 19-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में 21 जनवरी तक आसमान प्राय: साफ और मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में माध्यम से घने कुहासा रह सकते हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
19 जनवरी	12	10
20 जनवरी	15	10
दरभंगा		
19 जनवरी	12	10
20 जनवरी	15	10
गया		
19 जनवरी	22	11
20 जनवरी	23	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 19-01-2024

इटालियन मधुमक्खी से शहद उत्पादन कर किसान करें अच्छी आमदनी

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में संबंधित किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संस, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित पंचतंत्र सभागार में गुरुवार को मधुमक्खी पालन एवं पैकेजिंग व विपणन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुई। अध्यक्षीय संबोधन में विभागाध्यक्ष डा. यू मुखर्जी ने कहा कि इटालियन मधुमक्खी से शहद का उत्पादन कर बिहार के किसानों में समृद्धि लाने का प्रयास किया जा रहा है। इटालियन मधुमक्खी का विस्तार भारतीय मधुमक्खी से कहीं अधिक जोरों से हो रही है। मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में भारत विश्व स्तर पर सातवां रैंक हासिल कर लिया है। जबकि देश स्तर पर मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में बिहार राज्य भी सातवें स्थान पर बना हुआ है। मधु उत्पादन के दौरान प्रसंस्करण का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। वहीं मधुमक्खी पालन व्यवसाय को अग्रणी बनाने के लिए विपणन एवं आकर्षक पैकेजिंग की दिशा में भी कार्य करने की जरूरत है। वैज्ञानिकी विधि से प्रसंस्करण करने पर उत्पादों को गुणवत्ता रखने में सहूलियत मिलती है। जिससे बाजार में जाने पर किसान बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते है। मधुमक्खी पालन व्यवसाय बेरोजगारी जैसे असाध्य समस्याओं का विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रसार शिक्षा निदेशक डा. एमएस कुंडू ने कहा कि मधुमक्खी पालन व्यवसाय जलवायु परिवर्तन की दौर में आमदनी का साधन के रूप में देखा जा रहा है। विश्व से मधुमक्खी को विलुप्त कर दिया जाए तो मानव का जीवन महज चार वर्ष का संभव इस धरती पर हो सकेगा। मधुमक्खीपालन व्यवसाय सेवा के साथ-साथ आमदनी का साधन भी बन चुका है। तकनीकी व्यवसाय के दौरान छोटी-छोटी गलतियों का स्वरूप से भारी नुकसान उठाना पर रहा है। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रसार शिक्षा उप निदेशक डा. अनुपमा कुमारी ने कहा कि मधुमक्खी को इस धरती पर सहेजकर रखने तथा इससे बेहतर आमदनी प्राप्त करने में किसानों की महती भूमिका है। बिहार की मिट्टी से उत्पादित शहद काफी मीठी होती है। मीठी क्रांति के दौरान बिहार के मात्र 17 जिले का चयन कर वैज्ञानिक विधि से मधुमक्खी पालन करने की शुरुआत हुई। जिसमें समस्तीपुर जिला को भी शामिल किया गया है। मीठी क्रांति में आगाज के दौरान ही 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित किया गया था। मौके पर एटीएम मारूति नंदन शुक्ल सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षणार्थी • जागरण

Dainik Jagran 19-01-2024

मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग व विपणन पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मधु उत्पादन में भारत विश्व में 7वें स्थान पर : मुखर्जी

कृषि विवि

- मधु उत्पादन के बारे में दी गई जानकारी
- कीट विज्ञान विभाग में शुरू हुआ प्रशिक्षण

कृषि विवि के पंचतंत्र सभागार में संबोधित करते विभागाध्यक्ष,निदेशक।

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यू मुखर्जी ने कहा की मधु उत्पादन व निर्यात के मामले में भारत और बिहार विश्व में 7वें स्थान पर है। इसे शीर्ष पर लाने के लिए मधुमक्खी पालन, प्रसंस्करण व उसके विपणन व्यवस्था को और बेहतर करना होगा।

वे गुरुवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग व विपणन पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण को उद्घाटन के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन के लिए इसके तकनीकी पहलुओं को ईमानदारी से सीखकर जमीन पर उतारने की दिशा में पहल करना होगा। इसमें कृषि विवि व सरकार हरसंभव सहयोग के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह स्वरोजगार का बेहतर विकल्प है।

इसे समूह बनाकर व एफपीओ का गठन कर कार्य करना वर्तमान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में इटालियन मधुमक्खी पालन होने से उत्पादन क्षमता में काफी बढ़ोतरी हुई है। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि मानव जीवन में मधुमक्खी की अहम भूमिका है। यह लोगों की आजीविका के साथ मानव जीवन के लिए अमृत है। यह मनुष्य के लिए न्यूक्लीयर बम से भी शक्तिशाली है। उपनिदेशक प्रसार डॉ. अनुपमा कुमारी ने कहा कि मधु उत्पादन व्यवसाय मीठी क्रांति के रूप में उभर रहा है। इसके लिए सरकार ने राज्य के 17 जिले को चयनित किया है। मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर समेत व अन्य कई जिलों में लीची की उत्पादकता काफी होती है। जिससे यह क्षेत्र मधुमक्खी पालन के लिए काफी अनुकूल है।

Hindustan 19-01-2024

18 जनवरी को सामान्य से 9 डिग्री कम रहा दिन का पारा, कुहासे से लिपटा रहा जिला

सितम: दिन का तापमान 25 वर्षों में सबसे कम रहा

बीते 25 वर्षों में कम तापमान वाला वर्ष

वर्ष	अधिकतम	न्यूनतम
1999	12.1	5.2
2024	13.1	8.2
2010	13.2	8.3
2015	13.8	6.9
2003	15.2	4.0
2022	15.7	9.0

बीते 8 दिनों में तापमान

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
18 जनवरी	13.1	8.2
17 जनवरी	15.9	9.6
16 जनवरी	12.0	9.1
15 जनवरी	11.8	9.3
14 जनवरी	18.0	9.0
13 जनवरी	15.2	7.3
12 जनवरी	15.6	8.0
11 जनवरी	15.1	10.5

मौसम का मिजाज

गुरुवार को रेलवे स्टेशन पर भीषण ठंड में ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

पूसा, निज संवाददाता। करीब 8 दिनों से जारी हाड़ कंपाने वाली ठंड का कहर गुरुवार को भी जारी रहा। तापमान में गिरावट व सर्द पछुआ हवा लोगों को कंकपाती रही। मौसम विभाग की मानें तो दिन के तापमान ने एक बार फिर करीब 25 वर्षो के रिकार्ड को तोड़ दिया। इस दौरान दिन का तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो सामान्य से 9.3 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

इससे पूर्व वर्ष 1999 में दिन का तापमान 12.1 डिग्री एवं न्यूनतम 5.2 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विभाग की मानें तो ठंड का प्रकोप आगे भी जारी रहेगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए. सत्तार ने बताया कि जेट स्ट्रीम हवा के कारण अगले 2-3 दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की धूप निकल सकती है। इस दौरान पछुआ हवा चलेगी। जिसके कारण कनकनी बढ़ने के आसार बने रहेंगे। सुबह शीतलहर व पछुआ हवा के साथ दिन की शुरुआत हुई। चंद घंटो तक मौसम साफ दिखा। लेकिन उसके बाद बादल व कुहासा फैलने के साथ ठंड का कहर बढ़ गया। जैसे जैसे दिन बढ़ता गया शहर से लेकर गांव तक में कुहासा भी बढ़ता गया।

यह सिलसिला दिन भर जारी रहा। शाम ढलते-ढलते तापमान न्यूनतम स्तर पर था। ठंड से लोग दिनभर परेशान रहे। धूप को लोग दिन भर तरसते रहे। मौसम विभाग के अनुसार बीते करीब 8 दिनों से दिन का तापमान सामान्य से 5 से 10 डिग्री कम है।

ताजपुर। प्रखंड के मोतीपुर सब्जीमंडी में ठंड के प्रकोप एवं शीतलहर के कारण कारोबार प्रभावित है। पिछले कई दिन से मंडी में मंदी का आलम है। गुरुवार को भी मंडी में वीरानी देखी गई। कड़ाके की ठंड के कारण कम ग्राहक आये। दुकानदारों ने बताया कि ठंड एवं कनकनी के कारण बाहर से अपेक्षाकृत कम ही व्यापारी आ रहे हैं। लोकल व्यापारी ही खरीदारी कर रहे हैं। जिस कारण कारोबार प्रभावित है। बताया कि मंडी में दो सौ के करीब दुकानें हैं। परंतु ठंड एवं मंदी के कारण सभी दुकान नहीं खुल रही है। जिन दुकानों में बाहर से सब्जी उत्पाद मंगाया जाता है।

Hindustan 19-01-2024

आलू की फसल ज्यादातर पछेती झुलसा से अधिक प्रभावित होती है.

ठंड में आलू की फसल को झुलसा रोग से ऐसे बचाएं

डॉ० रंजु कुमारी
सहायक प्राध्यापक सह वैज्ञानिक, नालन्दा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, नालन्दा

डॉ अनिल कुमार सिंह
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर

डॉ रजनीश सिंह
विषय वस्तु विशेषज्ञ, फसल उत्पादन, कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया, मुजफ्फरपुर

उप मुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

भारत में रबी में उगायी जाने वाली आलू एक महत्वपूर्ण फसल है. आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश एवं बिहार अग्रणी राज्य है. आलू का लगभग सभी परिवारों में किसी न किसी रूप में इस्तेमाल किया जाता है. आलू कम समय में पैदा होने वाली फसल है . आलू की फसल ज्यादातर पछेती झुलसा से अधिक प्रभावित होता है. अगर सही समय पर इसका प्रबंधन न किये जाये तो लगभग 15 फीसदी तक कुल उत्पादन में कमी आंकी जा चुकी है. आलू की फसल में लगने वाला पिछात झुलसा रोग काफी विनाशकारी होता है. आलू में यह रोग फाइटोपथोरा इन्फेस्टन्स नाम फफूंद के कारण होता है.वायुमंडल का तापमान 10 डिग्री से 19 डिग्री सेल्सियस रहने पर आलू में पिछात झुलसा रोग के लिए उपयुक्त वातावरण होता है. इस रोग को किसान आफत भी कहते हैं. फसल में रोग का संक्रमण रहने पर और बारिश हो जाने पर बहुत कम समय में यह रोग फसल को बर्बाद कर देता है. इस रोग से आलू की पत्तियां किनारे व सिरे से सूखती है.

बचाव

फसल की सुरक्षा के लिए किसान 10-15 दिन के अंतराल पर मैंकोजेब 75 फीसदी घुलनशील चूर्ण 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर छिड़काव करें . संक्रमित फसल में मैंकोजेब और मेटालेक्सिल अथवा कार्बेन्डाजिम व मैंकोजेब संयुक्त उत्पाद का 2 ग्राम प्रति लीटर या 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें .

अगात झुलसा

आलू में यह रोग अल्टरनेरिया सोलेनाई नाम फफूंद के कारण होता है . निचली पत्तियों पर गोलाकार धब्बे बनते हैं , जिसके भीत में कंसेन्ट्रीक रिंग बना होता है . धब्बायुक्त पत्ती पीली पड़कर सूख जाती है . बिहार राज्य में यह रोग देर से लगता है . जबकि ठंडे प्रदेशों में इस फफूंद के उपयुक्त वातारण पहले बनता है .

अनुकूलता

इस कवक के फैलाव हेतु रात का तापमान 8-10 डिग्री सेंटीग्रेट एवं दिन का 15 डिग्री सेंटीग्रेट से कम तापमान अनुकूल होता है एवं आर्द्रता 90 प्रतिशत से ज्यादा इसे बढ़ाने में मदद करती है एवं साथ ही साथ बरसात से पूर्व लगातार बदली छाई रहे एवं कई दिनों तक हल्की बरसात(कम से कम 0.1 मिमी)हो जाये तब इसके रोगाणु के फैलाव के लिए अति अनुकूल समय होता है . इसका संक्रमण पत्तियों समेत तना एवं कंद आदि में तेजी से फैलता है . रात में अधिक कोहरा रहने से इस रोग की तीव्रता को बढ़ाने में सहायक होता है . अगर रोग का प्रकोप पांच दिनों तक बना रहा तो पौधों के पत्तियों, शाखाओं व कंदों कोजल्द ही नष्ट कर देता है .

कारक एवं लक्षण

यह रोग फाइटोपथोरा इन्फेस्टेन्स नामक कवक के कारण होता है एवं इसके स्पोरेंजिया हवा के माध्यम से फैलते है . इससे ग्रसित पत्तियों की निचली सतहों पर छोटे सफेद रंग के गोले (अनियमित जलम्मन धब्बे)बन जाते है . पत्तियों के उपरी सतह पर शुरुआती में नियमित से अनियमित हल्का हरा से गहरा हरा रंग लिए हुए धब्बे बाद में भूरे व काले हो जाते है . पत्तियों के ग्रसित होने से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया बाधित हो जाती है . फलस्वरूप आलू के कंदों का आकार छोटा हो जाता है और उत्पादन में भारी कमी भी आ जाती है .

बचाव

फसल में इस रोग के लक्षण दिखाई देते ही जिनेब 75 फीसदी घुलनशील चूर्ण 2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर या मैंकोजेब 75 फीसदी घुलनशील चूर्ण 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर या कॉपर ऑक्सीलक्लोराइड 50 फीसदी घुलनशील 2.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए .

समेकित प्रबंधन

- बोआई हेतु स्वस्थ कंदों का ही प्रयोग करें .
- फसल की सतत निगरानी करते रहे .
- संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें . नेत्रजन युक्त अधिक खादों का प्रयोग रोग की तीव्रता को बढ़ाता है .
- खेत की हल्की सिंचाई करें .अधिक नमी रोग की तीव्रता को बढ़ाता है .
- रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का चयन करें . जैसे कुफरी गिरधारी, कुफरी हिमालिनी, कुफरी शैलजा, कुफरी अलंकार, कुफरी बादशाह, कुफरी आनंद, कुफरी चिप्सोना-1,2, कुफरी ललित , कुफरी पुखराज, कुफरी मेघा, कुफरी कंचन, कुफरी ज्योती आदि .
- संक्रमण दिखने पर अनुशंसित पछेती झुलसा के रोकथाम के लिए निम्लिखित फफूंदनाशकों का प्रयोग सही समय पर एवं सही विधि से करें
- एजोक्सीस्ट्रोबिन 23 प्रतिशत एससी @ 500 ग्राम/ 500 लीटर पानी या केप्टान 50 प्रतिशत डब्लूजी @ 1500 ग्राम/ 500 लीटर पानी या कैप्टान 50 प्रतिशत डब्लू.पी @ 2.5 ग्राम/ 750 लीटर पानी में घोल कर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें .
- आलू की पत्तियों पर कवक का प्रकोप रोकने के लिए कारबेंडाजिम 1.92 प्रतिशत और मैंकोजेब 08 प्रतिशत जीआर या मेटालेक्सिल एम 4 प्रतिशत प्लस मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्लू पी या मेटालेक्सिल 18 प्रतिशत प्लस मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्लूपी का छिड़काव करना चाहिए .

आइटी के तौर पर बचाव के लिए यह भी उपाये करें

- बचाव के तौर पर देसी गाय का मूत्र 1 लीटर प्लस 15-20 लीटर पानी प्लस उचित मात्रा में स्टीकर मिलाकर शाम के समय में छिड़काव करना चाहिए
- बचाव के तौर पर दिसंबर के तीसरे सप्ताह या फसल की 50 से 60 दिन की अवस्था पर प्रति एकड़ 10 से 12 किग्रा लकड़ी की राख का बुरकाव करें.

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड ने दी सलाह

व्यावसायिक दृष्टिकोण से अर्जुन, सागवान व महोगनी जैसे पौध किसानों के लिए लाभकारी

भास्कर न्यूज़ | पूसा

बिहार के किसान सामान्य खेतीबाड़ी को करने के अलावा खाली खेतों में सघन और फसल उगाने वाले खेतों की मेड़ पर महोगनी, सागवान, गमहार, अर्जुन जैसे इमारती लकड़ियों के पौधों को लगाकर महज कुछ सालों में ही लाखों रुपए की अतिरिक्त कमाई कर सकते है। शहर हो या ग्रामीण इलाका सभी जगहों पर निरंतर चल रहे भवन निर्माण व अन्य कार्य को लेकर इमारती लकड़ियों की मांग हमेशा मार्केट में बनी रहती है। इमारती लकड़ियों के पौधे व्यापारिक दृष्टिकोण से काफी कीमती और उपयोगी माने जाते हैं। यह जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड व वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके तिवारी ने दी। उन्होंने कहा कि इन सभी पौधों की लकड़ियों से पानी के जहाज, बेहतरीन फर्नीचर, बंदूक के बट, प्लाईवुड, क्रिकेट बैट, दरवाजा व खिड़कियों जैसे महत्वपूर्ण सामान बनाएं जाते हैं जिससे इसकी मांग बाजारों में हमेशा बनी रहती हैं। बाजारों में इन सभी लकड़ियों की मांग सालों भर बने रहने के कारण किसानों को इसकी कीमत भी हमेशा अच्छी ही मिलती है। उन्होंने कहा इस समय लगाएं जाने वाले पौधों में सिंचाई की जरूरत न के बराबर होती है।

कम जमीन व खेतों की मेड़ पर लगा सकते हैं व्यावसायिक पौधे

पूसा में खेतों की मड़ पर लगाया गया मोहगनी का पौधा।

पौधों में लगने वाले रोग का इस तरह करें प्रबंधन

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि महोगनी, अर्जुन, सागवान आदि पेड़ों में अबतक किसी खास तरह का कोई रोग देखने को नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि महोगनी की लकड़ियों के अलावा इसकी पत्तियों में भी काफी खासियत होती है। इसका इस्तेमाल कीटनाशकों को तैयार करने में किया जाता है। उन्होंने बताया किसान खेतों में इन पौधों को लगाने के बाद यह ध्यान जरूर दें कि इन पेड़ों के समीप अधिक समय तक जलजमाव न हो अन्यथा पौधों में तना गलन रोग लग सकता है। उन्होंने बताया कि किसान इन सभी पौधों की कटाई लगभग 12 से 15 सालों बाद अपने जरूरत के अनुसार कर सकते हैं। किसान अगर इन पौधों की कटाई देरी से करते है तो उन्हें ज्यादा लाभ मिलेगा।

किसान खेतों में ऐसे लगाएं पौधे, मिलेगा अधिक लाभ

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान इन सभी पौधों को अपने खेतों में लगाने के लिए सबसे पहले खेत की गहरी जुताई कराएं तथा खेत को कुछ दिनों के लिए खाली ही छोड़ दें। बाद में एक बार पुनः खेत की जुताई कराते हुए उसमें पाटा चलवाकर खेत को समतल बना दें। खेत जब पूर्णतः समतल हो जाएं तब उसमें किसान 2 गुणे 2 मीटर की दूरी पर पंक्तिबद्ध तरीके से 2 फिट गहरा गड्ढा खोद लें। इन गड्ढों को तैयार कर किसान उसमें जैविक व रासायनिक दोनों तरह के खादों को निर्धारित मात्रा के अनुसार मिट्टी में मिलाकर आधे गड्ढे को भर दें। अगर इस समय बारिश नही हो रही हो तो किसान गड्ढे को भरने के बाद उसकी गहरी सिंचाई कर उसे किसी चीज से ढक दें। बाद में किसान सभी गड्ढो में पौधों को लगाकर उसे छोड़ दें।

Dainik Bhaskar 20-01-2024

मौसम • अगले तीन दिनों तक तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की संभावना, कम नहीं होगी कनकनी

ध्रुवीय हवाओं के प्रवाह के कारण अगले कुछ दिनों तक कोल्ड-डे की स्थिति बनी रहेगी, धूप से मिली थोड़ी राहत

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

दिन में हल्की धूप निकलने के कारण लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली। इस कारण बाजारों में भी लोगों की चहल-पहल अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार ध्रुवीय हवाओं के प्रवाह के कारण कोल्ड-डे की स्थिति फिलहाल बरकरार रहने की सम्भावना है। जिसके चलते अगले 3 दिनों तक दिन के तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की संभावना है। इस दौरान सुबह में मध्यम से घना कुहासा छा सकता है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 14 से 17 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा शुक्रवार को 20-24 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस कम रहते हुए 16.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान में सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई और न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अधिकतम तापमान 16.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री

सुबह में छाया कुहासा।

ध्रुवीय हवाओं के प्रवाह के कारण कोल्ड-डे की स्थिति अभी कुछ दिन बनी रहेगी। अगले तीन दिनों तक तापमान में सामान्य से कम रहेगा। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छाया रह सकता है।

– डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

किसानों के लिए जरूरी सलाह

- मक्का, आलू तथा अन्य फसलों के खेतों में तापमान के कुप्रभाव को कम करने के लिए हल्की सिचाई करें।
- आम व लीची के बागों में अभी निकाई-गुराई नहीं करें, पुष्पण क्रिया व फलन हो सकता है प्रभावित।

आलू की फसल को झुलसा रोग बचाव के लिए दवा का छिड़काव करें।

- दुधारु पशुओं के रखरखाव व खानपान पर विशेष ध्यान दें।

Dainik Bhaskar 20-01-2024

दैनिक जागरण 20-1-2024 पे0 5

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार - 848125

कोटेशन आमंत्रण सूचना

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के पूसा परिसर में दिनांक 24-26 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाले किसान मेला में स्टॉल, पंडाल निर्माण तथा भाड़े पर अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दर निर्धारण के लिए विहित प्रपत्र में दिनांक 03.02.2024 के संध्या 05:00 बजे तक निबंधित /स्पीड पोस्ट के द्वारा मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है।

विहित प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के बेवसाइट www.rpcau.ac.in या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 01.02.2024 तक किसी भी कार्य-दिवस में आवेदन देकर प्राप्त किया जा सकता है।

ह०/- निदेशक प्रसार शिक्षा

डा.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते उत्तर बिहार के जिलों में गलन बढ़ सकती है। उत्तरी बिहार में वायुमंडल पर ध्रुवीय हवा का अधिक प्रभाव बना हुआ है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
20 जनवरी	16	11
21 जनवरी	16	10
दरभंगा		
20 जनवरी	16	11
21 जनवरी	17	11
पटना		
20 जनवरी	18	12
21 जनवरी	19	13

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 20-01-24

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर - 848125

कोटेशन आमंत्रण सूचना

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के पूसा परिसर में दिनांक 24-26 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाले किसान मेला में स्टॉल, पंडाल निर्माण तथा भाड़े पर अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दर निर्धारण के लिए विहित प्रपत्र में दिनांक 03.02.2024 के संध्या 05:00 बजे तक निबंधित/स्पीड पोस्ट के द्वारा मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है।

विहित प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के बेवसाइट **www.rpcau.ac.in** या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 01.02.2024 तक किसी भी कार्य-दिवस में आवेदन देकर प्राप्त किया जा सकता है।

ह./- निदेशक प्रसाद शिक्षा
डा. रा.प्र.के. कृ. वि., पूसा

Dainik Jagran 20-01-24

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुन-848125

कोटेशन आमंत्रण सूचना

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के पूसा परिसर में दिनांक 24-26 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाले किसान मेला में स्टॉल, पंडाल निर्माण तथा भाड़े पर अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दर निर्धारण के लिए विहित प्रपत्र में दिनांक 03.02.2024 के संध्या 05:00 बजे तक निबंधित / स्पीड पोस्ट के द्वारा मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है। विहित प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के बेवसाइट www.rpcau.ac.in या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 01.02.2024 तक किसी भी कार्य-दिवस में आवेदन देकर प्राप्त किया जा सकता है।

ह०/-
निदेशक प्रसार शिक्षा
डा.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा

Hindustan 20-01-2024

सर्दी का सितम : अगले 3 दिनों तक रहेगा कोल्ड डे

- समान्य से 5 डिग्री कम रहा दिन का तापमान
- तीन से पांच किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बहेगी हवा

पूसा, निज संवाददाता। कोल्ड डे की स्थिति शुक्रवार को भी जारी रही। कड़ाके की ठंड व कनकनी दिन लगातार लोगों को सताती रही। इस दौरान दिन का तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से 4.7 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री रिकार्ड किया गया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. ए, सत्तार ने बताया कि जेट हवाओं के प्रवाह के कारण कोल्ड डे की स्थिति फिलहाल बरकरार रहने की संभावना है। अगले 3 दिनों तक दिन का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की संभावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा रह सकता है। विवि के मौसम विभाग ने शुक्रवार को 24 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 14 से 17 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। विवि के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि पूर्वानुमान की अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चल सकती है। इस दौरान सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 एवं दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

Hindustan 20-01-2024

प्रदूषण. एक्यूआइ का स्तर शुक्रवार की सुबह 295 पर पहुंचा

लगातार जारी शीतलहर के बीच बिगड़ी हवा की गुणवत्ता

खतरनाक स्थिति

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

लगातार जारी शीतलहर के बीच शुक्रवार को जिले की हवा की गुणवत्ता भी बेहद खराब हो गयी. शुक्रवार की सुबह में जहां एक्यूआई का स्तर 271 था, वहीं शाम में यह बढ़कर 295 पर पहुंच गया. विदित हो कि हवा में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्सइड की मात्रा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानदंडों से अधिक है. इसे एक्यूआई के उपयोग से मापा जाता है.

एक्यूआई का स्तर 50 से नीचे रहने पर बेहतर माना जाता है. 51 से 100 के बीच यह संतोषजनक माना जाता है. 101 से 200 पर माध्यम माना जाता है, 201 से 300 के बीच खराब माना जाता है. 301 से 400 के बीच बहुत खराब माना जाता है.401 से 500 और उससे अधिक होने पर यह बहुत गंभीर स्थिति माना जाता है. जिले का एक्यूआई पूर्व में 400 पार तक जा चुका है. एक ओर जिले में ठंड का प्रकोप लगातार जारी है, वैसी स्थिति में हवा की गुणवत्ता बिगड़ना सेहत के लिये दोहरा खतरा उत्पन्न करता है.

सुबह में छाया घना कोहरा.

कई तरह की बीमारियों का खतरा

डॉ. सोमेन्दु मुखर्जी बताते हैं कि वायु की गुणवत्ता का खराब होना चिंता का विषय है. जहरीली हवा कई तरह की बीमारियों का खतरा उत्पन्न करता है. बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार लोगों के लिये यह अधिक खतरनाक है. खासकर ठंड के मौसम में इसका दुष्प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है. इसके कारण आंखो से लेकर फेफड़े तक खतरा हो सकता है. गंभीर स्थितियों में यह कैंसर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है. प्रदूषण की स्थिति मे शहरी को ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिये फेफड़ों को अधिक मेहनत करनी होती है. प्रारंभिक स्थितियों में थकान, गले में खरास, खांसी, सिरदर्द, आंखों में जलन या त्वचा पर लाल चकत्ते हो सकते है. वहीं लंबे समय तक हवा की खराब गुणवत्ता में रहने पर फेफड़े के कैंसर का खतरा उत्पन्न हो सकता है.

एक्यूआई का स्तर 295 जाना खतरनाक है. हवा की खराब गुणवत्ता को सही करने के लिये पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है. इसको लोगों स्कूल से लेकर हर स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है. अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने होंगे. जलावन में लकड़ी का उपयोग बंद करना होगा. डीजल व पेट्रोल वाले वाहनों का कम से कम परिचालन करना होगा. निर्माण कार्य वाले स्थलों को ढककर काम करने की जरूरत है. प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग पर ध्यान देने की जरूरत है.

डॉ. ए. सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

खबरें एक नजर में

दैनिक 20-1-2024 पे0 5

जारी रहेगा शीत लहर का कहर : जेट हवाओं के कारण और गिरेगा तापमान

समस्तीपुर। हालिया दिनों में ठंड के प्रकोप से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे है। जेट हवाओं के कारण तापमान में काफी गिरावट दर्ज किए जाने की संभावना है। पूसा के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय स्थित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी अगामी 24 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जेट हवाओं के प्रवाह के कारण कोल्ड डे की स्थिति फिलहाल बरकरार रहने की सम्भावना है। जिसके चलते अगले 3 दिनों तक दिन के तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की सम्भावना है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 14 से 17 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4.2 डिग्री कम एवं न्यूनतम तामपान 11.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रिकार्ड की गई। पिछले तीन दिनों के औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.1 एवं 9.7 डिग्री सेल्सियस रहे। हवा की औसत गति 2.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा सुबह में मध्यम से घने कुहासा देखा गया।

राष्ट्रीय सहारा 20-1-2024 - पेज 5

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर–848125

कोटेशन आमंत्रण सूचना

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा समस्तीपुर के पूसा परिसर में दिनांक 24-26 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाले किसान मेला में स्टॉल, पंडाल निर्माण तथा भाड़े पर अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दर निर्धारण के लिए विहित प्रपत्र में दिनांक 03.02.2024 के संध्या 05:00 बजे तक निबंधित/स्पीड पोस्ट के द्वारा मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किया जाता है। विहित प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.rpcau.ac.in या अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 01.02.2024 तक किसी भी कार्य-दिवस में आवेदन देकर प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/-

निदेशक प्रसार शिक्षा

डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के पादप रोग विभाग के वैज्ञानिक ने दी रोग से बचाव की जानकारी

आम, लीची, केला और पपीता के पौधों के विकास पर ठंड का प्रभाव : कृषि वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | पूसा

ठंड के सीजन में आम, लीची, केला, पपीता जैसे फल फसलों के विकास पर बहुत ही विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना बनी रहती है। इस विपरीत प्रभाव के कारण अक्सर सभी बाग बीमार और रोगग्रस्त हो जाते है। बिहार के आम, लीची, केला और पपीता उत्पादक किसान जब फरवरी माह से तापमान बढ़ने लगें तब वे ऐसे सभी बागों पर विशेष ध्यान दें अन्यथा उन्हें आशा के अनुरूप लाभ नहीं मिल पाएगा। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने किसानों को फरवरी के महीने में आम, लीची, केला और पपीता के बागों में किए जाने वाले प्रमुख कृषि कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि आम एवं लीची के ऐसे बाग जो नए है और

ठंड के कारण रोगग्रस्त हुए केले के पौधे।

उसमें अभी फलन नही होने वाला है। वैसे बागों के किसान बाग के आसपास चारों तरफ घास और फूस की पुआल या पालीथीन से मल्चिंग कर दें। ऐसे बागों में किसान हल्की-हल्की सिंचाई भी करें। उन्होंने कहा कि ऐसे बाग जिनमें दीमक की समस्या बनी रहती है उसमें किसान क्लोरोपायरीफास 20 ईसी दवाई का 2.5 एमएल मात्रा प्रति लीटर पानी के साथ घोलकर पेड़ के मुख्य तने व जोड़ के आस-पास मौजूद मिट्टी में छिड़काव करें इससे दीमक की उग्रता में कमी आ जाएगी। उन्होंने बताया कि आम और लीची के ऐसे बाग जिसमें निकट भविष्य में फूल आनेवाले हो उसमें किसान एमीडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल दवाई का 0.5 एमएल मात्रा प्रति लीटर पानी एवं हेक्साकोनाजोल दवाई का 1 एमएल मात्रा प्रति लीटर पानी के साथ घोलकर आम और लीची के पेड़ों पर छिड़काव करें। इन दवाइयों के प्रयोग से बागों में हॉपर एवं चूर्णिल आसिता रोग के साथ-साथ अन्य फफूंद जनित रोगों की उग्रता में काफी कमी आ जाती है। उन्होंने बताया कि आम एवं लीची के बाग में जब मंजर आ जाएं और फूल खिल जाएं तो किसान किसी भी प्रकार के कृषि रसायन का छिड़काव बिल्कुल न करें। चूंकि इस समय छिड़काव करने से फूल को नुकसान पहुंचने की संभावना रहती है और परागण प्रभावित होता है। इस तरह के बागों में सिंचाई तब तक न करें जब तक पेड़ों पर पूरी तरह से फल न लग जाए अन्यथा किसानों को नुकसान उठाना पड़ जाएगा।

कृषि वैज्ञानिक ने फरवरी माह में पपीता के बागों में किए जाने वाले कार्यों की दी जानकारी

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि पपीता उत्पादक किसान अक्टूबर के महीने में लगाए गए पपीते के बागों में निराई गुड़ाई का काम कर प्रति पौधा 100 ग्राम यूरिया, 50 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट जोड़ में डालकर मिला दें। पपीता के ऐसे बागों में किसान समयानुसार हल्की हल्की सिंचाई भी करते रहे। उन्होंने बताया कि पपीता में लगने वाले जड़ गलन एवं विषाणु जनित रोगों से पपीता को बचाने के लिए किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा पूर्व में कई बार बताएं गए तमाम उपाय और दवाइयों के छिड़काव को हर महीने करते रहे। इसके अलावे मार्च व अप्रैल माह में पपीते के नए बाग लगाने के लिए किसान पपीता के बीज को नर्सरी में डालें।

अत्यधिक ठंड के कारण सूख रही पत्तियां

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि इस समय पड़ने वाले अत्यधिक ठंड की वजह से केला के अधिकांश बागों में लगे सभी पौधों की पत्तियां सुख जाती है। इस समय किसान सभी सूखे एवं रोगग्रस्त पत्तियों को केले के पेड़ से काटकर बाग से बाहर निकाल दें। ऐसा करने से केला के बागों में लगने वाले कई तरह के रोगों के उग्रता में काफी कमी आ जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद केला उत्पादक किसान बागों में हल्की गुड़ाई कर दें तथा उसके पश्चात प्रति केले के पौधे 200 ग्राम यूरिया, 200 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश तथा 100 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर जोड़ में डाल दें। किसान केले के बागों में समयानुसार हल्की हल्की सिंचाई भी करते रहे। ऐसा करने से अप्रैल का महीना आते आते केला का बाग पुनः हरा भरा दिखने लगेगा।

Dainik Bhaskar 21-01-2024

डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर - 848125

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

ई-मेलः head.kvk.birouli@rpcau.ac.in, मो.- 6287797157

निविदा सूचना

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर के अन्तर्गत आम एवं लीची (फलों) की नीलामी वर्ष-2024 हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु विस्तृत जानकारी एवं विहित प्रपत्र कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के कार्यालय एवं विश्वविद्यालय के बेबसाईट www.rpcau.ac.in पर उपलब्ध है।

वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख
कृ.वि केन्द्र, बिरौली

Hindustan 21-01-2024

लगातार प्रयास से गुरुवार को सुपुर्द कर दिया है.

डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर 848 125

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

ई-मेल: head. kvk.birauli@rpcau.ac.in, मो.- 6287797157

निविदा सूचना

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर के अन्तर्गत आम एवं लीची (फलों) की नीलामी वर्ष-2024 हेतु निविदा आमत्रित की जाती है. निविदा हेतु विस्तृत जानकारी एवं विहित प्रपत्र कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के कार्यालय एवं विश्वविद्यालय के बेबसाईट www.rpcau.ac.in पर उपलब्ध है.

वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख
कृ.वि.केन्द्र, बिरौली

मौसम • अभी कुछ दिन और रहेगी कोल्ड-डे की स्थिति, धीरे-धीरे मौसम में सुधार होने की जताई संभावना

24 घंटे में अधिकतम तापमान छह डिग्री तक लुढ़का नहीं निकली धूप, तेज पछिया हवा ने बढ़ाई कनकनी

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

भीषण ठंड के कारण कांप रहे लोगों को कई दिनों बाद शनिवार की दोपहर धूप निकलने से थोड़ी राहत मिली थी। लेकिन रविवार को धूप नहीं निकलने से जिले में कोल्ड-डे की स्थिति बनी रही। डीआरपीसीएयू पूसा के मौसम वैज्ञानिक डॉ ए सत्तार ने बताया कि सोमवार को हल्की धूप निकलने की संभावना है लेकिन अभी जिले में कोल्ड-डे की स्थिति कमोबेश बनी रहेगी। हालांकि धीरे-धीरे मौसम में सुधार होने की संभावना है। शनिवार के मुकाबले रविवार के तापमान में छह डिग्री की कमी दर्ज की गई। इस कारण तेजी से लुढ़के पारे व तेज पछिया हवा के कारण गलन जैसी ठंड व रविवार होने के कारण सड़कों पर लोगों की आवाजाही भी कम देखने को मिली। इस कारण लोग रविवार को अपने-अपने घरों के भीतर दुबके रहे। वहीं जरूरी कामों से बाहर निकलने वाले लोगों को ठंड ने बहुत कंपकंपाया। ठंड का सर्द मौसम अपने चरम पर है और बावजूद इसके प्रशासन के द्वारा चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे लोगों में भी काफी आक्रोश है। लोग अलाव की अपनी व्यवस्था कर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार ध्रुवीय हवाओं के प्रवाह के कारण कोल्ड-डे की स्थिति अभी एक-दो दिन और बने रहने की सम्भावना है। इस दौरान तापमान में सामान्य से अधिक गिरावट देखने को मिल सकती है।

न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया

स्टेशन पर ठंड में परेशान दिखे लोग।

सर्द बर्फीली हवा का प्रकोप अभी एक-दो दिन जारी रहने की सम्भावना है। सुबह में मध्यम से घना कुहासा छाया रह सकता है। धीरे-धीरे मौसम में सुधार की सम्भावना है।

– डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

आठ किमी की रफ्तार से चली पछिया हवा

रविवार को अधिकतम तापमान में सामान्य से 9.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और इस कारण अधिकतम तापमान लुढ़कर 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में छह डिग्री की गिरावट हुई। वहीं न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ 9.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। 8.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज सर्द पछिया हवा ने लोगों में कंपकंपी व ठिठुरन बना कर रखी।

Dainik Bhaskar 23-01-2024

प्राण-प्रतिष्ठा को ले आधे दिन विवि में रहेगी छुट्टी

पूसा। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि एवं इससे जुड़ी सभी ईकाईयां में 22 जनवरी को आधे दिन की सार्वजनिक छुट्टी रहेगी। दोपहर 2.30 बजे के बाद सामान्य रूप से सभी खुलेंगे। कुलसचिव (स्थापना) ने आदेश जारी किया है। जिसमें भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्यालय से 18 जनवरी को जारी पत्र का हवाला दिया गया है। इधर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय स्टेशन, पूसा में भी आधे दिन की छुट्टी रहेगी।

Hindustan 22-01-24

सर्दी : 9 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी पछिया

पूसा, निज संवाददाता। कड़ाके की ठंड के साथ कनकनी लगातार जारी है। करीब 10 दिनों बाद शनिवार को निकली हल्की धूप से लोग राहत महसूस कर रहे थे। लेकिन अगले ही दिन तापमान में गिरावट के साथ हार-कंपाने वाली ठंड जारी है। मजबूरन लोग अलाव व बिजली के उपकरणों से चिपके रहे। रविवार को दिन का तापमान 12.8 डिग्री रहा। जो सामान्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। इस दौरान सुबह से ही ठंड के कहर के साथ करीब 9 किमी. की गति से चल रही पछुआ हवा कनकनी को लगातार बढ़ाती रही। यह सिलसिला लगातार जारी रहा। शाम ढ़लते-ढ़लते ठंड लगातार बढ़ती गई। मौसम विभाग के अनुसार कोल्ड डे की स्थिति आगे भी बरकरार रहेगी। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ.ए.सत्तार ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान धूप की लुका-छिपी जारी रहेगी।

Hindustan 22-01-24

रामोत्सव • शहर से लेकर गांव तक उत्सव का माहौल, सुबह से मंदिरों में पूजा-अर्चना को लेकर बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

सजा दो घर को गुलशन सा मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., घर-घर मनाया गया दीपोत्सव

समूचा वातावरण हुआ राममय, सड़कें हुई भगवामय, शाम होते ही दीपावली सा नजारा

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को जिले में समूचा वातावरण श्रीराममय हो गया। सड़कें भगवामय हो गई। सुबह से लोग इसकी तैयारी में जुटे हुए थे। जिले के हर मंदिर को फूलों से सजाया गया। घरों व दुकानों में भगवान श्रीराम के भजन व गीत बज रहे थे। सजा दो घर को गुलशन सा मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., मेरी झोपड़ी के भाग, आज खुल जाएंगे, राम आएं हैं..., आदि गीत हर घर में गूंज रहे थे। लोगों द्वारा मंदिरों में व अपने घरों में रामायण पाठ किया गया। अपने घरों पर व मोहल्लों में श्रीराम नाम का ध्वज लगाया गया। हर चौक-चौराहे पर जय श्रीराम की गूंज सुनाई दे रही थी। जिले में कई जगहों पर शोभा यात्रा निकाली गई। लोगों ने इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। शाम के समय घरों से लेकर मंदिरों में दीपोत्सव मनाया गया। शहर के बीएड कॉलेज हनुमान मंदिर में इसको लेकर कई दिनों से तैयारी की जा रही थी। मंदिर में रंग-रोगन आदि कराया गया था और मंदिर को पूरी तरह से सजाया गया था। बताया गया कि मंदिर में हवन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिशनपुर स्थित श्रीरामजानकी ठाकुरबाड़ी में अष्टयाम यज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। इसमें महाभंडारा का भी आयोजन किया गया। वहीं शहर में सड़कों पर किनारे-किनारे श्रीराम नाम का व भगवा ध्वज लगाया गया था। सड़कों को भगवा रंग से पटा दिया गया था। कहीं-कहीं रंग, अबीर व गुलाल भी सड़कों पर बिखेड़ी गई थी। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ पूजा-अर्चना के लिए जुटी हुई थी। अयोध्या में हो रही श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में काफी उत्साह था। मंदिरों सहित कई जगहों पर लोगों प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखा।

श्रीराम नाम के व भगवा ध्वज से पटी हुई थी इमारतें व सड़क, शाम होते ही घर व मंदिर दीपक की रोशनी में नहा गया

रामभद्रपुर गांव में 6100 दीप जलाए गए।

रामभद्रपुर गांव में 6100 दीप जलाए गए

शिवाजीनगर | प्रखंड प्रखंड अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रानीपरती मठ से कर्पूरी चौक तक भव्य पैदल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में राम लक्ष्मण सीता व हनुमान जी के स्वरूप में आकर्षक झांकी निकाली गई। प्रखंड के कई गांव होते हुए कर्पूरी चौक पर पहुंची। इस पैदल यात्रा के नेतृत्व भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष राहुल चौधरी ने किया। पूरी यात्रा में श्री राम के नारे लगाते रहे। सड़क पर चल रहे राहगीर की बाइक पर भगवा झंडा लहरा रहा था।

खुदनेश्वर मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का हुआ लाइव प्रसारण

मोरवा | अयोध्या में राम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम को खुदनेश्वर मंदिर परिसर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लाइव देखा। रामलीला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लाइव देखने के लिए खुदनेश्वर मंदिर में भव्य व्यवस्था की गई थी। क्षेत्रीय सांसद सह केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, विधान पार्षद तरुण कुमार चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष राम सुमरन सिंह, पूर्व विधायक शील कुमार राय, पूर्व प्रमुख सुरेश राय, प्रमुख सान्या नेहा, पूर्व मंत्री बैद्यनाथ सहनी समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाइव टेलिकास्ट देखा। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री ने मंदिर परिसर में रामलीला का आरती किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को हार्दिक आभार प्रकट किया वहीं तमाम राम भक्तों को बधाई दिया और खुशी प्रकट किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम के नव मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा से भारत ही नहीं आज सारे संसार में हर्षोल्लास छा गया है।

Dainik Bhaskar 23-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते उत्तर बिहार के जिलों में गलन बढ़ सकती है। उत्तरी बिहार के वायुमंडल पर ध्रुवीय हवा का अधिक प्रभाव बना हुआ है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
23 जनवरी	18.0	7.0
24 जनवरी	19.0	8.0
दरभंगा		
23 जनवरी	19.0	8.0
24 जनवरी	18.0	7.0
पटना		
23 जनवरी	20.0	9.0
24 जनवरी	19.0	8.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 23-01-24

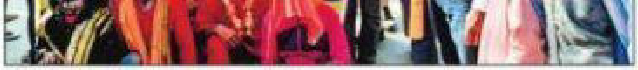

शिवाजीनगर में निकली शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु.

बिथान में यात्रा के दौरान शामिल भक्त.

अयोध्या में श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जिले में उत्सवी माहौल

केसरिया झंडे से पटे गांव-शहर, शोभा यात्रा व भजन से कण-कण हुआ राममय

आस्था

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जिले में उत्सवी माहौल रहा. जगह-जगह सुंदरकांड पाठ, रामचरित्र मानस पाठ समेत अखंड रामायण से वातावरण गूंजायमान होता रहा. शहर से लेकर गांव तक ठाकुरबाड़ियों व वीर हनुमान के मंदिरों पर दिनभर रामधुन चलता रहा. भक्तों के बीच प्रसाद भी बांटे गये. जगह-जगह भव्य शोभायात्रा भी निकाली गयी. इसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. केसरिया झंडे व पताकों से घर-घर पटा रहा. जय श्रीराम के जयकार लोगों में भक्ति के उत्साह को चरम पर पहुंचाता रहा. जमकर अबीर उड़ाये गये. इससे कण-कण राममय होता दिखा. शहर के थानेश्वर स्थान मंदिर में भक्तों का जमावड़ा लगा रहा. मंदिर के गर्भ गृह के सामने अयोध्या से आये अखंड दीप को प्रचलित कर रखा गया था. जिसका दर्शन लोग कर रहे थे. मुख्य पडा संजय पंडा ने बताया कि सुंदरकांड के पाठ के साथ ही अखंड दीप से पूरे मंदिर में दीपावली मनायी जायेगी. इधर, प्राण-प्रतिष्ठा को देखते हुए तीन एलइडी टीवी के माध्यम से समारोह का लाइव प्रसारण किया जा रहा था. शिवाजीनगर : प्रखंड के अलग-अलग गांव में रामभक्तों ने भव्य जुलूस निकाला. रोसड़ा विधायक वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के गांव में राम परिवार की झांसी के साथ जुलूस निकाला गया. भाजपा के सुशील चौधरी, राहुल, नंद कुमार सिंह, किरण बेदी झा, नवीन कुमार सिंह, युवराज कुमार, शंभु झा थे.

विभूतिपुर. आलमपुर कोदरिया वार्ड 13 में नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर में बनारस से 5 फुट के बजरंगबली की मूर्ति लाकर स्थापित की गई. पंडित रामाश्रय सिंह, पंडित डॉ देवेंद्र ने प्राण-प्रतिष्ठा दिलायी. निवर्तमान प्रमुख रुपांजलि कुमारी, भाजपा नेता अरविंद कुमार कुशवाहा, पूर्व मुखिया चंद्रदेव प्रसाद सिंह, डॉ देवेंद्र कुमार, डॉ रामहित महतो, हरेराम सिंह, जगदीश महतो, धर्मेंद्र प्रसाद, रामप्रवेश सिंह, मुकेश कुमार सिंह, मंजय लाल, शिवशंकर महतो, मंजीत कुमार थे. उजियारपुर : प्रखंड के बेलारी, मालती, लोहागीर, महिसारी, पतैली आदि गांवों में घर-घर लोग राम भक्ति में डूबे रहे. युवा रालोजपा के प्रखंड महासचिव डा. शैलभद्र याजी, विकास कुमार झा, विकास कुमार याजी, नीतीश याजी, भूषण याजी, पिंटू याजी, सुधांशु याजी, नीरज याजी, प्रमोद याजी आदि थे. पूसा : डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रांगण स्थित मानस मंदिर एवं प्रखंड क्षेत्र के देवालय में जन्मभूमि अयोध्या में बाल विग्रह रामलाल की प्राण-प्रतिष्ठा पर धार्मिक अनुष्ठान व रामधुन हुआ. कुलपति डॉ पीएस पांडेय व कुल सचिव डॉ मृत्युंजय कुमार व रामभक्तों ने भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की. थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी, निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, एसआई माया शंकर सिंह, एसआई उमेश कुमार मंडल, पुजारी गौतम मिश्रा, अरविंद कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत कुमार शर्मा, श्रीराम सिंह, गंगाराम, जयप्रकाश, विमल किशोर, मनीष कुमार थे.

मानस मंदिर परिसर में उपस्थित राम भक्त.

क्षेत्र में सुरक्षा चाक-चौबंद रही

सरायरंजन. प्रखंड क्षेत्र सोमवार को राममय हो गया. कलश यात्रा को नरघोघी मंठ से शुरू किया गया. जितवारपुर कुम्हिरा महावीर मंदिर पर पूजा की गयी. वीरेंद्र सिंह, अरुण सिंह, कुमार सौरभ, संजीव ठाकुर, सानू ठाकुर, संजय कुमार राय, दिनेश राय आदि थे.

बिथान. जगमोहरा ठठेरबा हनुमान मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गयी. थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह, दारोगा शशिकांत दुबे दलबल के साथ चुस्त थे. महंथ ललतेश्वर दास, पंसस मुकेश कुमार सिंह, इलमदार राय, विजय सिंह, उधिर सिंह, विधानचंद पटेल थे.

नरघोघी में कलश यात्रा में शामिल कन्याएं.

कृषि • कृषि वैज्ञानिक की सलाह- अमरूद के कटे हुए डाल के हिस्से पर फफूंदनाशी दवा का लेप लगाना जरूरी

अमरूद के पुराने पेड़ों का वैज्ञानिक तकनीक से करें उचित प्रबंधन, होगी अच्छी आमदनी

भास्कर न्यूज | पूसा

10 से 15 वर्षों तक बेहतर उत्पादन और गुणवत्तापूर्ण फल प्राप्त कर सकते हैं किसान

अमरूद के बाग या पेड़ जब पुराने पड़ जाते है तो उससे फलों का उत्पादन काफी कम हो जाता है। इतना ही नही फलों की गुणवत्ता खराब होने के साथ-साथ बाग के पेड़ भी अत्यधिक घने हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में पुराने पेड़ किसानों के लिए लाभदायक नहीं रह जाते है। बिहार के अमरूद बागानों से जुड़े किसान अपने पुराने पेड़ों का वैज्ञानिक तकनीक से जीर्णोद्धार कर उसे पुनः बेहतर फलन देने वाला पेड़ बना सकते हैं। ये जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली की उद्यान वैज्ञानिक डॉ. संचिता घोष ने दी। उन्होंने कहा कि अमरूद के पौधे लगाने के 3 से 4 वर्षों के बाद पेड़ फल देने लगते हैं तथा 25 से 30 वर्षों तक फल देने के बाद पेड़ पुराने पड़ जाते है और फलन में साल दर साल कमी आने लगती हैं। बिहार के अमरूद के बागानों से जुड़े किसान अपने पुराने पेड़ों का जीर्णोद्धार कर उससे पुनः आगामी 10 से 15 वर्षों तक बेहतर उत्पादन और गुणवत्तापूर्ण फल प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर किसान बाग के पुराने पड़ने और उत्पादन कम होने पर पेड़ों को काटकर अमरूद का नया बाग लगाने लगते हैं। नये बाग को लगाने में किसानों को 50 से 60 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर खर्च करना पड़ता है तथा बागों के देखभाल में भी उन्हें कई तरह के कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अमरूद के पेड़ों का जीर्णोद्धार करने में किसानों को कोई खास खर्च नही करना पड़ता है और इसके ठीक विपरीत किसानों को पेड़ों की कटाई से लकड़ी प्राप्त होती हैं जो जलावन के काम में आ जाती है। उन्होंने बताया कि पुराने पेड़ों की वांछित कटाई व छंटाई करने से पेड़ों में नये तने निकलते हैं जिसमें बेहतर फल लगते हैं। उन्होंने बताया कि 6 मीटर पौधे से पौधे और 6 मीटर कतार से कतार की दूरी पर लगाये गए अमरूद के पेड़ लगभग 20 से 25 वर्षों बाद काफी घने हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में पौधों के जड़ों तक सूर्य प्रकाश और हवा ठीक से नही पहुंच पाती है जिसके परिणामस्वरूप बागों में बीमारियों तथा कीड़ों का प्रकोप भी काफी बढ़ जाता है।

केवीके बिरौली के परिसर में वैज्ञानिक विधि से अमरूद के पुराने पेड़ो की हुई कटाई।

किसान ऐसे करे पेड़ों का प्रबंधन

किसान अमरूद के पेड़ों का जीर्णोद्धार करने के लिए सर्वप्रथम पेड़ों की चुनी हुई शाखाओं पर जमीन से 1 से 1.5 मीटर की ऊंचाई पर चाक या सफेद पेंट से निशान लगा दें। शाखाओं को चुनते समय किसान यह ध्यान अवश्य रखें की शाखाएं चारों दिशाओं में बाहर की तरफ निकली हो। इसके बाद किसान शाखाओं को पेंट से मार्क किये गए स्थान पर से काट दें। शाखाओं को किसान हमेशा तेज धार वाले आरी या मशीन चालित आरी से ही काटे।

फफूंदनाशी दवा का इस्तेमाल कर कीट और बीमारी से कटे हुए डाल को बचाएं

डॉ.संचिता घोष ने बताया कि किसान अमरूद के डाल की कटाई के तुरंत बाद कटे भाग पर 5: 5: 20 की मात्रा वाला फफूंदनाशी दवा बोर्डो मिक्सचर, कॉपर सल्फेट, चूना-पानी का लेप लगा दे। किसान चाहे तो इस घोल में कीटनाशक दवा क्लोरपायरीफास 2 एमएल प्रति लीटर पानी की दर से मिला सकते है। ऐसा करने से कीट व बीमारी से कटे हुए डाल का बचाव होगा।

Dainik Bhaskar 24-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि अगले-दो तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार में प्रचंड ठंड पड़ेगी। कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। सामान्य से काफी नीचे तापमान रहेगा। सोमवार की रात का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
23 जनवरी	18	08
24 जनवरी	19	09
दरभंगा		
23 जनवरी	18	09
23 जनवरी	19	09
पटना		
23 जनवरी	20	10
24 जनवरी	20	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 24-01-24

पछिया हवा संग कड़ाके की ठंड जारी रहने की संभावना

- उत्तर बिहार के कुछ जिलों में अभी बनी रहेगी कोल्ड डे की स्थिति
- तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस रहेगा कम

संवाद सहयोगी, पूसा : उत्तर बिहार में ठंड का कहर अभी जारी रहेगा। दिन एवं रात के तापमान में भारी गिरावट होगी। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार ने बताया कि अगले 28 जनवरी तक उत्तर बिहार के जिलों में मौसम शुष्क रहेंगे वहीं पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। अन्य जिलों में भी दिन का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। इस कारण प्रचंड ठंड की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान 3 से 5 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी। अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है। दिन के साथ-साथ अब रात में भी ठंड में वृद्धि का अनुमान है। मौसम विभाग के द्वारा मंगलवार को अधिकतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अधिकतम तापमान सामान्य से 8.1 एवं न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पछिया हवा एवं आसमान में बादल होने के कारण कनकनी वाली ठंड पड़ेगी। जनवरी माह में दिन और रात के तापमान में इतनी गिरावट होने के कारण जहां आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है, वहीं अब इस मौसम का प्रभाव फसल एवं पशुओं पर भी पड़ने लगा है। जनवरी माह में तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण आलू की अधिकांश फसलों पर पाल का प्रकोप पड़ा है। साथ ही खेत में लगे फसलों की वृद्धि नहीं हो रही है। सूरज प्रकाश नहीं निकलने के कारण पौधे अपना भोजन ग्रहण करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं। विज्ञानी ने खेत में लगे मक्का की फसल की सिंचाई कर 25 से 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से ऊपरी निवेश करने एवं खेतों में नमी बनाए रखने को कहा है।

Dainik Jagran 24-01-24

दिन व रात का तापमान सामान्य से 8 व 4 डिग्री गिरा, लोग परेशान

सर्दी का सितम

पूसा, निज संवाददाता। कुहासा, कनकनी व हाड़ कंपाने वाली ठंड मंगलवार को भी जारी रही। इस दौरान दिन का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से करीब 8 डिग्री सेल्सियस कम है। वही न्यूनतम तापमान में भी भारी गिरावट के साथ 5.6 डिग्री रहा। जो सामान्य से 3.6 डिग्री कम है।

बीते करीब 15 दिनों से जारी ठंड के प्रकोप में पहला मौका रहा जब न्यूनतम में इतनी गिरावट दर्ज की गईं। तापमान में गिरावट से आम जन जीवन अस्त-व्यस्त रहा। सुबह से ही तापमान में गिरावट लगातार जारी रहा। जो दिन चढ़ने के साथ ही बढ़ता गया। शाम होते-होते तेज पछुआ हवा कनकनी को और बढ़ाती रही। मौसम विभाग के अनुसार ठंड का कहर आगे भी जारी रहेगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने मंगलवार को 28 जनवरी तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। अगले 2-3 दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। अन्य जिलों में भी दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस कम रहने के कारण प्रचंड ठंड की स्थिति बनी रहेगी। पूर्वानुमान की अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चलेगी। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 90 से 95 एवं दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

असर: पाला गिरने से आलू की फसल झुलसी, किसान मायूस

सरायरंजन प्रखंड में पाला का भारी असर दिख रहा है। खेतों में लगी आलू की फसल पाला से पूरी तरह झुलसे गई है। किसान अनिल ठाकुर, बौजन सहनी, अजय कुमार, विजय कुमार, मंगल ठाकुर आदि ने बताया कि आलू की फसल को पाला से बचाने के लिए तीन तीन बार दवा का छिड़काव किया। इसके बावजूद पाला से आलू की फसल बर्बाद हो गया।

ठंड में आलू की फसल झुलस कर बर्बाद

कल्याणपुर, एक संवाददाता। कल्याणपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायत में भीषण ठंड के कारण पाला गिरने से आलू की फसल झुलस कर बर्बाद हो गई है। कहीं पाला तो कहीं झुलसा रोग से भी आलू की फसल प्रभावित होने से किसानों के चेहरे मुरझा गये हैं। प्रखंड के वासुदेवपुर, भागीरथपुर, मुक्तापुर, गोविंदपुर खजूरी, अंजना, लदौरा, कल्याणपुर, जितवरिया, बरहेता, रामभद्रपुर एवं भिंडी सिमरिया आदि गांव में आलू की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। वासुदेवपुर के सुरेश प्रसाद महतो, चंद्रप्रकाश गुड्डू, बरहेता के शशिधर देव एवं मिल्की गांव के सुरेंद्र प्रसाद सिंह आदि ने बताया कि पाला गिरने से आलू के उत्पादन पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है।

Hindustan 24-01-2024

मौसम का मिजाज | दिसंबर में पड़ने वाली ठंड जनवरी के आखिरी पखवारे में हुई शिफ्ट, मुजफ्फरपुर में पारा 5.6 डिग्री पर पहुंचा

जलवायु परिवर्तन: 20 से 25 दिन आगे खिसकी सर्दी

मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। जलवायु परिवर्तन का असर मौसम पर दिख रहा है। गर्मी, बरसात के बाद अब सर्दी भी निर्धारित समय के आगे बढ़ गई है। मौसम विभाग की मानें तो जलवायु परिवर्तन के असर से सर्दी 20-25 दिन आगे खिसक गई है। मुजफ्फरपुर सहित उत्तर बिहार में अमूमन दिसंबर में कड़ाके की ठंड पड़ती थी, लेकिन बीते कुछ वर्षों में दिसंबर की सर्दी जनवरी के आखिरी पखवारे में शिफ्ट हो रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बीते 20 साल में 14 जनवरी के बाद कभी भी इतनी ठंड नहीं पड़ी। इस बार दिन और रात का तापमान पिछला रिकॉर्ड तोड़ रहा है। कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा भी छा रहा है, जबकि 14 जनवरी के बाद मौसम साफ होने के साथ दोपहर में धूप खिलने लगती थी।

20 साल में इस बार 23 जनवरी सबसे सर्द : सोमवार की रात सीजन की सबसे सर्द रात रही। 24 घंटे में रात का पारा करीब तीन डिग्री की गिरावट के साथ 5.6 डिग्री पर पहुंच गया। यह सामान्य से 3.6 डिग्री कम है। वहीं, 23 जनवरी के दिन का तापमान बीस साल में सबसे कम 13 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 8.1 डिग्री कम रहा। इसके साथ 10 किमी की रफ्तार से चली पछुआ से गलन बढ़ी।

आलू पर झुलसा, सरसों पर लाही का प्रकोप : ठंड से आलू पर झुलसा और सरसों पर लाही का प्रकोप बढ़ गया है। कांटी के सदातपुर निवासी किसान राहुल कुमार ने बताया कि ढाई एकड़ में आलू की खेती की थी। एक हफ्ते में झुलसा के प्रकोप से आलू की फसल बर्बाद हो गई है। कद्दू, करैला को भी नुकसान पहुंचा है। कुढ़नी के सरैया के किसान नीरज यादव ने बताया कि उनकी दो एकड़ में लगी आलू की फसल झुलसा से बर्बाद हो गई है।

दो-तीन दिनों तक रहेगा कोल्ड डे

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा की ओर से मंगलवार को जारी पूर्वानुमान में अगले दो-तीन दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान दिन का तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री कम रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 16-18 डिग्री और न्यूनतम सात से नौ डिग्री के बीच रह सकता है।

20 साल में कभी नहीं पड़ी 14 जनवरी के बाद इतनी कड़ाके की ठंड

"जलवायु परिवर्तन के असर से गर्मी, बारिश के बाद अब ठंड 20-25 दिन आगे बढ़ गई है। जनवरी के आखिरी सप्ताह में इतनी ठंड हीं पड़ती थी। हिमालय की ओर से आ रही बर्फीली हवा से गलन वाली ठंड पड़ रही आलू पर झुलसा, सरसों पर लाही कीट का प्रकोप बढ़ा है।

डॉ. गुलाब सिंह,
मौसम वैज्ञानिक, कृषि विवि, पूसा।

Hindustan 24-01-2024

सर्दी का सितम • 16 वर्षों में दूसरी बार जब न्यूनतम तापमान छह डिग्री से नीचे गया, गलन और बढ़ी

न्यूनतम तापमान @ 5.6 : बर्फीली हवा के चलने से ठंड ने बीते 8 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

जिले में बर्फीली हवा के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को ठंड ने पिछले आठ वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पिछले 16 वर्षों में यह दूसरा मौका है जब न्यूनतम तापमान लुढ़क कर छह डिग्री से नीचे चला गया हो। मंगलवार को जिले का न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले 2016 में न्यूनतम तापमान छह डिग्री से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं अधिकतम तापमान में भी सामान्य से काफी अधिक गिरावट दर्ज की गई है। पड़ रही कड़ाके की ठंड अभी और सताएगी। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा व भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा मंगलवार को 24-28 जनवरी का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि अगले 2-3 दिनों तक उत्तर पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति बने रहने की संभावना है। वहीं अन्य जिलों में भी दिन के तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस कम रहने के कारण और अधिक ठंड बढ़ने का अनुमान है। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना व्यक्त की गई है। इस अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।

अब आगे क्या : अभी ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं

सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों के साथ परिजन।

न्यूनतम तापमान में सामान्य से अधिक गिरावट की संभावना है। इस कारण अगले दो-तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है।
*– **डॉ. ए सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

इस वर्ष सबसे ठंडा रहा 23 जनवरी

जिले में दिन भर धूप नहीं निकला इस कारण मौसम और सर्द रहा है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान ने ऐसा गोता लगाया कि आठ वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए पिछले 16 वर्षों के रिकॉर्ड पर जा कर रुकी। मंगलवार को अधिकतम तापमान में सामान्य से काफी अधिक गिरावट दर्ज की गई। सामान्य से 8.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 13.1 डिग्री रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बच्चों पर संकट : एसएनसीयू में 13 बच्चों को कराया गया भर्ती

कोल्ड-डे की स्थिति के कारण लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। इससे बच्चे भी अछूते नहीं हैं। पड़ रही भीषण ठंड के कारण एक ओर जहां अन्य मरीज कम दिखाई दे रहे हैं। वहीं सदर अस्पताल में मुख्य रूप से अधिकांश मरीज अपने बच्चों को लेकर आ रही हैं। उनमें अधिकांश मौसमी बीमारियों की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इस महीने में एसएनसीयू में 56 छोटे नवजात बच्चों का इलाज किया गया है। मंगलवार को दिन में 13 बच्चे भर्ती थे। वहीं तीन बच्चों को स्वास्थ्य लाभ के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जहां बच्चों को बॉडी वार्मर के सहारे रखा गया है। वहीं इस सम्बन्ध में सदर अस्पताल के डीएस डॉ गिरीश कुमार ने बताया कि ठंड का इस मौसम में बच्चों की विशेष देखरेख की जरूरत है। जरा सी लापरवाही भारी पड़ सकती है। ठंड से बचाव बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि बच्चों को गर्म कपड़े पहनाकर रखें। उनके कानों को ढक कर रखें, पैरों में मोजा जरूर पहनाये, गुनगुना पानी पिलाएं और उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दे।

Dainik Bhaskar 24-01-2024

कृषि • केंद्रीय कृषि विवि पूसा के कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वरीय कृषि वैज्ञानिक ने दी सलाह

फरवरी के पहले सप्ताह से करें भिंडी की बुआई, अधिक उपज व मुनाफा भी बढ़ेगा

भास्कर न्यूज़ | पूसा

वैज्ञानिक तकनीक से खेती करें किसान, समय व खर्च की होगी बचत

भिंडी काफी लोकप्रिय सब्जियों में से एक हैं। इसकी मांग बाजारों में सालों भर बनी रहती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी भिंडी का सेवन काफी लाभकारी माना जाता है। भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, फास्फोरस,विटामिन ए, बी और सी जैसे अनेकों गुणकारी तत्व पाएं जाते है। किसान फरवरी व मार्च के महीने में अगाती भिंडी की खेती को वैज्ञानिक तकनीक से करके बेहतर उत्पादन और मुनाफा दोनों कमा कर सकते है। ये जानकारी डॉ.राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वरीय कृषि वैज्ञानिक सह हेड डॉ. आर के तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि भिंडी उत्पादक किसानों को पहले भिंडी तोड़ने में हाथ नोचने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था लेकिन विवि के द्वारा बेहद कम कीमत में भिंडी तोड़ने वाली छोटी मशीन विकसित होने के बाद किसानों की यह समस्या भी अब दूर हो गई हैं।

पूसा भिंडी 5। प्रभेद।

इस तरह से खेत की तैयारी करें किसान

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि भिंडी की खेती के लिए दोमट और बलुई दोमट मिट्टी काफी उत्तम मानी जाती है। अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी का पीएच मान 6 से 6.8 के बीच होना जरूरी होता है। किसान भिंडी लगाने से पहले खेत की 3 से 4 चास अच्छी से जुताई कराकर मिट्टी को भुरभुरा बना दें तथा पाटा चलाकर उसे समतल कर दें। उन्होंने बताया कि भिंडी लगाने वाले एक हेक्टेयर खेत में 200 से 250 किलो सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 से 150 किलों नाइट्रोजन खाद, 50 से 60 किलो फॉस्फोरस और पोटेशियम खाद देने की जरूरत होती है।

पूसा भिंडी 5, काशी लालिमा अर्का, अनामिका प्रभेद लगाएं

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि अपने यहां किसान फिलहाल गरमा और बरसाती दो सीजन में भिंडी की फसल को लगाते है। गरमा यानी भिंडी के अगेती फसल की बुआई किसान अगले माह यानी फरवरी से लेकर मार्च तक कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि भिंडी से अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए गर्म मौसम ही ज्यादा बेहतर होता है। कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि बिहार के किसान पूसा भिंडी 5, काशी लालिमा, अर्का, अनामिका आदि जैसी प्रजातियों के भिंडी को लगाकर बेहतर से बेहतर उत्पादन प्राप्त करते है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में विकसित हुई भिंडी की प्रजाति पूसा भिंडी 5 काफी बेहतर प्रजाति हैं। इसमें दो, तीन या इससे भी अधिक कल्ले निकलते है जिससे उत्पादन बढ़ जाता हैं।

येलो भेन मोजायक वायरस भिंडी की खतरनाक बीमारी

ऐसे तो भिंडी में कोई खास तरह की बीमारी नहीं लगती है। लेकिन इसमें लगने वाली बीमारी येलो भेन मोजायक वायरस काफी मुख्य और काफी खतरनाक है। इस बीमारी में पत्तियों पर पीले पीले धब्बे बन जाते है तथा संक्रमण जब रफ्तार पकड़ता है तो पौधे धीरे धीरे मर जाते है। उन्होंने बताया कि चूंकि यह बीमारी एक वायरस है इसलिए इसका कोई खास दवाई उपलब्ध नही है। यह बीमारी भिंडी में न लगे इसके लिए किसान रोगप्रतिरोधक प्रजातियों का चयन करें। रोपाई से पूर्व बीज को हर हाल में उपचारित करके ही उसकी रोपाई करें। रोपाई से पूर्व खेतों की मिट्टी में जरूरत के अनुसार फ्यूराडन जैसे कीटनाशक भी मिलाएं। यह बीमारी अगर भिंडी की फसल में लग जाएं तो किसान संक्रमित पेड़ को उखाड़कर खेत से बाहर कर दें।

Dainik Bhaskar 25-01-2024

राष्ट्रपति ने की शिक्षारंभ कार्यक्रम की सराहना

पूसा के कुलपति ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के कुलपति डॉ. पी एस पांडे और कुलाधिपति डॉ. पी एल गौतम ने बुधवार को विश्वविद्यालय के विजिटर एवं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में राष्ट्रपति आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुलपति डॉक्टर पांडेय एवं डा. गौतम ने राष्ट्रपति को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी और विश्वविद्यालय के कार्यों को द्रुत गति से करने के लिए अन्य आवश्यकताओं के बारे में भी बताया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए हाल में ही शुरू किए गए शिक्षारंभ कार्यक्रम की सराहना की तथा कहा कि यह एक अच्छा कदम है। देश के दूसरे अन्य विश्वविद्यालय में भी शिक्षारंभ कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है । राष्ट्रपति ने कुलपति को विश्वविद्यालय को 10 पेटेंट प्रदान किए जाने एवं अन्य विशिष्ट अनुसंधानों के लिए भी बधाई दी एवं कहा कि विश्वविद्यालय को इसी तरह के तीव्र प्रगति की आवश्यकता है जिससे कि किसानों को फायदा मिल सके। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के डिजिटल एग्रीकल्चर के विषय में भी जानकारी हासिल की और विश्वविद्यालय में महिलाओं को दिए गए ड्रोन ट्रेनिंग को लेकर भी बधाई दी। मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय में आने वाले समय मे आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह को लेकर भी चर्चा हुई। संभावना जताई जा रही है की आने वाले कुछ महीनों में जल्द ही विवि में दीक्षांत समारोह की तिथि निश्चित की जा सकती है। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के सभी छात्रों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं भी दी।

दिल्ली में राष्ट्रपति से मिलते कुलपति व कुलाधिपति।

Dainik Bhaskar 25-01-2024

मौसम • पछिया हवा के कारण कनकनी कायम, अभी एक-दो दिन कोल्ड-डे की बनी रहेगी स्थिति

अधिकतम तापमान में 7.5 डिग्री की गिरावट, न्यूनतम तापमान में सुधार, दिन और रात के तापमान में चार डिग्री का है फासला

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

कोल्ड-डे की स्थिति का सामना कर रहे लोगों को बुधवार की दोपहर धूप निकलने से काफी राहत महसूस हुई। हालांकि दिन के अधिकतम तापमान में सामान्य से काफी गिरावट के कारण कनकनी बनी हुई थी। लेकिन दिन में धूप निकलने के कारण सड़कों व बाजारों में पिछले दिनों के मुकाबले थोड़ी अधिक चहल-पहल देखने को मिली। हालांकि पछिया हवा के कारण गलन जैसी स्थिति बनी हुई थी। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी 24-28 जनवरी के मौसम पूर्वानुमान में अगले एक-दो दिनों तक उत्तर पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति बने रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। वहीं अन्य जिलों में

सुबह में छाया रहा कुहासा।

तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस कम रहने की सम्भावना जतायी गई है। इस कारण कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है। वहीं इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री

न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है। वहीं सापेक्ष आर्दता सुबह में करीब 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 9.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं 4.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा ने मौसम को सर्द बनाए रखा। सुबह में सापेक्ष आर्दता 98 फीसदी व दोपहर में 85 फीसदी रहा।

अभी एक-दो दिन कोल्ड-डे की स्थिति बने रहने की सम्भावना है। धीरे-धीरे मौसम में सुधार होगा।
- डॉ. ए सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

Dainik Bhaskar 25-01-2024

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की गतिविधियों से कुलपति ने राष्ट्रपति को कराया अवगत

संस, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. पीएल गौतम एवं कुलपति डा. पी एस पांडे ने राष्ट्रपति आवास पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुलपति डा. पांडेय एवं डा. गौतम ने राष्ट्रपति को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी और विश्वविद्यालय के कार्यों को द्रुत गति से करने के लिए अन्य आवश्यकताओं के विषय में चर्चा की। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के दीक्षारम्भ कार्यक्रम की सराहना की। कहा कि यह एक अच्छा कदम है। देश के दूसरे अन्य विश्वविद्यालयों में भी दीक्षारम्भ कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। महामहिम ने कुलपति को विश्वविद्यालय को 10 पेटेंट प्रदान किए जाने एवं अन्य विशिष्ट अनुसंधानों के लिए बधाई दी। कहा कि विश्वविद्यालय को इसी तरह के तीव्र प्रगति की आवश्यकता है जिससे किसानों का फायदा हो सके।

Dainik Jagran 25-01-2024

आज का मौसम

डा . राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि अगले-दो तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार में प्रचंड ठंड पड़ेगी। कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। सामान्य से काफी नीचे तापमान रहेगा। सोमवार की रात का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
25 जनवरी	18	09
26 जनवरी	18	08
दरभंगा		
25 जनवरी	17	09
26 जनवरी	18	10
पटना		
25 जनवरी	19	11
26 जनवरी	20	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 25-01-2024

कृषि वैज्ञानिकों ने ड्रोन से किया कीटनाशक छिड़काव का प्रदर्शन

विभूतिपुर, संस : अंचल क्षेत्र अंतर्गत मंदा में बुधवार को राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा से आए कृषि विज्ञानियों की तकनीकी टीम ने ड्रोन से विभिन्न फसलों पर कीटनाशक छिड़काव का प्रदर्शन किया। मंदा के किसान नरेंद्र प्रसाद सिंह के खेत में लगे 6 एकड़ में अरहर, मक्का, मिश्रित आलू और गेहूं की फसल में ड्रोन से कीटनाशक छिड़काव किया गया। मौसम सही नहीं होने से आम के फसलों में छिड़काव का प्रदर्शन अब 30 जनवरी को होगा। किसान नरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि विभूतिपुर प्रखंड में पहली बार

छिड़काव का डेमोंसट्रेशन • जागरण

विभाग द्वारा मेरे खेत में लगे विभिन्न फसलों में ड्रोन के माध्यम से छिड़काव किया है। कहा कि यांत्रिकी विभाग के प्रमुख पीके प्रणव और डा. शैलेश कुमार के नेतृत्व में ड्रोन के माध्यम से डेमोंस्ट्रेशन छिड़काव किया गया।

Dainik Jagran 25-01-2024

राष्ट्रपति से मिलकर विवि की गतिविधियों से कराया अवगत

पूसा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय और कुलाधिपति डॉ. पीएल गौतम ने बुधवार को विवि के विजिटर व महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान महामहिम को विवि की गतिविधियों से विस्तार से जानकारी देने के साथ कार्यों को गति देने के लिए अन्य आवश्यकताओं पर चर्चा की। वहीं विवि को मिले 10 पेटेंट व अन्य विशिष्ट अनुसंधानों के लिए बधाई देते हुए किसान व छात्र हित में कार्यों को गति देने पर जोर दिया। महामहिम ने विवि के डिजिटल एग्रीकल्चर के विषय में भी जानकारी लेते हुए महिलाओं को दिए गए ड्रोन ट्रेनिंग के लिए बधाई दी। दीक्षांत समारोह को लेकर चर्चा की गई।

Hindustan 25-01-24

बुधवार को पूसा केन्द्रीय विद्यालय में प्रमाण–पत्र दिखाते प्रतिभागी।

पेंटिंग में चयनित प्रतिभागी पुरस्कृत

पूसा। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय आरपीसीएयू पूसा में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें केंद्रीय विद्यालय, समस्तीपुर, केन्द्रीय विद्यालय, पूसा समेत ग्रीनवैली पब्लिक स्कूल, कैम्पस पब्लिक स्कूल, पूसा, सेंट्रल स्कूल सहुरी, संस्कृति विद्यापीठ स्कूल, देवपार, किसान सीनियर सेकेंडरी मोरसंड आदि विद्यालय प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

Hindustan 25-01-24

ड्रोन से किया कीटनाशक छिड़काव का डिमांस्ट्रेशन

विभूतिपुर, निज संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के मंदा में राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा से आए कृषि वैज्ञानिकों की तकनीकी टीम ने ड्रोन से विभिन्न फसलों कीटनाशक छिड़काव का पहली बार विभूतिपुर में डेमोंसट्रेशन किया। मंदा के समृद्ध किसान नरेंद्र प्रसाद सिंह के 6 एकड़ में लगे अरहर,मक्का मिश्रित आलू एवं गेहूं आदि के फसल में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक दवाईयों छिड़काव किया। मौसम सही नही रहने के वजह से आम के फसलों मे छिड़काव का डेमोंसट्रेशन अब 30 जनवरी को होगा। किसान नरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया की विभूतिपुर प्रखंड में पहली बार कृषि विश्वविद्यालय के तकनीकी यांत्रिकी विभाग द्वारा मेरे खेत में लगे विभिन्न

मंदा में छिड़काव करता ड्रोन।

- छह एकड़ खेत में किया गया ड्रोन से छिड़काव
- मौसम खराब रहने से नहीं हुआ पूरा छिड़काव

फसलों में ड्रोन के माध्यम से छिड़काव किया गया। उन्होंने बताया कि यांत्रिकी विभाग के प्रमुख पीके प्रणव व डॉ. शैलेश कुमार के नेतृत्व में ड्रोन से डेमोंसट्रेशन छिड़काव किया गया।

Hindustan 25-01-24

सामान्य से 8 डिग्री लुढ़का दिन का पारा

पूसा। शीतलहर व कनकनी के साथ ठंड का प्रकोप तेज है। यह सिलसिला दिन भर जारी रहा। बुधवार को दोपहर करीब दो बजे हल्की धूप से लोगों ने राहत महसूस की। बावजूद ठंड बरकरार रहा। इस दौरान करीब 5 किमी. प्रति घंटा की गति से चल रही पछुआ हवा कनकनी को और गति दे रही थी। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान दिन का तापमान 13.6 डिग्री रहा। जो सामान्य से 7.5 डिग्री कम है। ठंड से आमजन जीवन अस्त-व्यस्त है। इसका सीधा व्यवसाय पर दिख रहा है। शिक्षण संस्थानों में छात्रो की कमी दिख रही है। तो बाजारों में ग्राहको का आभाव। यह लगातार जारी है। हलांकि कई क्षेत्रों में लोग अब धीरे-धीरे अपने कार्यो के प्रति लौटने लगे है।

Hindustan 25-01-24

किसानों से गेहूं खरीद करेगा भारतीय खाद्य निगम : सिंह

बैठक में बाद प्रसन्न मुद्रा में किसान व पैक्स अध्यक्ष.

पूसा. कृषि साख सोसाइटी वैनी में क्षेत्र के किसान, पैक्स अध्यक्षों व भारतीय खाद्य निगम के पदाधिकारियों के बीच संवाद हुआ. इसमें किसानों से गेहूं खरीद से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई. संचालन पूसा व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रेम कुमार झा ने किया. मौके पर उपस्थित भारतीय खाद्य निगम से जुड़े कुमार वीरेंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर किसानों से गेहूं की खरीद की जायेगी. उन्होंने कहा कि किसानों के भुगतान राशि 48 घंटे में बैंक खाता में किया जायेगा. किसानों को विपणन में कठिनाई न हो इसके लिए निगम द्वारा क्षेत्र के अंतर्गत एक क्रय केंद्र खोला जायेगा. इस दौरान किसानों ने अपने गेहूं की बिक्री से जुड़े सवाल भी पूछे. मौके पर नवनीत रंजन, राजा ठाकुर, रुद्र नारायण, मो. मोइउदीन, राकेश कुमार, भूषण, रामसेवक सिंह, उमेश राय, शिव कुमार राय, रामसेवक सिंह प्रगतिशील किसान दिनेश ठाकुर, अवधेश कुमार सिंह, दीपक तुलस्यान, सौरभ, राज कुमार, ललन, रंजीत अजय झा उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Thu, 25 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.co

कुलपति व कुलाधिपति ने की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात

राष्ट्रपति को पुष्प गुछ देते कुलपति व कुलाधिपति.

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी एस पांडेय और कुलाधिपति डॉ. पीएल गौतम ने आज राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में राष्ट्रपति आवास पर मुलाकात की. मुलाकात के दौरान कुलपति डॉ. पांडेय और डॉ. गौतम ने राष्ट्रपति को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी. विश्वविद्यालय के कार्यों को द्रुत गति से करने के लिये अन्य आवश्यकताओं पर चर्चा की. राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि यह एक अच्छा कदम है और देश के अन्य विश्वविद्यालय में भी दीक्षारंभ कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है. राष्ट्रपति ने कुलपति को विश्वविद्यालय को 10 पेटेंट प्रदान किए जाने एवं अन्य विशिष्ट अनुसंधानों के लिए बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय को इसी तरह के तीव्र प्रगति की आवश्यकता है, जिससे किसानों को फायदा हो सके. महामहिम राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के डिजिटल एग्रीकल्चर के विषय में भी जानकारी हासिल की और विश्वविद्यालय में महिलाओं को दिये गये ड्रोन प्रशिक्षण को लेकर बधाई दी. मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को लेकर भी चर्चा हुई और ऐसी संभावना जताई जा रही है की आने वाले कुछ महीनों में जल्द ही दीक्षांत समारोह की तिथि निश्चित की जा सकती है.

मौसम • 13 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा अधिकतम तापमान, चलेगी पछिया हवा

अगले तीन दिनों तक पड़ेगी हाड़ कंपा देने वाली ठंड, रात का तापमान गिरेगा

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

जिले में अगले दो-तीन दिनों तक भीषण ठंड पड़ने की सम्भावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में सामान्य से काफी ज्यादा गिरावट होगी। इस दौरान लोगों को हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस दौरान कभी-कभी धूप भी निकल सकता है। लेकिन गलन जैसी स्थिति बनी रहेगी। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा इस अवधि में अगले दो-तीन दिनों तक कोल्ड-डे की स्थिति बने रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। इस दौरान तापमान में सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। इस कारण लोगों को भीषण ठंड का सामना करना पड़ सकता है। वहीं इस दौरान अधिकतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान में सामान्य अधिक गिरावट देखने को मिलेगी। न्यूनतम तापमान में सामान्य से अधिक गिरावट होने के कारण भीषण ठंड पड़ेगी। वहीं इस अवधि में औसतन 3 से 5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा हवा चलने का अनुमान है।

दोपहर के बाद खिली हल्की धूप।

अधिकतम तापमान में सामान्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस की आई कमी

पहले से ही ठंड की मार झेल रहे लोगों को अगले दो-तीन दिनों तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्हें अभी भीषण शीतलहर का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन शहर में अभी तक प्रशासन के द्वारा अलाव की व्यवस्था शुरू नहीं की गई है। नगर निगम क्षेत्र में भी प्रर्याप्त जगहों पर अलावा की व्यवस्था नहीं की गई है। वहीं दूसरी ओर इतनी भीषण ठंड में भी स्कूलों में बच्चों की छुट्टी को कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है। जबकि ठंड की चपेट में आने से मुजफ्फरपुर जिले में एक विद्यालय में एक छात्र की मौत हो गई थी। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान में सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं 2.4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा ने मौसम को सर्द बनाए रखा। सुबह में सापेक्ष आर्दता 94 फीसदी व दोपहर में 78 फीसदी रहा।

Dainik Bhaskar 27-01-2024

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि अगले-दो तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार में प्रचंड ठंड पड़ेगी। कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। सामान्य से काफी नीचे तापमान रहेगा। सोमवार की रात का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
26 जनवरी	23.0	09.0
27 जनवरी	22.0	09.0
दरभंगा		
26 जनवरी	23.0	08.0
27 जनवरी	22.0	09.0
पटना		
26 जनवरी	24.0	10.0
27 जनवरी	24.0	11.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 26-01-2024

विवि में दिखेगी राज्यों की संस्कृति की अद्भूत छटा

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है। विवि में इस वर्ष खास तैयारी की गई है। विवि को आकर्षक पंडालो से सजाया गया है। पंडाल को भी तिरंगे की थीम दी गई है। इसके अलावा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी व मार्च पास्ट समारोह विवि के मुख्य आकर्षण होगा।

Hindustan 26-01-2024

कृषि विवि के डॉ. शंकर झा कर्तव्य पथ पर समारोह में लेंगे भाग

गौरव

- सूखैत मॉडल के प्रबंधन पर मिला सम्मान
- प्रसार भारती ने विशेष रूप से आमंत्रित किया

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कृषि अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी व प्राकृतिक खेती स्कूल के समन्वयक डॉ. शंकर झा 26 जनवरी को नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित झंडोत्तोलन समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

उन्हें यह सम्मान देश भर में चर्चित सुखैत मॉडल के बेहतर प्रबंधन को लेकर दिया जाएगा। इस समारोह के लिए उन्हें पत्नी के साथ दिल्ली आमंत्रित किया गया था। विवि प्रशासन की अनुमति के बाद वे 24 जनवरी को दिल्ली पहुंच गये। मिली जानकारी के अनुसार विवि के इस मॉडल के मुख्य सूत्रधार डॉ. झा को इस मॉडल के लिए कई सम्मान से नवाजा गया है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात में इस मॉडल की जमकर सराहना कर चुके हैं। पीएम के मन की बात के बाद ही यह मॉडल सबसे अधिक चर्चा में आया।

इसी के तहत प्रसार भारती ने उन्हें विशेष रूप में आमंत्रित किया। इस दौरान उन्हें प्रसार भारती की ओर से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। वैज्ञानिक को इस तरह के सम्मान के मिलने से विवि के वैज्ञानिको में नई उर्जा का संचार हो रहा है। इसके लिए उन्हे वैज्ञानिक, अधिकारी, प्रियजन व शुभचिंतको से बधाई मिल रही है।

कृषि विवि के वैज्ञानिक डॉ शंकर झा।

दो बेटियों को मिला राज्यस्तरीय सम्मान

समस्तीपुर, निज संवाददाता। जवाहर ज्योति बाल विकास केन्द्र, क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू, बचपन बचाओ आंदोलन और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के प्रयास से सरायरंजन प्रखंड के अख्तियारपुर गांव की अंजना कुमारी और उजियारपुर प्रखंड के चांदचौर रामनगर की प्रियंका कुमारी को समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने बालिका दिवस पर सम्मानित किया।

विदित हो कि अख्तियारपुर गांव की अंजना कुमारी और चांदचौर रामनगर गांव की प्रियंका कुमारी ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए कम उम्र में होनेवाली शादी को नकार दिया था। जिसके बाद दोनों को बाल विवाह के खिलाफ चल रहे अभियान में ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया था।

गुरुवार को सम्मान पाने के बाद छात्राएं और आयोजन समिति के सदस्य।

Hindustan 26-01-2024

राष्ट्रीय सहारा - 26/02/2024 पेज - 05

कुलपति ने की राष्ट्रपति से मुलाकात दीक्षान्त समारोह पर हुई चर्चा

राष्ट्रपति के साथ वीसी व अन्य।

समस्तीपुर/पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीएस पांडे और कुलाधिपति डॉ पीएल गौतम ने आज विश्वविद्यालय के विजिटर एवं महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन जाकर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुलपति डॉक्टर पांडेय एवं डॉ गौतम ने उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी और विश्वविद्यालय के कार्यो को द्रुत गति से करने के लिए अन्य आवश्यकताओं के विषय में चर्चा की। महामहिम राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के दीक्षारम्भ कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि यह एक अच्छा कदम है और देश के अन्य विश्वविद्यालयों मे भी दीक्षारम्भ कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस दौरान महामहिम ने कुलपति को विश्वविद्यालय को 10 पेटेंट प्रदान किए जाने एवं अन्य विशिष्ट अनुसंधानो के लिए बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय को इसी तरह के तीव्र प्रगति की आवश्यकता है जिससे कि किसानो का फायदा हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के डिजिटल एग्रीकल्चर के विषय मे भी जानकारी हासिल की और विश्वविद्यालय मे महिलाओं को दिए गए ड्रोन ट्रेनिंग को लेकर बधाई दी। मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को लेकर भी चर्चा हुई और ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही दीक्षांत समारोह की तिथि निश्चित की जा सकती है। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित किया।

कार्यक्रम • पूसा विवि में मशरूम उत्पादन व विपणन के विषय पर किसानों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण

देश में खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ावा देने में सूबे के किसानों की भूमिका काफी अहम

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के संचार केंद्र स्थित पंचतंत्र सभागार में मशरूम उत्पादन एवं विपणन के विषय पर किसानों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे आधार विज्ञान एवं मानविकी संकाय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ. अमरेश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अमरेश चंद्र ने कहा कि देश में खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ावा देने में बिहार के किसानों की भूमिका काफी अहम है। किसानों के बदौलत ही गांव गांव में कृषि क्रांति लाकर देश के लोगों को भरपेट भोजन मिलना आज संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि देश अब खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज के भाग दौड़ भरे जीवन में मानव शरीर को खाद्यान्न के रूप में न्यूट्रिएंट्स की जरूरत है। शरीर को बेहतर विटामिन देने के लिए समुचित भोजन करना जरूरी हो गया है। उन्होंने खासकर तीन तरह के एम पर प्रकाश डालते हुए कहा की मिलेट्स, मशरूम एवं दूध आज मौजूदा समय की मांग है। इन तीनों एम के उत्पादन और इसके सेवन पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन तीनों एम को आपस में जोड़कर मानव शरीर को एक बेहतर पोषक तत्व भोजन के रूप में दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में बिहार ने देश स्तर पर पहचान बनाया है जिसमें मशरूम वैज्ञानिक डॉ. दयाराम की अहम भूमिका है।

पूसा में प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. अमरेश चंद्र।

पूसा में प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद किसान व अन्य।

सकारात्मक सोच के साथ व्यवसाय करने से किसानों को मिलेगा बेहतर परिणाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि नकारात्मक सभ्यता में सकारात्मक सोच के साथ व्यवसाय करने पर ही किसानों को बेहतर परिणाम मिल सकते है। गांव स्तर पर छोटा सा झोपड़ी में मशरूम उत्पादन हो रहा है। किसी भी व्यवसाय को न्यूनतम से शुरु करके ही ज्यादा आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। बिहार में न्यूनतम से ही मशरूम उत्पादन की शुरूआत की गई थी जो आज 35 हजार मीट्रिक टन प्रतिवर्ष के उत्पादन पर पहुँच गया है। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रसार शिक्षा उपनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. अनुपमा कुमारी ने कहा की मशरूम की खेती बिना खेत की खेती हैं। इस प्रशिक्षण में आत्मा दरभंगा द्वारा लाए गए कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। मौके पर सुरेश कुमार, सूरज कुमार आदि मौजूद थे।

देश में बटन मशरूम की मांग और खपत दोनों ज्यादा

प्रतिभागियों से आग्रह करते हुए डीन डॉ. चंद्रा ने कहा कि वे विश्वविद्यालय के टेक्नोलॉजी को अपने आप में समाहित कर बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ओयस्टर मशरूम का उत्पादकता दर जहां काफी अधिक है। वही इस प्रभेद का उत्पादन करना भी काफी आसान है। हालांकि देश स्तर पर बटन मशरूम की मांग और खपत दोनों ज्यादा है। इसके हिसाब से बटन मशरूम का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है। मशरूम के क्षेत्र में बीज निर्माण कर बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सकती हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में औषधीय गुणों से भरपूर मशरूम का सेवन जहां मानव शरीर के लिए अत्यंत ही लाभकारी हैं। वही मशरूम के प्रयोग से विभिन्न तरह के लाजवाब व्यंजनों को बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इतना ही नही मशरूम उत्पादन से निकलने वाले अवशेष पदार्थो का प्रयोग किसान फसलों में जैविक खाद के रूप में कर सकते हैं। इस जैविक खाद को खेतों में डालकर किसान जलवायु परिवर्तन को भी कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में प्रशिक्षण महज एक लेनदेन के मामले तक सीमित रह गया है। आज के दौर में कृषि वैज्ञानिक भी किसानों से ही जानकारी लेकर खेती में आने वाली समस्याओं का निपटारा करने में लगे है। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त हुए ज्ञान के विषय में वैज्ञानिकों को अपना फीडबैक देने की जरूरत है। प्रतिभागी जब ऐसा करेंगे तो विश्वविद्यालय में चल रहे अन्य प्रशिक्षण में भी सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा।

Dainik Bhaskar 28-01-2024

सर्दी का सितम • 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है अधिकतम तापमान

न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री; पछिया हवा के कारण धूप में भी कनकनी, अभी राहत नहीं

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

मौसम विभाग के अनुसार इस महीने अब भी कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी और इस कारण ठंड व गलन जैसी स्थिति बनी रहेगी। हालांकि देर सुबह 10-11 बजे से धूप खिलेगी, जिससे लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। सुबह के समय मध्यम व हल्का कुहासा छाए रहने की संभावना है। वहीं इस दौरान अधिकतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हालांकि जिले में मौसम अभी भी काफी सर्द है। देर से ही सही लेकिन पिछले दो दिनों से दिन में धूप निकलने के कारण लोगों को काफी राहत मिली है। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं वह न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हालांकि 7.2 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली पछिया हवा ने मौसम में कनकनी बनाए रखी। सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 100 फीसदी व दोपहर में 77 फीसदी रही। ठंड व कुहासा से ट्रेनों के परिचालन पर भी प्रभाव पड़ा है। इस कारण 25 जनवरी को नई दिल्ली से चली गाड़ी संख्या 12566 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 25 घंटे की देरी से 27 जनवरी को समस्तीपुर पहुंची। वही गाड़ी संख्या 02570 नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन 27 घंटे देरी से चल रही थी। इसके अलावा 19038 बरौनी ब्रांद्रा 7 घंटा लेट से चल रही थी। 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 5 घंटे की देरी से चल रही थी। वहीं गाड़ी संख्या 12569 दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन 12 घंटे की देरी से चल रही थी।

सुबह में घना कुहासा, देर से निकलेगी धूप

सुबह में कुहासे के बीच सड़कों पर लाइट जलाकर चली गाड़ियां।

बसंतकालीन ईंख की रोपाई का उचित समय सूर्यमुखी की बुआई शुरू कर सकते हैं किसान

किसान सूर्यमुखी की बुआई शुरू कर सकते हैं। बुआई से पूर्व किसान 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए केबीएसएच-1, केबीएसएच 44, एमएसएफएच 1, एमएसएफएच 8 एवं एमएसएफएच 17 अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करें। बसंतकालीन ईंख एवं शकरकन्द की रोपाई व बुआई अब शुरू की जा सकती है। अक्टूबर-नवम्बर महीनों में रोपी गई ईंख की फसल में सिंचाई करें।

आम व लीची में मंजर आने का समय, बागानों में नहीं करें जुताई

आम व लीची में मंजर आने का समय है। इसलिए किसान अपने आम व लीची के बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बागानों में जहां दीमक की समस्या हो, क्लोरपाईरिफॉस 20 ईसी/2.5 मीली प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस-पास की मिट्टी में छिड़काव करने से दीमक की उग्रता में कमी आती है। मधुआ एवं दहिया कीटों का प्रकोप कम करने के लिए वृक्षों में इमिडाक्लोप्रीड 17.8 एसएल अथवा साइपरमेथीन 10 ईसी/1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। घुलनशील गंधक (सल्फर) 80 डब्लूपी/2 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप छिड़काव करने से आने वाले समय में पीउड्री मिल्डेय की उग्रता में कमी आती है।

इस महीने के अंत तक कोल्ड डे की स्थिति बने रहने की संभावना है। सुबह के समय मध्यम से घना कुहासा छाया रह सकता है। हालांकि इस दौरान दिन में धूप भी निकलेगी।

- डॉ. अब्दुस सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

Dainik Bhaskar 28-01-2024

माघ के आंगन में ठंड का ठाठ

उत्तर बिहार में अगले चार दिनों तक बनी रहेगी कोल्ड डे की स्थिति

संवाद सहयोगी, पूसा : बीते 20 दिनों से ठंड ठाठ में है। इन दिनों में मुश्किल से चार से पांच रोज ही धूप निकली होगी, नहीं तो सूर्यदेव भी दुबके रहे। पछिया हवा के कारण ठिठुरन और कनकनी ने कहर बरपाया। कुहासे के कारण लोग घरों में छुपे रहे। बाजार में भी सन्नाटा ही दिख रहा है। गणतंत्र दिवस पर छुट्टी के बावजूद बाजार और पार्क में उत्सव नजर नहीं आया। स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी चहल-पहल कम ही दिख रही है। उत्तर बिहार में बीते एक सप्ताह में चार स्कूली छात्रों की ठंडजनित बीमारी से मौत के बाद डरे-सहमे अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं। इधर,

8 से 10 किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी, सुबह में रहेगा मध्यम कुहासा

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर बिहार में कोल्ड डे की स्थिति अगले चार दिनों तक बनी रहेगी। हालांकि, कुछ देर धूप निकलने के बाद हल्की राहत मिलेगी।

सामान्य से कम तापमान : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार का कहना है कि अगले तीन-चार दिनों तक सुबह 11 बजे के बाद सूर्यदेव का दर्शन होगा। कोल्ड डे की स्थिति अभी बनी रहेगी। पछिया हवा चलने के कारण धूप के बावजूद कनकनी वाली ठंड लगेगी। हालांकि, ठंड का प्रकोप पिछले दिनों के अनुपात में कम होगा। अगले चार से पांच दिनों में आठ से 10 किलोमीटर की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी। सुबह में मध्यम कुहासा लगेगा। अधिकतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान आठ से नौ डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। शनिवार को अधिकतम तापमान 15.5 एवं न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से छह व न्यूनतम सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे

Dainik Jagran 28-01-2024

जवान, किसान के साथ अनुसंधान भी जरूरी

- विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की महती भूमिका होगी
- दीक्षारंभ कार्यक्रम में सांस्कृति कार्यक्रमों की रही धूम

संस, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित विद्यापति सभागार में एक महीना से चल रहे दीक्षारंभ व प्रदीक्षणा कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। अध्यक्षता कुलपति डा पीएस पांडेय ने की। मुख्य अतिथि डा. राम अवतार सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच वाले इंसानों एवं छात्र छात्राओं को सुंदर संस्कार प्राप्त होते हैं। जय जवान, जय विज्ञान, जय किसान के साथ ही जय अनुसंधान के नारा के साथ अपने वक्तव्यों की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत देश को आगामी वर्ष 2047 तक विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की महती भूमिका होगी। धरती पर 84 लाख योनियों के कुशल पालन एवं संचालन के लिए ईश्वर ने सर्वप्रथम विभिन्न प्रकार के संपदाओं का निर्माण किया। उसके बाद मानव जाति का उद्भव किया। जिससे सभी जीव जंतुओं सहित मानव को पर्याप्त आहार की प्राप्ति होती है। मानव जीवन में उपयोग होने वाले सभी कार्यों को मूर्तरूप देने के लिए मानसिक एवं शारीरिक रूप से योगाभ्यास की जरूरत है। छात्र छात्राओं की ओर मुखातिब होते हुए उन्होंने योगाभ्यास को परिभाषित किया। कहा कि योग के समय मुख्य रूप से सांसों की गति पर काबू रखने की जरूरत है। योग एवं प्राणायाम का बेहतर प्रतिफल प्राप्त होता है। चित्तवृतियों को शांत कर ही कोई भी योग या प्राणायाम सफल होता है। दीक्षारंभ कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान को जीवन में उतारने, कमर को सीधा कर बैठने की भी अपील की। कुलपति डा पीएस पांडेय ने कहा कि देश के सभी माता पिता का बच्चों के प्रति एक सपना होता है। विश्वविद्यालय प्रधान होने के नाते यही सपना अपने वि में अध्ययनरत छात्र छात्राओं से हम शिक्षकों का भी है। स्वागत भाषण कुलसचिव डा मृत्युंजय कुमार ने दिया। वैज्ञानिक सह दीक्षारंभ कमेटी के समन्वयक डा. विनीता सतपति ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान आकर्षक लोक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। संचालन डा. कुमारी अंजली ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. मिथिलेश कुमार सिंह ने। मौके पर डीन डा. पीपी श्रीवास्तव, डा उषा सिंह, डा पीपी सिंह, डा मयंक राय, डा अमरेश चंद्र, डा एम एस कुंडू, निदेशक अनुसंधान डा अनिल कुमार सिंह, डा रामदत्त, डा. मुकेश कुमार, डा. महेश कुमार आदि मौजूद रहे।

संबोधित करते मुख्य अतिथि डाक्टर सिंह व अन्य • जागरण

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं • जागरण

Dainik Jagran 29-01-2024

विवि ने 4 करोड़ का बीज बेच बनाया रिकार्ड

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि ने इस वर्ष बीज बिक्री से चार करोड़ रुपये का रिकार्ड राजस्व प्राप्त किया है। यह विवि के बीज की गुणवत्ताा व किसानों के बीच भरोसे का परिचायक बताया गया है। विवि से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष विवि के बीज निदेशालय ने धान, गेहूं, मक्का, दलहन, तेलहन एवं श्री अन्न की 8858 क्विंटल बीज की बिक्री की। जिससे विवि को कुल चार करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ।

Hindustan 28-01-2024

मशरूम उत्पादन एवं विपणन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, मिलेगी जानकारी

न्यूट्रीशनल सिक्यूरिटी को बढ़ावा देना समय की है मांग: डॉ. अमरेश

कृषि विवि

- डीन ने दरभंगा के चयनित किसानों को दी जानकारी
- कम लागत में मशरूम उत्पादन के तरीके बताए

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के आधार विज्ञान एवं मानविकी संकाय के डीन डॉ. अमरेश चन्द्रा ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में फूड सिक्यूरिटी के साथ अब न्यूट्रीशनल सिक्यूरिटी को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसमे मिलेट्स, मशरूम एवं मिल्क की भूमिका अहम है। इसके लिए किसान, वैज्ञानिक व सरकार का सामूहिक प्रयास जरूरी है।

वे शनिवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में दरभंगा के चयनित किसानों को संबोधित कर रहे थे। मौका था मशरूम उत्पादन एवं विपणन विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में बिहार अग्रणी है। इसे बरकरार रखने के साथ हर थाली तक पौष्टिक आहार पहुंचाने में मशरूम एक बेहतर विकल्प है। इसे और गति देने के लिए उत्पादन के साथ प्रसंस्करण व मार्केटिंग को भी बढ़ावा देना जरूरी है। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुंडू ने कहा कि मशरूम क्षेत्र में विकास करने के लिए न्यूनतम से शुरू कर सरलतम का उपयोग करने की जरूरत है। साथ ही समूह या एफपीओ बनाकर इसके वैल्यू एडेड प्रोडक्ट निर्माण की गति को बढ़ावा देना जरूरी है। उपनिदेशक प्रसार डॉ. अनुपमा कुमारी ने कहा कि यह एक कैश क्रॉप है। यह खेती बगैर खेत के फार्मूले पर पर कार्य कर रहा है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या व घट रही खेती योग्य भूमि के दौर में यह मशरूम उत्पादकों के लिए आर्थिक समृद्धि का बेहतर विकल्प है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर की गई।

पूसा कृषि विवि में प्रशिक्षुओं को संबोधित करते डीन व अन्य।

Hindustan 28-01-2024

नृत्य व मार्च पास्ट में केंद्रीय विद्यालय पहले स्थान पर

- कृषि विवि में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस
- छात्र-छात्राओं के बीच प्रतियोगिता भी हुई

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने ध्वजारोहण कर समारोह की शुरुआत की। इस दौरान मनमोहक व किसानोपयोगी झांकी, मार्च पास्ट व नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें चयनित प्रतिभागी टीम को कुलपति ने पुरस्कृत किया। स्कूल स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय पूसा प्रथम, कैंपस पब्लिक स्कूल द्वितीय व राजेंद्र शिशु सदन को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। झांकी में शिशु सदन, कैंपस पब्लिक स्कूल व केंद्रीय विद्यालय, पूसा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार पाया। इधर मार्च पास्ट में केंद्रीय विद्यालय प्रथम, कैंपस पब्लिक स्कूल द्वितीय व शिशु सदन ने तृतीय स्थान पाया। विवि व महाविद्यालय स्तर पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में मत्स्यकी महाविद्यालय प्रथम, पीजीसीए द्वितीय व टीसीए, ढ़ोली तीसरे स्थान पर रहा। झांकी में जलवायु परिवर्तन पर प्रस्तुत पीजीसीए की झांकी ने प्रथम स्थान पाया।

Hindustan 28-01-2024

छात्रों का हुआ बीमा, 5 लाख तक का मिलेगा लाभ

पूसा। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के छात्रों को अब बीमा की सुविधा मिलेगी। इसके तहत छात्रों का मेडिकल हेल्थ इन्श्योरेंस व दुर्घटना बीमा किया जायेगा। मिली जानकारी के अनुसार इसके तहत छात्रों को मेडिकल हेल्थ इन्श्योरेंस में 1.25 लाख का कवरेज होगा। वहीं दुर्घटना बीमा के तहत 5 लाख का कवरेज बीमा कंपनी करेगी। विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय की पहल पर यह नई पहल शुरू की गई है।

Hindustan 28-01-2024

गणतंत्र दिवस पर कुलपति ने किया परेड का निरीक्षण, गिनाये विवि की उपलब्धियां

राष्ट्रीय सहारा 28/1/24 पेज 5

समस्तीपुर/पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन के पार्क में 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर निदेशक अधिष्ठाता वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामना देते हुए वैशाली के लिच्छवी गणराज्य के बारे में बताते हुए बिहार को प्रजातंत्र का जनक बताया। उन्होंने कहा कि बीते वर्षो में भारत एक परिपक्व गणतंत्र देश के रूप में उभर कर सामने आया है। इसको लेकर उन्होंने संविधान निर्माताओं को नमन किया। डॉ पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने में छात्र-छात्राओं की भूमिका अहम होती है। हमारे छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है जिसका प्रमाण पिछले साल के नेट परीक्षा परिणाम से परिलक्षित होता है। उम्मीद है कि छात्र इस बार भी उत्‍कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय छात्रों के लिए मेडिकल हेल्थ इंश्योरेंस की शुरुआत किया है जिसमें एक लाख पच्चीस हजार का स्वास्थ्य बीमा व पांच लाख का दुर्घटना कवरेज बीमा कंपनी देगी। उन्होंने ने कहा कि विवि में डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम का शुरुआत किया जाएगा। वही विश्वविद्यालय से 2024 में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्लेसमेंट की प्रक्रिया की शुरूआत विगत माह से किया गया है। वैज्ञानिकों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उन्हीं के अनुभव एवं योग्यता से दस पेटेंट मिला है जो गर्व की बात है। समारोह का संचालन कुमारी अंजनी एवं मीनाक्षी द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार, निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, निदेशक बीज डॉ डी के रॉय, अधिष्ठाता डॉ अंवरीश कुमार, डॉ उषा सिंह, डॉ मयंक राय, डॉ पीपी श्रीवास्तव, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन,राजेश कुमार सहित निदेशक अधिष्ठाता वैज्ञानिक छात्रा उपस्थित थे।

कार्यक्रम • डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में एक माह से चल रहा दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन हुआ

वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की भूमिका होगी काफी अहम : राम अवतार

भास्कर न्यूज़ | पूसा

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में विगत एक माह से चल रहा दिक्षारंभ- प्रदिक्षणा कार्यक्रम रविवार को संपन्न हो गया। इस अवसर पर प्रदक्षिणा कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता जहाँ विवि के कुलपति डा. पीएस पांडेय ने की। वही प्रदिक्षणा कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली के संस्कारी योगगुरु सह प्रेम सुख अंतरराष्ट्रीय चैरिटेबल ट्रस्ट के फाउंडर सह चेयरमैन डा. राम अवतार सिंह मौजूद थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा. राम अवतार सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच वाले इंसान व छात्र- छात्राओं को सुंदर व उच्च स्तरीय संस्कार प्राप्त होता है। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान एवं जय अनुसंधान के नारो से अपने वक्तव्यों की शुरुआत करते हुए कहा की भारत देश को आगामी वर्ष 2047 तक विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की भूमिका काफी अहम होगी। उन्होंने कहा कि देश को अच्छे इंसानों की जरूरत है। धरती पर 84 लाख योनियों के कुशल पालन एवं संचालन के लिए ईश्वर ने सर्वप्रथम विभिन्न प्रकार के संपदाओं का निर्माण किया तथा उसके बाद ही भगवान ने धरती पर मानव जाति का उद्भव किया। उन्होंने कहा की बिहार की सभी वस्तुएं श्रेष्ठ है। उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ- साथ विशेष रूप से पीएम मोदी को दिल के गहराईयों से साधुवाद दिया। छात्र- छात्राओं की ओर मुखातिब होते हुए उन्होंने योगाभ्यास को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि योग के समय एवं मुख्य रूप से सांसों की गति पर काबू रखने की जरूरत है। योग एवं प्राणायाम करने से उसका बेहतर प्रतिफल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि शरीर के अंदर स्थापित 9 दरवाजे की सफाई केवल प्राणायाम योग से किया जाता है।

सकारात्मक सोच वाले इंसान व छात्र- छात्राओं को सुंदर व उच्च स्तरीय संस्कार प्राप्त होता है

पूसा विवि में कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. राम अवतार सिंह।

पूसा विवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी व अतिथि।

विवि में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सर्वगुण संपन्न

कुलपति डा. पीएस पांडेय ने कहा कि देश के सभी माता पिता का अपने बच्चों के प्रति एक सपना होता है। विवि प्रधान होने के नाते यही सपना अपने विवि में अध्ययनरत छात्र- छात्राओं से हम शिक्षकों का भी है। विवि में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सर्वगुण संपन्न हो तथा सभी तरह के कार्यो में निपुणता हासिल करें ताकि इससे वे जिस क्षेत्र में जहां भी जाएं वहां उस क्षेत्र के कार्यो में महारत हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि भारत ऋषि एवं कृषि का देश है। इसे संवारने में किसान एवं छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान होगा। स्वस्थ जीवन की परिकल्पना के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास की आदत डालने की जरूरत है। आहार एवं व्यवहार को चुस्त दुरुस्त रखने की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा कि एक माह तक चले इस दिक्षारंभ कार्यक्रम पर एक फिल्म भी बनाने का निर्णय लिया गया है।

लोक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी

वैज्ञानिक सह दीक्षारंभ कमिटी के समन्वयक डा. बिनीता सतपति ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रदक्षिणा कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं के द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक लोक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि को प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत प्रतियोगिता में शामिल प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। संचालन वैज्ञानिक डा. कुमारी अंजली एवं धन्यवाद ज्ञापन दिक्षारंभ के सदस्य डा. मिथिलेश कुमार सिंह ने किया। मौके पर डीन डा. पीपी श्रीवास्तव, डा. उषा सिंह, डा. पीपी सिंह, डा. मयंक राय, डा. अमरेश चंद्र, डा. एम एस कुंडू, निदेशक अनुसंधान डा. अनिल कुमार सिंह, डा. रामदत्त, डा. मुकेश थे।

Dainik Bhaskar 29-01-2024

मौसम • 5.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछिया हवा के कारण कम नहीं हो रही कनकनी

न्यूनतम तापमान पहुंचा 6 डिग्री पर, 18.9 डिग्री रहा अधिकतम तापमान, धूप निकलने से मिली थोड़ी राहत

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

सुबह के समय घना कुहासा छाए रहने व ठंड के कारण रविवार को कनकनी बनी हुई थी। हालांकि देर सुबह धूप निकलने के कारण लोगों को काफी राहत मिली। रविवार को दिन में धूप निकलने से लोगों को काफी राहत मिली। दिन का अधिकतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि यह सामान्य से 4.8 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 5.4 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली पछिया हवा ने कनकनी बनाए रखी। सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 100 फीसदी व दोपहर में 67 फीसदी रहा। बता दें कि ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस महीने के अंत तक कोल्ड डे की स्थिति बने रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इस दौरान सुबह में मध्यम से घना कुहासा छाया रह सकता है। हालांकि इस दौरान दिन में धूप भी खेलेगी। और इस अवधि में अधिकतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कुहासे के कारण परिचालन व फसलों पर भी असर

धूप निकलने के साथ बाजारों में बढ़ी चहल-पहल।

इस महीने के अंत तक 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान रह सकता है। न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री के बीच रह सकता है। सुबह में कुहासा छाया रहेगा। कनकनी बनी रहेगी। हालांकि दिन में धूप निकलेगी।
– डॉ. अब्दुस सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

कुहासे के कारण देरी से चल रही ये ट्रेनें

- नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल गाड़ी संख्या 02570 अपने निर्धारित समय से 17 घंटे 10 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 15654 जम्मूतवी-गुवाहाटी अमरनाथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 13 घंटा 8 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 12436 आनंद विहार-जयनगर गरीब रथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 12 घंटा 32 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 12566 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 9 घंटे 36 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 02569 दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल निर्धारित समय से 9 घंटा 26 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा क्लोन स्पेशल निर्धारित समय से 8 घंटा 39 मिनट देरी से चल रही थी।
- गाड़ी संख्या 12562 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 8 घंटा 21 मिनट देरी से चल रही थी।

Dainik Bhaskar 29-01-2024

आज का मौसम

डा . राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि अगले-दो तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार में प्रचंड ठंड पड़ेगी। कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। सामान्य से काफी नीचे तापमान रहेगा। सोमवार की रात का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
29 जनवरी	22	09
30 जनवरी	22	10
दरभंगा		
29 जनवरी	21	10
30 जनवरी	22	10
पटना		
29 जनवरी	22	11
30 जनवरी	23	12

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 29-01-2024

जवान, किसान के साथ अनुसंधान भी जरूरी

- विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की महती भूमिका होगी
- दीक्षारंभ कार्यक्रम में सांस्कृति कार्यक्रमों की रही धूम

संबोधित करते मुख्य अतिथि डाक्टर सिंह व अन्य • जागरण

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं • जागरण

संस, पूसा : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित विद्यापति सभागार में एक महीना से चल रहे दीक्षारंभ व प्रदीक्षणा कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। अध्यक्षता कुलपति डा पीएस पांडेय ने की। मुख्य अतिथि डा. राम अवतार सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच वाले इंसानों एवं छात्र छात्राओं को सुंदर संस्कार प्राप्त होते हैं। जय जवान, जय विज्ञान, जय किसान के साथ ही जय अनुसंधान के नारा के साथ अपने वक्तव्यों की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत देश को आगामी वर्ष 2047 तक विश्वगुरु बनाने की दिशा में किसानों की महती भूमिका होगी। धरती पर 84 लाख योनियों के कुशल पालन एवं संचालन के लिए ईश्वर ने सर्वप्रथम विभिन्न प्रकार के संपदाओं का निर्माण किया। उसके बाद मानव जाति का उद्भव किया। जिससे सभी जीव जंतुओं सहित मानव को पर्याप्त आहार की प्राप्ति होती है। मानव जीवन में उपयोग होने वाले सभी कार्यों को मूर्तरूप देने के लिए मानसिक एवं शारीरिक रूप से योगाभ्यास की जरूरत है। छात्र छात्राओं की ओर मुखातिब होते हुए उन्होंने योगाभ्यास को परिभाषित किया। कहा कि योग के समय मुख्य रूप से सांसों की गति पर काबू रखने की जरूरत है। योग एवं प्राणायाम का बेहतर प्रतिफल प्राप्त होता है। चित्तवृतियों को शांत कर ही कोई भी योग या प्राणायाम सफल होता है। दीक्षारंभ कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान को जीवन में उतारने, कमर को सीधा कर बैठने की भी अपील की। कुलपति डा पीएस पांडेय ने कहा कि देश के सभी माता पिता का बच्चों के प्रति एक सपना होता है। विश्वविद्यालय प्रधान होने के नाते यही सपना अपने वि में अध्ययनरत छात्र छात्राओं से हम शिक्षकों का भी है। स्वागत भाषण कुलसचिव डा मृत्युंजय कुमार ने दिया। वैज्ञानिक सह दीक्षारंभ कमेटी के समन्वयक डा. विनीता सतपति ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान आकर्षक लोक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। संचालन डा. कुमारी अंजली ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. मिथिलेश कुमार सिंह ने। मौके पर डीन डा. पीपी श्रीवास्तव, डा उषा सिंह, डा पीपी सिंह, डा मयंक राय, डा अमरेश चंद्र, डा एम एस कुंडू, निदेशक अनुसंधान डा अनिल कुमार सिंह, डा रामदत्त, डा. मुकेश कुमार, डा. महेश कुमार आदि मौजूद रहे।

दीक्षारंभ छात्रों के सर्वांगीण विकास की नींव: वीसी

कृषि विवि

- विवि में 30 दिवसीय दीक्षारंभ का समापन
- विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

कृषि विवि के विद्यापति सभागार में छात्र प्रतिभागियों के साथ कुलपति व अन्य।

पूसा, निज संवाददाता। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि दीक्षारंभ छात्रों के सर्वांगिंग विकास की नींव है। यह छात्रों के ह्रदय परिवर्तन के साथ गुरू-शिष्य परंपरा को स्थापित करने का मूल मंत्र है। इसके सहयोग से छात्रों की प्रतिभा पहचान, संस्कार प्रवेश, स्वस्थ्य व कार्यो की निपुणता हासिल करने का बेहतर प्लेटफार्म है।

इसको प्रभावी बनाकर छात्रों के चहुंमुखी विकास की जा रही है। जिससे देश की विकसित भारत की संकल्पना को पूरा किया जा सके। वे रविवार को विवि के विद्यापति सभागार में वैज्ञानिको व छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मौका था एक माह से जारी दीक्षारंभ के समापन कार्यक्रम के तहत प्रदक्षिणा समारोह का। योग गुरू डॉ. रामअवतार सिंह ने कहा कि जब देश के लोग स्वयं को भारतीय या हिन्दू कहना शुरू कर दें। उस दिन के बाद देश को विश्व गुरू बनने की राह आसान हो जायेगी। निदेशक शिक्षा डॉ. उमांकांत बेहरा ने कहा कि दीक्षारंभ समारोह व नेचुरल फार्मिंग कोर्स पहली बार पूसा में होते दिख रहा है। विनिता शतपति ने बीते 30 दिनों में दीक्षारंभ कार्यक्रम की उपलब्धियों से अवगत कराया।

स्वागत करते कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार ने कहा कि बिहार मां सीता, बुद्ध, जैन, गुरू गोविंद सिंह, आर्यभट्, बाल्मीकी, चंद्रगुप्त, चाणक्य, विद्यापति, रामधारी सिंह दिनकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जैसों की धरती है। बच्चों में अच्छे संस्कारो की बीज डालने में दीक्षारंभ समारोह की भूमिका अहम हैं।

संचालन कुमारी अंजनी व धन्यवाद डॉ. विकास कुमार ने किया। इस दौरान ज्योति, साक्षी, संजना, आस्था आनंद, हियास्मीता, तुल्सिका ब्रिन्द समेत दर्जनों छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। वहीं बीते दिनों में आयोजित प्रतियोगिताओं में चयनित प्रदीप, सागर, आदित्य प्रकाश, अबोदिश, संभ्रात, दिक्षा, मालनी, प्रज्ञा, चंदन, स्मृति, वत्सला, राजदीप, आयुष्मान, साल्वी, अनन्या, अविनाश यादव आदि को पुरस्कृत किया गया।

Hindustan 29-01-24

कर्तव्यपालन से पूरी हो सकेगी विकसित भारत की परिकल्पना : डॉ पीएस पांडेय

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि व अन्य.

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार में नव नामांकित छात्राओं के लिए आयोजित 30 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम के समापन पर प्रदक्षिणा कार्यक्रम हुआ. जिसकी शुरुआत मुख्य अतिथि व कुलपति ने दीप जलाकर किया. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संस्कार योग गुरु डॉ रामअवतार सिंह ने दीक्षांत को छात्रों के जीवन का अहम कड़ी बताया. उन्होंने कहा कि योग का मतलब जोड़ना है. जिसे अपना कर मनुष्य स्वस्थ रह सकता है. प्रदक्षिणा कार्यक्रम के दौरान उन्होंने योग के कई आसन की जानकारी दी. योगासन को जीवन का आधार व कला बताते हुए विलुप्त होते संस्कार को बढ़ावा देने की जरूरत पर अपनी बातों को रखा. वहीं गुरुकुल शिक्षा एवं पेड़-पौधा से जुड़े विषय पर विस्तृत चर्चा की.

कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने संबोधित करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम सिद्धांत व हृदय परिवर्तन का मूल मंत्र है. उन्होंने कहा कि नागरिकों के अपने कर्तव्यपालन से विकसित भारत की परिकल्पना को पूरा किया जा सकता है. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र अतिथि व कुलपति ने दिया. उन्होंने कहा कि दीक्षारंभ से छात्रों का चौतरफा विकास होगा. कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने बिहार के गौरवमयी इतिहास से जुड़ी बात को रखा.

कार्यक्रम को निदेशक शिक्षा डॉ उमाकांत बेहरा व डॉ विनीता सतपथी ने संबोधित किया. संचालन डॉ कुमारी अंजनी ने किया. मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह, डॉ एमएस कुंडू, अधिष्ठाता डॉ मयंक राय, डॉ उषा सिंह, पीपी श्रीवास्तव, डॉ अमरेश चंद्रा आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Mon, 29 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74447167

कार्यक्रम • जलवायु परिवर्तन व कीटनाशकों में बढ़ते प्रतिरोध विषय पर युवा वैज्ञानिकों के लिए 21 दिवसीय कोर्स का शुभारंभ

खेतों में कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से कीटों में उत्पन्न हो रहा प्रतिरोध : डॉ. अजय कुमार सिंह

भास्कर न्यूज | पूसा

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि पूसा में सोमवार को जलवायु परिवर्तन व कीटनाशकों में बढ़ते प्रतिरोध से संबंधित विषय पर युवा वैज्ञानिकों के लिए 21 दिवसीय शीतकालीन कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व विवि के कुलगीत से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बिहार कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ.अजय कुमार सिंह ने कहा कि वातावरण में परिवर्तन का असर अब सामान्य लोगों को भी दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि वातावरण परिवर्तन के कारण कीटों के व्यवहार एवं उनके लाइफ साईकिल में भी परिवर्तन आ रहा है। कीट मौसम में परिवर्तन के कारण अपने स्थानीय निवास में भी परिवर्तन कर रहे हैं। उसके कारण ऐसे कीट जो पहले कुछ स्थानों पर नहीं थे वे सब भी किसानों को

कीटनाशकों के सीमित मात्रा में इस्तेमाल की किसानों को दें जानकारी

पूसा विवि में कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक।

परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग होना चाहिए क्योंकि कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से कीटों में प्रतिरोध उत्पन्न हो रहा है जिस कारण उसका असर कीटों पर उत्तरोतर कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय की आवश्यकता है कि जलवायु अनुकूल प्र भेदों को विकसित किया जाये। इसके साथ ही अनुसंधान को भी जलवायु अनुकूल तकनीको की ओर विशेष रूप से केन्द्रित करना होगा। जिससे कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेती पर कम पड़े। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन को देखते हुए वैज्ञानिकों को क्रॉप कैलेन्डर परिवर्तन से संबंधित अनुसंधान करके किसानों को जानकारी देने की जरूरत है। कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का ऐतिहासिक महत्व है और यहां से सीखने के बाद विभिन्न राज्यो के आये वैज्ञानिक एवं शिक्षक इसका उपयोग अपने क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निबटने के लिए कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन का असर कृषि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों पर दिख रहा है। इसका समाधान तलाशना कृषि वैज्ञानिकों के लिए बड़ी चुनौती है। मौसम में परिवर्तन का असर कीटों के जैविक संरचना एवं उसके डीएनए पर भी पड़ता है। जिसके कारण उसमें प्रतिरोध विकसित हो जाता है। और यह प्रतिरोध एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानान्तरित होता रहता है। उन्होंने कहा कि इस शीतकालीन कोर्स का विषय बहुत ही सामयिक है।

आधुनिक व पुरानी तकनीकों के मिश्रण से किसानों के लिए अनुसंधान करें वैज्ञानिक

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में कई बाह्य विशेषज्ञों को भी उनके व्याख्यान के लिए बुलाया गया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे आधुनिक व पुरानी तकनीकों के मिश्रण से किसानों के लिए नवोन्मेषी तकनीक पर अनुसंधान करें। जिससे कि कम लागत में किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध हो सके। डीन पीजीसीए डॉ.मयंक राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डीन डॉ.पीपी सिंह एवं कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ.उद्यन मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ.सुधानंदनी एवं धन्यवाद डॉ. पुष्पा सिंह ने किया। मौके पर विवि पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.राकेशमणी शर्मा, डॉ. डीके सिन्हा, डॉ.महेश कुमार, डॉ.सतीश कुमार सिंह, डॉ.अनुपमा कुमारी आदि मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 30-01-2024

आज का मौसम

डा . राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में बताया कि अगले-दो तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम बिहार में प्रचंड ठंड पड़ेगी। कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। सामान्य से काफी नीचे तापमान रहेगा। सोमवार की रात का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
30 जनवरी	24	10
31 जनवरी	23	09
दरभंगा		
30 जनवरी	24	10
31 जनवरी	24	09
पटना		
30 जनवरी	26	11
31 जनवरी	25	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 30-01-2024

सब्जी पर किसान लगातार करें निगरानी

संस, पूसा : रबी मौसम में लगाई गई सब्जियों के फसल पर तापमान का बुरा असर पड़ा है। इससे उसमें कई बीमारियां उत्पन्न हुई है। जनवरी महीने में सामान्य से 10 डिग्री नीचे तक तापमान रहने एवं सूर्य प्रकाश नहीं निकलने के कारण इस मौसम में उगाई जाने वाली मटर बींस, आलू , टमाटर, फूलगोभी आदि सब्जी फसलों पर काफी प्रतिकुल असर पड़ा है। पत्ते झुलस रहे हैं। फल में भी वृद्धि नहीं हो रही है। यहां तक कि पॉलीहाउस में लगी सब्जी भी इसकी चपेट में आ गए हैं। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के उद्यान वैज्ञानिक डा. नीरज का बताना है कि मौसम का

रोग ग्रस्त फसल की तस्वीर • जागरण

प्रभाव सब्जी के फसलों पर पड़ा है। उन्होंने बताया कि किसान सब्जी के खेतों में हल्की नमी बनाए रखें एवं प्रत्येक दिन खेत में लगे सब्जी की फसलों की निगरानी करें। रोग दिखाई देते हीं तुरंत दवा का छिड़काव करें। इस समय सब्जियों में अधिकांश झुलसा रोग लगते हैं। इसके बचाव के लिए मेटालक्सील 8 प्रतिशत एवं मैंन्कोजेब 64 फीसदी डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें। इसके साथ गुनगुना पानी में एस्ट्रोप्टोसाक्लीन 2 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर सब्जी की फसलों पर छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर इसे 5 से 7 दिन के बाद दोबारा भी दी जा सकती है। इसपर भी सुधार नहीं लगे तो रीडोमिल ढ़ाई ग्राम प्रत्येक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

Dainik Jagran 30-01-2024

जलवायु अनुकूल अनुसंधान करने की आवश्यकता

संस, पूसा : डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में सोमवार को जलवायु परिवर्तन एवं कीटनाशकों के बढ़ते प्रभाव प्रतिरोध विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि बिहार कृषि वि के पूर्व कुलपति डा.अजय कुमार सिंह ने कहा कि वातावरण में परिवर्तन का असर अब सामान्य लोगों को भी दिखने लगा है। इस कारण कीटों के व्यवहार एवं उनके लाइफ साईकिल में भी परिवर्तन आ रहा है। कीट मौसम में परिवर्तन के कारण अपने स्थानीय निवास में भी परिवर्तन कर रहा हैं। उसके कारण ऐसे कीट जो पहले कुछ स्थानों पर नहीं थे। वे सब भी किसानों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से कीटों में प्रतिरोध उत्पन्न हो रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. अजय कुमार एवं वैज्ञानिक • जागरण

उसका असर कीटों पर उत्तरोतर कम हो रहा है। कहा कि समय की आवश्यकता है कि जलवायु अनुकूल प्रभेदों को विकसित की जाए। इसके साथ ही अनुसंधान को भी जलवायु अनुकूल तकनीक की ओर विशेष रूप से केन्द्रित करना होगा। इससे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेती पर कम पड़े। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन को देखते हुए विज्ञानियों को क्रॉप कैलेंडर परिवर्तन से संबंधित अनुसंधान करके किसानों को देना चाहिए। कुलपति डा.पीएस पाण्डेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का ऐतिहासिक महत्व है। यहां से सीखने के बाद विभिन्न राज्यों के आए विज्ञानी एवं शिक्षक इसका उपयोग अपने क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निबटने के लिए कर सकेंगे। अनुसंधान के प्रति भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन का असर कृषि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों पर दिख रहा है। इसका समाधान तलाशना कृषि विज्ञानियों के लिए बड़ी चुनौती है। मौसम में परिवर्तन का असर कीटों की जैविक संरचना एवं उसके डीएनए पर भी पड़ता है। इसके कारण उसमें प्रतिरोध विकसित हो जाता है। यह प्रतिरोध एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानान्तरित होता रहता है। उन्होंने कहा कि इस शीतकालीन कोर्स का विषय बहुत ही सामायिक है। और इसमें कई बाहय विशेषज्ञों को भी उनके व्याख्यान के लिए बुलाया गया है। डीन पीजीसीए डा.मयंक राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डीन डा.पीपी सिंह एवं कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.उद्यन मुखर्जी ने भी अपने विचारों को रखा। संचालन डा.सुधानंदनी एवं धन्यवाद डा. पुष्पा सिंह ने किया। मौके पर वि पुस्तकालयध्यक्ष डा.राकेशमणी शर्मा, डॉ. डीके सिन्हा, डा. महेश कुमार, डा.सतीश कुमार सिंह, डा. अनुपमा कुमारी आदि मौजूद रहे।

Dainik Jagran 30-01-2024

आयोजन | विवि में जलवायु परिवर्तन एवं कीटनाशको में बढ़ते प्रतिरोध विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन कोर्स शुरू हुआ

जलवायु अनुकूल प्रभेद व क्रॉप कैलेंडर में बदलाव जरूरी

- जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिकों ने की चर्चा
- आधुनिक तकनीक से खेती पर दिया जोर

पूसा, निज संवाददाता। बिहार कृषि विवि सबौर के पूर्व कुलपति डॉ.अजय कुमार सिंह ने कहा कि मौसम के बदलते परिवेश में जलवायु अनुकूल प्रभेद व तकनीकी विकास एवं क्रॉप कलेन्डर में बदलाव जरूरी है। जिससे किसान इसका समुचित लाभ ले सके।

वे सोमवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में वैज्ञानिको को संबोधित कर रहे थे। मौका था जलवायु परिवर्तन एवं कीटनाशको में बढ़ते प्रतिरोध से संबंधित विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन कोर्स के उद्घाटन सत्र का। उन्होंनें अंधाधुंध कीटनाशको के प्रयोग पर कहा कि इसका सीधा असर कीटों के व्यवहार व उसके लाईफ साईकिल पर पड़ता है। कीटनाशको के अधिक प्रयोग से कीटो पर उसका असर उतरोत्तर कम हो रहा है। विवि के कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने कहा कि यह प्रशिक्षण वैज्ञानिको को जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं के निदान व नये अनुसंधान में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कम लागत में किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक व पुराने तकनीको के मिश्रण से नई तकनीको का विकास लाभकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौसम में परिवर्तन का असर कीटों के जैविक संरचना एवं उसके डीएनए पर भी पड़ता है। मौके पर डीन पीजीसीए डॉ.मयंक राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डीन डॉ.पीपी सिंह एवं कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ.उद्यन मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ.सुधानंदनी एवं धन्यवाद डॉ. पुष्पा सिंह ने किया। मौके पर डॉ.पीके झा, डॉ.आरके झा, डॉ.रंजन लायक, डॉ.आर सुरेश, डॉ.राकेशमणी शर्मा, डॉ. डीके सिन्हा, डॉ. महेश कुमार, डॉ.सतीश कुमार सिंह, डॉ. अनुपमा कुमारी, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. नीलान्जय, डॉ. बिरेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

सोमवार को कृषि विवि के पंचतंत्र सभागार में वैज्ञानिकों को संबोधित करते पूर्व कुलपति और मंच पर बैठे वैज्ञानिक।

Hindustan 30-01-2024

मौसम परिवर्तन का समाधान तलाशना बड़ी चुनौती : कुलपति

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति.

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पंचतंत्र सभागार में सोमवार को जलवायु परिवर्तन के दौर में कृषि पर कीटनाशी के प्रयोग से कीट के बढ़ते प्रतिरोध क्षमता विषय से जुड़े 21 दिवसीय शीतकालीन विद्यालय का शुरुआत हुई. शुभारंभ कुलपति ने दीप जलाकर किया. मुख्य अतिथि बिहार कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि वातावरण में परिवर्तन का असर अब सामान्य लोगों को भी दिखने लगा है. उन्होंने कहा कि वातावरण परिवर्तन के कारण कीटों के व्यवहार व उसकी जीवन शैली में भी परिवर्तन हो रही है. मौसम में परिवर्तन के कारण कीट अपने स्थानीय निवास में भी परिवर्तन कर रहे हैं. उसके कारण ऐसे कीट जो पहले कुछ स्थानों पर नहीं थे वे अब सभी किसानों को परेशान कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि कीटनाशी के ज्यादा प्रयोग से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता उत्पन्न हो रहा है. उन्होंने कहा कि समय के मांग अनुसार जलवायु अनुकूल प्रभेदों को विकसित किया जाना चाहिए. अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिकों को जलवायु अनुकूल तकनीकों की ओर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित करने को प्रेरित किया. कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का ऐतिहासिक महत्व है. यहां से सीखने के बाद विभिन्न राज्यों से आये वैज्ञानिक एवं शिक्षक इसका उपयोग अपने क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निबटने के लिए कर सकेंगे. नवोन्मेषी अनुसंधान के प्रति भी प्रेरित होंगे. मौसम परिवर्तन का असर कृषि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है. इसका समाधान तलाशना कृषि वैज्ञानिकों के लिए बड़ी चुनौती है. मौसम में परिवर्तन का असर कीटों के जैविक संरचना एवं उसके डीएनए पर भी पड़ता है. जिसके कारण उसमें प्रतिरोध विकसित हो जाता है. यह प्रतिरोध एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता रहता है. उन्होंने कहा कि इस शीतकालीन कोर्स का विषय बहुत ही सामयिक है. इसमें कई वाह्य विशेषज्ञों को भी उनके व्याख्यान के लिए बुलाया गया है. कृषि स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. मयंक राय ने कार्यक्रम का रूपरेखा प्रस्तुत की. अधिष्ठाता डॉ. पीपी सिंह एवं कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ उदयन मुखर्जी ने भी अपनी बातों को रखा. संचालन डॉ सुधानंदनी व धन्यवाद पाठ्यक्रम निदेशक डॉ पुष्पा सिंह ने किया. मौके पर विवि पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेशमणि शर्मा, डॉ पीके झा, डॉ आरके झा, डॉ महेश कुमार, सलोनी चौहान, रौशनी अग्निहोत्री, कुमारी अंजनी सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Tue, 30 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74455439

राष्ट्रीय सहारा 30/1/24 पेज 5

आधुनिक व पुरानी तकनीकों से नवोन्मेषी तकनीक पर करें कृषि अनुसंधान : वीसी

समस्तीपुर (एसएनबी)। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में सोमवार को जलवायु परिवर्तन एवं कीटनाशको में बढ़ते प्रतिरोध से संबंधित विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन व विवि के कुलगीत से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप् में बोलते हुए बिहार कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि वातावरण में परिवर्तन का असर अब आम आदमी को भी दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि वातावरण परिवर्तन के कारण कीटों के व्यवहार एवं उनके लाईफ साईकिल में भी परिवर्तन आ रहा है।

जिस कारण वे अपने स्थानीय निवास में भी परिवर्तन कर रहे है। फलतः कई कीट जो पहले कुछ स्थानों पर नही थे, वहां भी अब वे किसानों को परेशान कर रहे हैं। कीटनाशको के सीमित मात्रा में प्रयोग की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि कीटनाशको

संबोधित करते वीसी व अन्य।

के अधिक प्रयोग से कीटों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो रही है जिससे उसका असर कीटों पर उत्तरोतर कम हो रहा है। डॉ सिंह ने कहा कि जलवायु अनुकूल प्रभेदों व तकनीक को विकसित करना समय की मांग है। जिससे कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेती पर कम पड़े। अपने संबोधन में कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय ने कहा कि मौसम परिवर्तन का असर .षि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों पर दिख रहा है। इसका समाधान तलाशना कृषि वैज्ञानिको के लिए बड़ी चुनौती है। यहां से सीखने के बाद विभिन्न राज्यो के आये वैज्ञानिक एवं शिक्षक इसका उपयोग अपने क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निबटने के लिए कर सकेंगे तथा नवोन्मेषी अनुसंधान के प्रति भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि इस शीतकालीन कोर्स का विषय बहुत ही सामायिक है। और इसमें कई बाहय विशेषज्ञों को भी उनके व्याख्यान के लिए बुलाया गया है। उन्होंने वैज्ञानिको से आग्रह किया कि वे आधुनिक व पुरानी तकनीको के मिश्रण से किसानों के लिए नवोन्मेषी तकनीक पर अनुसंधान करें। जिससे कि कम लागत में किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध हो सके। इसके पुर्व डीन पीजीसीए डॉ. मयंक राय ने विषय प्रवेष कराते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डीन डॉ.पीपी सिंह एवं कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ.उद्यन मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ. सुधानंदनी एवं धन्यवाद डॉ. पुष्पा सिंह ने किया। मौके पर विवि पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेशमणी शर्मा, डॉ. डीके सिन्हा, डॉ.महेश कुमार, डॉ.सतीश कुमार सिंह, डॉ. अनुपमा कुमारी आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय सहारा 30/1/24 पेज 3

सांसद ने की आत्मनिर्भर कृषि- सह- बागवानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला के सफल आयोजन के लिये समीक्षा बैठक

मोतिहारी(एसएनबी)। आज स्थानीय सांसद राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, मोतिहारी सभागार में आत्मनिर्भर कृषि- सह- बागवानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला के सफल आयोजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कृषि विज्ञान केंद्र, पिपरा कोठी, मोतिहारी में दिनांक 10, 11 व 12 फरवरी 2024 को आत्मनिर्भर कृषि- सह- बागवानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इसकी तैयारी हेतु निर्णय लिया गया कि मेले के प्रथम दिन 10 फरवरी को पशुधन कल्याण पर संगोष्ठी होगी, दूसरे दिन 11 फरवरी को दीनदयाल जी के जन्मदिन पर गरीब किसान सम्मेलन, महिला किसान सम्मेलन एवं अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन होगा। जिसमें देश-विदेश के किसान, छात्र एवं कृषि वैज्ञानिक शामिल होंगे। अंतिम दिन 12 फरवरी को कृषि -सह-बागवानी विस्तार सम्मेलन होगा। बैठक में डीएम सौरभ जोरवाल, उप विकास आयुक्त समीर सौरभ, कृषि एवं कृषि संबंध क्षेत्र के जिला स्तरीय पदाधिकारीगण ,20 एफपीओ के पदाधिकारी , डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के पांच निदेशक के अलावा कॉलेज के डीन एवं महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान के डायरेक्टर एवं स्थानीय सभी प्रमुख वैज्ञानिक उपस्थित थे।

बैठक करते राधामोहन व डीएम।

पोखर में रंगीन मछलियों का पालन कर मत्स्य पालक कमा सकते हैं ज्यादा मुनाफा : कुंडु

मछली उत्पादन व्यवसाय से किसान कर सकते 10 गुणा अधिक आमदनी

भास्कर न्यूज | पूसा

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित संचार केंद्र के पंचतंत्र सभागार में मत्स्यपालकों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विवि के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस कुंडू ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. एमएस कुंडु ने कहा कि एक एकड़ क्षेत्रफल के तालाब से किसान वैज्ञानिक विधि से मछलीपालन कर लाखों रुपए की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाली को बनाएं रखने के लिए जल की जरूरत होती है इसलिए बिहार सरकार की ओर से जल जीवन हरियाली योजना को वृहत पैमाने पर चलाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा की मत्स्यपालक किसान कम जगह में ब्योफ्लोक्स विधि से मत्स्यपालन कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि आजकल रंगीन मछलियों का डिमांड भी मार्केट में काफी अधिक बढ़ गया है ऐसी स्थिति में रंगीन मछलियों का पालन भी मत्स्यपालकों के लिए अत्यंत ही लाभकारी हैं। इस प्रशिक्षण में भोजपुर जिला से पहुंचे कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रसार शिक्षा उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने किया। मौके पर पुरुषोत्तम पांडेय, विजय कुमार, दीपक कुमार आदि मौजूद थे।

पूसा में प्रशिक्षणार्थियों के साथ मौजूद डॉ. एमएस कुंडु।

Dainik Bhaskar 31-01-2024

कृषि • डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड ने किसानों को दी सलाह

मिट्टी की गुणवत्ता को बनाएं रखने के लिए फसल चक्र को अपनाना जरूरी : वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज़ | पूसा

फसल चक्र एक ऐसी विधि है जिसमें किसानों को अतिरिक्त लागत कुछ नहीं लगता

मिट्टी की गुणवत्ता को बनाएं रखने के लिए फसल चक्र को अपनाना बेहद जरूरी है। मौजूदा समय में मृदा की उर्वरक क्षमता लगातार घटती जा रही है। बिहार के अधिकांश किसान अपने खेतों में ज्यादा मात्रा में रासायनिक उर्वरक और पेस्टिसाइड का प्रयोग कर रहे है जिसके कारण खेतों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंच रहा है। खेतों को इस नुकसान से बचाने के लिए फसल चक्र किसानों के लिए एक कारगर उपाय है। ये जानकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के पादप रोग विभाग के हेड सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि फसल चक्र एक ऐसी विधि है जिसमें किसानों को अतिरिक्त लागत कुछ नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि फसल चक्र का मतलब जैसे कोई किसान अपने खेत में मकई लगाता है और जब मकई की फसल समाप्त हो जाती है तो वह किसान उस खेत में फलियों वाली दलहनी फसल लगा दें। चूंकि मकई की फसल खेतों से बहुत अधिक नाइट्रोजन की खपत करती है और फलियाँ मतलब दलहनी फसल नाइट्रोजन को वापस मिट्टी में लौटा देती हैं। उन्होंने बताया कि एक साधारण फसल चक्र में दो या तीन फसलों तथा एक जटिल फसल चक्र में एक दर्जन से अधिक फसलों को शामिल किया जा सकता है। कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि यदि कोई किसान हर साल एक ही खेत में एक ही फसल लगाता है तो वह पारंपरिक खेती कहलाता है।उन्होंने बताया कि फसल चक्र से कृत्रिम आदानों के बिना पोषक तत्वों को मिट्टी में वापस लाने में मदद मिलती है। फसल चक्र कीट और रोग चक्रों को बाधित करने के साथ-साथ विभिन्न फसलों की जड़ संरचनाओं से बायोमास बढ़ाकर मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने, खेत पर जैव विविधता को बढ़ाने आदि की दिशा में भी काम करता है।

फसल चक्र के तहत खेतों में लगी एक से अधिक फसलें।

निश्चित समय वाली फसलों को लगातार बदल बदलकर खेतों में लगाना ही फसल चक्र

डॉ. एसके सिंह ने कहा कि किसी निश्चित भूमि में निश्चित समय वाली फसलों को लगातार अदल-बदलकर बोना ही फसल चक्र कहलाता है। किसी क्षेत्र की भूमि, जलवायु एवं अन्य वातावरणीय कारकों के आधार पर भिन्न-भिन्न फसल चक्र अपनाये जा सकते है। उन्होंने बताया कि फसल चक्र के निर्धारण में यह यह ध्यान रखा जाता है कि कम गहरी जड़ वाली फसलों के बाद गहरी जड़ वाली फसलों को उगाना चाहिए जैसे-अरहर के बाद गेहूँ और दलहनी फसल के बाद गैर-दलहनी फसलों की बुआई खेतों में करनी चाहिए। अधिक खाद एवं पानी की आवश्यकता वाली फसलों के बाद कम खाद व कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती करनी चाहिए। इससे किसानों को काफी लाभ होगा।

Dainik Bhaskar 31-01-2024

आज का मौसम

डा . राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विज्ञानी डा . ए सत्तार के अनुसार अगले दो दिनों तक 3 से 5 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से पूरबा हवा चलने की संभावना है। इसके बाद पछिया हवा चलेगी। 31 जनवरी को सुबह में घना कुहासा लगने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
31 जनवरी	22	08
1 फरवरी	23	09
दरभंगा		
31 जनवरी	23	09
1 फरवरी	24	09
पटना		
31 जनवरी	25	10
1 फरवरी	25	11

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 31-01-24

कोहरे को हरा धूप की 'मंगल' जीत

छाए रहेंगे हल्के से मध्यम बादल, पुरवा हवा चलने की संभावना

संवाद सहयोगी, पूसा (समस्तीपुर) : कोहरा और पछिया हवा से जंग में मंगलवार को धूप की जीत हुई। सुबह सात बजते-बजते सूर्य ने दर्शन दिया। ठंड से अस्त-व्यस्त जीवन सामान्य नजर आया। देर रात कुहासा देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि धूप निकलेगी, लेकिन सुबह राहत लेकर आई। पछिया हवा भी और दिनों की अपेक्षा शांत रही।

आठ बजते-बजते अच्छी धूप खिल गई और चार बजे तक इसका प्रभाव रहा। जिले के अधिकतर स्कूल खुले रहे। इससे चहल-पहल भी रही। लंबे समय बाद स्कूल जाने से बच्चों में काफी उत्साह दिखा। इधर, पार्कों और मैदानों में बैठने वालों की संख्या बढ़ गई थी। ठंड की वजह से आमतौर पर कई कार्यों को टालने वालों के सामने मंगलवार को कोई बहाना नहीं मिला। घर से निकलकर उसे पूरा किया। महिलाएं भी हाट-बाजार पहुंचकर खरीदारी कीं। हालांकि, चार बजे के बाद कनकनी और गलन ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया था। पांच बजते-बजते सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। ठेले-खोमचे वाले जल्दी-जल्दी अपनी दुकान समेटने लगे।

22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया मंगलवार का अधिकतम तापमान

6.9 डिग्री सेल्सियस रहा न्यूनतम तापमान सतर्कता बरतने की सलाह

2 फरवरी के आसपास उत्तर बिहार में हल्की वर्षा या बूंदाबांदी की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ की दिख रही सक्रियता

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के मौसम विज्ञानी डा. ए सत्तार के अनुसार, अगले दो-तीन दिनों तक तीन से पांच किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की संभावना है। इसके बाद पछिया हवा चलेगी। 31 जनवरी को सुबह में घना कुहासा लगने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण आसमान में हल्के से मध्य बादल छाए रहेंगे। दो फरवरी के आसपास उत्तर बिहार के जिलों में कई जगहों पर हल्की वर्षा या बूंदाबांदी होगी।

अधिकतम तापमान लगभग सामान्य : मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान आठ से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग द्वारा मंगलवार का अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। अधिकतम तापमान लगभग सामान्य है, वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दो फरवरी को वर्षा की संभावना को देखते हुए विज्ञानी ने कृषि कार्य में सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

Dainik Jagran 31-01-24

लगातार कोहरा व कड़ाके की ठंड से आलू व सरसों को भारी नुकसान

पटना। विगत 30 दिनों से जारी कड़ाके की ठंड व कोहरे के कारण गेहूं को छोड़कर तिलहनी व दहलनी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे अधिक क्षति सरसों व आलू को हुई है। सरसों पर गलका रोग का प्रकोप दिख रहा है। वहीं अगात सरसों की फसल में जनवरी में 10 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान रहने से पुष्पण, फलन व परागण प्रभावित है। तिलहनी फसलों को 20 से 30 फीसदी का नुकसान हो सकता है। अधिकतर जिलों में आलू की 30 से 40 फीसदी फसल बर्बाद हो गई है।

गोपालगंज में 48 सौ हेक्टेयर में तिलहन की खेती हुई है। करीब 40 फीसदी फसल के बर्बाद होने का अनुमान है। उधर, झुलसा रोग लगने से आलू की करीब 70 फीसदी फसल प्रभावित हुई है। औरंगाबाद में अधिक ठंड के कारण आलू, दलहन और तिलहनी फसलों को नुकसान पहुंचा है। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अनूप चौबे ने बताया कि गेहूं की फसल में 10 फीसदी तक और दलहन व तिलहन फसलों में 15 फीसदी उत्पादन में कमी आएगी।

आरा में देर से बोये गये सरसों के पौधों में लाही का प्रकोप बढ़ गया है। 15 से 20 फीसदी नुकसान आलू की फसल को हुआ है। भोजपुर जिले में 9730 हेक्टेयर में चना, 7372 हेक्टेयर में मसूर, 4892 हेक्टेयर में सरसों और 60837 हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई है। हाजीपुर में समय से जिन किसानों ने आलू, दलहन और तिलहनी की बुआई की उनकी फसल सुरक्षित और अच्छी है। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. वेद नारायण सिंह ने बताया कि 10 जनवरी के बाद पाला

बेगूसराय में झुलसी आलू की फसल। ● हिन्दुस्तान

30 से 40 फीसदी आलू की फसल हुई बर्बाद अधिकतर जिलों में

- 20 से 30 फीसदी तक तेलहन के उत्पादन में आएगी गिरावट
- पिछात बुआई वाली फसलों को ठंड में हुआ है अधिक नुकसान

“ लगातार कोहरा छाये रहने से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया सही तरीके से नहीं हो पाती है और पौधों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता, इससे फसल की बढ़वार कम या रुक जाती है। इस वर्ष ऐसा ही हुआ है।– **डॉ. अनूप चौबे**, मौसम वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र औरंगाबाद

गिरा है, जिससे लेट वेरायटी की फैसलों को क्षति हुई है।

सारण जिले में गेहूं को छोड़कर अन्य सभी फसलों को नुकसान पहुंचा है। अधिक ठंड के कारण सबसे अधिक नुकसान आलू, दलहन और तिलहनी फसलों को हुआ है। नवादा जिले में फसलों पर मौसम की मार न के बराबर ही हुई है। हालांकि टमाटर समेत कुछ सब्जियों पर ज्यादा ठंड के कारण झुलसा की मार पड़ी है।

सीवान में ठंड से आलू, मटर, टमाटर, सरसों व अरहर को नुकसान पहुंचा है। 40 फीसदी तक आलू को नुकसान पहुंचा है। बेगूसराय में पिछले एक पखवाड़े से शीतलहर के कारण गेहूं को फायदा हुआ है। हालांकि, आलू व पिछात सरसों को कुछ नुकसान हुआ है। सहायक निदेशक पौध संरक्षण रीमा कुमारी ने बताया कि जिले में मौसम के कारण आलू में झुलसा की शिकायत मिली है। सासाराम में 50 प्रतिशत आलू की फसल बर्बाद हो गई है। इसबार जिले में करीब 6263 हेक्टेयर भूमि में आलू की खेती की गई थी। कैमूर, बक्सर में ठंड के कारण आलू व दलहनी फसल को नुकसान पहुंचा है।

HIndustan 31-01-2024

मछलियों का कारोबार बनायेगा स्वावलंबी व समृद्ध: डॉ. कुंडू

कृषि विवि के पंचतंत्र सभागार में प्रशिक्षणार्थियों के साथ निदेशक व अन्य।

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एमएस कुडू ने कहा कि मछली पौष्टिक होने के साथ व्यवसाय का बेहतर विकल्प है। राज्य में इसके व्यापार की अपार संभावनाएं है। जरूरत है इसके नवीनतम तकनीको को सीखकर इसे जमीनी स्वरूप देने की।

वे मंगलवार को विवि के पंचतंत्र सभागार में मत्स्यपालको को संबोधित कर रहे थे। मौका था मत्स्यपालको के छह दिवसीय प्रशिक्षण के उदघाटन सत्र का। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऑरनामेंटल मछलियों का कारोबार बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इसे गति देने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने सामूहिक प्रयास पर जोर दिया। जिससे बेहतर बाजार मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए विवि व सरकार हरसंभव प्रयास में जुटी है। जरूरत है इसका लाभ लेकर आर्थिक रूप से समृद्ध व रोजगार का विस्तार करने की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता व सरकार की अपेक्षाओं को पूर्ण करने को इसे जमीनी स्वरूप देने की जरूरत है। उपनिदेशक प्रसार सह प्रशिक्षण निदेशक डॉ.जितेन्द्र प्रसाद ने कि प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सरकार की इस पहल की सराहना की।

HIndustan 31-01-2024